



वार्षिक प्रतिवेदन 2016 - 17

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्ड - 175005, हिमाचल प्रदेश, भारत

दृष्टिकोण

विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन तथा नवाचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो।

लक्ष्य

- ◆ व्यक्तिगत एवम् सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाज के लाभार्थ ज्ञान सृजन करना ।
- ◆ शिक्षा द्वारा ऐसे व्यवसायी तैयार करना जो विशेषतः हिमालय क्षेत्र के विकास एवम् अन्ततः राष्ट्र तथा मानवता के विकास में नव प्रवर्तन उत्पादों एवम् प्रक्रियाओं के माध्यम से नेतृत्व कर सकें ।
- ◆ समाज एवम् उद्योग की समस्याओं विशेषकर हिमालय क्षेत्र की संवेदनशील पर्यावरणीय प्रकृति के लिये शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्वीकृति के समाधान प्रस्तुत करने की भावना से युक्त दक्ष उद्यमी तैयार करना ।
- ◆ भावी पीढ़ी के अभियंताओं, वैज्ञानिकों एवम् शोधकर्त्ताओं को प्रेरित करने में सक्षम प्राध्यापक प्रशिक्षित करना ।
- ◆ शिक्षा और शोध के उपर्युक्त लक्ष्यों के अनुसरण में अत्याधुनिक और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु उद्योग के साथ सक्रिय भूमिका निभाना ।
- ◆ प्रतिभा एवम् उत्कृष्टता से परिपूर्ण सम्मानजनक कार्य संस्कृति विकसित करना ।

विषय

1. निदेशक की कलम से	
2. शैक्षणिक स्वरूप	1
2.1 स्कूल	
2.2 उपाधि कार्यक्रम	
2.3 प्रारूप व्यवहार्य दृष्टिकोण	
2.4 आँकड़े	
• बैच, लिंग और जाति के आधार पर छात्रों की संख्या	
• लिंग के आधार पर प्राध्यापकों और कर्मचारी वर्ग की संख्या	
• संस्था और स्कूल द्वारा कुल प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास	
3. प्रारूप व्यवहार्य	17
4. शैक्षणिक स्कूल	20
4.1 संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	20
• प्राध्यापक	
• अनुसंधान परियोजनाएँ	
• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति	
• राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
• पेटेंट	
• प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय	
• सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र	
• लोक सम्पर्क कार्यक्रम / अनवरत शिक्षा गतिविधियाँ	
• उद्योग / क्षेत्रीय दौरे / आमंत्रित व्याख्यान	
• विशेष उपलब्धि / आदर एवं सम्मान / व्यावसायिक समितियों की सदस्यता	
• विकसित उत्पाद / प्रौद्योगिकियाँ / नयी सृजित अनुसंधान सुविधाएँ	
• अन्य उपलब्धियाँ	
4.2 अभियांत्रिकी स्कूल	51
• प्राध्यापक	
• अनुसंधान परियोजनाएँ	
• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति	
• नवीकरणीय ईंधन और आईसी ईजन प्रयोगशाला में स्थापित कुछ महत्वपूर्ण उपकरण	
• अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
• राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / कार्यशालाओं में उपस्थिति / प्रस्तुत पत्र	
4.3 आधार विज्ञान स्कूल	69
• प्राध्यापक	
• पोस्ट डॉक्टरेट सहभागी	
• अनुसंधान परियोजनाएँ	
• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति	
• राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
• सम्मेलनों में वार्ता / कार्यशालाओं में उपस्थिति / प्रस्तुत पत्र और दौरे	
• लोक सम्पर्क कार्यक्रम	
• उपलब्धियाँ / आदर एवं सम्मान	
• अन्य गतिविधियाँ	
• नयी सृजित / स्थापित अनुसंधान सुविधाएँ	
• दर्ज पेटेंट	
• अन्य उपलब्धियाँ	
4.4 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	97
• प्राध्यापक	
• अनुसंधान परियोजनाएँ	

	<ul style="list-style-type: none"> ● प्रकाशित पुस्तकें / अनुवाद (विशेष लेख) / पुस्तक अध्याय ● राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र ● राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र ● आमंत्रित व्याख्यान / अनवरत शिक्षा कार्यक्रम ● आयोजित सम्मेलनों और कार्यशालाओं में उपस्थिति ● उपलब्धियाँ / आदर एवं सम्मान ● व्यावसायिक निकायों की सदस्यता ● लोक सम्पर्क कार्यक्रम ● अन्य उपलब्धियाँ 	
5.	सहमति ज्ञापन (एमओयू)	105
6.	महत्त्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र	108
	6.1 उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)	
	6.2 इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (सी4डीएफईडी)	
	6.3 बायो एक्स	
7.	अनुसंधान समूह	118
	7.1 यूएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (यूएचएल)	
	7.2 प्रारूप और नवोत्पाद केन्द्र; पेटेन्ट, प्रारूप और नवोत्पाद संस्कृति	
	7.3 बहुमाध्यम विश्लेषण और प्रणालियाँ (एमएसएस)	
	7.4 संघनित तत्त्व भौतिक विज्ञान	
8.	ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	121
9.	केन्द्रीय पुस्तकालय	122
10.	दीक्षान्त समारोह	124
11.	छात्र सुविधाएँ और गतिविधियाँ	125
	11.1 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	
	11.2 मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)	
	11.3 तकनीकी समिति / साहित्यिक समिति / सांस्कृतिक समिति / अनुसंधान मामला समिति	
	11.4 देहाती व पहाड़ी लम्बी यात्रा	
	11.5 विशेष कार्यक्रम	
	11.6 कैरियर एवं स्थानन विवरण	
	11.7 भूतपूर्व छात्र मामले	
12	कमान्द में हमारा स्थायी परिसर	157
13	अभिशासक मण्डल	159
14	वित्त समिति	160
15	भवन एवं कार्य समिति	161
16	प्रबन्ध समिति	162
17	शैक्षिक कर्मचारी	164
18	प्रशासनिक कर्मचारी	165
19	दिनांक 31 मार्च, 2017 तक नियमित कर्मचारियों की सूची	165
20	दिनांक 31 मार्च, 2017 तक अनुबन्ध कर्मचारियों (समेकित वेतनमान पर) की सूची	166
21	दिनांक 31 मार्च, 2017 तक प्रतिनियुक्त / बाह्य सेवा कर्मचारियों की सूची	166
22	छात्र नेतृत्व 2016-17	167
23	पी.एचडी. छात्र-2016 बैच	167
24	एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) छात्र-2016 बैच	170
25	बी.टैक. छात्र -2016 बैच	170
26	एम.एससी. (रसायन विज्ञान) -2016 बैच	173
27	ऊर्जा अभियांत्रिकी / यांत्रिकी अभियांत्रिकी में एम.टैक.- 2016 बैच	174
28	एम.टैक. (जैव प्रौद्योगिकी)-2016 बैच	175
25	I-पी.एचडी. (भौतिक विज्ञान)-2016 बैच	175



निदेशक की कलम से

हमने अपने 8वें वर्ष का शुभारंभ पूर्ण विकसित आवासीय दक्षिणी परिसर से किया। इस वर्ष आने वाले स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उत्तरी परिसर में नया ब्यास कुण्ड छात्रावास बनाया। इसमें उन्होंने और सपरिवार प्राध्यापकों ने शीघ्र ही प्रवेश किया, जिनमें से मैंने भी अपनी पत्नी और रस्टी (कुत्ता) के साथ प्रवेश किया। वर्ष के अंत तक 'उत्तरी परिसर' तृतीय वर्ष बी.टैक. छात्रों सहित 160 से अधिक छात्रों, सपरिवार 30 प्राध्यापकों और कर्मचारियों का घर बन गया।

हमने वर्ष 2016-17 में 'बायोटैक', 'वीएलएसआई' और 'ऊर्जा प्रणालियाँ' नामक एम.टैक. के 3 नये कार्यक्रम और 'प्रयुक्त गणित' में एक एम.एससी. कार्यक्रम का आरम्भ किया। इनको शामिल करने पर स्नातकोत्तर छात्रों की प्रतिशतता में 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई।

सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् उद्यमी, प्राध्यापक झुनझुनवाला ने दिनांक 15 मई, 2016 को डीएसटी और एचपीसीएम स्टार्टअप योजना द्वारा व्यापक रूप से वित्तपोषित 'भा.प्रौ.सं. मण्डी कैटालिस्ट', प्रौद्योगिकी कारोबार अनुसंधानक का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। इसके प्रथम वर्ष में कैटालिस्ट ने अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये और पहले से ही भा.प्रौ.सं. मण्डी तथा हिमाचल प्रदेश के अनेक स्टार्टअप्स का विकास करना आरम्भ कर दिया है।

हमने माह अगस्त, 2016 में आगामी बी.टैक. छात्रों के लिए 5 सप्ताह के अनन्य परिचय कार्यक्रम (5डब्ल्यूआईपी) की शुरुआत की। यह 5डब्ल्यूआईपी बी.टैक. छात्रों को भा.प्रौ.सं. में घर, स्कूल और प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तन में सहायता करता है। इस कार्यक्रम में छात्रों ने अपने पहले पाँच सप्ताह में प्रतिदिन पूर्वाह्न 6 बजे से अपराह्न 10 बजे तक का अधिकतर समय एक साथ व्यतीत किया। इस कार्यक्रम के संचालन में संस्थान के 100 प्राध्यापकों में से 60 प्राध्यापक सम्मिलित थे। प्राध्यापकों की यह भागीदारी उन्हें अन्य संस्थानों से अलग करती है, जहाँ इस प्रकार का प्रशिक्षण बाह्य कम्पनियों और परामर्शदाताओं द्वारा दिया जाता है। इस कार्यक्रम से भा.प्रौ.सं. मण्डी में अभियांत्रिकी और शैक्षिक कौशल विकसित करने के लिए मॉड्यूल लगभग 50 प्रतिशत बन जाता है। अन्य प्रतिरूपकों में खेल-कूद, सृजनात्मक कलाएँ, जीवन कौशल और प्रेरणादायक गतिविधियाँ सम्मिलित हैं।

वर्ष 2016-17 में भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापकों, छात्रों और कर्मचारी वर्ग ने भा.प्रौ.सं. मण्डी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुसंधान और नवोचार का पसंदीदा गंतव्य बनाने की चुनौती पर बहुत कड़ा श्रम किया है। निश्चय ही वर्ष के दौरान उनकी नव पहल आगामी वर्षों के लिए सार्थक होगी।

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
निदेशक

शैक्षणिक स्वरूप

शैक्षिक गतिविधियों में अध्यापन, अधिगम और अनुसंधान को तीन समकोणीय, लेकिन पूरक संरचना के रूप में कार्यान्वित किया है। ये शैक्षिक स्कूल, छात्र उपाधि कार्यक्रम और अनुसंधान समूह हैं। प्रत्येक को एक महत्वपूर्ण लक्ष्य के लिए निर्मित किया गया है। संस्थान के उच्चतम शैक्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये तीनों परस्पर सुगमता से जुड़े हैं। यह स्वरूप बहु विषयक अधिगम और अनुसंधान को प्रोत्साहित करके प्रौद्योगिकी के विकास में अग्रसर है।

स्कूल

प्राध्यापक गण विस्तृत और स्वतन्त्र रूप से निर्धारित स्कूलों से सम्बन्धित हैं। उन प्राध्यापकों के लिए जिनकी रुचि कुछ मौलिक सिद्धान्तों के प्रति है, उन्हें प्रत्येक स्कूल घरेलू वातावरण प्रदान करता है। कुछ प्राध्यापकों की नियुक्ति संयुक्त रूप से अन्य स्कूलों में भी हुई है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने व्यापक रूप से संस्थानों में पारम्परिक विभागों और प्रभागों की परम्परा को इसीलिए नकारकर प्राध्यापकों को वर्गित स्कूलों में नियुक्त किया है, ताकि संस्थान में सक्रिय रूप से एक बहु विषयक संस्कृति विकसित हो सके और सभी क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान और परियोजनाओं को गति मिल सके।

आजकल संस्थान में निम्नलिखित स्कूल संचालित हैं:

- संगणक और विद्युतीय अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई)**
इलैक्ट्रॉनिक्स और अर्धचालक, सांकेतिक प्रक्रिया, स्वचालन और नियन्त्रण तथा विद्युतीय ऊर्जा प्रणाली सहित संगणक विज्ञान, संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी के व्यापक विषयों के प्राध्यापक सदस्य इस स्कूल के भाग हैं।
- अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)**
अभियांत्रिकी के अन्य विषयों (यांत्रिक अभियांत्रिकी और नागरिक अभियांत्रिकी, सामग्री विज्ञान अभियांत्रिकी) के प्राध्यापक इस स्कूल का भाग हैं।
- आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस)**
आधार विज्ञान के सभी विषयों (भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) के प्राध्यापक इस स्कूल का भाग हैं।
- मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएच एवं एसएस)**
अंग्रेजी, जर्मन, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान, प्रबन्धन, इतिहास और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के अन्य विषयों के प्राध्यापक इस स्कूल का भाग हैं।

उपाधि कार्यक्रम:

- निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टैक.) की जाती है:
 - नागरिक अभियांत्रिकी (सीई)
 - संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी (सीएसई)
 - विद्युत अभियांत्रिकी (ईई) और
 - यांत्रिकी अभियांत्रिकी (एमई)
- निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) की जाती है—
 - संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी
 - यांत्रिकी अभियांत्रिकी
 - विद्युत अभियांत्रिकी (नागरिक)
- अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में पी.एचडी.
- रसायन विज्ञान में एम.एससी.
- प्रयुक्त गणित में एम.एससी.
- ऊर्जा प्रणालियों में विशेषज्ञता सहित यांत्रिकी अभियांत्रिकी में एम.टैक.
- सामग्री में विशेषज्ञता के साथ ऊर्जा अभियांत्रिकी में एम.टैक.
- वीएलएसआई में विशेषज्ञता सहित विद्युत अभियांत्रिकी में एम.टैक.

9. जैव प्रौद्योगिकी में एम.टैक.
10. भौतिक विज्ञान में संकलित पी.एचडी.

प्रारूप व्यवहार्य दृष्टिकोण

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बी.टैक. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रारूप अभियंता बनने के लिए प्रशिक्षित करना है, जो सुग्राह्य, प्रारूप बनाने वाले और अभिनव एवं लागत प्रभावी उत्पादों की स्थापना व प्रक्रियाओं का समाज में बड़े पैमाने पर प्रयोग कर सके।

इसके पश्चात् पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में नवोत्थान और प्रारूप को शामिल करना है। यह अधिगम “प्रारूप व्यवहार्य” के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है, जो पाठ्यक्रम में बनता है।

बी.टैक. कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में छात्र “उत्कर्म अभियांत्रिकी” योजना संचालित करते हैं। इसमें छात्रों के दल को एक सामान्य गेजेट/उपकरण दिया जाता है। यह कैसे कार्य करता है? यह जानने के लिए पहले इसके टुकड़े-टुकड़े किये जाते हैं, फिर दोबारा वैसे ही एकत्रित करके व्यवस्थित किया जाता है।

द्वितीय वर्ष के स्तर में छात्र दल उत्पाद सुझावों को प्रस्तावित करते हैं और इन उत्पादों से प्रारूप बनाने के लिए कार्य करते हैं। इनमें बहुत से उत्पाद सुझाव समाज के लिए उपयोगी होते हैं। जो उत्पाद सफलतापूर्वक बनाये और प्रदर्शित किए गए, उनमें पार्क और खाड़ियों के लिए स्वचालित कचरा संचरण मशीन और स्वचालित सड़क सुधार प्रणाली शामिल है।

तृतीय वर्ष के स्तर में छात्रों को “बहु विषयक सामाजिक तकनीकी योजना” (आईएसटीपी) पर कार्य करने का विकल्प मिलता है। इस योजना में बहु विषयक छात्र दल समाज के कुछ मुद्दों/समस्याओं को खोजता है और कई प्रकार से मूल्यांकन करके तकनीकी आधार पर समाधान के सुझाव देता है। आईएसटीपी छात्र दलों में कुछ छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी और डब्ल्यूपीआई, बॉस्टन से थे, जिन्होंने मिलकर कार्य किया।

अन्ततः चतुर्थ वर्ष के दौरान, अन्तिम वर्ष परियोजना में छात्रों को अकेले या दल में कार्य करने का विकल्प मिलता है।

सामान्यतः भा.प्रौ.सं. मण्डी में सभी विषयों में छात्रों को प्रोत्साहित और सक्षम करने के लिए पाठ्यक्रम को इस प्रकार से बनाया जाता है, ताकि वे सुयोग्य तथा सफल अभियंता बने।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 31 मार्च, 2017 को छात्रों का सांख्यिकीय आँकड़ा बैच, लिंग और जाति के आधार पर छात्रों की संख्या

लिंग के अनुसार	2010-11		2011-12		2012-13		2013-14		2014-15		2015-16		2016-17	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
	1	2	11	1	22	5	130	15	144	18	187	43	248	63

वर्ष	बी.टैक. (सीई,सीएसई,ईई,एमई)					एम.एससी. (रसायन विज्ञान)					एम.टैक. (ऊर्जा अभियांत्रिकी)				
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल
2010	---	---	---	---	---	---									---
2011	---	1	1	---	2	---									---
2012	---	2	---	---	2	---									---
2013	57	32	18	9	116	---									---
2014	56	34	13	9	112	---									3
2015	63	36	22	10	131	10	3	3	2	18	1	1	2	1	5
2016	75	40	23	11	149	21	9	7	2	39	15	4	2	1	22
महायोग					512					57					27

दिनांक 31 मार्च, 2017 को छात्र

वर्ष	एम.एस.					पी.एच.डी.					I-पी.एच.डी. (भौतिकी)					
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	
2010	---	---	---	---	---	2	1	---	---	3	---	---	---	---	---	
2011	---	---	---	---	---	6	3	1	---	10	---	---	---	---	---	
2012	---	---	---	---	---	20	5	---	---	25	---	---	---	---	---	
2013	4	---	---	---	4	19	2	---	---	21	---	---	---	---	---	
2014	4	2	---	---	6	30	8	1	---	39	---	---	---	---	---	
2015	12	---	---	---	12	39	13	2	---	54	5	1	---	---	6	
2016	10	2	---	---	12	60	15	8	---	83	5	---	---	---	5	
महायोग					34						235					

वर्ष	अंशकालिक/ईआरपी (एम.एस./पीएच.डी)				
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल
2010	---	---	---	---	---
2011	---	---	---	---	---
2012	---	---	---	---	---
2013	4	---	---	---	4
2014	4	1	---	---	5
2015	4	---	---	---	4
2016	---	1	---	---	1
महायोग					14

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 31 मार्च, 2017 तक प्राध्यापक (लिंग के आधार पर)

लिंग के आधार पर	2016-17		
	पुरुष	महिला	कुल प्राध्यापक
प्राध्यापक	88	19	107

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 31 मार्च, 2017 तक अशैक्षणिक कर्मचारी वर्ग (लिंग के आधार पर)

लिंग के आधार पर	2016-17		
	महिला	पुरुष	कुल कर्मचारी वर्ग
अशैक्षणिक कर्मचारी वर्ग	43	09	52

**वित्तीय वर्ष 2016–2017 में उपलब्ध कुल अनुसंधान और विकास
(प्रायोजित संस्था और शैक्षणिक स्कूल द्वारा)**

क्रम सं.	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित संस्था	प.अ. एवं समन्वयक	विभाग / स्कूल	स्वीकृत धन (रु.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
बाहरी								
1	आईआईटीएम / डीएसटी-वाईएसएस / एजी / 105	सोनिक क्रिस्टल के उपयोग से शान्त हार्ड डिस्क का प्रारूप और प्रकाशीय ड्राइव	वाईएसएस के तहत एसईआरबी	डॉ. अर्पण गुप्ता	अभियांत्रिकी स्कूल	31,66,000	3 वर्ष	2016–17
2	आईआईटीएम / एसईआरबी / पीएम / 107	सामग्री अनिश्चितता के साथ ज्योमितीय अपूर्ण कार्यात्मक ग्रेडिड वक्रीय पैनलों का अरैखिक ऊष्मा विद्युत लचकता विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. मोहम्मद तल्हा	अभियांत्रिकी स्कूल	14,85,000	3 वर्ष	2016–17
3	आईआईटीएम / एसईआरबी / पीएम / 107	हार्डपर इन्सुलिनेमिया की इन्सुलिन रोधकता और मधुमेह के रोगजनन में भूमिका	एसईआरबी	डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल	आधार विज्ञान स्कूल	44,41,352	3 वर्ष	2016–17
4	आईआईटीएम / इसरो-एससीएल / एएच / 108	अर्धचालक प्रयोगशाला (एससीएल में माइक्रो इलैक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोगों हेतु स्वदेशी रासायनिक यांत्रिक पोलिस के घोल का विकास	एससीएल मोहाली	डॉ. अदिती हल्दर (प.अ.), डॉ. वेंकटा कृष्णन सह प.अ. डॉ. ऋक् रानी कोडार (सह प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	69,60,000	3 वर्ष	2016–17
5	आईआईटीएम / एसईआरबी / एसडी / 109	विभेदक-बीजगणितीय प्रणालियों हेतु नियंत्रक अनुकूलन	एसईआरबी	डॉ. सुभाशीष दत्ता	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	14,86,080	3 वर्ष	2016–17
6	आईआईटीएम / डीआरडीओ-कार्ज / वीडी / 110	आईवीडी, वीआर और एआर प्रतिमानों में आभासी संज्ञानात्मक वृद्धि हेतु शारीरिक और संकेत प्रक्रिया उपकरणों के माध्यम से मानव कार्य निष्पादन मॉडलिंग संरचना का विकास	डीआरडीओ	डॉ. वरुण दत्त	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	22,62,850	3 वर्ष	2016–17

7	आईआईटीएम/डी बीटी/एजे/111	कैंसर के उपचार एवं निदान के लिए अभियांत्रिकी नव्य प्लाजमोनिक नैनो कैपसूल	डीबीटी	डॉ. अमित जैसवाल	आधार विज्ञान स्कूल	19,31,000	3 वर्ष	2016-17
8	आईआईटीएम/एसईआरबी/पीएके/112	अंतरिक्ष तापन अनुप्रयोगों के लिए सामग्री परिवर्तन का उपयोग करते हुये सौर ऊर्जा भण्डारण	एसईआरबी	डॉ. प्यादि अनिल किशन	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	31,19,600	3 वर्ष	2016-17
9	आईआईटीएम/एसईआरबी-आर एफ/एनजी/113	रामानुजन फेलोशिप	एसईआरबी	डॉ. नेहा गर्ग	आधार विज्ञान स्कूल	89,00,000	5 वर्ष	2016-17
10	आईआईटीएम/डी एसटी-डीएएडी/एसआरसी/114	मस्तिष्क की चोट में विद्युवीकरण प्रसारण के दौरान इलैक्ट्रोनेसीफेलोग्राफी (ईसीजी) और अवरक्त के समीप समकालिक रिक्तिकोडिंग का उपयोग करते हुये तंत्रिका बंधीय संवहन अन्वोन्य क्रिया का अनुवीक्षण बिन्दु	डीएसटी-डीएएडी	डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	8,25,500	2 वर्ष	2016-17
11	आईआईटीएम/एमएचआरडी (यूएवाई)/एडी/115	सीगनेट प्रबन्धन प्रणाली में विस्तृत दूरसंचार नेटवर्क हेतु उन्नत विस्तृत डाटा विश्लेषण का प्रारूप	एमएचआरडी	डॉ. ए.डी. दिलीप (प.अ.) प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज डॉ. श्रीराम कैलाशम डॉ. आदित्य निगम, डॉ. समर अग्निहोत्री डॉ. वरुण दत्त	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	1,40,00,000	3 वर्ष	2016-17
12	आईआईटीएम/डी एसटी/केजी/116	वाहक चयनित सम्पर्कों के साथ सिलीकोन सौर सैल	डीएसटी	डॉ. कुनाल घोष (प.अ.), (भा.प्रौ.सं. मण्डी) डॉ. अनिल के. साव (सह प.अ.) (भा.प्रौ. सं. मण्डी), डॉ. सौरभ लोधा (भा.प्रौ.सं. मुंबई)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	22,56,600	3 वर्ष	2016-17

13	आईआईटीएम/ डी एसटी/ एसकेएस / 117	भावी पीढ़ी के लिए अर्धचालक उद्योग हेतु आधुनिक स्वदेशी इयूवीएल प्रतिरोधक प्रौद्योगिकी	डीएसटी	डॉ. सतिन्द्र शर्मा (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष, (सह प.अ.) डॉ. प्रदीप परमेश्वरन (सह प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	91,86,760	3 वर्ष	2016-17
14	आईआईटीएम/ डी एसटी/ एकेपी / 118	खतरनाक देवदार के सूखे कांटों का सामाजिक हित के लिए वातावरण के अनुकूल उपयोग	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	आधार विज्ञान स्कूल	19,13,000	2 वर्ष	2016-17
15	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ एडी / 119	दोहरे ईंधन ईंजन में उत्सर्जन कम करने के लिए हाईड्रोजन और अन्य वैकल्पिक ईंधन के योगवाही उपयोग का अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. अतुल धर	अभियांत्रिकी स्कूल	32,29,600	3 वर्ष	2016-17
16	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ पीके / 120	समानांतरणीय किरणपुंज के लिए विकिरण स्थानांतरण समीकरण की सीमित परिमाण विधि हेतु अनुकूली असंरचित कोणीय डीस्क्रीटाईजेशन ग्रिड का विकास	एसईआरबी	डॉ. प्रदीप कुमार	अभियांत्रिकी स्कूल	25,97,100	3 वर्ष	2016-17
17	आईआईटीएम/ एमएचआरडी (यूएवाई)/ एसजी / 121	अर्धचालक उद्योगों के लिए स्वदेशी प्रतिरोधक प्रौद्योगिकी का विकास: भारतीय अर्थव्यवस्था, कुशल श्रम शक्ति विकास और रोजगार संभाव्यता पर प्रभाव	एमएचआरडी	डॉ. सुब्रता घोष, डॉ. सतिन्द्र शर्मा (सह प.अ.), डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन (सह प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	2,39,00,000	3 वर्ष	2016-17
18	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ आर डी / 122	सीमेन्टित प्याले के आकार के कृत्रिम अंग का डिजाइन और असफलता विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. राजेश घोष	अभियांत्रिकी स्कूल	13,59,600		2016-17

19	आईआईटीएम/ एसईआरबी / टीजे / 123	फाल्ट-टोलरेंट मॉडल प्रीडिक्टिव कंट्रोल (पीएआरएएमईडी आईसी) का उपयोग करते हुये अक्षय ऊर्जा अर्थशास्त्र का अनुकूलन	एसईआरबी	डॉ. तुषार जेन	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	23,77,100	3 वर्ष	2016-17
20	आईआईटीएम/ इसरो-एस सीएल / एसजी / 124	एससीएल मोहाली के लिए स्वदेशी फोटोरीसिस्ट अनावृत्त सूत्रीकरण का विकास	एससीएल मोहाली	डॉ. सुब्रता घोष	आधार विज्ञान स्कूल	4,89,850	3 माह	2016-17
21	आईआईटीएम/ इसरो-एससीएल / एसजी / 125	सिटु एक्स रे संकलित टोमोग्राफी खोज में और सीमेन्ट कंक्रीट अंतराफलक संक्रमण क्षेत्र की असफलता में निहित भग्न रचना तंत्र की सांख्यिकीय मॉडलिंग	एसईआरबी	डॉ. रजनीश शर्मा	अभियांत्रिकी स्कूल	37,24,600	3 वर्ष	2016-17
22	आईआईटीएम/डी बीटी / एसकेएम / 126	मॉडल पौधे के रोगाणु रालस्टोनिया सोलेनेसीरम का आरएनए अनुक्रमण के साथ जीनोम पैमाने पर उपापचय सम्बन्धी विश्लेषण का समाकलन और फ्ल्युमिक्स	डीबीटी	डॉ. सतापठी (तेजपुर विश्वविद्यालय), डॉ. श्याम मासाकपल्ली (भा.प्रौ.सं. मण्डी) (सह प.अ.), डॉ. सुवेन्द्र रे (तेजपुर विश्वविद्यालय) , डॉ. तुलिका श्रीवास्तवा (भा.प्रौ.सं. मण्डी)	आधार विज्ञान स्कूल	57,40,000	3 वर्ष	2016-17
23	आईआईटीएम / एआई / वीबी / 127	अल्पभार और उच्च शारीरिक तनाव के कवच हेतु संरक्षित सीएनटी-बहुलक अति सूक्ष्म यौगिकों का विकास	अजिस्ता इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	अभियांत्रिकी स्कूल	29,79,600	2 वर्ष	2016-17

24	आईआईटीएम/ एसईआरबी/एसए /128	बहु दवा प्रतिरोधक तपेदिक (एमडीआर-टीबी) महामारी विज्ञान का गणितीय प्रतिरूपण	एसईआरबी	डॉ. सरिता आजाद	आधार विज्ञान स्कूल	18,25,725	3 वर्ष	2016-17
25	आईआईटीएम/ एचपीएससीएसटी ई/वीके/129	हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोगों का पूर्व पता करने के लिए नैदानिक द्रव के रूप में लार का प्रयोग करते हुये सस्ते जैव प्रेरित सुरक्षा उपकरण	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण हेतु हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.) डॉ. नेहा सूद (सह प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	6,60,000	2 वर्ष	2016-17
26	आईआईटीए/एचपी एससीएसटीई/वी डी/130	हि.प्र. के मण्डी ज़िले में भू-स्खलन जोखिम के सम्पर्क समाधानों का विकास और मूल्यांकन	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण हेतु हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. वरुण दत्त	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	5,12,600	2 वर्ष	2016-17
27	आईआईटीए/आई आरसीएस/वीके/ 131	इंडियन रैड क्रॉस सोसायटी प्रोजेक्ट-भा.प्रौ.सं. मण्डी सहभागिता	इंडियन रैड क्रॉस सोसाइटी	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.) डॉ. वरुण दत्त, डॉ. रमना ठाकुर, डॉ. श्यामाश्री दास गुप्ता (सह प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	42,000	1 वर्ष	2016-17
28	आईआईटीएम/ एसईआरबी-एनपी डीएफ/पीकेए/ 132	आरसी बॉक्स गर्डर पुल के सेवाभार विश्लेषण के लिए हार्डब्रिड विश्लेषणात्मक सांख्यिकी प्रक्रिया का विकास	एसईआरबी- एनपीडीएफ	डॉ. पटेल कश्यप, कुमार अरविन्द भाई (प.अ.), डॉ. कौस्तव सरकार (परामर्शदाता)	अभियांत्रिकी स्कूल	19,20,000	2 वर्ष	
29	आईआईटीएम/ एसईआरबी-एनपी डीएफ/आरएस/133	पानी से भारी धातुओं को हटाने में कुशल सस्ते ग्राफीन/जीयो लाइट यौगिक का संश्लेषण और उनके अनुप्रयोग	एसईआरबी- एनपीडीएफ	डॉ. ऋचा सोनी (प.अ.) डॉ. डेरिक्स प्रेज शुक्ला (परामर्शदाता)	अभियांत्रिकी स्कूल	19,20,000	2 वर्ष	2016-17

30	आईआईटीएम/ डीबीटी-टीपी/ आरजी / 134	सीरम प्रोटीन ट्रांसफेरीन के साथ सीधे Aβ समुच्चयन अवरोध नियंत्रित आणि वक क्रिया विधि का पता करना	डीबीटी	डॉ. रजनीश गिरी (प.अ.), भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. तमीर त्रिपाठी (सह प.अ.) उत्तर पश्चिम पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलौंग	आधार विज्ञान स्कूल	70,33,000	3 वर्ष	2016-17
31	आईआईटीएम/ एसईआरबी-एसएटी / 135	तीन या चार यादृच्छिक परिवर्तनीय एन्ट्रॉपी क्षेत्रों का विश्लेषण और उनके अनुप्रयोग	एसईआरबी	डॉ. सत्यजित सिंह अजीत सिंह ठाकुर	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	33,26,840	3 वर्ष	2016-17
32	आईआईटीएम/ डी एसटी-इन्सपायर/ पीपीवी / 136	बड़े आँकड़े का पर्याप्त वितरित अभिकलन	डीएसटी- इन्सपायर	डॉ. पूजा पी. व्यवहार्य	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	35,00,000	5 वर्ष	2016-17
33	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ पी आर / 137	पक्षी ध्वनि विज्ञान का स्वचालित विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. पद्मनाभन राजन (प.अ.), श्री वैभव प्रताप (सह प. अ.) (सी-डीएसी, बंगलौर), डॉ. राबिन विजयन (आईआईएसई आर, त्रिपाठी)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	58,13,602	3 वर्ष	2016-17
34	आईआईटीएम/ एमएचआरडी- इम्प्रिंट / एसआरसी / 138	यूरिन एल्बुमिन मापन के लिए नये जैविक रंजक का प्रयोग करते हुये सूक्ष्म द्रव आधारित सुरक्षा परीक्षण उपकरण	एमएचआरडी- इम्प्रिंट	डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष (सह प.अ.) डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल (सह प.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल	73,20,000	3 वर्ष	2016-17
35	आईआईटीएम/ एसईआरबी / वीकेयू / 139	भूमि-स्थायित्व प्राप्त करने के लिए जैव अभियांत्रिकी की नीतियों में सुधार	एसईआरबी	डॉ. कला वेंकटा उदय (प.अ.), डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (सह प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल	51,33,040	3 वर्ष	2016-17

36	आईआईटीएम/डी आरडीओ/वीबी/140	उच्च तनाव दर अवरोधक कवच अनुप्रयोग के लिए प्रावस्था परिवर्तन वाले सूक्ष्म यौगिकों की जाँच	डीआरडीओ	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन (प.अ.), डॉ. मोहम्मद तल्हा (सह प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल	26,86,400	3 वर्ष	2016-17
37	आईआईटीएम/डी आरडीओ/एमटी/141	कार्यात्मक ग्रेड युक्त संरचनाओं की पैरामीटर अस्थिरता की अपूर्ण संवेदनशीलता का विश्लेषण	डीआरडीओ	डॉ. मोहम्मद तल्हा	अभियांत्रिकी स्कूल	10,14,100	2 वर्ष	2016-17
38	आईआईटीएम/एनआईआर डीपीआर/आरटी/142	हिमाचल प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत सफल कार्यों और मापनीय मॉडलों का लिखित प्रमाण	एनआईआर डीपीआर	डॉ. रमना ठाकुर (प.अ.), डॉ. राजेश्वरी दत्त (सह प. अ.)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	11,64,900	7 माह	2016-17
39	आईआईटीएम/सीएसआईआर/के एम/143	डबल परोवस्काइट परिवार से सम्बन्धित बहु लौह यौगिकों के भौतिक गुणों की जाँच	सीएसआईआर	डॉ. कौस्तव मुखर्जी	आधार विज्ञान स्कूल	10,00,000	3 वर्ष	2016-17
40	आईआईटीएम/एसईआरबी/सी एसवाई/144	अतिचालकों और अर्ध धात्विक यौगिकों में नर्नस्ट प्रभाव का अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. सी.एस. यादव	आधार विज्ञान स्कूल	14,18,271	3 वर्ष	2016-17
41	आईआईटीएम/एसईआरबी/एच पी/145	युग्मित एफई मेशफ्री विधि द्वारा कार्यात्मक ग्रेड युक्त सामग्री (एफजीएम) का भंजन विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. हिमांशु पाठक	अभियांत्रिकी स्कूल	16,78,000	3 वर्ष	2016-17
42	आईआईटीएम/एसईआरबी-एनपी डीएफ/एसडी/146	दो विमितीय संक्रमण धातु डिचालकोजीनाइड ज (टीएमडीएस) पर आधारित गैस संवेदक उपकरणों का विकास	एसईआरबी	डॉ. शुभाशीष दास (प.अ.), डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा (परामर्शदाता)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	14,40,000	2 वर्ष	2016-17
43	आईआईटीएम/डी आरडीओ/केवीयू/147	एमडीइएल माइक्रो-पाइलज	डीआरडीओ	डॉ. कला वेंकटा उदय	अभियांत्रिकी स्कूल	9,95,900	2 वर्ष	2016-17

	/ 147	की रोधकता दूर करने के लिए प्राचलिक अध्ययन		(प.अ.),				
44	आईआईटीएम / एसईआरबी / केएम / 148	मिश्रित धातु ऑक्साइड और विरल भू-अंतराधातुओं का चुम्बकीय और चुम्बक कैलोरी गुणों का अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. कौस्तव मुखर्जी	आधार विज्ञान स्कूल	30,58,110	3 वर्ष	2016-17
45	आईआईटीएम / एसईआरबी / बी आर / 149	सांस्थितिक विद्युत रोधी सम्भाव्य ऑक्साइड की इलैक्ट्रॉनिक संरचना अभियांत्रिकी	एसईआरबी	डॉ. बिन्दु राधामणि	आधार विज्ञान स्कूल	29,51,960	3 वर्ष	2016-17
46	आईआईटीएम / डी ईई-बीआरएनएस / एजे / 150	जाँच विश्लेषण और पहचान करने के लिए नैनो प्लाजमोनिक एसईआरज क्रियाधार का रूपांकन	डीईई-बीआर एनएस	डॉ. अमित जैसवाल	आधार विज्ञान स्कूल	24,99,400	3 वर्ष	2016-17
47	आईआईटीएम / एसईआरबी / एच वी / 151	आण्विक प्रणालियों की प्रकाशिक आयनन गतिकी पर सह-सम्बन्ध, अपेक्षिकीय अन्त्योन्यक्रिया और परिरोध का प्रभाव	एसईआरबी	डॉ. हरि वर्मा	आधार विज्ञान स्कूल	18,83,750	3 वर्ष	2016-17
48	आईआईटीएम / डी बीटी / आरजी / 152	तात्त्विक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन का अध्ययन: एकल अणु से समूह और रोग संदर्श तक cMyb और p53 के प्रभाव क्षेत्र का पारसंचरण	डीबीटी	डॉ. रजनीश गिरी (प.अ.), डॉ. चयन के. नन्दी (सह प. अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	70,29,200	3 वर्ष	2016-17
49	आईआईटीएम / यूजीसी-डीईई / सी एसवाई / 153	तापमान आश्रित न्यूट्रॉन विवर्तन द्वारा बहु लौहिक यौगिकों -YBa1SrxCu Feo5(Ln=D, Ho,Yb) में चुम्बकीय संरचना के प्रभाव की खोज करना	यूजीसी-डीईई	डॉ. सी.एस. यादव (प.अ.), डॉ. कौस्तव मुखर्जी (सह प.अ.)	आधार विज्ञान स्कूल	45,000	1 वर्ष	2016-17

50	आईआईटीएम / एसईआरबी / एसके पी / 154	उच्च तापमान ताप-विद्युत अनुप्रयोगों के लिए नये अर्धचालक हाइसलर मिश्रधातुओं की खोज करना	एसईआरबी	डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे	अभियांत्रिकी स्कूल	19,08,940	3 वर्ष	2016-17
51	आईआईटीएम / डी एसटी / डीपीएस / 155	मशीन अधिगम तकनीकों के उपयोग से LHZ और LSZ तैयार करने के लिए अर्ध स्वचालित ढांचा	डीएसटी	डॉ. डेरिक्स प्रेज शुक्ला (प.अ.) और मनोज ठाकुर	अभियांत्रिकी स्कूल और आधार विज्ञान स्कूल	20,00,000	2 वर्ष	2016-17
52	आईआईटीएम / डी बीटी-आरएफ / एसटी / 156	गैसीय कार्सिनोजेनीसिज में मानव कैथीलिसीडीन की भूमिका	डीबीटी	डॉ. श्वेता त्रिपाठी	आधार विज्ञान स्कूल	88,00,000	5 वर्ष	2016-17
53	आईआईटीएम / एसईआरबी / एस पी / 157	एक नया दृष्टिकोण: भूकम्प के कारण प्रबलित मिट्टी की दीवार के स्थायित्व का विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. शान्तनु पत्रा	अभियांत्रिकी स्कूल	40,34,270	3 वर्ष	2016-17
54	आईआईटीएम / एसईआरबी / एपी / 158	टेनिया सोलियम कार्यात्मक सेक्रीटोम की प्रतिरक्षा और उनके प्रोटीओमिक की पहचान	एसईआरबी	डॉ. अमित प्रसाद	अभियांत्रिकी स्कूल	53,85,397	3 वर्ष	2016-17
55	आईआईटीएम / एसईआरबी / के एस / 159	कंकर में संक्षारण जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए जलीय विसरणशीलता का रूपांकन और इसके FE अनुकारक में नमी पारगमन के अनुप्रयोग	एसईआरबी	डॉ. कौस्तव सरकार	अभियांत्रिकी स्कूल	45,89,260	3 वर्ष	2016-17

56	आईआईटीएम/एसईआरबी/एसकेएम/160	पौधों में तनाव की प्रतिक्रिया के कारण प्रकाश स्वपोषित उपापचयी समलक्षणों की प्रणाली का विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली	आधार विज्ञान स्कूल	50,92,560	3 वर्ष	2016-17
57	आईआईटीएम/एसईआरबी/डीवीपी/161	अपरदन सहित तरल और कणिक जेट प्रभाव की जाँच	एसईआरबी	डॉ. धीरज वी. पाटिल	अभियांत्रिकी स्कूल	27,59,400	3 वर्ष	2016-17
58	आईआईटीएम/एसईआरबी/एसजे/162	हाइड्रो टरबाइन में दलदल अपरदन को कम करने के लिए अति सूक्ष्म संरचित अवरोधक माइक्रोवेव क्लेड का विकास	एसईआरबी	डॉ. सन्नी जफर	अभियांत्रिकी स्कूल	53,30,750	3 वर्ष	2016-17
कुल						21,61,03,567		

क्रमिक	भा.प्रौ.सं. मण्डी सन्दर्भ संख्या /परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित संस्था	प.अ. एवं समन्वयक	विभाग /स्कूल	स्वीकृत धन (₹)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
आन्तरिक								
1	आईआईटीएम/आईएनटी/टीपीएस/06	भा.प्रौ.सं. मण्डी, भा.प्रौ.सं. रोपड़ और पीजीआई चण्डीगढ़ का बायोएक्स सहायता संघ	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. तुलिका पी श्रीवास्तवा	आधार विज्ञान स्कूल	2,00,000	1 वर्ष	2016-17
2	आईआईटीएम/आईएनटी/टीपी/07	कमान्द घाटी में महिलाओं के समर्थीकरण हेतु मोबाइल और इंटरनेट के उपयोग से जीवन विकास	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. तुलिका पी श्रीवास्तवा	आधार विज्ञान स्कूल	1,00,000	1.6 वर्ष	2016-17
3	आईआईटीएम/आईएनटी/एसआरसी/08	कोर परीक्षण बिन्दु और सीएडी प्रणाली के सहयोग से सस्ते चुम्बकीय एमआरआई क्षेत्र का विकास	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी डॉ. अनिल क. साव डॉ. अर्नव भावसार, डॉ. रेणु एम रमेशन डॉ. आदित्य निगम	अभियांत्रिकी स्कूल	10,00,000	1वर्ष	2016-17
4	आईआईटीएम/आईएनटी/वीकेएन/09	कैंसर में उपचारात्मक अनुप्रयोगों के लिए धरातल परिवर्तित अति सूक्ष्म कण	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. वेंकटा कृष्णन, डॉ. नेहा गर्ग	आधार विज्ञान स्कूल	6,00,000	1 वर्ष	2016-17

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी का वार्षिक प्रतिवेदन ■ 2016-17

5	आईआईटीएम /आईएनटी/ आरजी / 10	यांत्रिक और जैव वैज्ञानिक गुणों का निर्धारण	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. राजेश घोष डॉ. अर्पण गुप्ता डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल डॉ. मोहम्मद तल्हा	अभियांत्रिकी स्कूल	8,00,000	1 वर्ष	2016-17
6	आईआईटीएम /आईएनटी/ एडी / 11	संस्थान के नेटवर्क और आईटी अवसंरचना का संचालन	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. ए.डी. दिलीप	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	28,30,000	2 वर्ष	2016-17
कुल						55,30,000		

क्रमांक	पंजिका संख्या	परियोजना शीर्षक	प्राध्यापक का नाम	विभाग / स्कूल	स्वीकृत धन (रु.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
मूल अनुदान परियोजना							
1	आईआईटीएम/ एसजी/आरजी / 46	ट्रांसथीरीटिन व्युत्पन्न अव्यवस्थित पेप्टाईड द्वारा अल्जीमर के Aβ पेप्टाईड तंतु विकास का अंतरावरोध: परमाणु बल सूक्ष्मदर्शिकी द्वारा आण्विक क्रियाविधि	डॉ. रजनीश गिरी	आधार विज्ञान स्कूल	7,00,000	3 वर्ष	2016-17
2	आईआईटीएम/ एसजी/एबी/ 47	प्रौद्योगिकी और भाषा अध्ययन की व्यवस्था	डॉ. अरुणा बॉम्मरेड्डी	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	5,00,000	3 वर्ष	2016-17
3	आईआईटीएम/ एसजी/एसके एम/ 48	औद्योगिक, पर्यावरणात्मक और कृषि अर्थवत्ता के साथ चयनित प्रोटीयोबैक्टीरिया की जीव विज्ञान प्रणाली	प.अ.-डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, सह प.अ. डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा	आधार विज्ञान स्कूल	18,00,000	3 वर्ष	2016-17
4	आईआईटीएम/ एसजी/आरएस / 49	अर्ध भंगुर सामग्री की समग्र नाकामयाबी में सूक्ष्म तंत्र का रूपांकन	डॉ. रजनीश शर्मा	आधार विज्ञान स्कूल	5,00,000	3 वर्ष	2016-17
5	आईआईटीएम/ एसजी/केवीयू / 50	पौधों की जड़ों के कारण भूमि अपरूपण तीव्रता में परिवर्तन सिद्ध करना: प्रयोगात्मक अध्ययन	डॉ. कला वैकटा उदय	अभियांत्रिकी स्कूल	6,50,000	3 वर्ष	2016-17

6	आईआईटीएम/ एसजी/एसपी/ 51	गंदगी रहित परिसर की ओर: धारणीय टोस अपशिष्ट और अपशिष्ट जल प्रबन्धन	डॉ. सत्वशील पोवार (प. अ.) डॉ. अतुल धर और डॉ. प्रदीप कुमार (सह प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल	25,00,000	3 वर्ष	2016-17
7	आईआईटीएम/ एसजी/एनके/ 52		डॉ. नरेन्द्र करमारकर	संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	2,00,000	3 वर्ष	2016-17
8	आईआईटीएम/ एसजी/एचएस /53	उच्च गति प्रसारण सम्पर्कों के लिए जिटर का सिद्धान्त, डिजाइन और रूपांकन	डॉ. हितेश श्रीमाली	संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	6,50,000	3 वर्ष	2016-17
9	आईआईटीएम/ एसजी/एचपी/ 54	संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों में तन्त्र दरार वृद्धि हेतु विस्तारित परिमित तत्त्व मॉडल (एक्सएफईएम) का विकास और कार्यान्वयन	डॉ. हिमांशु पाठक	अभियांत्रिकी स्कूल	5,12,000	3 वर्ष	2016-17
10	आईआईटीएम/ एसजी/डीएस /55	संरन्ध्र मीडिया में विलेय परिवहन का प्रयोगात्मक अन्वेषण	डॉ. दीपक स्वामी	अभियांत्रिकी स्कूल	9,00,000	3 वर्ष	2016-17
11	आईआईटीएम/ एसजी/एसजे/ 56	जैव चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए माईक्रोवेव संसाधित सरन्ध्र मिश्रणों का विकास, चरित्रण और गणितीय रूपांकन	डॉ. सन्नी जफर (प.अ.) डॉ. मोहम्मद तल्हा (सह प.अ.)	अभियांत्रिकी स्कूल	14,50,000	3 वर्ष	2016-17
12	आईआईटीएम/ एसजी/एसडी जी/57	वन पारिस्थितिक सेवाओं का बृहद् मूल्य निर्धारण और रचना मूल्य विधि बोध: हिमाचल प्रदेश में इस विषय पर अध्ययन	डॉ. श्यामा श्री दास गुप्ता	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	5,00,000	3 वर्ष	2016-17
कुल					1,08,62,000		

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी का वार्षिक प्रतिवेदन ■ 2016-17

क्रमांक	पंजिका संख्या	परियोजना शीर्षक	प्राध्यापक का नाम	अनुबन्ध हस्ताक्षर कर्ता	स्वीकृत धन (रु.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
प्रायोजित शोधकार्य परामर्श सेवा							
1	आईआईटीएम/आरएक्स डीएसआई/वीडी/07	बड़े ऑकड़ों की पर्याप्त जाँच और आभासीकरण	डॉ. वरुण दत्त	आरएक्स विज्ञान, अमेरिका	9,701 डॉलर और 646,750 रु.	9 माह दस दिन	2016-17
2	आईआईटीएम/सीओएन एस/एसओटी और डी/ आरएस/08	ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग किये जाने वाले रज्जु मार्ग में सुधार	डॉ. रजनीश शर्मा (प.अ.) डॉ.राजीव कुमार (सह प.अ.)	प्रौद्योगिकी और विकास हेतु सोसाइटी, ज़िला मण्डी (हि.प्र.)	1,50,000	3 वर्ष	2016-17
3	आईआईटीएम/सीओएन एस/एआई/वीबी/09	अल्पभार और अधिक शारीरिक बल के कवच हेतु संरेखित सीएनटी-बहुलक अति सूक्ष्म यौगिकों का विकास	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	अजिस्ता इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	2,99,000	2 वर्ष	2016-17
4	आईआईटीएम/एसओएन एस/पीजी/आरएस/10	शक्ति विहार पटियाला PB में PSPCL बहुमंजिला इंटीग्रेटेड कॉरपोरेट ऑफिस कम्प्लेक्स	डॉ. रजनीश शर्मा (प.अ.) डॉ. कौस्तव सरकार (सह प.अ.)	योजकों का समूह, चण्डीगढ़	3,78,640	2 वर्ष	2016-17
5	आईआईटीएम/सीओएन एस/एचपीपीडब्ल्यूडी/ आरएस/11	मारफत ट्रैफिक चक्कर, सुखोडी खड़ड, अस्पताल चौक मण्डी (एसएच: पुल और आर/दीवार के बीच से सुखोडी पुल तक अस्पताल की ओर)	डॉ. रजनीश शर्मा (प.अ.) डॉ. कौस्तव सरकार (सह प.अ.)	अधीक्षण अभियन्ता, मण्डी डिवीजन-II हि.प्र. लोक निर्माण विभाग मण्डी	1,49,500	6 माह	2016-17
6	आईआईटीएम/सीओएन एस/सीपीडब्ल्यूडी-आईए आरआई/आरएस/12	आईएआरआई पुसा, नई दिल्ली में वर्तमान मेला ग्राउंड की छत के नवीकरण की वृद्धि के लिए संरचनात्मक डिजाइन का पुनरीक्षण	डॉ. रजनीश शर्मा	अधीक्षण अभियन्ता, सीडी-4, सीपीडब्ल्यूडी, आईएआरआई पुसा, नई दिल्ली	2,64,500	2 माह	2016-17

प्रारूप व्यवहार्य

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बी.टैक. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में 'प्रारूप व्यवहार्य' एक अनोखा पाठ्यक्रम है। छात्र इसके माध्यम से उत्पाद का प्रारूप, विकास, निर्माण और यहां तक कि विपणन कौशल भी सीखते हैं। उत्पाद के विचार प्रस्तावित करने के लिए विभिन्न विभागों से छ: छात्रों के बहु विषयक दल का यादृच्छिक चयन किया गया और इसके बाद कार्य करने वाले मूल नमूने बनाये। इन उत्पाद विचारों में अनेक विचार विशेषकर हिमाचल प्रदेश की सामाजिक आवश्यकताओं से लिए गए थे।

टीम क्रमांक	शीर्षक	संक्षिप्त विवरण
1	गहन पहाड़ी घाटियों हेतु सौर तापन प्रक्रिया	इस प्रणाली का लक्ष्य कम सूर्य के प्रकाश वाले क्षेत्रों को गर्मी और सूर्य का प्रकाश स्थानांतरित करना है, जो स्वयं सूर्य के प्रकाश से प्रकशित होते हैं।
2	चैफ-ओ-मेटिक	कुशल एप्प-नियंत्रित स्वचालित भोजन बनाने वाली मशीन
3	रिमोट बोटल पिकर और क्रशर (संदलित्र)	यह रोबोट प्लास्टिक बोटल का चयन, मसलन और भण्डारण करता है।
4	कुशल सिंचाई प्रणाली	हम चाहते हैं कि विभिन्न फसलों की सिंचाई में जल का उचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सरल व सस्ते फव्वारे तथा ड्रिप सिंचाई प्रणाली के हाईब्रिड का कार्यान्वयन हो।
5	बन्दर डराने के लिए अलार्म	किसानों के खेतों को बन्दरों (और संभवतः अन्य जंगली जानवरों) के नुकसान से बचाने के लिए उपकरण
6	स्वचालित कबाड़ विक्रेता	हमारा यह उत्पाद उपभोक्ता से कबाड़/कचरा लेगा और उसे इसके भार और प्रकार के अनुसार विभिन्न डिब्बों में छंटाई करके भुगतान बताएगा।
7	जीवन रक्षक नाव	एक स्वचालित/हस्तचालित नाव, जो डूबते हुये जीवन की रक्षा करेगी।
8	ब्लाइंडल	दृष्टि बाधित के लिए किन्डले
9	रोबोवोर्म	हमारी परियोजना एक रोबोट है जो क्षैतिज सुरंग करता है और उच्च धरातल को हानि पहुँचाये बिना केबल बिछाता है।
10	धुलाई पाल	यह उत्पाद आपके वस्त्रों को ईस्त्री करेगा और आपके लिए उनका तह लगाएगा।
11	कुशल पीड़क नाशक छिड़काव करने वाली नाव	एक कुशल दूरस्थ नियंत्रित नाव जो खेत के चारों ओर चलती है और बिना हाथ लगाये पीड़क नाशक का छिड़काव करती है।
12	आवाज़	सांकेतिक भाषा की अंग्रेज़ी भाषा में आवाज़
13	कचरे का निपटारा	यह स्वचालित पृथक करने वाला है। यह धातु से ठोस कचरे को अलग करने के लिए है, जिनमें (बहुत से) प्लास्टिक और कांच है।

14	एईआरओ (स्वचालित वितरण रोबोट)	हमारा रोबोट उपभोक्ता द्वारा बताये गये स्थान के अनुसार, जीपीएस के उपयोग से सामान और मेल प्रेषित करता है।
15	विजन	नेत्रहीनों के पढ़ने और लिखने के लिए
16	आईआरए	बुक स्कैनर, अनुवादक और आवाज़ निकालने वाला
17	खेल-क्षेत्र को चिह्नित करने वाला	एक स्वचालित रोबोट, जो संचालक द्वारा एक एन्ड्रॉयड उपकरण अनुप्रयोग के माध्यम से निर्देश देने पर मैदान में खेलने के स्थान को लाइन लगाकर चिह्नित कर सकता है।
18	एसएएमपीयुआरएन (सम्पूर्ण)	दिमागी तरंग नियंत्रित कृत्रिम भुजा
19	एयर वैल	वायु से अनंत शुद्ध जल
20	वॉल-ई	यह दीवार पर चढ़ने के लिए सूट है जो 100 कि.ग्रा. तक के भार को उठा सकता है।
21	डीआरओजीओएन	क्वैडकोप्टर, हवाई वीडियो फूटेज लेने में सक्षम होगा और सही समय पर वीडियो प्रक्रम निष्पादित करेगा। यह वस्तु की पहचान, चेहरे की पहचान और वस्तु का लक्ष्यानुसरण करेगा।
22	स्वच्छता	एक सामुदायिक गतिशील कचरे का डिब्बा जो छंटाई करता है।

प्रारूप व्यवहार्य आम स्थल का आयोजन किया गया, जहाँ पर बाहरी निर्णायकों और आगंतुकों के लिए उपर्युक्त सभी परियोजनाओं (कार्य करने वाले नमूने) को प्रदर्शित किया गया। इन परियोजनाओं की प्रदर्शनी में समीपस्थ सात स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया।



बाहरी निर्णायकों ने निम्नलिखित उत्कृष्ट परियोजनाओं का चयन किया



प्रथम पुरस्कार :

टीम 20 – मानव के लिए दीवार आरोहण सूट

यह उपकरण प्लास्टर जैसे धरातल वाली दीवार पर मानव का चढ़ना सुगम करने के लिए एक सूट है। यह रस्सी या पकड़ने वाले हुक की सहायता के बिना दीवार पर चढ़ने वाले की सहायता कर सकता है। यह उपकरण बिना किसी मानव नियंत्रण के अपने आप दीवार पर चढ़ता है और 100 कि.ग्रा. तक के भार को भी उठा सकता है। दीवार पर चढ़ने के लिए रस्सी और सीढ़ी तथा अन्य उपलब्ध संसाधन बहुत ही जोखिम वाले और धीमे हैं। यदि इससे अधिक भार होता है, तो दुर्घटनाओं का खतरा और अधिक बढ़ जाएगा। यह सूट मानव को बिना थके दीवार मापने की क्षमता प्रदान करता है। अग्नि शमन टीम, विशाल इमारतों में लगी आग से लोगों को बचाने के लिए अपनी प्रणाली में इस प्रकार के उत्पाद एकत्रित कर सकती है। यह जन-हानि कम करने में सहायता कर सकता है। इसका प्रयोग विशाल इमारत में सफेदी करने के लिए और खिड़कियों आदि की सफाई करने के लिए भी हो सकता है। यह सूट सेना में सैनिक को दीवार पर चढ़ने के लिए विशेष लाभकारी भी साबित हो सकता है।

सम्मिलित छात्र: कुशाग्र सिंघल, रियांश गोयल, शोभित ओला, मुकेश कुमावत, अभिषेक पाल, लोकेश तुगारिया।

परामर्शदाता: डॉ. सन्नी ज़फर और डॉ. महेश रेड्डी

द्वितीय पुरस्कार:

टीम 16 – पुस्तक क्रमवीक्षक, अनुवादक और आवाज़ निकालने वाला

यह परियोजना स्वतः पृष्ठ बदलने का तंत्र कार्यान्वित करती है, जो पुस्तक को क्षति पहुँचाये बिना उसका स्कैन करती है। पुस्तक का डिजिटल प्रारूप उपलब्ध होने के बाद यह उसे श्रव्य प्रारूप में परिवर्तित करती है। पुस्तक क्रमवीक्षक का लक्ष्य पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों, प्रकाशन गृहों जैसे संस्थानों में और ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रयोग करना है। इसके साथ ही बाजार में हानि रहित स्कैनर की आवश्यकता को पूरा करना है।

सम्मिलित छात्र: उत्कर्ष कुंवर, परिणय चतुर्वेदी, श्रेयक कुमार, श्रवण कुमार, आकाश डगर, बिपिन शर्मा।

परामर्शदाता: डॉ. हितेश श्रीमाली

तृतीय पुरस्कार:

टीम 8 – दृष्टि बाधित लोगों के लिए ब्लॉइडल-किन्डले

दृष्टि बाधित लोगों के लिए अखबार, पत्र और पुस्तक पढ़ने जैसे बहुत से सामान्य कार्य कठिन हो जाते हैं। यह अधिकतर ब्रेली लिपि पाठ्यक्रम की अनुपलब्धता के कारण होता है, जोकि दृष्टि बाधित लोगों के लिए सार्वभौमिक भाषा है। स्पष्ट रूप से इस कमी को पूरा करने के लिए एक सस्ते उपकरण की आवश्यकता है।

ट बाधित लोगों के लिए अखबार, पत्र और पुस्तक पढ़ने जैसे बहुत से सामान्य कार्य कठिन हो जाते हैं। यह अधिकतर ब्रेली लिपि पाठ्यक्रम की अनुपलब्धता के कारण होता है, जोकि दृष्टि बाधित लोगों के लिए सार्वभौमिक भाषा है। स्पष्ट रूप से इस कमी को पूरा करने के लिए एक सस्ते उपकरण की आवश्यकता है।

वास्तव में हमारा उत्पाद "स्लेट" पर डिजिटल दस्तावेज़ को ब्रेली अक्षरों में परिवर्तित करने का प्रयास करता है। दृष्टि बाधित लोगों को इसका बहुत ही लाभ होगा, क्योंकि यह उन्हें अधिकतर स्वतंत्र बनाकर उनके ज्ञान अर्जन में वृद्धि करेगा, जिससे वे और अधिक विश्वस्त होंगे।

सम्मिलित छात्र: अनुक्रमाँक बी15233-सागर गुप्ता (टीम के अग्रणी), अनुक्रमाँक बी15339-वी साई सुब्बा राओ, अनुक्रमाँक बी15103-अभिषेक शर्मा, अनुक्रमाँक बी15322-अथर्व निजेसुरे, अनुक्रमाँक बी15219-किस्लय मिश्रा, अनुक्रमाँक बी15414-मयूरेश गुप्ता।

परामर्शदाता: डॉ. अर्पण गुप्ता और डॉ. तुषार जैन

शैक्षणिक स्कूल

संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई)

भा.प्रौ.सं. मण्डी के संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी (एससीईई) स्कूल का लक्ष्य संगणक, संचार, इलैक्ट्रॉनिक्स तथा विद्युत अभियांत्रिकी से सम्बन्धित प्रौद्योगिकी में अध्यापन और अनुसंधान की उत्कृष्टता बनाए रखना है।

संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी (एससीईई) स्कूल में 32 प्राध्यापक, 7 स्टाफ के सदस्य, 38 परियोजना अभियंता, 65 पीएच.डी. छात्र, 12 एम.एस. छात्र, 9 एम.टैक. छात्र और 396 बी.टैक. छात्र हैं। इसके पाँच क्षेत्रों के नाम निम्नलिखित हैं— ऊर्जा इलैक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स, नियंत्रण और संवेदक, वीएलएसआई, सांकेतिक प्रक्रम और संचार, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी।

यह स्कूल 'संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी' तथा 'विद्युत अभियांत्रिकी' में बी.टैक. नामक दो अवर स्नातक उपाधि कार्यक्रम का प्रस्ताव देता है। इस स्कूल में अनुसंधान द्वारा नियमित पी.एच.डी. और एम.एस. के अतिरिक्त 'ऊर्जा इलैक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स', 'सांकेतिक प्रक्रम और संचार' तथा 'वीएलएसआई' नामक तीन एम.टैक. कार्यक्रम हैं।

यह अनुसंधान क्षेत्र व्यापक रूप में सैद्धान्तिक और अनुप्रयोग आधारित विषयों में स्मार्ट ग्रिड, अक्षय ऊर्जा, प्रभावशाली अर्ध चालक उपकरणों के लिए सामग्री, आगामी समय के लिए संचार और परस्पर कुशल मानव-संगणक संवाद आदि को समाविष्ट करता है।

हम छात्रों को अवर स्नातक स्तर पर संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के सिद्धांत और प्रयोग की आधारभूत जानकारी प्रदान कर उन्हें प्रतिभावान बनाने पर बल देते हैं। हमने आधार विज्ञान स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल में प्राध्यापकों की संयुक्त नियुक्ति भी की है। यह नियुक्ति समाज में छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान दिलाने के उद्देश्य से उन्हें सामाजिक, नैतिक और उदार शिक्षा प्रदान करने के लिए की है।

प्रथम बी.टैक. छात्रों के बैच ने अपनी स्नातक की उपाधि ग्रहण कर ली है और उनका प्रवेश नवोत्पाद संसार में समर्थ अभियंता के रूप में है। हमारे प्राध्यापक स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों को संगणक विज्ञान और विद्युत अभियांत्रिकी में अनुसंधान और व्यावसायिक क्षमता के लिए आधारभूत गहन जानकारी प्रदान कर पारंगत करते हैं।

हमारे प्राध्यापक प्रायः सरकारी संस्थाओं, निजी उद्योग और गैर सरकारी संगठनों के साथ व्यावहारिक और सैद्धान्तिक अनुसंधान में लिप्त हैं। प्राध्यापकों के मुख्य कार्यों में से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय एक है। इसका उद्देश्य हमारे शैक्षिक विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करना और समाज में योगदान देना भी है।

वर्ष 2016-17 में बाहरी धनराशि 9,11,51,512/-रु. थी। 30 से अधिक पत्रिकाएँ और 80 से अधिक समीक्षात्मक सम्मेलन पत्र, 6 पुस्तकें/पुस्तक अध्याय तथा 7 पेटेंट दर्ज हैं।

प्राध्यापक

डॉ. अनिल कुमार साव

अध्यक्ष

सहयोगी प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब प्रक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

चेन्नई से पी.एच.डी.

गृह नगर: भिलाई, छत्तीसगढ़

दूरभाष: 01905-237918

ई-मेल: anil

डॉ. आदित्य निगम

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: जैव मीतिय, संगणक दृश्य

बिम्ब प्रक्रम

भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.

गृह नगर: कानपुर, उ.प्र.

दूरभाष: 01905-267152

ई-मेल: aditya

डॉ. अंकुश बाग

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: अर्धचालक उपकरण,

एपिटेक्सी और यौगिक अर्धचालक

भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एच.डी. (2016)

गृह नगर: होवराह, पश्चिमी बंगाल

डॉ. अर्नव भावसार

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब विश्लेषण, संगणक आभास

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई,

भारत से पी.एच.डी. (2011)

गृह नगर: सूरत, गुजरात, भारत

दूरभाष: 01905-267225

ई-मेल: ankushbag

डॉ. आरती कश्यप

सहयोगी प्राध्यापिका (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री
भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एचडी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905-237907 / 300042

ई-मेल: arti

प्रा. बी.डी. चौधरी

संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी

भा.प्रौ.सं. कानपुर से वर्ष 1979 में पी.एचडी.

गृह नगर: दरभंगा, बिहार

दूरभाष: 01905-237988

ई-मेल: bdchaudhary

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

सहयोगी प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन

टू पावर सिस्टम्स

भा.प्रौ.सं. कानपुर से वर्ष 2009 में पी.एचडी.

गृह नगर: जोधपुर, राजस्थान

दूरभाष: 01905-237921

ई-मेल: bsr

डॉ. दिलीप ए.डी.

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पैटर्न रीकॉग्निशन, कर्नल

मैथडज फॉर पैटर्न एनालाइसिस

मशीन लर्निंग, स्पीच टेक्नोलॉजी

कम्प्यूटर विज्ञान

भा.प्रौ.सं. मद्रास, चेन्नई से वर्ष 2013 में पी.एचडी.

गृह नगर: उदुपि, कर्नाटक

दूरभाष: 01905-300047

ई-मेल: addileep

डॉ. हितेश श्रीमाली

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: एनालॉग एण्ड मिक्सड

सिग्नल वी.एल.एस.आई. डिजाइन,

एनालॉग-टु-डिजिटल कन्वर्टज, डिजाइन

एण्ड मौडलिंग ऑफ रेडीएशन हार्ड सर्कट्स

दूरभाष: 01905-300049

ई-मेल: arnav

डॉ. एस्ट्रिड किह

अभ्यागत सहयोगी प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: वितरित अलोगरिथम,
सत्यापन, सैद्धांतिक संगणक विज्ञान
टीयू म्यूनख विश्वविद्यालय, जर्मनी से
पी.एचडी. (1989)

गृह नगर: हम्बर्ग, जर्मनी

दूरभाष: 01905-267122

ई-मेल: astrid

डॉ. भक्ति माधव जोशी

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: ए.सी. यंत्र और नियंत्रण

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से 2014 में पी.एचडी.

गृह नगर: पुना (महाराष्ट्र)

ई-मेल: bhakti

प्रा. दीपक खेमानी

संकायाध्यक्ष (फैकल्टी एवं प्राध्यापक)

(भा.प्रौ.सं. मद्रास से प्रतिनियुक्ति पर)

विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमता

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.

गृह नगर:

दूरभाष: 01905-267225

ई-मेल: khemani

डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सम्प्रेषण: एन्टीना और तरंग

संचरण, आरएफ और सूक्ष्म तरंग निष्क्रिय

घटक डिजाइन

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी. (2015)

गृह नगर: जबलपुर, मध्य प्रदेश

(पैतृक नगर: तेलंगाना)

दूरभाष:

ई-मेल: gopishrikanth

डॉ. कुनाल घोष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सौर फोटोवॉल्टिक्स

अरीजोना राज्य विश्वविद्यालय से 2011

में पी.एचडी.

गृह नगर: कलकत्ता

भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एच.डी.
गृह नगर: अहमदाबाद, गुजरात
ई-मेल: Hitesh

प्राध्यापक नरेन्द्र करमारकर

अभ्यागत विशिष्ट प्राध्यापक
विशेषज्ञता:
केलिफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएच.डी.(1983)
गृह नगर:
ई-मेल: narendrakarmarkar

डॉ. पद्मनाभन राजन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भाषा संसाधन, वक्ता की पहचान
भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एच.डी.
गृह नगर: कोचिन, केरल
दूरभाष: 01905-300049
ई-मेल: padman

डॉ. राजनीकुमार रामालिंगम

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: निम्नताप यंत्रीकरण और मापन
निम्नताप पर अतिचालक और इलेक्ट्रॉनिक
उपकरणों का चरित्रण, फाईबर प्रकाशिकी
संवेदन, प्रकाशिकी शीतलन विधियाँ
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पीएच.डी. (2009)
गृह नगर: थनजावुर
दूरभाष: 267053
ई-मेल: rajinikumar

डॉ. राहुल श्रेष्ठा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संकेतक प्रक्रम और बेतार सम्प्रेषण
के लिए वीएलएसआई डिजाइन और परिपथ
तथा विधियाँ
भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पीएच.डी. (2014)
गृह नगर: बंगलौर, कर्नाटक
(पैतृक: दार्जीलिंग, पश्चिमी बंगाल)
दूरभाष: 267220
ई-मेल: rahul_shrestha

डॉ. समर अग्निहोत्री

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सूचना सिद्धान्त, संचार जटिलता,

दूरभाष: 01905-267113
ई-मेल: kunal

डॉ. नरसा रेड्डी तुम्मरु

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: हाईब्रिड एनर्जी स्टोरेज
एप्लिकेशन इन फ्यूचर माइक्रोग्रिड
कम्युनिकेशन नेटवर्कस
भा.प्रौ.सं. मद्रास से पीएच.डी. (2015)
गृह नगर: ज़िला कृष्णा, आन्ध्र प्रदेश
दूरभाष: 01905 267225
ई-मेल: tummuru

डॉ. पूजा व्यवहार्य

डीएसटी इन्सपायर प्राध्यापक सदस्य
विशेषज्ञता: वितरित संगणन, नेटवर्क
विश्लेषण, अलोगरिथम डिजाइन
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एच.डी. (2016)
गृह नगर: इन्दौर, मध्य प्रदेश
दूरभाष: 267053
ई-मेल: pooja_vyavahare

डॉ. रमेश ओरुगंति

ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर
फोटोवोल्टिक एनर्जी सिस्टम्स
वरजिना प्रौद्योगिकी, अमेरीका से पी.एच.डी.
दूरभाष: 01905-237976 / 300068
ई-मेल: ramesho

डॉ. रेणु एम. रमेशन

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: बिम्ब संसाधन
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एच.डी. (2013)
गृह नगर: त्रिवेन्द्रम, केरल
ई-मेल: renumr

डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेन्सर्स,

बेतार संचार
भारतीय प्रौद्योगिकी विज्ञान संस्थान, बंगलौर
से वर्ष 2009 में पी.एचडी.
गृह नगर: दिल्ली
दूरभाष: 01905-267907
ई-मेल: samar

डॉ. सत्यजित ठाकुर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सम्पर्क सिद्धान्त, सूचना सिद्धान्त
नेटवर्क कोडिंग
दूर संचार अनुसंधान संस्थान
दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय से वर्ष
2012 में पी.एचडी.
गृह नगर: आनन्द, गुजरात
दूरभाष: 01905-237999
ई-मेल: satyajit

डॉ. सिद्धार्थ शर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: बेतार नेटवर्क में
संसाधन आबंधन, बेतार ऊर्जा
सस्य कर्तन और समूह संवेदन
विज्ञान संस्थान से पी.एच.डी.
गृह नगर: अग्रतला, त्रिपुरा
दूरभाष: 267116
ई-मेल: Siddhartha

डॉ. श्रीराम कैलासम

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: वितरित प्रणालियाँ
(क्लाउड कम्प्यूटिंग)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से
पी.एचडी. (2014)
गृह नगर: मुम्बई, महाराष्ट्र
दूरभाष: 01905-267120
ई-मेल: sriamk

डॉ. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक एवं प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संगणक नेटवर्कस और
वितरित सॉफ्टवेयर प्रणालियाँ
स्टैण्डफोर्ड विश्वविद्यालय से सन् 1986 में पी.एचडी.
गृह नगर: ऊटी, तमिलनाडु
दूरभाष: 01905-300001
ई-मेल: tag

फोटोवोल्टिक और सेल्फ असेम्बली
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से वर्ष 2007 में पी.एचडी.
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-237908
ई-मेल: satinder

डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: बायोमेडिकल एम्बेडिड सिस्टम्स
नॉन इन्वेसिव डायगोनोस्टिक सिस्टम्स,
नीयर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी, वीएलएसआई
आर्किटेक्चरज, जादवपुर विश्वविद्यालय
से पी.एचडी. (2010)
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267110
ई-मेल: src

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: विस्तृत डेटा अर्जन और विश्लेषण,
नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पिट्रॉनिक्स,
पुर्डू विश्वविद्यालय-पश्चिमी लेफेटी, अमेरिका भारतीय
से पी.एच.डी. (2012)
गृह नगर: हैदराबाद
दूरभाष: 267057
ई-मेल: srikant

डॉ. सुभाषीश दत्ता

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नियंत्रण सिद्धांत
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से वर्ष 2013 में पी.एचडी.
गृह नगर: बेरीपेडा, उड़ीसा
दूरभाष:
ई-मेल: sd

डॉ. तुषार जैन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नियंत्रण सिद्धांत, त्रुटि सहनशीलता
नियंत्रण, औद्योगिक प्रक्रिया नियंत्रण
यूनिवर्सिटी डे लोरीन, फ्रांस से पी.एचडी (2012)
गृह नगर: मेरठ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267117
ई-मेल: tushar

डॉ. वरुण दत्त

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)
विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव-
संगणक परस्पर संवाद, अनुमान और
निर्णय लेना, पर्यावरणीय निर्णय लेना
कार्नेज मीलोन विश्वविद्यालय (यू.एस.ए.)
से वर्ष 2011 में पी.एचडी.
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-237932 / 300043
ई-मेल: varun

डॉ. योवोनी डिट्रिच

संयुक्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता:
हम्बर्ग विश्वविद्यालय से वर्ष 1997
में पी.एचडी.
गृह नगर: कोपेनहेगन
दूरभाष:
ई-मेल: ydi

परामर्शदाता प्राध्यापक

प्रो. हेमा ए. मुर्थी

परामर्शदाता प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: भाषण, सांकेतिक प्रक्रम,
संगणक नेटवर्क
भा.प्रौ.सं. मद्रास से सन् 1992 में पी.एचडी.
ई-मेल: hema

डॉ. संजीव मन्हास

परामर्शदाता सहायक प्राध्यापक
सन् 2003 में डी मॉटफोर्ट विश्वविद्यालय,
लीसेस्टर, यू.के. से इलैक्ट्रॉनिक्स और विद्युत
अभियांत्रिकी में सन् 2003 में पी.एचडी.
दूरभाष: +91-1332-28517
ई-मेल: samanfec

अनुसंधान परियोजनाएँ

1. नयी परियोजनाएँ

परियोजना अन्वेषक, सह परियोजना अन्वेषक, वित्त पोषित कम्पनियों के नाम और प्राप्त

अनुदान तथा व्यय आदि

बाह्य प्रायोजित परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रायोजित कम्पनी	अन्वेषक	स्वीकृत धन	परियोजना की अवधि
1	भिन्नात्मक-बीजगणितीय प्रणालियों के लिए नियंत्रक अनुकूलन स्वीकृति की दिनांक: 13.06.16 समापन की दिनांक: 12.06.19	एसईआरबी	डॉ. सुभाशीष दत्ता	14,86,080	3 वर्ष
2	आईवीडी, वीआर और एआर प्रतिमानों में दृश्य संज्ञानात्मक वृद्धि के लिए दैहिक क्रियात्मक और संकेत प्रक्रम उपकरणों के माध्यम से मानव निष्पादन संरचना रूपांकन का विकास स्वीकृति की दिनांक: 03.06.16 समापन की दिनांक: 02.06.19	डीआरडीओ	डॉ. वरुण दत्त	22,62,850	3 वर्ष
3	दिमागी चोट में इलैक्ट्रॉन सीफोलोग्राफी (ईसीजी) की एक साथ रिकॉर्डिंग करते हुये और अवरक्त के समीप विधुवीकरण प्रसार के दौरान स्नायविक संवहनी की परस्पर क्रिया का अनुवीक्षण संरक्षण बिन्दु स्वीकृति की दिनांक: 10.06.16 समापन की दिनांक: 09.06.18	डीएसटी-डीएडी	डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी	8,25,500	2 वर्ष
4	सिगनेट प्रबंधन प्रणाली में विस्तृत दूरसंचार नेटवर्क के लिए विकसित बड़े आँकड़े विश्लेषक की योजना	एमएचआरडी	प.अ: डॉ. एडी दिलीप, सह प.अ.: प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज, डॉ.	1,40,00,000	3 वर्ष

	स्वीकृति की दिनांक: 15.06.16 समापन की दिनांक: 14.06.19		श्रीराम कैलाशम, डॉ. आदित्य निगम, डॉ. समर अग्निहोत्री, डॉ. वरुण दत्त		
5	संवाहक चयनित सम्पर्क सहित सिलीकॉन सौर सैल स्वीकृति की दिनांक: 20.07.16 समापन की दिनांक: 19.07.19	डीएसटी	प.अ.: डॉ. कुनाल घोष (भा.प्रौ.सं. मण्डी), सह प.अ. डॉ. अनिल के साव (भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. सौरभ लोधा (भा. प्रौ.सं. मुम्बई)	1,51,58,180	3 वर्ष
6	आगामी समय में अर्धचालक उद्योग के लिए आधुनिक स्वदेशी ईय वीएल प्रतिरोधक प्रौद्योगिकी स्वीकृति की दिनांक: 01.07.16 समापन की दिनांक: 30.06.19	डीएसटी	प.अ. डॉ. सतिन्द्र शर्मा, सह प.अ. डॉ. सुब्रता घोष, डॉ. प्रदीप परमेश्वरन	91,86,760	3 वर्ष
7	पूर्व कथनात्मक नियंत्रण त्रुटि सहिष्णु मॉडल (पीएआरएएमईडी आईसी) का प्रयोग करते हुये नवीकरणीय ऊर्जा का अनुकूलन अर्थशास्त्र स्वीकृति की दिनांक: 20.09.16 समापन की दिनांक: 19.09.19	एसईआरबी	डॉ. तुषार जैन	23,77,100	3 वर्ष
8	हि.प्र. के मण्डी जिले में भू-स्खलन जोखिम सम्प्रेषणीयता समाधान का विकास और मूल्यांकन स्वीकृति की दिनांक: 12.11.16 समापन की दिनांक: 11.11.18	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. वरुण दत्त	5,12,600	2 वर्ष
9	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी परियोजना-भा. प्रौ.सं. मण्डी समन्वय स्वीकृति की दिनांक: 01.12.16 समापन की दिनांक: 30.11.17	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.) डॉ. वरुण दत्त, डॉ.रमना ठाकुर, डॉ. श्यामा श्री दासगुप्ता (सह प.अ.)	42,000	1 वर्ष
10	तीन या चार यादृच्छिक परिवर्तनीय एन्ट्रॉपी क्षेत्रों का विशेषीकरण और उनके अनुप्रयोग स्वीकृति की दिनांक: 19.01.17 समापन की दिनांक: 18.01.20	एसईआरबी	डॉ. सत्यजितसिंह अजित सिंह ठाकुर	33,26,840	3 वर्ष
11	बड़े आँकड़े का पर्याप्त वितरित अभिकलन स्वीकृति की दिनांक: 18.01.17 समापन की दिनांक: 17.01.22	डीएसटी	डॉ. पूजा पी. व्यवहार्य	35,00,000	5 वर्ष
12	पक्षी ध्वनि विज्ञान का स्वतः विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 25.01.17 समापन की दिनांक: 24.01.20	एसईआरबी	डॉ. पद्मनाभन राजन (प.अ.), श्री वैभव प्रताप (सह प.अ.) (सी-डीएसी, बंगलौर), डॉ. रोबिन विजयन (आईआईएसईआर, तिरुपति)	58,13,602	3 वर्ष
13	यूरिन एल्युमिन मापन के लिए नये जैविक रंजक का प्रयोग करते हुये सूक्ष्म द्रव आधारित सुरक्षा परीक्षण उपकरण स्वीकृति की दिनांक: 08.02.17 समापन की दिनांक: 07.02.20	एमएचआरडी-इम्प्रिंट	डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष (सह प.अ.), डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल (सह प.अ.)	73,20,000	3 वर्ष
14	दो विमितीय संक्रमण धातु डिचालकोजीनाइडज (टीएमडीएस) पर आधारित गैस संवेदक उपकरणों का विकास स्वीकृति की दिनांक: 01.02.17 समापन की दिनांक: 31.12.19	एसईआरबी	डॉ. सुभाशीष दास (प.अ.), डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा (परामर्शदाता)	14,40,000	3 वर्ष
15	अर्धचालक उद्योगों हेतु स्वदेशी फोटोरीसिस्ट प्रौद्योगिकी का विकास: भारतीय अर्थव्यवस्था, कुशल श्रमिक विकास और रोजगार की संभावनाओं पर प्रभाव स्वीकृति की दिनांक: 07.09.16 समापन की दिनांक: 06.09.19	एमएचआरडी	डॉ. सुब्रता घोष (प.अ.), डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा (सह प.अ.), डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन (सह प.अ.)	2,39,00,000	3 वर्ष

मूल अनुदान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का नाम	पंजिका संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन	परियोजना की अवधि
1	दृश्य और ध्वनिक आँकड़ों से पक्षियों की बहुविध पहचान स्वीकृति की दिनांक: 28.10.16 समापन की दिनांक: 27.10.19	भा.प्रौ.सं. मण्डी / एसजी / एनके / 52	डॉ. नरेन्द्र करमारकर	2,00,000	3 वर्ष
2	उच्च गति प्रसारण सम्पर्कों के लिए जिट्टर का सिद्धान्त, डिजाइन और मॉडलिंग स्वीकृति की दिनांक: 07.12.16 समापन की दिनांक: 06.12.19	भा.प्रौ.सं. मण्डी / एसजी / एचएस / 53	डॉ. हितेश श्रीमाली	6,50,000	3 वर्ष

प्रायोजित अनुसंधान परामर्श परियोजनाएँ

क्रमांक	प्रस्तावित नाम	प्राध्यापक का नाम	समझौता हस्ताक्षरित	धन	परियोजना की अवधि
1	बड़े आँकड़े की पर्याप्त जाँच पड़ताल और आभासीकरण स्वीकृति की दिनांक: 01.09.16 समापन की दिनांक: 10.06.17	डॉ. वरुण दत्त	बड़े आँकड़े की पर्याप्त जाँच पड़ताल और आभासीकरण	9,701 डॉलर	9 माह 10 दिन

1. विकसित उत्पाद / प्रौद्योगिकी / आईएसटीपी / डीपी / एमटीपी परिणाम / प्रगति सहित मुख्य अनुसंधान उपलब्धियाँ :

डॉ. आदित्य निगम

मानव का लक्ष्यानुसरण करने वाला दूर नियंत्रित यान: अर्जुन

विवरण: इसका उद्देश्य एक स्वतः चालित ड्रोन का नमूना बनाना था, जो किसी व्यक्ति और वस्तु का लक्ष्यानुसरण रास्ते में साथ-साथ करता है। इसके साथ लगे कैमरे से यह विडियो लेता था और इसे ड्रोन से सर्वर (लैपटॉप) को प्रेषित करता है। सर्वर वस्तु लक्ष्यानुसरण अलॉगरिथम वीडियो धारा पर चलाता है और नेटवर्क पर परिणाम दर्शाता है। यह धीमीगति से व्यक्ति या वस्तु का लक्ष्यानुसरण करने में सक्षम है। यह दिये गये रास्ते का स्वतः ही अनुसरण भी कर सकता है। हमारी योजना जासूसी द्वारा योग्य लक्ष्यानुसरण करने हेतु आहत, एक अलोगरिथम का उपयोग करने की है। क्वेडकोप्टर (चतुश्कोणीय) उड़ने के लिए तैयार है।



डॉ. हितेश श्रीमाली

क) प्रारूप व्यवहार्य: डॉ. सुब्रता रे के निर्देशन में इस दल को स्वचालित पोछे का प्रारूप (रोबमॉप) परियोजना के लिए प्रथम पुरस्कार मिला।

ख) एसएनटीसी क्लब के सलाहकार के रूप में आविष्कार का आयोजन किया। प्रथम वर्ष बी.टैक. के छात्रों ने अपनी 27 शैक्षिक विषयक परियोजनाएँ अन्तः भा.प्रौ.सं. विशेष कार्यक्रम में प्रदर्शित की और इन परियोजनाओं का निर्णय भा.प्रौ.सं. कानपुर के डॉ. राम

नारायण, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के डॉ. एलेक्स फैल, भा.प्रौ.सं. मण्डी के डॉ. अर्नव भावसार, डॉ. पाटिल और डॉ. दीपक स्वामी ने किया। ग) उन्हें भा.प्रौ.सं. मण्डी के 8वें स्थापना दिवस पर शैक्षिक और छात्रों से सम्बन्धित गतिविधियों के सर्वांगीण उत्साही निष्पादन के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. शुभाजीत रॉय चौधरी

- “चैफ ओ-मैटिक: स्वचालित भोजन कूकर” पर डीपी परियोजना— इस परियोजना का उद्देश्य स्वतः ही भोजन पकाना है और गृहस्थी के कार्यों में इसका उपयोग करना है। इसमें भोजन बनाने के लिए एक बटन को दबाने से सब्जियां, चावल और दाल धोने के लिए पर्याप्त जल-प्रवाह होता है। इस परियोजना का उल्लेख अनेक समाचार पत्रों में भी हुआ था।

डॉ. अंकुश बाग

डीपी परिणाम: दिमागी तरंग नियंत्रित कृत्रिम भुजा



डॉ. वरुण दत्त

“कम लागत भू-स्खलन और भूकम्प नियंत्रण तथा चेतावनी प्रणाली” नामक परियोजना को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम नवोत्थान सम्मान के लिए शीर्ष 20 परियोजनाओं में सूचीबद्ध किया गया।

डॉ. राजिनीकुमार रामालिंगम

डीपी परियोजना: विजन

परिणाम: नेत्रहीनों के लिए सस्ते, उपभोक्ताओं को पढ़ने और लिखने के लिए सरल उपकरण का विकास और परीक्षण किया गया है।



डॉ. पद्मनाभन राजन

पक्षी गतिविधि जाँच की समस्या का प्रस्तुतिकरण करने के लिए निर्णायक पुरस्कार, क्यूएमयू लंदन।

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा

बी.टैक. छात्रों की छः सदस्य वाली टीम का निर्देशन, डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा ने सह परामर्शदाता डॉ. राजिनीकुमार रामालिंगम के साथ किया; इसमें लिखने वाला मुद्रक और पढ़ने वाला स्कैनर बनाया गया तथा ‘प्रारूप व्यवहार्य— 2017’ में प्रतिमान भी प्रदर्शित किया।

3. प्रकाशन:

पेटेंट्स / पुस्तकें / पुस्तक अध्याय / राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्र / पत्रिकाएँ / सम्मेलन पत्रिकाएँ

1. जैन, तुषार और जोसेफ जे. यामे, "उभार रहित स्वचन यंत्रीकरण के साथ वास्तविक समय स्वतंत्र मॉडल के व्यावहारिक नियंत्रण का विश्लेषण और अनुप्रयोग" अनुकूली नियंत्रण और संकेत प्रक्रम 30 क्रमांक 5 (2016): 736–749 में प्रकाशित ।
2. ए. एन्ड्रेज़ा, ए. कास्टोल्डी, वी. सीरेली, जी., चिओदिनी एम. सीटीरियो, जी. दरबो, जी. गेरिआनो, ए. गॉडिल्लो, सी. गुज़ोनी, ए. जोशी, वी. लिबराली, एस. पास्साडोरे, एफ. रगुसा, ई. रूसिनो, सी. सबारा, ए. सिदोती, एच. श्रीमाली, ए. स्टेबाईल, आई. यादव और ई. जेफफारोनी, "बीसीडी8 प्रौद्योगिकी में एचवी-सीएमओएस संसूचक" यंत्रीकरण पत्रिका, आईओपी विज्ञान, भाग 11, नवम्बर 2016, सी11038 में प्रकाशित ।
3. शुभाशीश दास, अंकुश बाग और ध्रुवस बिस्वास, "फास्ट रिस्पॉन्स (7.6 सेकिण्ड) एसीटोन सेंसिंग बाई InGaN/GaN ऑन Si (111) ऐट 373K" आईईईईई इलैक्ट्रॉन उपकरण पत्र, भाग 38, क्रमांक 3, पृष्ठ 383–386, 2017 (डीओआई: 10.1109/एलईडी.2017.2647831) में प्रकाशित ।^{१६}
4. शुभाशीश दत्ता, ध्रुव क्षेत्र व्यवरोध के साथ रैखिक समय निश्चर निरूपक प्रणालियों के लिए पुनः निविष्ट नियंत्रक मानक अनुकूलन, आईईईईई स्वतः नियंत्रण पर संव्यवहार, पूर्ण पत्र स्वीकृत ।
5. कौशिक, एस., चौधुरी, ए. मलिक, के., मोइड, ए. और दत्त वी. (2016); स्वास्थ्य सेवा के लिए आँकड़ा खनन लागू: चिकित्सकों और मरीज की अवस्थाओं के सामाजिक नेटवर्क पर अध्ययन। संगणक विज्ञान में यंत्र अधिगम और व्याख्यान टिप्पणियों के क्रम में और पैटर्न अभिज्ञान में आँकड़ा खनन, भाग 9729, पृष्ठ 599–613 में प्रकाशित ।
6. गोन्जालेज़, सी. और दत्त वी. (2016); सूचना और प्रयोगात्मक विकल्प के दौरान खोज और अधिकतमीकरण, गतिक निर्णय बनाना, 2 (1) ।
7. आर.के. चौहान, बी.एस. राजपुरोहित, आर.ई. हेबनर, एस.एन. सिंह और एफ.एम. गोन्जाल्ज-लॉंगट्ट, "आवासीय भवनों के लिए डीसी वितरित प्रणाली के वोल्टेज का मानकीकरण" शुद्ध ऊर्जा प्रौद्योगिकी जेओसीईटी-2016, भाग 4, क्रमांक 3, पृष्ठ 167–172 में प्रकाशित ।
8. आर.के. चौहान, बी.एस. राजपुरोहित, एसएन सिंह और एफएम गोन्जाल्ज-लॉंगट्ट,; भविष्य में डीसी घरों में पीवी बैटरी आधारित माइक्रोग्रिड के लिए कुशल ऊर्जा प्रबन्धन प्रणाली" उभरती विद्युत ऊर्जा प्रणालियों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, भाग- 17, क्रमांक 2, पृष्ठ 173–186, अप्रैल 2016 में प्रकाशित ।
9. एस. मण्डल, ए. भावसार और ए.के. साव, बिम्ब प्रसंस्करण पर आईईईईई संव्यवहार, "प्रतिकृत आँकड़े के अंतर्गत गहन मानचित्र पुनः स्थापन" । भाग 26, क्रमांक 1, पृष्ठ 119–134, 2017
10. एस. मण्डल, ए. भावसार और ए.के. साव, एकल बिम्ब से अस्थानीय साधनों और विरल प्रतिनिधित्व से होकर रव अनुकूली अधिविभेदन", संकेत प्रक्रम, भाग 132, पृष्ठ 134–149, 2017 में प्रकाशित ।
11. एस. मण्डल और ए.के. साव, "विरल क्षेत्र में एकल बिम्ब अधि-विभेदन में शब्दकोश सीखने के लिए संरचनात्मक एवं सांख्यिकीय सूचना नियोक्ता", संकेत प्रक्रम: भाग 48, पृष्ठ 63–80, 2016 में प्रकाशित ।
12. वी. अबरोल, पी. शर्मा और ए.के. साव, "भाषण संकेतों के विरल प्रतिनिधित्व के लिए लोलुप दोहरा विरल शब्दकोश" भाषण सम्प्रेषण, भाग 85, पृष्ठ 71–82, 2016 ।
13. वी. अबरोल, पी. शर्मा और ए.के. साव, "वर्गीकर आधारित मूल विरल प्रतिनिधित्व के लिए लोलुप शब्दकोश अधिगम," पैटर्न अभिज्ञान पत्र, भाग 78, पृष्ठ 64–69, 2016 में प्रकाशित ।
14. एस. डगर, एस. रॉय चौधुरी, एस. बपी राजु, ए. दत्ता, डी रॉय और क्वोट; नीयर-इन्फ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस)-इलैक्ट्रोनसीफेलोग्राफी (ईईजी) बेस्ड ब्रेन-स्टेट डीपेन्डेंट इलैक्ट्रोथीरेपी (बीएसडीई): उत्तेजन-निरोध तुलन परिकल्पना और क्वोट आधारित संगणनात्मक दृष्टिकोण; तांत्रिकी में सीमांतक, प्रकाशन के लिए स्वीकृत, अगस्त, 2016 ।

15. एस. रामाश्याम, एस. रॉय चौधुरी और क्वोट; नजदीकी अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्वोट का उपयोग करते हुये रक्त यूरिया सांद्रण का गैर आक्रामक आकलन; तेज संवेदन और कुशल प्रणालियों की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, भाग 09, क्रमांक 02, पृष्ठ 449-467, 2016।
16. एन. सिद्धिकी, वी. भावसार, ए. भावसार, एस. बोस, "क्रॉस बहुवैकल्पिक प्रकार के प्रश्नों के लिए योजना बनाने पर चिंतन और व्यवहारिक रूप से लागू योजना का उदाहरण" भेषजगुण विज्ञान भारतीय पत्रिका, भाग 48, अंक 2, पृष्ठ 114-121, 2016 में प्रकाशित।
17. आर. खोसला, ई.जी. रोलसेठ, पी. कुमार, एस.एस. वडाकुपुधुपालायम, एस.के. शर्मा और जे. शकुलज, "Al₂O₃SiO₂/Si धातु का चार्ज ट्रैपिंग विश्लेषण" उभरती स्मृतियों के लिए सन्निहित गेट स्टैक," भाग 17, क्रमांक 1, पृष्ठ 80-89, 2017 में प्रकाशित।
18. जोशी आशीष श्रीमाली हितेश, शर्मा सतिन्द्र, "ए सिस्टेमैटिक डिजाइन अप्रोच फॉर ए गेन बूस्टीड टेलिस्कोपिक ओटीए विद क्रॉस कप्ल्ड कैपेसिटर", आईटी सर्कट्स, उपकरण और प्रणालियाँ, 2017, अन्वेषण की दिनांक: 10,1049 / आईईटी-सीडीएस.2016.0448आईईटी
19. एम. सोनी, पी. कुमार, ए. सोनी, एस.के. शर्मा, "जलीय फ्लोराइड ऋणायन, संवेदक और प्रवर्तक बी के लिए एक नया सस्ता और चयनित GO/Al- μ -IDEs आण्विक संवेदक, संवेदक बी, 2017।
20. एस. शर्मा, आर. खोसला, डी. देवा, एच. श्रीमाली और सतिन्द्र के. शर्मा, यूवी जाँच अनुप्रयोगों के लिए फ्लोरीन-क्लोरीन कोडोप्लेड TiO₂/CSA डोपेड पोलिएनीलिन असमलैंगिक संरचना, संवेदक और प्रवर्तक ए, भाग 261, पृष्ठ 94, 2017 में प्रकाशित।
21. पी. कुमार, आर. खोसला, एम. सोनी, डी. देवा और एस.के. शर्मा, "टेम्पलेट के रूप में कचालू के पत्ते से Ag संविरचित सूक्ष्म संरचित पीडीएमएस क्रियाधार संविरचित पर आधारित मैलेकाइट हरित जाँच के लिए एक अति संवेदनशील, लचकदार एसईआरएस संवेदक, संवेदक और प्रवर्तक बी", भाग 246, पृष्ठ 477, 2017 में प्रकाशित।
22. ए. जोशी, आई. यादव, एस. शर्मा और एच. श्रीमाली, आईईईई इंट. मिडवेस्ट सिम्प. में सर्कट्स और सिस्ट. (एमडब्ल्यूएससीएस) पर "ध्रुव-शून्य युग्म: क्रॉस युग्मक संधारित्र के साथ एक कैस्कोड संचालनात्मक प्रवर्धक," अक्टूबर 2016 में प्रकाशित।
23. पी. कुमार, आर. खोसला और एस. के. शर्मा, "नैनोस्केल इन्वेस्टिगेशन्ज: सर्फेस पोटाशियल ऑफ रेअर अर्थ ऑक्साइड (Re₂O₃) थिन फिल्मज बाई केल्विन प्रोब फोर्स माइक्रोस्कोपी फॉर नेक्सड जनरेशन सीएमओएस टैक्नोलोजी" सर्फेसिज और इंटरफेसिज, भाग 4, पृष्ठ 69, 2016 में प्रकाशित।
24. एस्ट्रिड किह, दीपांकर अग्रवाल: चेक प्वाइंटिंग और सम्बन्धित कलन विधि का अस्थिर अध्ययन, संगणक कार्यक्रम निर्माण विज्ञान (एलस्वियर), अन्वेषण की दिनांक: 10,1016 / j.scico.2017.03.009, 2017 में प्रकाशित।
25. एस. धर, सी. बनर्जी, एच. साहा और के. घोष, "आईईईई में इलैक्ट्रोन उपकरणों पर संव्यवहार, "आकारहीन सिलीकॉन / क्रिस्टलीन सिलीकॉन विजातीय संरचना सौर सैल के वक्र जीवन काल का रूपांकन और विश्लेषण" भाग 63, क्रमांक 10, पृष्ठ 3996-4002, अक्टूबर, 2016 में प्रकाशित।
26. सथीस, अभिषेक यूकिल, होये बेंग गूर्ई, उज्जल मननधर, टुम्मरू नरसा रेड्डी, दो अवस्था सीमित दर नियंत्रण का उपयोग करते हुये बैटरी के चार्ज / डिस्चार्ज का आकलन, धारणीय ऊर्जा पर आईईईई ट्रांजैक्शन" भाग पीपी, क्रमांक 99, पृष्ठ 1-1, नवम्बर, 2016 (शीघ्र पहुँच)।

पेटेंट

1. एस. रॉय चौधुरी, एल.वी.आर. प्रसादराजु, ए. मधुबाबू: वीयेरेबल फेटल कारडिएक हेल्थ मोनिटरिंग सिस्टम, भारतीय पेटेंट न0 201643042957, दिनांक 16-12-2016।
2. एस. रॉय चौधुरी, एल.वी.आर. प्रसादराजु, ए. मधुबाबू: धारणीय हेमोग्लोबिन नियंत्रक उपकरण, भारतीय पेटेंट न0 20164303685, दिनांक 26-10-2016।
3. एस. रॉय चौधुरी, एल.वी.आर. प्रसादराजु, ए. मधुबाबू, धारणीय हृदय स्वास्थ्य नियंत्रण प्रणाली, भारतीय पेटेंट न0

201641036083, दिनांक 21-10-2016।

4. आगामी संकलित परिक्षेत्र (आईसीएस) प्रौद्योगिकी के लिए अरासायनिक रूप से प्रवर्धित आण्विक फोटोरिसिस्ट की नयी श्रेणी, अन्वेषक: केन्थ ई. गोन्सेल्वज; सुब्रत घोष प्रदीप परमेश्वरन; सतिन्द्र के. शर्मा; नेहा ठाकुर; पुलिकांति गुरु प्रसाद रेड्डी; सांतु नंदी; मिदाथला योगेश; (आवेदन क्रमांक: 201611044190)
5. आगामी पीढ़ी लिथोग्राफी के लिए अति संवेदनशील एमएपीडीएसएम-एमएपीडीएसटी आधारित प्रतिरोधक प्रौद्योगिकी; (आवेदन क्रमांक: 201611022219)। अन्वेषक: केन्थ ई. गोन्सेल्वज, सतिन्द्र के. शर्मा, सुब्रता घोष, चुल्लिकाट्टिल पी. प्रदीप, पुलिकांति गुरुप्रसाद रेड्डी, सत्येन्द्र पी. पाल, पवन कुमार।
6. पोलि एल्काईल सल्फाईड (पीएस) विश्लेषण, चरित्रण और इसके यूवी-365 एनएम लिथोग्राफी पैटर्निंग; अन्वेषक: केन्थ ई. गोन्सेल्वेज, सतिन्द्र के. शर्मा, सुब्रता घोष, चुल्लिकाट्टिल पी. प्रदीप, पुलिकांति गुरुप्रसाद रेड्डी, सत्येन्द्र पी. पाल, पवन कुमार।
7. आस्था त्यागी, कुनाल घोष, अनिल कोट्टांथरायिल, सौरभ लोधा, "फोटोवोल्टिक्स में बेहतर प्रभावकता और सस्ते घोल के लिए चयनित वाहक सम्पर्क के साथ पिछले संरचित सौर सैल"। भारतीय पेटेंट दर्ज, आवेदन न0 201721004570।

प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय

1. मक्बूल, ज़ेड, पामिनी, वी. सी. और दत्त वी. (2016), 'हैकरज पर अभिप्रेरणात्मक कारकों का प्रभाव और विश्लेषण', गतिशील सुरक्षा प्रतियोगिताओं में निर्णय। साइबर सुरक्षा में मानव कारकों की प्रगति, स्प्रिंगर, पृष्ठ 239-251 (अन्वेषण की दिनांक: 10.1007/978-3-319-41932-9-20) (वोन एचएफई 2016 सर्वोत्कृष्ट छात्र पत्र सम्मान)
2. मक्बूल, ज़ेड, पामिनी, वी. सी. और दत्त वी. (2016), साइबर सुरक्षा: गतिशील सुरक्षा प्रतियोगिताओं में सूचना उपलब्धता का प्रभाव, साइबर पारिस्थितिकीय सतर्कता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2016 आईईईई की कार्यवाहियां, आँकड़ा विश्लेषण और मूल्यांकन (साइबर एसए), पृष्ठ 1-5 में प्रकाशित।
3. दत्त वी., मोइसन, एफ. और गोन्जाल्ज़, सी. (2016), साइबर-आक्रमण जाँच में अतिक्रमण जाँच प्रणालियों की भूमिका। कुशल प्रणालियों और संगणन में प्रगति की श्रेणी में साइबर सुरक्षा भाग 501 में मानव कारकों की प्रगति)
4. चतुर्वेदी पी. अरोड़ा, ए. और दत्त वी. (2017), अंतः क्रिया भू-स्खलन अनुकारक: भू-स्खलन जोखिम मूल्यांकन और सम्प्रेषणीयता के लिए उपकरण। प्रयुक्त डिजिटल मानव नमूने की बनावट और अनुकारक (पृष्ठ 231-243)। स्प्रिंगर अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन।
5. अग्रवाल पी., गोन्जाल्ज़, सी. और दत्त वी. (2016), साइबर सुरक्षा: साइबर आक्रमण जाँच में धोखे की भूमिका। डी. निकोल्सन, साइबर सुरक्षा में मानव कारकों में प्रगति (पृष्ठ 85-96)। स्प्रिंगर अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन।
6. वीना ठेंकानिदियूर, ए.डी. दिलीप और सी. चन्द्र शेखर, "भाषण और बिम्ब प्रसंस्करण कार्यों में लम्बाई भिन्नता पैटर्न के विश्लेषण के लिए गतिशील कर्नल आधारित दृष्टिकोण" पैटर्न पहचान और बड़े आँकड़े में अध्याय 13, अमिता पाल, संकर के. पाल. एड्स हर्श, पीए, वर्ल्ड साईटिफिक 2017 में प्रकाशित।

सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र

1. सारस्वत, मयंक, साकारी जोइनवारा, तुषार जैन, अनिल कुमार तोमर, अशिमा सिन्हा, सरमन सिंह, सविता यादव और रिस्तो रेन्कोनन। "ह्यूमन स्परमेटाजोआ क्वांटिटेटिव प्रोटीओमिक सिग्नेचर क्लासिफाइज नोर्मा एण्ड एस्थेनोजूसपरमिया"। आण्विक और कोशिकीय प्रोटीओमिक्स 16, न0 1 (2017): 57-72।
2. टी. जैन, जे.जे. यामे और डी. सौटर, "बहु क्षेत्र भवन में ऊर्जा प्रभावकता के लिए डाटा के आधार पर त्रुटि सहनीय नियंत्रण, नियंत्रण, स्वचालन, रोबोटिक्स और विजन (आईसीएआरसीवी) पर 14वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन- 2016, फुकेत, 2016, पृष्ठ 1-16।
3. एस. ठाकुर, टी. चैन, ए. ग्रांट, सूचना सिद्धांत और इसके अनुप्रयोगों (आईएसआईटीए 2016) पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एन्ट्रॉपी से होकर चरित्रण उपलब्धता वितरण, पृष्ठ 723-727, मठ अमेरिका, अक्टूबर 2016।
4. एस. ठाकुर, एस. अब्बास, सूचना सिद्धांत और इसके अनुप्रयोगों (आईएसआईटीए 2016) पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में

- “आउटर बाउन्डज ऑन द कैपेसिटी ऑफ 2—एन रीले गॉसियन नेटवर्क, पृष्ठ 453—457, अमेरिका, अक्टूबर 2016।
5. एस. ठाकुर, टी. चैन, ए. ग्रांट, सूचना सिद्धांत पर आईईईई संव्यवहार में “सह सम्बन्धित संसाधनों के साथ नेटवर्क के लिए क्षमता बंध और एन्ट्रॉपीज द्वारा चरित्रण वितरण” मार्च 2017.10.1109 / टीआईटी.2017.2681078।
 6. जी. श्रीकांथ रेड्डी, एस. खार्चे, जयंता मुखर्जी, “सीमिट्रिक / एसीमिट्रिक सीपीडब्ल्यू फीड कम्पैक्ट यूडब्ल्यूबी एन्टीना विद पोलेराइजेशन डाइवर्सिटी करैक्टरीस्टिक्स”, आईईईई एशिया पेसिफिक माइक्रोवेव सम्मेलन (एपीएमसी—2016), नई दिल्ली, भारत।
 7. ललित कुमार, दीपक कुमार मित्तल और राहुल श्रेष्ठा, “वीएलएसआई—डिजाइन और कम ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए कोरडिक ईजन का प्रयोग करते हुये जीएमएसके—डीमोडुलेटर वास्तुकला का एफपीजीए कार्यान्वयन”, 13वां अन्तर्राष्ट्रीय आईईईई भारत सम्मेलन (आईएनडीआईसीओएन), पृष्ठ 1—5, दिसम्बर—2016 में प्रकाशित। (सर्वोत्कृष्ट सम्मानित विज्ञापन)
 8. सौमित्र संजय दुबे, राहुल श्रेष्ठा और शुभाजीत रॉय चौधुरी, “उच्च गति अनुप्रयोगों के लिए मैट्रिक्स की संगणन आइजनवैल्यूज में एक नयी वास्तुकला” 13वां अन्तर्राष्ट्रीय आईईईई भारत सम्मेलन (आईएनडीआईसीओएन), पृष्ठ 1—5, दिसम्बर—2016 में प्रकाशित।
 9. इन्ना सचदेवा, प्रतीक पोरवाल, नालिनी विद्युलथा और राहुल श्रेष्ठा, “कम ऊर्जा वीएलएसआई—वास्तुकला और फुजी लॉजिक आधारित स्वचालित कार पार्किंग प्रणाली का एएसआईसी कार्यान्वयन”। 13वां अन्तर्राष्ट्रीय आईईईई भारत सम्मेलन (आईएनडीआईसीओएन), पृष्ठ 1—6, दिसम्बर—2016 में प्रकाशित।
 10. वेदांग पटेल, आदित्य निगम और अर्नव भावसार, वक्रता बिन्दुओं का प्रयोग करते हुये स्वचालित दिमाग ट्रैक्टोग्राफी परिच्छेदन,” संगणक विज्ञान पर 10वां भारतीय सम्मेलन, ग्राफिक्स और बिम्ब प्रक्रम (आईसीवीजीआईपी), 18—22 दिसम्बर, 2016, भा.प्रौ.सं गुवाहाटी।
 11. ध्रुव, तुहिन, आदित्य निगम और अर्नव भावसार, “घुटना एमआरआई से अपर्यवेक्षित पूर्णतः स्वचालित नरम हड्डी परिच्छेदन”, पैटर्न पहचान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीआर), 04—08 दिसम्बर 2016, मेक्सिको।
 12. गौरव जैसवाल, आदित्य निगम और रविन्द्र नाथ, गहन तुलना का उपयोग करते हुये उंगली जोड़ की बिम्ब आधारित निजी पहचान, आईईईई पहचान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सुरक्षा और व्यवहार विश्लेषण (आईएसबीए), 22—24 फरवरी, 2017, आईआईआईटी दिल्ली।
 13. ए. एन्ड्रेज़ा, ए. कास्टोल्डी, वी. सीरियेली, जी. चिओदिनि, एम. सिटीरियो, जी. दर्बू, जी. गैरिनो, ए. गॉडिल्लो, सी. गॉजोनी, वी. लिबरेलि, एस. पास्साडोरे, एफ. रगुसा, ए. रोवेनी, ई. रूसिनो, सी. स्वारा, एच. श्रीमाली और ई. ज़फारोनी, “उच्च ऊर्जा भौतिक विज्ञान के लिए एचवी—सीएमओएस संसूचक: बीसीडी8 प्रौद्योगिकी का चरित्रण और नियंत्रित हाइब्रिडाइजेशन प्रौद्योगिकी” आईईईई में नाभिकीय विज्ञान सम्मेलन—2016 (एनएसएस), अक्टूबर, 29 से 6 नवम्बर, 2016।
 14. ए. जोशी, आई. यादव, एस. शर्मा, एच. श्रीमाली, सर्कट्स और सिस्टम्ज (एमडब्ल्यूएससीएस) पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय मध्य पश्चिमी सम्मेलन “ध्रुव—शून्य युग्म: क्रॉस युग्मक संधारित्र के साथ एक कैस्कोड संचालनात्मक प्रवर्धक,” अबु धाबि (यूई), अक्टूबर 16—19, 2016।
 15. ए. एन्ड्रेज़ा, ए. कास्टोल्डी, वी. सीरियेली, जी. चिओदिनि, एम. सिटीरियो, जी. दर्बू, जी. गैरिनो, ए. गॉडिल्लो, सी. गॉजोनी, वी. लिबरेलि, एस. पास्साडोरे, एफ. रगुसा, ए. रोवेनी, ई. रूसिनो, सी. स्वारा, एच. श्रीमाली और ई. ज़फारोनी, “बीसीडी8 प्रौद्योगिकी में एचवी—सीएमओएस संसूचकों का चरित्रण और एक नियंत्रित हाइब्रिडाइजेशन प्रौद्योगिकी” वर्टैक्स संसूचक पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, वर्टैक्स—2016, इसोला डीएल्वा, ईटली, सितम्बर 25—30, 2016।
 16. ए. एन्ड्रेज़ा, ए. कास्टोल्डी, जी. चिओदिनि, एम. सिटीरियो, जी. दर्बू, जी. गेरियानो, ए., गॉडिल्लो, सी. गुज़ोनी, ए. जोशी, वी. लिबरालि, एस. पास्साडोरे, एफ. रगुसा, ए. रोवेनी, ई. रूसिनो, सी. स्वारा, ए. सिदोति, एच. श्रीमाली और ई. ज़फारोनी; “बीसीडी8 प्रौद्योगिकी में एचवी—सीएमओएस संसूचक”, अणुओं और बिम्ब विधान (पिक्सल—2016) के लिए अर्द्धचालक पिक्सल संसूचक पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, सीस्ट्री लीवेंटी, ईटली, सितम्बर 5 से 9, 2016।
 17. ए. एन्ड्रेज़ा, ए. कास्टोल्डी, जी. चिओदिनी, एम. सिटीरियो, जी. दर्बू, जी. गेरियानो, ए., गॉडिल्लो, सी. गॉजोनी, ए. जोशी,

वी. लिबरालि, एस. पास्साडोरे, एफ. रगुसा, ई. रुसिनो, सी. स्वारा, ए. सिदोति, एच. श्रीमाली और आई. यादव और ई. ज़फ़ारोनी, उच्च ऊर्जा भौतिक विज्ञान के लिए एचवी-सीएमओएस संसूचक: बीसीडी8 प्रौद्योगिकी का चरित्रण और नियंत्रित हाइब्रिडाइजेशन प्रौद्योगिकी," विकिरण बिम्ब विधान (आईडब्ल्यूओआरआईडी) पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, बारसीलोना, स्पेन, जुलाई 3 से 7, 2016।

18. जे. त्रिपाठी, वी. शर्मा, एच. अदवानी, पी. सिंह, एच. श्रीमाली और आर. मालिक, "उच्च गति क्रमिक सम्पर्क में वोल्टेज मोड चालक के लिए ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित जिटर का विश्लेषण"। आईईईई में संकेत और ऊर्जा अखण्डता (एसपीआई) पर कार्यशाला, तुरिन, ईटली, मई 8-11, 2016।
19. शुभाशीष दत्ता, 2016; "रेखीय समय निश्चर विवरण प्रणाली के लिए नियंत्रण प्रयास अनुकूलन," गणित का 7वां यूरोपियन सम्मेलन, जुलाई 18 से 22, बर्लिन, जर्मनी।
20. शुभाशीष दत्ता और वोल्कर मेहरामन्न, 2016; "रेखीय समय निश्चर विवरण प्रणाली का प्राप्य अंतरिक्ष संगणन", गणित का 7वां यूरोपियन सम्मेलन, जुलाई 18 से 22, बर्लिन, जर्मनी।
21. शुभाशीष दत्ता, 2016; "निरूपक प्रणालियों में आवेग छोड़ने के लिए इष्टतमीकरण आधारित अवस्था पुनः निविष्ट नियंत्रण डिजाइन", द्वितीय भारतीय नियंत्रण सम्मेलन, जनवरी 4 से 6, हैदराबाद, भारत।
22. ए. भारद्वाज और एस. अग्निहोत्री; एलटीई-ए नेटवर्क में बाधा सतर्कता डी2डी बहुरूपीय सत्र प्रावधानीकरण, बेतार सम्प्रेषणीयता और नेटवर्क सम्मेलन (डब्ल्यूसीएनसी) 2017, सैन फ्रांसिस्को, सीए, मार्च 2017।
23. के. वर्मा, ए. गारसिया-मार्टिन्ज़, एस. अग्निहोत्री; "हरित फाईल वितरण की कठोरता पर इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग"। नेटवर्क संगणन और अनुप्रयोग (एनसीए) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2016 कैम्ब्रिज, एमए, अक्टूबर से नवम्बर, 2016
24. टी. अग्रवाल और एस. अग्निहोत्री, सीक्योर एम्पलीफाई एण्ड फॉरवर्ड रीलेईंग इन लाइनियर चैन विद ए सिंगल ईवेसड्रॉपर, संकेत प्रक्रमण और सम्प्रेषणीयता (एसपीसीओएम) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2016, बंगलौर, भारत, जून 2016।
25. ए. भारद्वाज और एस. अग्निहोत्री, कोशिकीय नेटवर्क में बहु विकल्पी उपकरण से बहुरूपीय उपकरण के लिए संसाधन आबंटन योजना, बेतार सम्प्रेषणीयता और नेटवर्क सम्मेलन (डब्ल्यूसीएनसी) 2016, दोहा, कतर, अप्रैल 2016।
26. एफ. गोन्ज़ालेज़-लौंगट्ट, बी.एस. राजपुरोहित, एस.एन. सिंह, "शून्य नेट ऊर्जा भवनों के समूह के लिए कुशल डीसी माइक्रोग्रिड की अनुकूलन संरचना", आईईईई कोन. 2016। लीवन बेल्जियम, 4 से 8 अप्रैल 2016।
27. अदिल उस्मान, भक्ति जोशी और भरत सिंह राजपुरोहित; "ब्रश रहित डीसी मोटर की मॉडलिंग, विश्लेषण और नियंत्रण विधियों की समीक्षा" आईईईई प्रायोजित आईसीपीईआईसीईएस 2016 तमिलनाडु, अप्रैल 20-21, 2016।
28. अदिल उस्मान और भरत सिंह राजपुरोहित, "फुजी लॉजिक नियंत्रक का उपयोग करते हुये बीएलडीसी मोटर चाल नियंत्रक" ऊर्जा इलैक्ट्रॉनिक्स पर प्रथम आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कुशल नियंत्रण और ऊर्जा प्रणालियाँ, आईईईई आईसीपीईआईसीईएस 2016, डीटीयु, दिल्ली, जुलाई 4-6, 2016।
29. आर.एम. पिंदौरिया, ए.के. मिश्रा, बी.एस. राजपुरोहित, आर. कुमार, जीरो क्रौसिंग बैक ईएमएफ प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुये संवेदनहीन बीएलडीसी मोटर की स्थिति का विश्लेषण और चाल नियंत्रण", आईईईई आईसीपीईआईसीईएस-2016, 3 से 6 जुलाई, 2016, दिल्ली, भारत।
30. जी. पाण्डे, एस.एन. सिंह, बी.एस. राजपुरोहित और एफ. गोन्ज़ालेज़-लौंगट्ट, "जीरो नेट ऊर्जा भवन समूह: ऊर्जा प्रबन्धन और संरक्षण, नवम ऊर्जा प्रणाली संगणन सम्मेलन (पीएससीसी), जीनोवा, ईटली, जून 20-24, 2016।
31. एफ. गोन्ज़ालेज़-लौंगट्ट, बी.एस. राजपुरोहित, एस.एन. सिंह, "जीरो नेट ऊर्जा भवन समूह के लिए कुशल डीसी माइक्रोग्रिड की इष्टतम संस्थिति" नवम ऊर्जा प्रणाली संगणन सम्मेलन (पीएससीसी 2016), जीनोवा, ईटली, जून 20-24, 2016।
32. एफ. गोन्ज़ालेज़-लौंगट्ट, बी.एस. राजपुरोहित, एस.एन. सिंह, "स्वायत्त जीरो नेट विद्युत नेटवर्क के लिए अनुकरण प्लेटफॉर्म"। 51वां अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ऊर्जा अभियांत्रिकी सम्मेलन (यूपीसीसी 2016), 06-09 सितम्बर 2016,

कोइम्बरा, पुर्तगाल ।

33. एफ. गोन्ज़ालेज-लॉगट्ट, बी.एस. राजपुरोहित, एस.एन. सिंह, "स्वायत्त कुशल मल्टी-टर्मिनल डीसी माइक्रोग्रिड के लिए अनुकरण प्लेटफॉर्म। आईईईई पीईएस नवप्रवर्तकारी कुशल ग्रिड प्रौद्योगिकी एशियाई सम्मेलन-2016 (आईएसजीटी एशिया 2016), मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया, 28 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2016 ।
34. आर.एम. पिंदौरिया, ए.के. मिश्रा, बी.एस. राजपुरोहित, आर. कुमार, "स्थायी चुम्बक तुल्यकालिक मोटर की नियंत्रक योजनाओं के निष्पादन का विश्लेषण", आईईईई टेनकोन-2016, सिंगापुर, नवम्बर 2016 ।
35. राम कृष्णन, ए.के. मिश्रा और बी.एस. राजपुरोहित, "एकल कला ट्रांसफॉर्मर का वास्तविक समय पैरामीटर आकलन", आईईईई सातवां पावर इंडिया अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2016, बीकानेर, भारत, नवम्बर 25-27, 2016 ।
36. एन. वॉगवांटेनी, जे.जी. सिंह और बी.एस. राजपुरोहित, "यादृच्छिक द्वीपसमूह नेटवर्क में भार विरतीकरण न्यूनीकरण और वोल्टेज स्थिरता पर विचार करते हुये इसकी पुनः स्थापना नीति", पीकोन-2016, दिसम्बर 19-20, 2016, थाईलैंड ।
37. वीईसीसी कलकत्ता में निम्नतापिकी और अधिचालकता (एनएससीएस-26) पर राष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक 22-24 फरवरी, 2017 शीर्षक: प्रकाशीय आधारित निम्नताप संगत लम्बी दूरी का विस्थापन संवेदक ।
38. इदुपुगंटी, ए., राठोर, ए.के. जोशी, बी. एम., ऑप्टिमल लो-स्विचिंग फ्रीक्वेंसी प्लस विड्थ मोडुलेशन ऑफ डुअल मोडुलेटर मल्टी लेवल कन्वर्टर फॉर मीडियम वोल्टेज ओपन एण्ड स्टेटर वाइंडिंग इंडक्शन मोटर ड्राइव, आईईईई आईसीओएन-2016, अक्टूबर-2016, फ्लोरिदा, ईटली ।
39. भुजेडी, आर. मुजावर, आर., सिंह, पी. जोशी, बी.एम., ओरुगंटी आर, बेतार पावर ट्रांसफर के लिए युग्मित कुंडली का रूपांकन और विश्लेषण, आईईईई पीईडीईएस-2016, दिसम्बर 2016, त्रिवेन्द्रम, केरल, भारत ।
40. गर्ग, ए. जोशी, बी.एम., ओरुगंटी आर, "डीसी माइक्रोग्रिड में वितरित नियंत्रण पर बल सहित वास्तविक समय ऊर्जा प्रबन्धन नीतियों का सिंहावलोकन, आईईईई पीईडीईएस-2016, दिसम्बर, 2016, त्रिवेन्द्रम, केरल, भारत ।
41. जोशी बी.एम., "ऐवरेज टोर्क ऐरर ऐज ए फाल्ट डायगेनोस्टिक इंडैक्स फॉर वेक्टर-कंट्रोल्ड इंडक्शन मोटर ड्राइव्स विद स्टेटर इंडर टर्न शॉर्ट सर्कट फाल्ट, आईईईई पीईडीईएस 2016, दिसम्बर 2016, त्रिवेन्द्रम, केरल, भारत ।
42. एफ. गोन्ज़ालेज-लॉगट्ट, बी.एस. राजपुरोहित, एस.एन. सिंह, "जीरो नेट ऊर्जा भवन समूह के लिए कुशल डीसी माइक्रोग्रिड अनुकूलन संरचना" आईईईई एनर्जी कोन. 2016 । लीवन बेल्जियम, 4 से 8 अप्रैल, 2016 ।
43. अदिल उस्मान और भरत सिंह राजपुरोहित, ब्रश रहित डीसी मोटर की मॉडलिंग, विश्लेषण और नियंत्रण विधियों की समीक्षा" आईईईई प्रायोजित आईसीसीपीईआईसी 2016, तमिलनाडु, अप्रैल 20-21, 2016 ।
44. अदिल उस्मान और भरत सिंह राजपुरोहित, "फुजी लॉजिक नियंत्रक का उपयोग करते हुये बीएलडीसी मोटर का चाल नियंत्रक" ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स पर प्रथम आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कुशल नियंत्रण और ऊर्जा प्रणालियाँ, आईईईई आईसीपीईआईसीईएस-2016, डीटीयू, दिल्ली, जुलाई 4-6, 2016 ।
45. कृष्ण शर्मा, रेणु रमेशन, संगणक विज्ञान अनुप्रयोगों पर द्वितीय कार्यशाला (डब्ल्यूसीवीए-2016) में "स्थिर बिम्बों से चेहरे सम्बन्धी अभिव्यक्ति के लिए शब्दकोश आधारित दृष्टिकोण", 19 दिसम्बर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी ।
46. ज्योति निगम, रेणु एम. रमेशन, स्वकेंद्रिक धारणा पर प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, "स्वकेंद्रिक वीडियो में मानव की खोज और पुनः पहचान" पारस्परिक विचार-विमर्श और संगणन, ईसीसीवी 2016, (EPIC@ECCV2016) (बढ़ा हुआ सारांश) ।
47. वी. अबरोल, पी. शर्मा और ए.के. साव, विरल मॉडल और प्रौद्योगिकी के मध्य पारस्परिक अन्योन्य क्रिया पर अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा सम्बन्धी कार्यशाला "यादृच्छिकता पर्याप्त है! सीएस नमूनों से लगभग उपलब्धि" ।
48. वी. अबरोल, पी. शर्मा और ए.के. साव, 24वें यूरोपियन संकेत प्रसंस्करण सम्मेलन (ईयूएसआईपीसीओ) की कार्रवाई में यादृच्छिकता संवेद बनाना: संवेदक नमूनों से तेज सांकेतिक उपलब्धि" बुडापेस्ट, हंगरी, 2016 ।
49. एस. मण्डल, एस. कुमारी, ए. भावसार और ए.के. साव ने दिनांक 25 से 27 अक्टूबर, 2016 के दौरान ईयूवीआईपी,

मार्सेल्लो, फ्रांस में 'आभासी सूचना प्रक्रम पर षष्ठ यूरोपियन कार्यशाला' की कार्यवाही में "मल्टी-स्केल इमेज डीनोआइजिंग व्हाईल प्रजर्विंग एजिज इन स्पार्स डूमेन" पर पत्र प्रस्तुत किया ।

50. के. गुप्ता, एस. गौतम, ए.के. साव, ए. भावसार ने दिनांक 25 से 27 अक्टूबर, 2016 के दौरान आभासी सूचना प्रक्रम पर षष्ठ यूरोपियन कार्यशाला की कार्यवाही में "न्यूक्लियस बेसड सर्वाइकल सैल क्लासिफिकेशन इन पैप स्मीयर इमेजिज यूजिंग ट्री बेसड अप्रोच" पर पत्र प्रस्तुत किया ।
51. वी. अबरोल, पी. शर्मा और ए.के. साव, एस.एफ. रूही, ए. ए. कासिम, बिम्ब प्रसंस्करण (आईसीआईपी) पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में "क्रमिक शब्दकोष अधिगम का प्रयोग करते हुये तेज और ठोस एफएमआरआई अधुलनशीलता," फोनिक्स, एजेड, यूएस, 2016 ।
52. एम. यादव, ए.के. साव, ए.डी. दिलीप, पद्मनाभन आर., आईईईई सम्प्रेषणीयता (एनसीसी) पर 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन "ग्रुप डीले फंक्शनज फॉर स्पीकर डायराइजेशन", मार्च, 2016, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, भारत ।
53. पी. शर्मा, वी. अबरोल और ए.के. साव, "विरल प्रतिनिधित्व आधारित यूनिट चयन भाषण संश्लेषण के लिए अधिगम शब्दकोष", आईईईई सम्प्रेषणीयता पर 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसी), मार्च 2016, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, भारत ।
54. जी. शर्मा, वाई. अरोड़ा, एस. रॉय चौधुरी और क्वोट; **A4X1** हाई डेफिनेशन ट्रांसक्रैनिअल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन डिवाइस फॉर टारगेटिंग सेरीब्रल माइक्रोवेसलज फंक्शनेलीटी यूजिंग एनआईआरएस एण्ड क्वोट; आईईईई नेनोइलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रणाली पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनआईएस), ग्वालियर, दिसम्बर 20-22, 2016 ।
55. एस.एस. दुबे, आर. श्रेष्ठा, एस. रॉय चौधुरी और क्वोट; "ए नोवल आर्किटेक्चर फौर कम्प्यूटिंग ईजनवैल्यूज ऑफ मेट्रिक्स फॉर हाई स्पीड एप्लीकेशनज एण्ड क्वोट", 13वां आईईईई इंडिकोन, बंगलौर, भारत, दिसम्बर 16-18, 2016 ।
56. जी. शर्मा, वाई. अरोड़ा, एस. रॉय चौधुरी और क्वोट; ए लो कोस्ट नॉन इन्वेसिव हार्डवेयर फॉर एनोडल ट्रांसक्रैनिअल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन टु स्क्रीन स्ट्रोक पेशेन्टस यूजिंग कंटिनियुअस वेव फंक्शनल नीयर इन्क्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्वोट; वर्ल्ड स्ट्रोक कांग्रेस, हैदराबाद, भारत, अक्टूबर 26 से 29, 2016 ।
57. शिखा गुप्ता, ए.डी. दिलीप और वीनाथीनाकनिडियूर, "सम्प्रेषणीयता (एनसीसी-2017) पर 23वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में "द सीमैटिक मल्टीनोमियल रीप्रिजेंटेशन ऑफ इमेजिज आब्टेड यूजिंग डायनेमिक कर्नल बेस्ड शिडो कन्सेप्ट एसवीएमज", चेन्नई, भारत, मार्च, 2017 ।
58. शैफु गुप्ता और ए.डी. दिलीप, "क्लाउड नेटवर्क में संसाधन उपयोग पूर्व कथन के लिए ऑनलाइन अनुकूलन मॉडल", चेन्नई, भारत, मार्च, 2017 ।
59. शैफु गुप्ता, ए.डी. दिलीप और तिमोथी ए. गोन्सेल्वेज, "क्लाउड नेटवर्क में संसाधन पूर्व कथन के लिए आंशिक अन्तर आधारित हाईब्रिड मॉडल", नेटवर्क पर पाँचवां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संचार और संगणन (आईसीएनसीसी 2016), क्योटो, जापान, दिसम्बर 2016, पृष्ठ 93-97 ।
60. डी. चक्रवर्ती, पी. मुक्कर, पी. राजन और ए.डी. दिलीप, "गतिक कर्नल आधारित स्पोर्ट वैक्टर मशीन और गहन तंत्रिका नेटवर्क का प्रयोग करते हुए पक्षी की आवाज की पहचान" । 15वें मशीन अधिगम और अनुप्रयोग (आईसीएमएलए 2016) पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अनेहीम, सीए, दिसम्बर 2016, पृष्ठ 280-285 ।
61. शिखा गुप्ता, ए.डी. दिलीप और वीनाथीनाकनिडियूर, भाषण के पैटर्न की परिवर्तित लम्बाई के वर्गीकरण के लिए तंत्रिक सूचना प्रक्रम (आईसीओएनआईपी 2016) पर 23वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में "खण्डस्तरीय संभावित अनुक्रम मूल आधारित स्पोर्ट सदिश मशीनें", क्योटो, जापान, अक्टूबर 2016 ।
62. नीरज शर्मा, अंशु शर्मा, ए.डी. दिलीप और वीनाथीनाकनिडियूर, संगणन और कारोबार कुशलता पर चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईयुएसआईपीसीओ) की कार्यवाही में, "संयुक्त विरल प्रतिनिधित्व वर्गीकर्ता और स्पोर्ट सदिश मशीनों का प्रयोग करते हुये टैक्सट वर्गीकरण", ओल्टन, स्विट्जरलैण्ड, सितम्बर, 2016 ।
63. पी. शर्मा, वी. अबरोल, ए. सचदेव और ए.डी. दिलीप, मूल विरल प्रतिनिधित्व आधारित वर्गीकर्ता का उपयोग करते हुये भाषण भावना की पहचान" । 24वां यूरोपियन संकेत प्रक्रम सम्मेलन (ईयुएसआईपीसीओ), बुडापेस्ट, अगस्त 2016, पृष्ठ 374-377 ।

64. शिखा गुप्ता, ए.डी. दिलीप और वीना थीनकानिडियूर, एसवीएम का उपयोग करते हुये भाषण के पैटर्न की परिवर्तित लम्बाई के वर्गीकरण के लिए खण्ड स्तरीय पिरामिड मैच कर्नेल। 24वां यूरोपियन संकेत प्रक्रम सम्मेलन (ईयुएसआईपीसीओ), बुडापेस्ट, अगस्त 2016, पृष्ठ 374–377 ।
65. शिखा गुप्ता, ए.डी. दिलीप और वीना थीनकानिडियूर, “स्पोर्ट वेक्टर मशीनों का उपयोग करते हुये दृश्य वर्गीकरण के लिए स्थानिक संभावित अनुक्रम कर्नेल” । सीवीपीआर 2016 (संगणक विज्ञान और पैटर्न पहचान पर 29वां आईईईई सम्मेलन, 2016), संगणक विज्ञान 2016 में महिलाओं पर कार्यशाला, (डब्ल्यूआईसीवी 2016), लास, वेगाज, एनवी, यूएसए, जून 2016 ।
66. शिखा गुप्ता, समृद्धि जैन, वीना थीनकानिडियूर और ए.डी. दिलीप, “गतिक कर्नेल आधारित एसवीएम का उपयोग करते हुये स्थल बिम्बों के लिए शब्दार्थ बहुपक्षीय प्रतिनिधित्व” । दृश्य बोध कार्यशाला (एसयूएनडब्ल्यू 2016), संगणक विज्ञान और पैटर्न पहचान पर 29वां आईईईई सम्मेलन, 2016 (सीवीपीआर 2016), लास वेगास, एनवी, यूएसए, जून 2016 ।
67. ए. ठाकुर, पी. राजन, संकेत प्रक्रम और संचार (आईसीएसपीसी), 2016 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्रवाई में “क्षेत्रीय रिक्तिकोडिंग से मॉडल आधारित कलरव का अनिरिक्षित विभाजन” ।
68. डी. चक्रबर्ती, पी. मुक्कर, ए.डी. दिलीप और पी. राजन, गतिक कर्नेल आधारित स्पोर्ट सदृश मशीनों और गहन तंत्रिक नेटवर्क का उपयोग करते हुये पक्षी की चहचाहट की पहचान”, मशीन अधिगम और अनुप्रयोगों पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।
69. ए. ठाकुर और पी. राजन, “स्रोत और प्रणाली की विशेषताओं का उपयोग करते हुये अनिरिक्षित पक्षियों की चहचाहट गतिविधि का पता लगाना”, एनसीसी 2017 ।
70. सी. बालुरी, ए. भावसार आर. किनी एम. “बहुत ही न्यूनता से प्रतिकृत आँकड़े से स्थानीय विभाजन आधारित सघन पुनः निर्माण, सम्प्रेषणीयता पर राष्ट्रीय सम्मेलन–2017 (एनसीसी–2017) ।
71. टी. लुनावत, एस. गुप्ता, ए. भावसार, “फेफड़ा 4 डी–सीटी के लिए पात्र वृद्धि और पंजीकरण के बीच पारस्परिक निर्भरता का अध्ययन” । सम्प्रेषणीयता पर राष्ट्रीय सम्मेलन–2017 (एनसीसी–2017) ।
72. डी. शर्मा, टी. भोवाल, ए. निगम, ए. भावसार, “घुटना एमआरआई से अपर्यवेक्षित पूर्णतः स्वचालित नरम हड्डी परिच्छेदन”, स्वास्थ्य सेवा विश्लेषण के लिए पैटर्न पहचान पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला (आईसीपीआर–2016 के साथ आईडब्ल्यूपीआर–एचसी), 2016 ।
73. वी. पटेल, ए. परमार, ए. निगम, ए. भावसार, “वक्रिय बिन्दुओं का प्रयोग करते हुये स्वचालित मस्तिष्क ट्रैक्टोग्राफी विभाजन” संगणक विज्ञान, ग्राफिक्स और बिम्ब प्रक्रम पर भारतीय सम्मेलन–2016 (आईसीवीजीआईपी 2016) ।
74. सी. बालुरी, ए. भावसार, आर. किनी एम. “उच्च आवृत्ति उपबन्ध वृद्धि और द्विपक्षीय निस्पंदन से होकर एकल गहन बिम्ब अधि-विश्लेषण” । औद्योगिक और सूचना प्रणालियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन–2016 (आईसीआईआईएस 2016) ।
75. सी. बालुरी, ए. भावसार, आर. किनी एम.; “स्थानीय मध्यस्थों और द्विपक्षीय निस्पंदन से होकर गहन बिम्ब अधि-विश्लेषण” । औद्योगिक और सूचना प्रणालियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन–2016 (आईसीआईआईएस–2016) ।
76. वी. गुप्ता, के. गुप्ता, ए. भावसार, ए.के. साव, “विशेष श्रेणी की विशेषताओं का उपयोग करते हुये HEp-2 सैल के बिम्बों का श्रेणीबद्ध वर्गीकरण” । आभासी सूचना प्रक्रम पर यूरोपीय कार्यशाला–2016 (ईयूवीआईपी–2016) ।
77. एस. मण्डल, एस. कुमारी, ए. भावसार, ए.के. साव; “मल्टी स्केल इमेज डीनोआईजिंग व्हाईल प्रजर्विंग एजिज इन स्पार्स डूमेन” । आभासी सूचना प्रक्रम पर यूरोपीय कार्यशाला–2016 (ईयूवीआईपी 2016) ।
78. के. गुप्ता, डी. बुरचका, ए. भावसार, “इफेक्टिवनेस ऑफ ग्रासप अट्रीब्युट्स एण्ड मोशन कोन्सट्रेंट फौर फाईन ग्रेन्ड रिकोगनिशन ऑफ ऑब्जेक्ट मैनीपुलटेशन एक्शनज” संगणक विज्ञान और पैटर्न रिकोगनिशन, पीबीवीएस पर आईईईई सम्मेलन, हैण्डस कार्यशाला–2016 (सीवीपीआरडब्ल्यू) ।
79. के. गुप्ता, ए. भावसार, “गहरे कैमरे से क्लास टेम्पलेट्स के उपयोग से पैमाना अपरिवर्तनशील मानव कार्य का पता करना, संगणक विज्ञान और पैटर्न रिकोगनिशन, पीबीवीएस कार्यशाला–2016 (सीवीपीआरडब्ल्यू) ।

80. के. गुप्ता, ए. भावसार, “गहरे कैमरे के लिए गतिक फ्रेम विचलन से होते हुये मानव कार्य की पहचान”। संगणक विज्ञान और बिम्ब प्रक्रम पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2016 (सीवीआईपी 2016)।

4. आयोजित लोक सम्पर्क कार्यक्रम / अनवरत शिक्षा गतिविधियाँ

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन ने “वस्तुओं के इंटरनेट (आईओटी) समर्थित सेवाओं और उपकरणों के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्र में विकास की समस्याओं का सामना” नामक विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन और संचालन दिनांक 6 मार्च, 2017 को किया।

डॉ. तुषार जैन

डॉ. तुषार जैन ने नियंत्रण, स्वचालन, रोबोटिक्स और विज्ञान (आईसीएआरसीवी 2016) पर चौदहवें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फुकेत, 2016 में “भवनों में ऊर्जा की प्रभावकता के लिए प्रणाली की मॉडलिंग, नियंत्रण और निदान” नामक विषय पर आमंत्रित सत्र का आयोजन किया।

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा, भा.प्रौ.सं. मण्डी में प्रारूप व्यवहार्य (2017) के आम गृह के सह समन्वयक थे, जिसमें आमंत्रित स्थानीय स्कूलों के बारहवीं कक्षा के विज्ञान विषय के लगभग 300 विद्यार्थी और 25 अध्यापक आये थे।

डॉ. हितेश श्रीमाली

- डॉ. हितेश श्रीमाली ने मार्च 17 में बीजेटी/एमओएसएफईटी प्रवर्धक पर अभियांत्रिकी शिक्षा (क्यूईईईई) व्याख्यान की श्रेणियों के लिए ऑनलाइन गुणवत्ता वृद्धि पर व्याख्यान दिया।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेश से तकनीकी शिक्षा में व्यापक सुधार के लिए प्रो. अशोक झुनझुनवाला, भा.प्रौ.सं. मद्रास की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है।

डॉ. सिद्धार्थ शर्मा

डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने डॉ. समर अग्निहोत्री और डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन के साथ “वस्तुओं के इंटरनेट (आईओटी) समर्थित सेवाओं और उपकरणों के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्र में विकास की समस्याओं का सामना” नामक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

उच्च विभेदन-बिम्बों के लिए निम्नलिखित सम्पर्क है:

http://iitmandi.ac.in/news/articles/IoT_workshop_2017.pdf

डॉ. रेणु एम. रमेशन

समन्वयक डब्ल्यूएमएलएमआईए-2016।

डॉ. नरसा रेड्डी टुम्मरु

हिमाचल विद्युत बस ट्रेल के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

लो-कार्बन इंडियन सोसाइटी के भविष्य को उज्ज्वल करने के लिए आगामी पीढ़ी सक्रिय वितरण नेटवर्क के समन्वयक, दिनांक 12 से 14 अगस्त 2016।



आईईईई पीईएस सदस्य द्वारा संचालित पहलों में वर्ष 2016 में स्कूल जाने वाले छात्रों के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी में आईईईई पीईएस गतिविधि का आयोजन करने के लिए अनिल कुमार साव के साथ समन्वयक



डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित / डॉ. भक्ति जोशी

बी.टैक. विद्युत अभियांत्रिकी के द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए शनिवार, 2 अप्रैल, 2016 को निम्नलिखित स्थानों में क्षेत्रीय यात्रा करने का प्रबन्ध किया गया:

- लार्जी हायडल पावर प्रोजेक्ट (126 मेगावाट), मण्डी, हि.प्र.।
- इलैक्ट्रिक सबस्टेशन (132/33 केवी), बिजनी, मण्डी, हि.प्र.।
- ट्रांसफोर्मर का प्रबन्ध और परीक्षण विभाग, एचपीएसईबीएल, सुन्दरनगर।



5. सम्मेलन/कार्यशालाएँ/अन्य संस्थान/औद्योगिक दौरे (भारत और विदेश) और दिये गये आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. तुषार जैन

- नियंत्रण, स्वचालन, रोबोटिक्स और विजन (आईसीएआरसीवी 2016) पर चौदहवां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फुकेत, 2016।
- वीरमाता जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान मुम्बई, भारत में आमंत्रित व्याख्यान, जून 29, 2016।
- ग्राफिक ईरा यूनिवर्सिटी, देहरादून, भारत में दिनांक 4 से 5 मई 2016 को मॉडलिंग और कंट्रोल ऑफ मकैट्रॉनिक सिस्टम्स नामक कार्यशाला पर अतिथि व्याख्यान।

डॉ. सत्यजित ठाकुर

- अनुसंधान यात्रा: दूरसंचार अनुसंधान संस्थान, दक्षिणी आस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय। जून-जुलाई, 2016।
- आईईईई संकेत प्रक्रम और संचार सोसाइटी सेमिनार का एसीटी अध्याय: अप्पर बॉर्ड्स ऑन द केपेसिटी ऑफ 2 लेयर एन रीले सिम्मीट्रिक गॉसिअन नेटवर्क, आस्ट्रेलिया राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, केनबेरा, आस्ट्रेलिया, जून 2016।
- सम्मेलन यात्रा: सूचना सिद्धांत और इसके अनुप्रयोगों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसआईटीए 2016), मोनीटरी, यूएसए, अक्टूबर 2016।

डॉ. के.एन. श्रीवास्तवा

- रायपुर में ऊर्जा, स्टील और निर्माण प्रौद्योगिकी की प्रगति पर आयोजित तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (दिनांक 22 से 23 मार्च तक) में महत्वपूर्ण भाषण देने के लिए आमंत्रित किया।
- भा.प्रौ.सं. रोपड़ और भा.प्रौ.सं. गान्धीनगर में व्याख्यान दिया।

डॉ. आदित्य निगम

- ध्रुव, तुहिन, आदित्य निगम और अर्नव भावसार, घुटना एमआरआई से "अपर्यवेक्षित पूर्णतः स्वचालित उपस्थितियां परिच्छेदन", पैटर्न पहचान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीआर), 04-08 दिसम्बर 2016, मेक्सिको।
- सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र, पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून (भारत) में दिनांक 5 नवम्बर, 2016 को "मशीन अधिगम में अनुसंधान परम्परा पर सम्मेलन" में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डॉ. एस्ट्रिड किह

- वितरित अभिकलन विधि का सत्यापन, आमंत्रित वार्ता, सूचना प्रौद्योगिकी और कारोबार विश्लेषण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एसएमडीवी विश्वविद्यालय, कत्रा, दिनांक 7 जनवरी, 2017।
- स्थानीय आंशिक स्नैपशॉटिंग (वार्ता), औपचारिक विधियाँ अद्यतन बैठक 2016, सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, इदुक्की, 21 जुलाई, 2016।

डॉ. हितेश श्रीमाली

- कणों और बिम्ब विधान (पिक्सल-2016) के लिए अर्द्धचालक पिक्सल संसूचकों पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में विज्ञापन प्रस्तुति, सीस्ट्री लीवांटे, ईटली, सितम्बर 5 से 9, 2016।

डॉ. सुभाशीष दत्ता

- भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, भा.प्रौ.सं. मुम्बई और भा.प्रौ.सं. दिल्ली की यात्रा की।

डॉ. राजिनीकुमार रामालिंगम

- सरदार वल्लभ भाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी) में दिनांक 17 मार्च, 2017 को निम्नताप संवेदकों और यंत्रीकरण पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. रेणु एम. रमेशन

- डॉ. रेणु एम. रमेशन ने सीवीपीआर-2016 में भाग लिया।

डॉ. अनिल के. साव

- इन्होंने ईयूवीआईपी, मार्सेल्लो, फ्रांस में आभासी सूचना प्रक्रम पर षष्ठ यूरोपीय कार्यशाला की कार्रवाई में भाग लिया।

- गुरु जाम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में माह फरवरी, दिनांक 24 से 26, 2017 के दौरान उन्नत संकेत प्रक्रम पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एनआईटी हमीरपुर में दिनांक 18/07/2016 से दिनांक 23/07/2016 के बीच "मैटलैब (डीएसपीएम) में अनुप्रयोगों सहित डिजिटल संकेत प्रक्रम पर आंशिक पाठ्यक्रम" नामक विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एनआईटी रायपुर में माह जनवरी, 2017 में आमंत्रित वार्ता की।

डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी

- ब्लीकिंग टेकनिस्का होगस्काला, कार्लस्करोना, स्वीडन में दिनांक 29 सितम्बर 2016 को नीयर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी फॉर प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग स्पोर्ट पर व्याख्यान दिया।
- आईटी यूनिवर्सिटी, कोपेनहेगन, डेनमार्क में सितम्बर 23, 2016 को "स्वास्थ्य बिन्दु पर गैर आक्रामक निदान" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. दिलीप ए.डी.

- मेटी में सूचना विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, नमन प्रौद्योगिकी संस्थान निट्टी, मंगलौर-574110 और ई और आईसीटी अकादमी, एनआईटी वारांगल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "मशीन अधिगम पर प्राध्यापक विकास कार्यक्रम" में दिनांक 24 जनवरी, 2017 को स्पोर्ट सदिश मशीन और इसके अनुप्रयोग पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. कुनाल घोष

- उभरते इलैक्ट्रॉनिक्स (आईसीईई) पर तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संवाहक चयनित सौर सैल सम्पर्क" पर आमंत्रित वार्ता की।

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

- बाह्य परीक्षक, पीएच.डी. विशद परीक्षा, भा.प्रौ.सं. रोपड़।
- एनआईटी हमीरपुर में दिनांक 17 से 21 मई 2016 के दौरान एसटीसी में "अभियांत्रिकी और अनुसंधान में मेटलैब के अनुप्रयोग" पर एक व्याख्यान दिया।
- उन्होंने विद्युत और इलैक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दिनांक 6 मार्च से 11, 2017 तक यूआईई.टी. पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ में आयोजित किये जा रहे प्राध्यापक विकास कार्यक्रम में नवीकरणीय संसाधन पर और आधुनिक ऊर्जा प्रणाली संचालन पर व्याख्यान दिया।
- उन्होंने भा.प्रौ.सं. गान्धीनगर में आईयूएटीएस में दिनांक 7-17 नवम्बर, 2016 के दौरान स्मार्ट कम्युनिटी के उत्कृष्ट डिजाइन और नियंत्रण: ऑफ ग्रिड कम्युनिटी के लिए नये विचार पर व्याख्यान दिया।
- उन्होंने एमएनआरई और जीआईजेड द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 23-24 मई, 2016 को आयोजित की गई "बड़े पैमाने पर आरई को बढ़ावा देने के लिए चुनौतियों का समाकलन और रेखा चित्र" नामक कार्यशाला में भाग लिया।
- उन्होंने लफबोरो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य में माह अप्रैल 25-26, 2016 के दौरान डीएसटी-यूकेआईईआरआई परियोजना की बैठक में भाग लिया।
- उन्होंने लफबोरो विश्वविद्यालय, यूके में माह सितम्बर में दिनांक 8 से 9, 2016 के दौरान डीएसटी-यूकेआईईआरआई परियोजना की बैठक में भाग लिया।
- उन्होंने बर्लिन जर्मनी में माह अप्रैल दिनांक 27-29, 2016 के दौरान आईजीएसटीसी कार्यशाला में भाग लिया।
- उन्होंने सिंगापुर में माह नवम्बर दिनांक 23 से 25, 2016 के दौरान आईईईई टेनकोन 2016 में भाग लिया।
- उन्होंने मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया में दिनांक 28-29 नवम्बर, 2016 के दौरान आईईईई आर 10, पीईएस सोसाइटी की बैठक का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा

- डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा ने जयपुर, भारत में दिनांक 12 से 16 दिसम्बर, 2016 के दौरान "कोमल सामग्री पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएम 2016)" में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

5. विशेष अतिथि / विद्वान् / छात्र / प्रशिक्षुओं का आतिथेयः

डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी

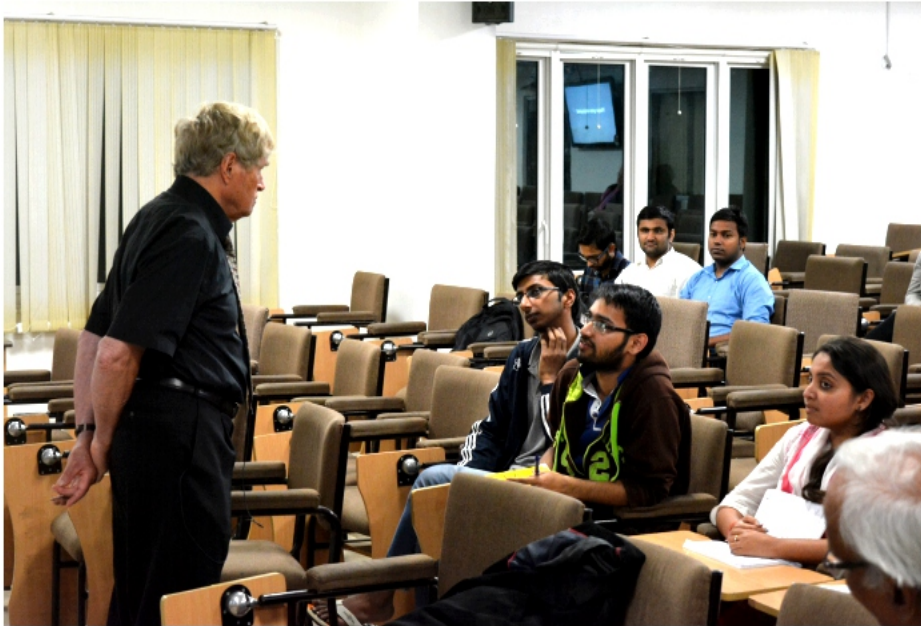
- आमंत्रित वार्ता और व्याख्यान की कड़ियां: डॉ. के. राकेश, वैज्ञानिक अधिकारी जी, बीएआरसी मुम्बई।
- अभ्यागत का आतिथेयः प्राध्यापक हरिश, डीन (छात्र), भा.प्रौ.सं. कानपुर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग भा.प्रौ.सं. कानपुर के प्राध्यापक।

डॉ. श्रीराम कैलासम

- आईबीएम आईआरएल दिल्ली के डॉ. हर्षित कुमार ने मई 2016 के अन्तिम सप्ताह में खोज और आँकड़ा खनन की जानकारी में विशेष विषयों पर 1 क्रेडिट पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में तीसरे और चौथे वर्ष के 10 सीएसई छात्रों ने भाग लिया।

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

आईईईई छात्र शाखा, भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा शुक्रवार दिनांक 14 अक्टूबर, 2016 को अपराह्न 5 से 6 बजे आयोजित कार्यक्रम में प्रा. जे. होल्टज़, वुप्परटल विश्वविद्यालय, जर्मनी ने मध्यम विद्युत चालक की ऊर्जा प्रभावकता पर आईईईई आईईएस विशेष व्याख्यान दिया।



प्रा. होल्टज़, छात्रों के संशय सुनते हुये

- भा.प्रौ.सं. कानपुर के सेवा निवृत्त प्रा. रविन्द्र अरोड़ा ने दिनांक 19 मई 2016 को अपराह्न 4 से 5 बजे तक विद्युत अवरोधकता का विद्युत क्षेत्र वर्गीकरण और क्षेत्र निर्भरता व्यवहार पर तकनीकी वार्ता की।
- भा.प्रौ.सं. कानपुर के प्रा. एस.एन सिंह ने दिनांक 13 अगस्त, 2016 को पूर्वाह्न 9 बजे से 10:30 बजे तक ऊर्जा प्रणाली संचालन में पूर्वकथन की भूमिका पर पेशेगत वार्ता की।
- लफबोरो यूनिवर्सिटी के प्रा. फ्रांसिस्को गोन्ज़ाल्ज़ लॉग्ट्ट ने "लो कार्बन सोसाइटी के लिए सक्रिय वितरित प्रणाली : संयुक्त राज्य के अनुभव" नामक विषय पर दिनांक 12 अगस्त, 2016 को अपराह्न 2 से 4 बजे तक तकनीकी वार्ता की।



- भा.प्रौ.सं. कानपुर के प्रा. एस.सी. श्रीवास्तवा ने दिनांक 12 अगस्त, 2016 को पूर्वाह्न 10 से 11:30 बजे तक स्मार्ट पावर ग्रिड और प्रणाली स्थायित्व और नियंत्रण पर नवीकरणीय स्रोतों के प्रभाव पर तकनीकी वार्ता की।
- ऊर्जा और रसायन अभियांत्रिकी स्कूल, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान उल्सन (यूएनआईएसटी), कोरिया गणतंत्र के डॉ. ज़ियाउद्दीन खान ने दिनांक 5 अप्रैल, 2016 को रीजार्चबल एक्वीअस **Na**—एयर बैटरी पर तकनीकी वार्ता की।
- डॉ. राहुल शर्मा, क्वीनलैंड विश्वविद्यालय (यूक्यू) में विद्युत अभियांत्रिकी के प्रवक्ता ने दिनांक 26 मई 2016 को अपराह्न 4 से 5 बजे तक, आस्ट्रेलियाई पावर वितरण नेटवर्क में बैटरी आधारित ऊर्जा भण्डारण प्रणालियों पर तकनीकी वार्ता की।
- प्रा. एस.एस. चन्देल, एनआईटी हमीरपुर ने शुक्रवार दिनांक 23 सितम्बर, 2016 को अपराह्न 4:30 बजे से 05:30 बजे तक “पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा अनुसंधान और अनुप्रयोग” पर तकनीकी वार्ता की।
- प्रा. एलन मिक्लस ने विद्युत, संगणक और ऊर्जा अभियांत्रिकी, बोल्डर के कोलोरेडो विश्वविद्यालय में दिनांक 23 फरवरी, 2017 को अपराह्न 3 से 4 बजे तक “धारणीय विकास” पर तकनीकी वार्ता की।
- भा.प्रौ.सं. दिल्ली के डॉ. अमित जैन ने फरवरी से जून 2016 के दौरान विद्युत चालन में चयनित विषयों के 1 – क्रेडिट पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिया।
- सूचना प्रणाली क्षेत्र आईआईएम, अहमदाबाद की प्राध्यापिका कविथा रंगानाथन ने फरवरी से जून 2016 के दौरान आँकड़ा आभासीकरण के चयनित विषयों के 1 – क्रेडिट पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिया।
- भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर की डॉ. प्रदिप्ता बिस्वास, सहायक प्राध्यापक ने फरवरी से जून 2016 के दौरान मानव संगणक परस्पर संवाद के चयनित विषयों के 1 – क्रेडिट पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिया।
- भा.प्रौ.सं. दिल्ली के सहायक प्रा. डॉ. चेतन अरोड़ा ने फरवरी से जून 2016 के दौरान संगणक विज्ञान के लिए मशीन अधिगम में चयनित विषयों के 1 – क्रेडिट पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. हर्षित कुमार, आईबीएम आईआरएल ने फरवरी से जून 2016 के दौरान खोज और आँकड़ा खनन की जानकारी में चयनित विषयों के 1 – क्रेडिट पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिया।
- प्रा. रविन्द्र अरोड़ा, फरवरी से जून 2016 के दौरान परावैद्युत असफलता में उन्नत विषयों पर एक क्रेडिट पाठ्यक्रम ईई 691 का प्रस्ताव देने के लिए आये।

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा

- श्री एचएस जटना, डिजाइन और प्रक्रम समूह वि./अभि. जी ग्रुप के मुख्य ने अर्द्ध चालक प्रयोगशाला, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, सेक्टर 72, मोहाली में आमंत्रित व्याख्यान और परस्पर संवाद किया।

7. पेशेगत उपलब्धियाँ, सम्मान और पुरस्कार/पेशेगत समितियों की सदस्यता

डॉ. श्रीकान्त श्रीनिवासन

- आईईईई और एसीएम के सदस्य ।

डॉ. तुषार जैन

- एसईआरबी, भारत सरकार से 2016 में पूर्व कॅरियर अनुसंधान सम्मान ।

डॉ. सत्यजित ठाकुर

- आईईईई, सूचना सिद्धांत समिति ।

डॉ. गोपी श्रीकान्थ रेड्डी

- परियोजना अनुदान: पूर्व कॅरियर अनुसंधान अनुदान-एसईआरबी-डीएसटी 2017 ।

डॉ. राहुल श्रेष्ठा

- उनके पत्रों में एक पत्र को भा.वि.सं. बंगलौर में दिसम्बर 2016 में आयोजित इंडिकोन 2016 सर्वोत्कृष्ट पोस्टर सम्मान से सम्मानित किया गया है। ललित कुमार, दीपक कुमार मित्तल और राहुल श्रेष्ठा, "कम ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए कोरडिक ईजन का प्रयोग करते हुए जीएमएसके-डी मोडुलेटर वास्तु का वीएलएसआई डिजाइन और एफपीजीए कार्यान्वयन," 13वां अन्तर्राष्ट्रीय आईईईई भारत सम्मेलन (इंडिकोन), पृष्ठ 1-6, दिसम्बर 2016 (सर्वोत्कृष्ट पोस्टर सम्मान) ।

डॉ. आदित्य निगम

- आईईईई सदस्यता ।

डॉ. हितेश श्रीमाली

- एनपीएस, सीएस, आईएस और एसएससीएस के लिए आईईईई के पेशेगत सदस्य और आईईईई समितियों के सदस्य ।
- वीएलएसआई डिजाइन पर आईईईई संव्यवहार, परिक्षेत्र की पत्रिका, प्रणालियाँ और सांकेतिक प्रक्रम (सिप्रंगर) और आईईटीई के समीक्षक ।
- आईईईई वीएलएसआई डिजाइन 2016, आईईईई एमडब्ल्यूएससीएस 2016 और आईईईई एमडब्ल्यूएससीएस-2017 सम्मेलन के समीक्षक ।

डॉ. अंकुश बाग

- सदस्यता: इलैक्ट्रॉनिक्स और विद्युत अभियंता संस्थान (आईईईई), अमेरीकी भौतिकी समिति (एपीएस) ।

डॉ. शुभाशीष दत्ता

- सदस्यता: आईईईई और नियंत्रण प्रणाली समिति के सदस्य ।
- सम्मान: विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार से प्राप्त पूर्व कॅरियर अनुसंधान सम्मान, 2016 ।

डॉ. वरुण दत्त

- आईईईई वरिष्ठ सदस्य के रूप में नामित ।
- भू-स्खलन अनुसंधान, अध्ययन और प्रबन्धन (सीएलआरएसएम), 2017 के लिए केन्द्र की सृजन समिति के सदस्य ।
- विशेष विषय सम्पादक, संज्ञानात्मक विज्ञान, 2017 के अग्रणी ।
- आईईईई 2017 की कार्यक्रम समिति के सदस्य, संगणनात्मक और कारोबार बुद्धिमता (आईएससीबीआई 2017) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

- आईईईई साईबर प्रकरण 2017 के कार्यक्रम समिति के सदस्य: साईबर प्रकरण प्रतिक्रिया, समन्वयन और नियंत्रण 2017 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- आईईईई सामाजिक मीडिया 2017 कार्यक्रम समिति के सदस्य: सामाजिक मीडिया, धारणीय और वेब विश्लेषण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2017।

डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी

- वर्ष 2016 में तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में वर्ल्ड स्ट्रोक कांग्रेस में युवा तंत्रिका विज्ञानी सम्मान से सम्मानित।
- जैव चिकित्सा युक्त प्रणाली के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए युवा प्राध्यापक सम्मान से सम्मानित।
- वर्ष 2016 में आईईईई के वरिष्ठ सदस्य के रूप में चयनित।

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

- अध्यक्ष, पीईएस-आईएस सोसाइटी, आईईईई दिल्ली अनुभाग, 2017।
- सचिव, पीईएस-आईएस सोसाइटी, आईईईई दिल्ली अनुभाग, 2016।
- आईईईई आर 10 सम्मेलन और तकनीकी सम्मेलन टीम-2017 समिति के सदस्य।

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा

- सरस्वती विद्या मन्दिर स्कूल, महाजन बाज़ार, मण्डी में वार्षिक विज्ञान दिवस के मुख्य अतिथि।

8. नये सूत्रपात/नई अनुसंधान सुविधाओं का सृजन/स्थापित उपकरण/प्रयोगशाला

डॉ. सत्यजित ठाकुर

संकेत प्रक्रम और संचार प्रयोगशाला



एसपीसीओएम प्रयोगशाला में उपकरणों का विवरण

यूएसआरपी-2920: यूएसआरपी-2920 एक मुख्य पीसी पर 1/10 गिगाबिट ईथरनेट के लिए आधार बैंड आई और क्यू संकेतों के प्रवाह के लिए उच्च गति अनुरूप से डिजिटल परिवर्तक और डिजिटल परिवर्तक से अनुरूप परिवर्तक वाला एक ट्यून योग्य आरएफ ट्रान्सीवर है। संचार क्षेत्र को बढ़ाने के लिए यूएसआरपीज (सार्वभौमिक सॉफ्टवेयर रेडियो उपकरण) सहित सॉफ्टवेयर निर्धारित रेडियो (एसडीआरज) हैं। छात्र निम्नलिखित अनुप्रयोगों के लिए यूएसआरपी के उपयोग से बड़ी मात्रा में प्रयोग कर सकते हैं: व्हाइट स्पेस; ब्रॉड कास्ट एफएम; जन सुरक्षा, लैण्ड मोबाइल, औद्योगिक, वैज्ञानिक और

चिकित्सीय बैंडों (आईएसएम); संवेदक नेटवर्क, सैल फोन; अमेटर रेडियो और जीपीएस पर कम ऊर्जा वाले बिना लाइसेंस के उपकरण।



यूसआरपी-2921: यूएसआरपी-2921 भी एक मुख्य पीसी पर 1 / 10 गिगाबिट ईथरनेट के लिए आधार बैंड आई और क्यू संकेतों के प्रवाह के लिए उच्च गति अनुरूप से डिजिटल परिवर्तक और डिजिटल परिवर्तक से अनुरूप परिवर्तक वाला एक ट्यून योग्य आरएफ ट्रान्सीवर है। छात्र निम्नलिखित संचार अनुप्रयोगों के लिए यूएसआरपी-2921 का उपयोग कर सकते हैं: औद्योगिक, वैज्ञानिक क्षेत्रों के लिए कम ऊर्जा वाले बिना लाइसेंस के उपकरण, 2.45 गिगाहर्ट्ज और 5.8 गिगाहर्ट्ज पर चिकित्सीय (आईएसएम) बैंड, जन सुरक्षा, उपभोक्ता नेटवर्क इंटरफेस (यूएनआई), और जापानी बेतार नेटवर्क के लिए।



वाष्मोट किट: वाष्मोट का प्रयोग वस्तुओं के इंटरनेट (आईओटी) में किया जाता है। आईओटी भौतिकीय उपकरणों, वाहनों ("जुड़े हुये उपकरणों" और "स्मार्ट उपकरणों" से भी संदर्भित), भवनों और इलैक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, संवेदकों, एक्वीटेटरज और नेटवर्क सम्पर्कता युक्त अन्य मदों की परस्पर नेटवर्किंग है, जिससे ये वस्तुएँ आँकड़े को एकत्रित करने और लेनदेन के योग्य होती हैं। छात्र इस वाष्मोट किट के द्वारा 50 से अधिक प्रयोग कर सकते हैं। वाष्मोट किट लिबियम से बनी है।



डॉ. श्रीराम कैलासम

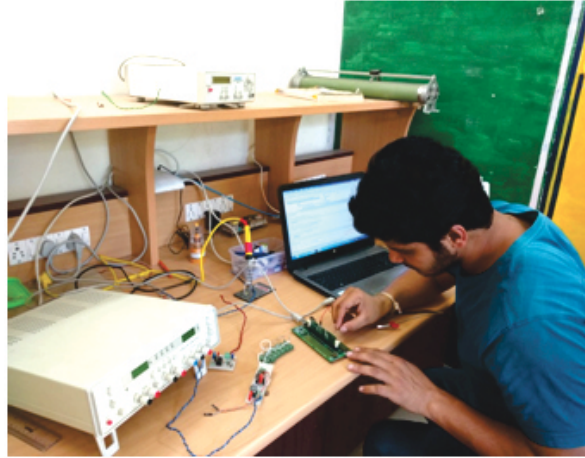
- भा.प्रौ.सं. मण्डी में सह मागदर्शक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज और 2 सीएसई द्वितीय वर्ष के पुलकित सपरा और ध्रुव पटेल ने प्राईवेट क्लाउड की स्थापना की। क्लाउड उपयोग के लिए निम्नलिखित सम्पर्क उपलब्ध है: <http://cloud.iitmandi.ac.in>

डॉ. अंकुश बाग

- ऊर्जा अर्धचालक उपकरणों के लिए भवन-निर्माण की शुरुआत हो चुकी है।

डॉ. भक्ति जोशी

- माइक्रोग्रिड प्रयोगशाला के बाद संस्थान के लिए सोलर अरे सिमुलेटर उपलब्ध किया है। आजकल लगभग 5 अनुसंधान छात्र नियमित रूप से प्रयोगशाला में बैठने के लिए आते हैं।



डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

- डीएसटी-एफआईएसटी और डीएसटी एसईआरआई की वित्तीय सहायता से उत्कृष्ट ऊर्जा प्रयोगशाला की स्थापना की गई है।

उन्नत ऊर्जा प्रयोगशाला

यह एस और टी अवसंरचना (डीएसटी-एफआईएसटी), नई दिल्ली को सुधारने के लिए प्रमुख रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी-वित्त विभाग द्वारा समर्थित उत्कृष्ट ऊर्जा प्रयोगशाला है। यह सुविधा भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्थायी परिसर में की गई है। इसके साथ निम्नलिखित सुविधाएँ भी हैं:

- वास्तविक समय डिजिटल सिमुलेशन (अनुकारक)
- कुशल ऊर्जा परीक्षण शैया (स्मार्ट एनर्जी टेस्ट बैड)
- विंड टरबाइन विद हार्डवेयर इन लूप

यह सुविधा वास्तविक समय अनुकारित वातावरण में विभिन्न ऊर्जा और नियंत्रण प्रणालियों और उपकरणों के संचालन के लिए अनुसंधानकर्ताओं, छात्रों, प्राध्यापकों और कुछ उद्योगों द्वारा उपयोग की जा रही है / की जाएगी।



सम्मिलित विशेषज्ञ

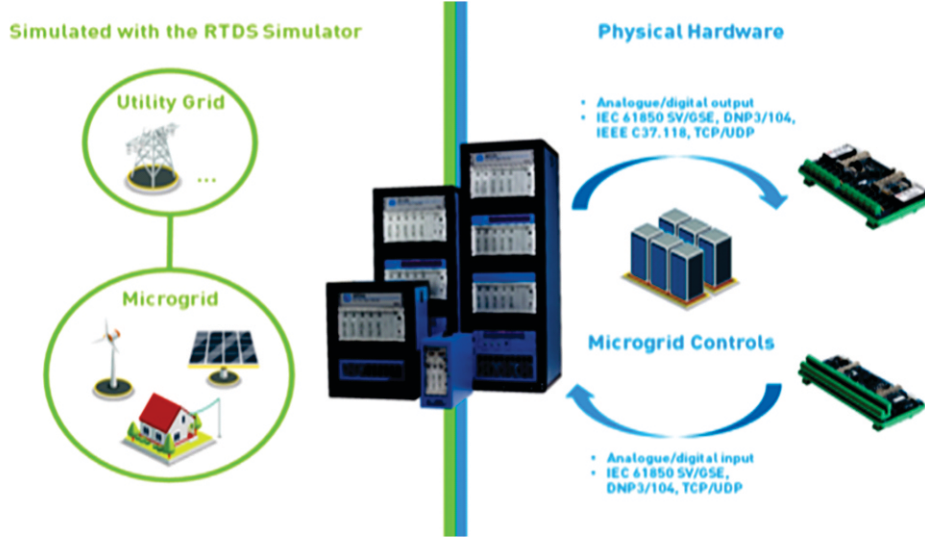
- प्रा. रमेश ओरुगुंटी, rameshoa@iitmandi.ac.in, विशेषज्ञता: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर फोटोवोल्टेक एनर्जी सिस्टम्स
- प्रा. के.एन. श्रीवास्तवा, knsri@ieee.org, विशेषज्ञता: ऊर्जा प्रणालियों के लिए ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग
- डॉ. भक्ति जोशी, bhakti@iitmandi.ac.in, विशेषज्ञता: ac चालन और नियंत्रण, माइक्रोग्रिड नियंत्रण
- डॉ. नरसा रेड्डी, tummru@iitmandi.ac.in, विशेषज्ञता: आगामी माइक्रोग्रिड में हाईब्रिड ऊर्जा भण्डारण अनुप्रयोग, पर्याप्त ऊर्जा ईसी. नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोगों में इंटरफेसिज।
- डॉ. समर, samar@iitmandi.ac.in, विशेषज्ञता: कुशल ग्रिड संचार, सूचना सिद्धांत

वास्तविक समय डिजिटल सिमुलेशन (अनुकारक)

वास्तविक समय डिजिटल सिमुलेशन (अनुकारक) प्रयोगशाला अनेक ऊर्जा और नियंत्रण मॉडलों तथा हार्डवेयर उपकरणों के विकास, मान्यता और परीक्षण संचालन के निष्पादन के लिए स्थापित की गई है। इस प्रयोगशाला में प्रवर्धक, रीलेज, परिवर्तक, विद्युत चालन इत्यादि जैसे हार्डवेयर उपकरणों के साथ आरटीडीएस लगाया जा चुका है।

1 रैक्स के साथ वास्तविक समय डिजिटल सिमुलेटर (आरटीडीएस) प्रणाली को आरटीडीएस प्रौद्योगिकी, कनाडा से खरीद कर वास्तविक समय डिजिटल सिमुलेशन की सुविधा की गई है। सिमुलेशन चलाने के लिए आरटीडीएस के प्रत्येक रैक में समानान्तर प्रक्रम कार्ड (इंटर रैक संचार (आईआरसी), वर्क स्टेशन इंटरफेस (डब्ल्यूआईएफ) और आई/ओ कार्ड) हैं। आरटीडीएस के लिए पीबी5 प्रोसेसर कार्ड अद्यतन रचना है। प्रत्येक पीबी5 के दो पावर पीसी रिस्क प्रोसेसर 1.7 गिगाहर्टज घड़ी के वेग से संचालित हैं। पीबी5 के 8 गिगाबाइट ट्रांसरीसीवर फाइबर पोर्ट हैं। आई/ओ को जोड़ने के लिए दो जीटी पोर्ट संरक्षित हैं और अन्य छः पोर्टों का उपयोग अन्य पीबी 5 कार्डों को प्रत्यक्ष रूप से सम्प्रेषित करने के लिए किया जा सकता है। बड़े हुये पोर्ट अंशकालिक स्टैम्प उप नेटवर्क का उपयोग करते हुए विस्तृत पैमाने पर प्रणालियों की मॉडलिंग सरल करते हैं।

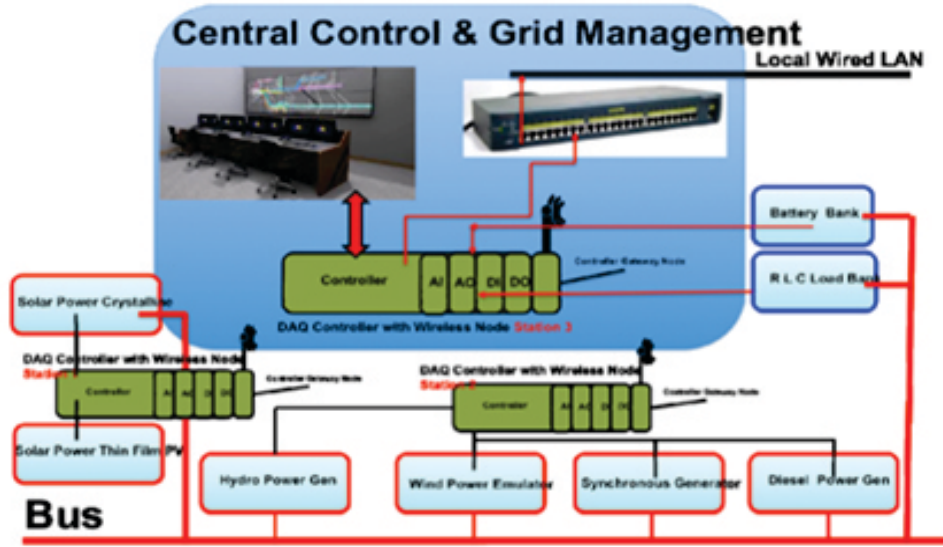
प्रयोगशाला में वास्तविक समय अनुकार प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए एक प्रवर्धक (ओमीक्रोन सीएमएस 356), सेमीक्रोन से कुछ परिवर्तक और कुछ विद्युत चालन भी हैं।



कुशल ऊर्जा परीक्षण शैया (स्मार्ट एनर्जी टेस्ट बैड)

ऊर्जा परीक्षण शैया; ऊर्जा प्रणाली नेटवर्क के कुशल संचालन और तेज नियंत्रण के लिए परम्परागत और नवीकरणीय स्रोतों के एकीकरण के साथ कुशल नियंत्रक का विश्लेषण करने की सुविधा प्रदान करती है।

Energy Laboratory - Conceptual



परीक्षण शैया में निम्नलिखित शामिल हैं:

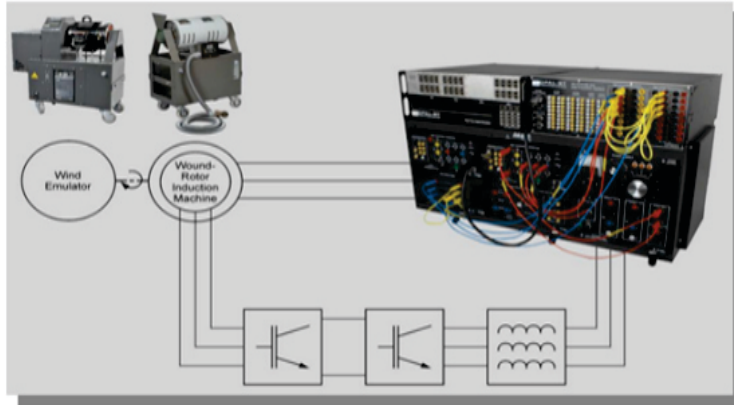
- मोनो पोलिक्रिस्टलीन सोलर पैनल (2 kW) और सिलीकॉन हाईब्रिड सोलर पैनल की पतली झिल्ली (2 kW)।
- टरबाइन के रूप में कार्यरत अभिकेन्द्रीय पम्प 3.5 kW श्रेणी के साथ हाईड्रो पावर उत्पादन।
- परिवर्तन योग्य वेग चालन के साथ एक 2 किलोवाट विंड टरबाइन ईमुलेटर।
- 5kVA और बैटरी बैंक की डीज़ल उत्पादक प्रणाली।
- 2 kW का तुल्यकालिक उत्पादक।
- नियंत्रण योग्य और परिवर्तनीय भार (आर,एल,सी)।

तार/बेतार संचार चैनलों द्वारा समय पर विभिन्न दृश्यों का सृजन करने के लिए इंटीग्रेटेड स्मार्ट एनर्जी टेस्ट बैड केन्द्रीयकृत/दूरवर्ती नियंत्रित होता है। सही समय पर संचालन के लिए एक जीपीएस मॉड्यूल को प्रत्येक नियंत्रक और ऑकड़ा अर्जन प्रणाली से जोड़ा जाता है।



विंड टरबाइन विद हार्डवेयर इन लूप

लैबवोल्ट, अमेरिका की \varnothing 2-kW DFIG प्रयोगशाला किट में (2kW वाउंड मोटर, 2xआईजीबीटी मॉड्यूल, 0 से 3000 rpm गति सीमा वाले चार क्वाडरेंट डायनेमोमीटर और आंशिक टोर्क सीमा 0 से 12.18 नैनोमीटर) और ओपल-आरटी ओपी4500 एचआईएल नियंत्रक और इंटरफेस (8 उच्च करंट 15 ए चैनल) और 8 उच्च वोल्टेज (500 वी) चैनल हैं।



ओपल-आरटी अनुकारक परम्परागत एचआईएल सिमुलेशन और परीक्षण का संचालन करने के लिए वाणिज्यिक वोल्टेज और ऊर्जा प्रवर्धक के उपयोग से वास्तविक नियंत्रण और संरक्षण प्रणाली उपकरण के साथ सरलता से अंतरापृष्ठ होगा। इसके अतिरिक्त सही समय पर जटिल ऊर्जा उपकरण का अनुसरण करने के लिए, नियंत्रण अभिकलन परीक्षण विधि सक्षमता और तेज संरक्षण प्रणाली तथा पावर इलैक्ट्रॉनिक घटक को हैंडल करने की क्षमता के साथ उप माइक्रो सैंकिण्ड एफपीजीए मॉडल आसानी से जुड़ते हैं।

क्षेत्र: विद्युत चालन अनुप्रयोग जटिल उपयोग के मामले में माइक्रोग्रिड, विंडफार्म, सक्रिय ऊर्जा शोधक, परिवर्तक नियंत्रण

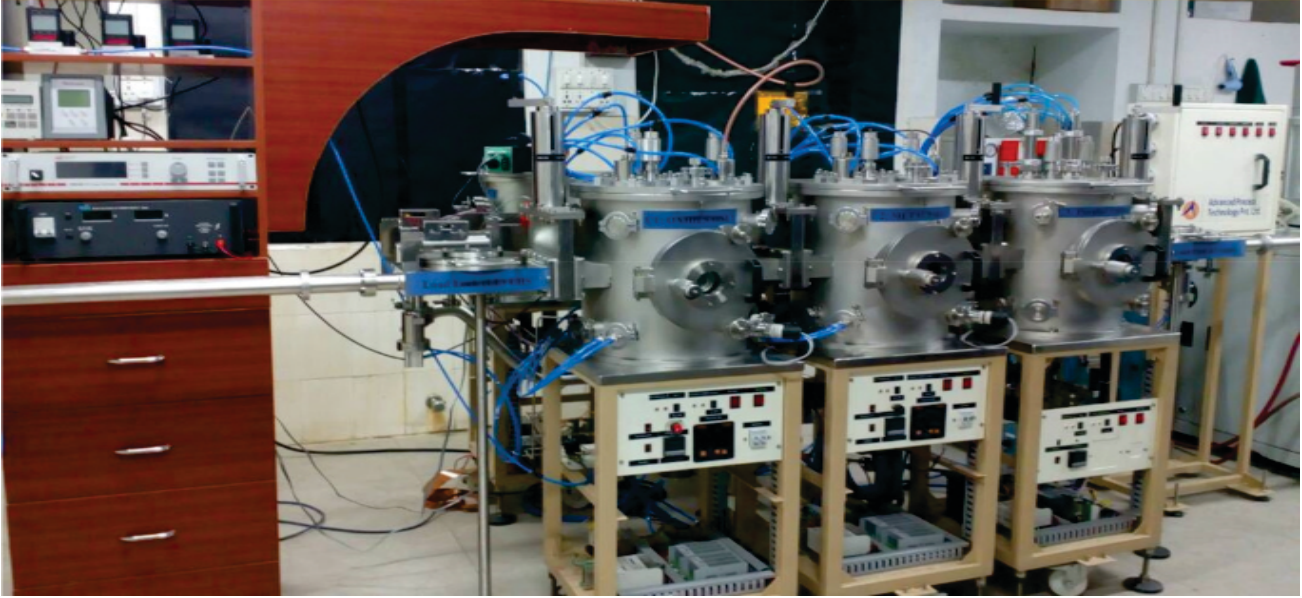
- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों (डीएसटी-एसईआरबी से 2013-2016 में वित्तपोषित) के लिए ग्रिड से जुड़ी ऊर्जा इलैक्ट्रॉनिक प्रणालियों का उन्नत/अनूकूलित नियंत्रण प्रौद्योगिकी विकास।
- स्वायत्त शून्य. नेट ऊर्जा भवनों (डीएसटी-यूकेआईईआरआई द्वारा 2014-2016 में वित्त पोषित) के लिए कुशल मल्टी-टर्मिनल डीसी यू-ग्रिड।
- भारतीय स्थल के लिए एक बहु-विमीय कुशल ऊर्जा ग्रिड (2014-2017 में डीएसटी-एसईआरआई द्वारा वित्तपोषित) विश्लेषण।
- गति नियंत्रण के लिए चालन आधारित उच्च निष्पादन तुल्यकालिक मशीन (पीएमएसएम) का रूपांकन और विकास (2014-2017 में एनआरबी-डीआरडीओ द्वारा वित्तपोषित) विश्लेषण।
- विभिन्न त्रुटियों में विकसित क्षणिक टोर्क को जानने के लिए विश्लेषणात्मक विधि का विकास और टरबाइन जनित्र

कूपक प्रणाली पर ग्रिड अन्योन्य प्रभाव (2016–2017 में भील द्वारा वित्तपोषित)।

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा

- स्वदेशी डिजाइन और कम लागत विकास: वीएलएसआई प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं. मण्डी में मल्टी चैम्बर स्पटरिंग प्रणाली के साथ प्लाज्मा वर्धित रसायन वाष्प निक्षेपण (पीईसीवीडी), लगभग 80 लाख रु. (जबकि ऐसी विशेषता वाली आधुनिक बहु कार्यात्मक प्रणाली की लागत 8 से 10 करोड़ है)।

Indigenous Low Cost Design & Develop: Multi-Chamber Sputtering System + Plasma Enhanced Chemical Vapor Deposition (PECVD) System at VLSI lab, IIT Mandi



- ऑप्टिकल लिथोग्राफी ईवीजी-610 मास्क एलाइनर
- गर्म हवा वाला तंदूर

9. छात्र गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ:

डॉ. आदित्य निगम

- सुश्री अवंतिका सिंह के सारांश “बायोरीगनेट: यूनिफाइड बायोमीट्रिक आरओआई एक्सट्रैक्शन” को सीवीपीआर 2017, होनोलुलु, अमेरिका में “संगणक विज्ञान में महिलाएँ (डब्ल्यूसीवी)” नामक कार्यशाला में स्वीकृत किया गया।

डॉ. वरुण दत्त

- श्री जहद मकबूल को दिनांक 27–31 जुलाई, 2016 तक आयोजित प्रयुक्त मानव कारक और श्रम दक्षता शास्त्र सम्मेलन (एएचएफई-2017) में उत्कृष्ट छात्र पत्र से सम्मानित किया गया।

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

- डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित ने आईएस सीएमडी मानवीय योजना प्रतियोगिता 2017 में आवासी माइक्रोग्रिड के लिए “डीसी माइक्रोग्रिड” पर द्वितीय पुरस्कार जीता। इसमें श्री राजीव कुमार चौहान, पीएचडी, विद्वान्, एससीईई शामिल थे।
- श्री राजीव चौहान ने पीएच.डी. के शोध प्रबन्ध के लिए “डीसी माइक्रोग्रिड का रूपांकन और निष्पादन विश्लेषण” पर पोसोको पावर सिस्टम अवार्ड (पीपीएसए) 2017 मिला।
- आईईईई इंडस्ट्रीयल एप्लीकेशन सोसाइटी द्वारा वर्ल्ड वाइड 2016 माइरोन जुकर डिजाइन प्रतियोगिता में बी.टैक. ईई अंतिम वर्ष के छात्र अनिल कुमार माथुर, संदीप कुमार और सुधीर कुमार ने तीसरा पुरस्कार जीता। उनका प्रवेश

उनके एमटीपी (ए नौन-इन्ट्रुसिव एयर गैप टोर्क मैथड फौर एफिसिएंसी एस्टिमेशन ऑफ इंडक्शन मशीन) पर आधारित था।

डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा

- सुश्री शिवानी, पीएच.डी. विदूषी को अनुसंधान 2017 में उत्कृष्ट मौखिक प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला।
- श्री आशीष जोशी, पीएच.डी. विद्वान् ने अनुसंधान पत्र प्रस्तुत करने के लिए आईईईई परिक्षेत्र और प्रणालियों पर 59वें अन्तर्राष्ट्रीय मध्य पश्चिमी सम्मेलन में भाग लिया। यह सम्मेलन अबु धाबी, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स में दिनांक 16 से 19 अक्टूबर 2016 तक आयोजित किया गया।

सुश्री शैफु गुप्ता

- सुश्री शैफु गुप्ता “क्लाउड नेटवर्क में संसाधन पूर्व कथन के लिए आंशिक अंतर आधारित हाईब्रिड मॉडल” नामक पत्र प्रस्तुत करने के लिए दिसम्बर 2016 में आईसीएनसीसी, क्योटो जापान गई। उनकी प्रस्तुति के लिए उन्हें सर्वोत्कृष्ट पुरस्कार मिला।
- वह “क्लाउड नेटवर्क में संसाधन उपयोग पूर्व कथन के लिए ऑनलाइन अनुरूपण मॉडल” नामक पत्र प्रस्तुत करने के लिए मार्च 2017 में एनसीसी, भा.प्रौ.सं. मद्रास गई।

श्री दाउद सलीम और श्री मोहम्मद सुल्तान आलम

- श्री दाउद सलीम और श्री मोहम्मद सुल्तान आलम ने दिनांक 25–27 जुलाई, 2016 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी कानपुर) में “5जी बेतार संचार नेटवर्क के लिए प्रौद्योगिकी” नामक अंश कालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया।

अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)

अभियांत्रिकी स्कूल संस्थान की दूरदर्शिता की ओर प्रगति कर रहा है। यह उत्कृष्ट अध्यापन, अभिनव पाठ्यक्रमों और अनुसंधान वातावरण के माध्यम से उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्कूल में प्रारूप व्यवहार्य, विपरीत अभियांत्रिकी, प्रारूप के लिए आरेखीय, सामग्री विज्ञान, वास्तविक उत्पाद प्रौद्योगिकी, मजबूत ढांचों की यांत्रिकी, यांत्रिकी और नागरिक विषयों के मूल पाठ्यक्रमों के साथ अबाध यांत्रिकी और ऊष्मा गतिकी अभियांत्रिकी जैसे सामान्य विषयों में बी.टैक. होती है। यहां वर्तमान में 33 प्राध्यापक हैं, जिनमें 2 एसोसिएट प्राध्यापक, 26 सहायक प्राध्यापक, 1 विख्यात अभ्यागत प्राध्यापक और 2 संयुक्त प्राध्यापक तथा 2 परामर्शदाता प्राध्यापक हैं। इस स्कूल में 49 पी.एचडी. और 19 एम.एस. तथा 10 एम.टैक. छात्र हैं। अनुसंधान के मुख्य क्षेत्रों में विस्तृत रूप से वर्गीकृत विषयों में सामग्री और प्रारूप, तापीय-द्रव अभियांत्रिकी, ऊर्जा सक्षम भवन और अनारक्त संकेत और धारणीय हिमालयी अवसंरचना हैं। यह सामग्री और प्रारूप के क्षेत्र में संवेदक, उत्प्रेरक एवं ऊर्जा उत्सर्जन अनुप्रयोगों, कुशल संरचनाओं और प्रणाली विश्लेषण के विकास की ओर उन्मुख है। प्राध्यापक तापीय-द्रव अभियांत्रिकी में विकिरण ऊष्मा स्थानान्तरण, सूक्ष्म-मापीय ऊष्मा स्थानान्तरण, प्रवाह विश्लेषण और आईसी ईजन के ऊष्मा स्थानान्तरण विश्लेषण में अनुसंधान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त स्कूल में तरल धातु/मिश्रणों का भी पता लगाया जा रहा है। भा.प्रौ.सं. मण्डी में ऊर्जा सक्षमता को बढ़ाने के लिए जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सक्षम भवनों हेतु प्रावस्था परिवर्तन सामग्री अनुप्रयोग और अपरम्परागत ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग के अध्ययन को ऊर्जा सक्षम प्रणालियाँ समाहित करती हैं। हिमालयी आधारभूत सुविधाओं में ढलान स्थिरता, भू-संकट क्षेत्र, रद्दी प्रबन्धन और निष्पादन आधारित रूपांकन शामिल हैं। अब तक एसईआरबी, डीआरडीओ, आईएसआरओ, एनआरडीएमएस, डीएलआर (जर्मन एरो स्पेस सेंटर), एआरडीबी, भील इत्यादि कम्पनियों द्वारा अनेक प्रायोजित परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। स्कूल में अनेक यूजी प्रयोगशालाएँ (डिजाइन प्रयोगशाला, ऊष्मा-द्रव प्रयोगशाला, यांत्रिकी कार्यशाला, सर्वेक्षण प्रयोगशाला, निर्माण सामग्री प्रयोगशाला और पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला) हैं। पीजी प्रयोगशाला (ऊर्जा अभियांत्रिकी प्रयोगशाला) और अनेक अनुसंधान प्रयोगशाला (नवीकरणीय आईसी ईजन प्रयोगशाला), कुशल सामग्री और संरचना प्रयोगशाला, जैव यांत्रिकी प्रयोगशाला, ध्वनि विज्ञान तरंग प्रयोगशाला, सूक्ष्म सामग्री प्रयोगशाला आदि हैं।

प्राध्यापक

डॉ. राजीव कुमार

अध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, तरंग,
एफईएम, प्रकाशीय
भा.प्रौ.सं. रुड़की से सन् 2008 में पी.एचडी.
गृह नगर: जसपुर, उत्तराखण्ड
दूरभाष: 01905-267148
ई-मेल: Rajeev@iitmandi.ac.in

डॉ. अर्पण गुप्ता

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: ध्वनिक, कम्पन्न, जैव यांत्रिकी
संगणनात्मक विधियाँ-एफईएम, सीएफडी,
लेटिस बोल्टजमन विधि
राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर से सन् 2012
में पी.एचडी.
गृह नगर: इन्दौर, म.प्र.
दूरभाष: 01905-267135
ई-मेल: agupta@iitmandi.ac.in

डॉ. अतुल धर

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: आई.सी. इंजन,
विकल्पी ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण
भा.प्रौ.सं. कानपुर से वर्ष 2013 में पी.एचडी.
गृह नगर: सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267143
ई-मेल: atul@iitmandi.ac.in

डॉ. दीपक स्वामी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भूमिगत जल प्रवाह और
परिवहन मॉडलिंग, जल संसाधनों का
विकास और प्रबन्ध, त्रासदी शमन
विशेषकर बाढ़ और आकस्मिक बाढ़
भा.प्रौ.सं. रुड़की से वर्ष 2014 में पी.एचडी.
दूरभाष: 01905-267159
ई-मेल: deepak@iitmandi.ac.in

डॉ. डेरिक्स प्रेज शुक्ला

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: नियन्त्रक संवेदना एवं जीआईएस, हाईड्रो-जीओ-कैमेस्ट्री, वाटर कन्टेमिनेशन मोस्टली एज एण्ड अदर हैवी मेटलज, नेचुरल हैजार्डज असैसमेंट एण्ड मैपिंग दिल्ली विश्वविद्यालय से वर्ष 2012 में पी.एचडी.

दूरभाष: 01905-267147

ई-मेल: derricks@iitmandi.ac.in

डॉ. गौरव भुटानी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: द्रव प्रवाह मॉडलिंग इम्पीरियल महाविद्यालय लंदन से पीएच.डी. (2016)

दूरभाष: 01905-267108

ई-मेल: gaurav@iitmandi.ac.in

डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री गोरखपुर विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2000) गृह नगर: मोहाली, चण्डीगढ़

दूरभाष: 01905-267056

ई-मेल: jaspreet@iitmandi.ac.in

डॉ. के.एस. काशीविश्वनाथन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: द्रव विज्ञान और जल संसाधन, अभियांत्रिकी, भू-स्खलन अभियांत्रिकी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से पीएच.डी. (2014)

दूरभाष: 01905-2

ई-मेल: kasiviswanathan@iitmandi.ac.in

डॉ. मोहम्मद तल्हा

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, मिश्रित संरचनाएँ कार्यात्मक क्रमिक सामग्रियाँ, संरचनात्मक यांत्रिकी और मिश्रणों में मात्रा की अनिश्चितता तथा दोष संवेदनशीलता भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से वर्ष 2012 में पी.एचडी. गृह नगर: पटना, बिहार दूरभाष: 01905-267152 ई-मेल: talha@iitmandi.ac.in

डॉ. धीरज वी. पाटिल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: लेटिस-बोल्जमन्न मैथड, मल्टी फीजिक्स, मल्टीफेज फ्लोज एण्ड कम्प्लैक्स फ्लडज रीओलॉजी भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी. (2010)

गृह नगर: कोल्हापुर, महाराष्ट्र

दूरभाष: 01905-267050

ई-मेल: dhiraj@iitmandi.ac.in

डॉ. हिमांशु पाठक

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: संगणनात्मक ठोस यांत्रिकी भंजन यांत्रिकी, कार्यात्मक ग्रेडिड सामग्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना से पीएच.डी. (2015)

दूरभाष: 01905-267224

ई-मेल: himanshu@iitmandi.ac.in

डॉ. कौस्तव सरकार

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: कंकर के स्थायित्व का प्रारूप, धारणीय कंक्रीट उत्पादन, सीमित तत्व विश्लेषण, सॉफ्ट संगणना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पी.एचडी. (2016)

दूरभाष: 01905-267145

गृह नगर: कलकत्ता

ई-मेल: srkr@iitmandi.ac.in

डॉ. महेश रेड्डी गोड्ड

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भूकम्प अभियांत्रिकी और भूकम्प विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से पीएच.डी. (2016)

दूरभाष: 01905-267223

ई-मेल: maheshreddy@iitmandi.ac.in

डॉ. पी. अनिल किशन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: परिकल्पनात्मक द्रव गतिकी भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से सन् 2009 में पी.एचडी. गृह नगर: तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश

दूरभाष: 01905-267141

ई-मेल: kishan@iitmandi.ac.in

डॉ. प्रदीप कुमार

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: द्रव और तापीय विज्ञान
भा.प्रौ.सं. कानपुर से सन् 2009 में पी.एचडी.
गृह नगर: जौनपुर, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267137
ई-मेल: pradeepkumar@iitmandi.ac.in

डॉ. राजेश घोष

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, जैव यांत्रिकी,
परिमित तत्व विश्लेषण
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से
पी.एचडी. (2013)
दूरभाष: 01905-267151
ई-मेल: rajesh@iitmandi.ac.in
गृह नगर: हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

डॉ. ऋक् रानी कोडार

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: संकर सामग्री
भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पीएच.डी.
दूरभाष: 01905-267220
ई-मेल: rik@iitmandi.ac.in

डॉ. सतीश चन्द्र जैन

संयुक्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता: यांत्रिकी अभियांत्रिकी
यंत्र प्रारूप, ट्रिबोलॉजी, तरंग और रव
संगणक युक्त प्रारूप
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पी.एचडी.
(भूतपूर्व विश्वविद्यालय रुड़की) (1983)
गृह नगर: पतपरगंज, नई दिल्ली
दूरभाष: 01905-237976
ई-मेल: satish@iitmandi.ac.in

डॉ. शान्तनु पत्रा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भू-तकनीकी और
भू-पर्यावरणात्मक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
से पीएच.डी. (2013) दूरभाष: 01905-267223

डॉ. राहुल वैश

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कांच और कांच-मिट्टी के बर्तन
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से सन् 2010 में
पी.एचडी. (अभि.)
गृह नगर: बदौन, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267139
ई-मेल: rahul@iitmandi.ac.in

डॉ. रजनीश शर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: बिम्ब आधारित सीमित तत्व विधियाँ,
संसंजक जोन मॉडलिंग, अव्यवस्थित प्रक्रियाओं का विश्लेषण,
समाँगीकरण और मल्टीस्केल मॉडलिंग, अत्याधिक अपभारित
वातावरणों में मिश्रणों का विश्लेषण और प्रारूप
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पी.एचडी.
गृह नगर: हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-267144
ई-मेल: rajnishsharma@iitmandi.ac.in

डॉ. सन्दीप कुमार साहा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भूकम्प अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली से पीएच.डी. (2014)
दूरभाष: 01905-267108
ई-मेल: sandip_saha@iitmandi.ac.in

डॉ. सत्वशील रमेश पोवार

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: रंजन संवेदित सौर सेल,
पेरोवस्काइट सौर सेल
मोनाश विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया से
पी.एचडी. (2013)
गृह नगर: कोल्हापुर, महाराष्ट्र
दूरभाष: 01905-267136
ई-मेल: satvasheel@iitmandi.ac.in

प्रा. श्रीपद पी. महुलिकर

संयुक्त प्राध्यापक (भा.प्रौ.सं. मुम्बई से प्रतिनियुक्ति पर)
विशेषज्ञता: ताप स्थानांतरण ऊष्मागतिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी
एनटीयू सिंगापुर से पी.एचडी. (1999)
मर्कटर फेलो (डीएफजी-जर्मनी 2011),
एवीएच फेलो (हम्बोल्ट-जर्मनी 2003) दूरभाष: 01905-237127

ई-मेल: shantanu_patra@iitmandi.ac.in

डॉ. सुब्रता रे

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भौतिक धातु विज्ञान, मिश्रण और
ट्राइबोलॉजी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानुपर से
पी.एच.डी. (1976)
दूरभाष: 01905-267069
ई-मेल: sray@iitmandi.ac.in

डॉ. सन्नी ज़फर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: निर्माण अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पी.एच.डी. (2016)
गृह नगर: चण्डीगढ़
दूरभाष: 01905-267224
ई-मेल: sunnyzafar@iitmandi.ac.in

डॉ. विशाल सिंह चौहान

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: धातुओं और मिश्रणों के विरूपण के दौरान
विद्युत चुम्बकीय विकिरण, ठोस यांत्रिकी, एफ.ई.एम.
बी.आई.टी. मिसरा, रांची से सन् 2009 में पी.एच.डी.
गृह नगर: सनवाद, मध्य प्रदेश
दूरभाष: 01905-267044
ई-मेल: vsc@iitmandi.ac.in

डॉ. वैकटा उदय कला

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुम्बई से पी.एच.डी.
गृह नगर: हैदराबाद दूरभाष: 01905-267149
ई-मेल: uday@iitmandi.ac.in

परामर्शदाता प्राध्यापक

डॉ. बी.के. मिश्राडॉ. सुनील आर. काले

परामर्शदाता प्राध्यापक
विशेषज्ञता: मिश्रित सामग्री, फ्रैक्चर यांत्रिकी
लहर संचरण
आई.टी.-बी.एच.यू. से पी.एच.डी. (1989)
दूरभाष: +91-1332-285679
ई-मेल: bkmishra

ई-मेल: shripad@iitmandi.ac.in

डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे

अभ्यागत सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संघनित पदार्थ भौतिकी और सामग्री विज्ञान
वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-डीएई
संघ, इन्दौर से सन् 2007 में पी.एच.डी.
गृह नगर: गरहवा, झारखण्ड
दूरभाष: 01905-267066
ई-मेल: sudhir@iitmandi.ac.in

डॉ. सुमित सिन्हा रे

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: यांत्रिकी अभियांत्रिकी में इल्लिनोइस,
शिकागो से पी.एच.डी.
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-2
ई-मेल: sumitsinha@iitmandi.ac.in

डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कार्यात्मक सामग्रियों/पतली
झिल्लियों, इलैक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शिका और
संरचना-गुण सम्बन्धों की यथास्थान खोज
भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर से सन् 2008
में पी.एच.डी. (सामग्री विज्ञान)
गृह नगर: चिदम्बरम, तमिल नाडु
दूरभाष: 01905-267142
ई-मेल: viswa@iitmandi.ac.in

डॉ. सुनील आर. काले (भा.प्रौ.सं. दिल्ली, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग)

परामर्शदाता प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ताप स्थानान्तरण, प्रवाह
यांत्रिकी, कण युक्त प्रवाह, ज्वलन और
शक्ति परिवर्तन, गृह नगर: पुना, महाराष्ट्र
दूरभाष: +91-11-2659 1127,1709
ई-मेल: srk

बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना	प्रायोजित कम्पनी	अन्वेषक	परियोजना लागत (रु.)	परियोजना की अवधि
1	विभिन्न संचालन स्थितियों में विकसित क्षणिक ग्रैवेयक का पता करने के लिए विश्लेषणात्मक मॉडल का विकास और टरबाइन जनित्र कूपक प्रणाली पर इसका ग्रिड अन्योन्य प्रभाव	भील हार्डवेयर	डॉ. राजीव कुमार और भरत सिंह राजपुरोहित	20,00,000	1.5 वर्ष
2	गति नियंत्रण के लिए यंत्र आधारित उच्च निष्पादन तुल्यकालिक मशीन (पीएमएसएम) का प्रारूप और विकास स्वीकृति की दिनांक: 10.02.2015 समापन की दिनांक: 09.02.2018	नव अनुसंधान बोर्ड	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित और डॉ. राजीव कुमार	25,00,000	3 वर्ष
3	दोहरे ईंधन ईजन में उत्सर्जन न्यूनीकरण के लिए हाईड्रोजन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों का योगवाही अध्ययन स्वीकृति की दिनांक: 20.08.2016 समापन की दिनांक: 19.08.2019	डीएसटी एसईआरबी	डॉ. अतुल धर	32,000,00	3 वर्ष
4	ध्वनिक स्फटिक का उपयोग करते हुये शान्त हार्ड डिस्क और प्रकाशीय यंत्र का रूपांकन स्वीकृति की दिनांक: 01.04.16 समापन की दिनांक: 31.03.19	डीएसटी	डॉ. अर्पण गुप्ता	31,66,000	3 वर्ष
5	अपरदन प्रभाव के साथ तरल और कणिक जेट प्रभाव का अन्वेषण स्वीकृति की दिनांक: 27.03.2017 समापन की दिनांक: 26.03.2020	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. धीरज वी. पाटिल	27,59,400	3 वर्ष
6	नालीदार शुष्कक बक्से वाले प्रभावशाली सौर का रूपांकन और विकास स्वीकृति की दिनांक: 11.04.2017 समापन की दिनांक: 10.04.2019	हि.प्र. विशेष अनुसंधान और विकास परियोजनाएँ	डॉ. एस. पोवार, डॉ. धीरज वी. पाटिल, डॉ. अतुल धर, डॉ. ए. गुप्ता	8,17,000	2 वर्ष
7	मशीन अधिगम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुये LHZ और LSZ के निर्माण के लिए अर्ध स्वचालित संरचना	एनआरडीएम एस-डीएसटी	डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला और डॉ. मनोज ठाकुर	20,00,000	2 वर्ष
8	ग्राफीन/जीयोलाइट मिश्रणों का सुगम, सस्ता विश्लेषण और जल से भारी धातुओं को उठाने में उनका अनुप्रयोग	एसईआरबी-डीएसटी (एनपीडीएफ)	डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला और डॉ. ऋचा रानी	19,20,000	2 वर्ष
9	मध्य भारत, ऊर्जाचल (सिंगरौली) से आर्सेनिक और भारी धातु का जल, कोयले में मानचित्रण और फ्लाइ ऐश नमूने	एसईआरबी-डीएसटी (युवा वैज्ञानिक)	डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला	24 लाख 60 हजार	2 वर्ष

10	युग्मक एफई मेशफ्री विधि द्वारा कार्यात्मक रूप से क्रमिक सामग्रियों (एफजीएम) का भंजन विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 12.03.2016 समापन की दिनांक: 11.03.2019	एसईआरबी, डीएसटी भारत सरकार	डॉ. हिमांशु पाठक	16,78,000	3 वर्ष
11	अल्पभार शस्त्र का रूपांकन और विकास	डीआरडीओ, भारत सरकार	डॉ. हिमांशु पाठक और डॉ. सन्नी ज़फर	76,64,826	समीक्षाधीन
12	संक्षारक जोखिम का निर्धारण करने के लिए द्रव चालित विसरणशीलता की मॉडलिंग और कंकरीट में नमी परिवहन का एफई अनुकारक में इसका अनुप्रयोग स्वीकृति की दिनांक: 27.03.2016 समापन की दिनांक: 26.03.2020	एसईआरबी	डॉ. कौस्तव सरकार (प.अ.)	45,89,260	3 वर्ष
13	कार्यात्मक रूप से क्रमिक संरचनाओं की प्राचल अनिश्चितताओं की अपूर्ण संवेदकता का विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 21.12.2016 समापन की दिनांक: 20.12.2018	एआर और डीबी, डीआरडीओ, भारत सरकार	डॉ. मोहम्मद तल्हा	10,14,100	2 वर्ष
14	ज्योमितीय अपूर्ण क्रमिक कार्यात्मक घुमावदार पेनल का सामग्री अनिश्चितता के साथ अरैखिक ऊष्मा-विद्युत-लचीलेपन का विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 08.04.2016 समापन की दिनांक: 07.04.2019	एसईआरबी-डी एसटी, भारत सरकार	डॉ. मोहम्मद तल्हा	14,85,000	3 वर्ष
15	उच्च तनाव दर अवरोधक कवच अनुप्रयोगों के लिए प्रावस्था परिवर्तन वाले सूक्ष्म यौगिकों की जाँच स्वीकृति की दिनांक: 31.01.2017 समापन की दिनांक: 30.01.2020	टीबीआरएल, डीआरडीओ, भारत सरकार	डॉ. मोहम्मद तल्हा और डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	26,86,400	3 वर्ष
16	स्थान तापन अनुप्रयोगों के लिए प्रावस्था परिवर्तन सामग्री का प्रयोग करते हुये सौर ऊर्जा भण्डारण स्वीकृति की दिनांक: 14.07.2016 समापन की दिनांक: 13.07.2019	एसईआरबी	डॉ. पी. अनिल किशन	31,19,600	3 वर्ष
17	सीमेंट युक्त प्याले के आकार वाले प्रोरथीसिज की रूपरेखा और असफलता विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 09.09.2016 समापन की दिनांक: 08.09.2019	डीएसटी	डॉ. राजेश घोष	13,60,000	3 वर्ष

18	भूमि-स्थायित्व प्राप्त करने के लिए जैव अभियांत्रिकी की नीतियों में सुधार स्वीकृति की दिनांक: 27.01.2017 समापन की दिनांक: 26.01.2020	एसईआरबी-डीएसटी	डॉ. के.वी. उदय (एसई) और डॉ. श्याम के. मासाकपल्ली (एसबीएस)	51,33,000	3 वर्ष
19	मॉडल माइक्रोपाईल में उत्पादन बल के अंतर्गत मिट्टी के ढेर की परस्पर क्रिया का अध्ययन स्वीकृति की दिनांक: 13.03.2017 समापन की दिनांक: 12.03.2019	एसएएसई-डीआरडीओ	डॉ. के.वी. उदय और डॉ. कौस्तव सरकार	9,96,000	2 वर्ष
20	विद्युत ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए कांच और कांच की बनी वस्तुएँ स्वीकृति की दिनांक: 02.03.2012 समापन की दिनांक: 01.03.2017	डीएसटी	डॉ. राहुल वैश (प.अ.)	35,00,000	3 वर्ष
21	लौह विद्युत सीरामिक्स और उनके मिश्रणों में फोटोकैटालिक क्रिया की जांच स्वीकृति की दिनांक: 17.10.2014 समापन की दिनांक: 16.10.2017	आईएनएसए	डॉ. राहुल वैश (प.अ.)	15,00,00	3 वर्ष
22	बचे हुये पानी के लिए प्रकाश उत्प्रेरक पारदर्शी काँच सूक्ष्म/अति सूक्ष्म क्रिस्टल यौगिकों का प्रबन्ध स्वीकृति की दिनांक: 20.01.2016 समापन की दिनांक: 19.01.2019	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. राहुल वैश (प.अ.)	28,05,200	3 वर्ष
23	विकसित सामग्री से आदि प्रारूप निर्माण के लिए ऊर्जा भण्डारण अनुप्रयोगों में सकारात्मक विद्युत सक्रिय जाति के रूप में नया धातु कार्बनिक नेटवर्क	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. ऋक् रानी कोडार	—	अनुमोदित
24	सूक्ष्म इलैक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग के लिए अर्धकुचालक प्रयोगशाला (एससीएल) में स्वदेशी रासायनिक मशीनी मिश्रणों के पोलिश का विकास स्वीकृति की दिनांक: 23.06.2016 समापन की दिनांक: 22.06.2019	एससीएल मोहाली	प.अ. डॉ. अदिति हल्दर, सह. प.अ.: डॉ. वेंकटा कृष्णन, डॉ. ऋक् रानी कोडार	69,60,000	3 वर्ष
25	एक नया दृष्टिकोण: भूकम्प के कारण प्रबलित मिट्टी की दीवार के स्थायित्व का विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 28.10.2016 समापन की दिनांक: 27.10.2019	विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार	विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार	40,34,000	3 वर्ष
26	नालीदार शुष्कक बक्से वाले प्रभावशाली सौर का रूपांकन और विकास स्वीकृति की दिनांक: 11.04.2017 समापन की दिनांक: 10.04.2019	विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के लिए राज्य परिषद्, हिमाचल प्रदेश	डॉ. सत्वशील पोवार, डॉ. धीरज पाटिल, डॉ. अतुल धर, डॉ. अर्पण गुप्ता	8,17,000	3 वर्ष

27	उच्च तापमान- विद्युत अनुप्रयोगों के लिए नये अर्धचालक हाइसलर मिश्रधातुओं की खोज करना स्वीकृति की दिनांक: 21.03.2017 समापन की दिनांक: 20.03.2020	एसईआरबी	डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे	19,08,940	3 वर्ष
28	हाइड्रो टरबाइन में दलदल अपरदन को कम करने के लिए अति सूक्ष्म संरचित अवरोधक माइक्रोवेव क्लेड का विकास स्वीकृति की दिनांक: 29.03.2017 समापन की दिनांक: 28.03.2020	एसईआरबी, डीएसटी भारत सरकार	डॉ. सन्नी ज़फर	53,30,750	3 वर्ष
29	कम तापमान में विकृति के दौरान धातुओं और मिश्र धातुओं की विद्युत चुम्बकीय किरणों की प्रतिक्रिया स्वीकृति की दिनांक: 22.05.2013 समापन की दिनांक: 27.06.2017	डीएसटी	डॉ. विशाल एस. चौहान	18,40,000	4 वर्ष
30	समांतरणीय किरण पुंज विकिरण में विकिरण अंतरण समीकरण की निश्चित आयतन विधि के लिए अनुकूलित असंरचित कोणीय पृथक्कता ग्रिड का विकास स्वीकृति की दिनांक: 20.08.2016 समापन की दिनांक: 19.08.2019	एसईआरबी	डॉ. प्रदीप कुमार	25,97,100	3 वर्ष
31	क्रियात्मक विलेय परिवहन के लिए विषमजनिक छिद्रित माध्यम से उच्च मॉडलिंग पहुंच की उपयुक्तता: प्रयोगात्मक और सांख्यिकीय अध्ययन	डीएसटी- एसईआरबी	डॉ. डी. स्वामी	45,00,000	3 वर्ष
32	अल्प भार और उच्च तनाव कवच अनुप्रयोगों के लिए संरक्षित सीएनटी-बहुलक अति सूक्ष्म यौगिकों का विकास स्वीकृति की दिनांक: 01.11.2016 समापन की दिनांक: 31.10.2018	अजिस्ता इंडस्ट्रीज, हैदराबाद, भारत	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	32,78,600	2 वर्ष
33	उपकरण अनुप्रयोगों के लिए विशेष स्थल विकास और संरक्षित कार्बन नैनो ट्यूब (सीएनटी) का सूक्ष्म निर्माण स्वीकृति की दिनांक: 23.02.2016 समापन की दिनांक: 22.02.2019	विज्ञान और प्रौद्योगिकी फास्ट ट्रैक विभाग (डीएसटी)	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	28,30,000	3 वर्ष
34	उच्च तनाव दर अवरोधक कवच अनुप्रयोगों के लिए प्रावस्था परिवर्तन वाले यौगिकों की जाँच स्वीकृति की दिनांक: 31.01.2017 समापन की दिनांक: 30.01.2020	डीआरडीओ- टर्मिनल बेलिस्टिक रीसर्च लैबोरेटरी (टीबीआरएल), चण्डीगढ़	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन (प.अ.) और मोहम्मद तल्हा (सह प.अ.)	28,60,000	3 वर्ष

मूल अनुदान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का नाम	पंजिका संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन (रु)	परियोजना की अवधि
1	संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों में कोमल दरार वृद्धि के लिए वर्द्धित सीमित अवयव (एक्सईएम) का विकास और कार्यान्वयन	आईआईटीएम/एसजी /एचपी/54	डॉ. हिमांशु पाठक	5,12,000	3 वर्ष
2	सूक्ष्म/अति सूक्ष्म अभियांत्रिक धरातलों पर उबलते कुंड के तापमान का पारवहन	आईआईटीएम/एसजी /डीवीपी/44	डॉ. धीरज वी. पाटिल	6,00,000	3 वर्ष
3	जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए छिद्रित यौगिकों का विकास, चरित्रण और गणितीय रूपांकन करना	आईआईटीएम/एसजी /2017/3-31	डॉ. सन्नी ज़फर और मोहम्मद तल्हा	14,50,500	3 वर्ष
4	भारतीय मरीजों के लिए ओस्टियोपोरोटिक हड्डी के यांत्रिकीय और जैव वैज्ञानिक गुणों का पता करना	आईआईटीएम/आईएनटी/आरजी/10	डॉ. राजेश घोष, डॉ. मोहम्मद तल्हा, डॉ. अर्पण गुप्ता, डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल	8,00,000	1 वर्ष (चालू)
5	पौधों की जड़ों के कारण भूमि अपरूपण शक्ति में परिवर्तन स्थापित करना: एक प्रयोगात्मक अध्ययन	आईआईटीएम/एसजी /केवीयु/50	डॉ. के. वी. उदय	6,50,000	3 वर्ष
6	सौर तापीय गैसीयकरण	आईआईटीएम/एसपी /151	डॉ. सत्वशील पवार, डॉ. अतुल धर, डॉ. प्रदीप कुमार	25,00,000	3 वर्ष
7	जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोवेव संसाधित छिद्रित यौगिकों का विकास, चरित्रण और गणितीय रूपांकन करना	आईआईटीएम/एसजी /एसजे/56	डॉ. सन्नी ज़फर और डॉ. मोहम्मद तल्हा	14,50,000	3 वर्ष
8	छिद्रित माध्यम में विलेय परिवहन का प्रयोगात्मक अन्वेषण	आईआईटीएम/एसजी /2017/03-32	डॉ. डी. स्वामी	9,00,000	3 वर्ष
9	उपकरण अनुप्रयोगों के लिए स्थल विशेष वृद्धि और संरक्षित कार्बन नैनो ट्यूब (सीएनटी) का सूक्ष्म निर्माण	आईआईटीएम/एसजी /वीबीके/33	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	6,20,000	3 वर्ष

अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति

परियोजना अन्वेषक: डॉ. राजीव कुमार

विद्युतीय जालक की बाधाओं के कारण टी-जी कूपक का विश्लेषण

इस परियोजना का उद्देश्य विभिन्न संचालक परिस्थितियों में उत्पन्न क्षणिक ग्रैवेयक ज्ञात करना और टरबाइन जनित्र कूपक प्रणाली पर इसके जालक अन्योन्य क्रिया प्रभाव के लिए विश्लेषणात्मक मॉडल का विकास करना है। यह भील प्रायोजित परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य विभिन्न संचालन परिस्थितियों (ग्रिड में लघु पथ और दोषपूर्ण तुल्यकालन) में टर्बो-जनित्र कूपक का विश्लेषण करना है। इस परियोजना का गणितीय प्रारूप बन चुका है। प्रारूप पर आधारित संगणक कोड पर कार्य चल रहा है।

परियोजना अन्वेषक: डॉ. अर्पण गुप्ता

ध्वनिक स्फटिक का उपयोग करते हुये शान्त हार्ड डिस्क और प्रकाशीय यंत्र का रूपांकन

इस डीएसटी परियोजना का उद्देश्य ध्वनिक स्फटिक का उपयोग करते हुये शान्त हार्ड डिस्क/प्रकाशीय यंत्र का रूपांकन करना है। मूल रूप से ध्वनिक स्फटिक (एससी) प्रकीर्णन की आवधिक व्यवस्था है, जो विशेष ध्वनि आवृत्ति क्षीणता प्रदान करता है। घुमावदार घटक द्वारा यह आवृत्ति बैंड हार्ड डिस्क/प्रकाशीय यंत्र के शोर की ओर लक्षित किया जा सकता है।

यह पाया गया कि ध्वनि स्फटिक द्वारा ध्वनि क्षीणता बैंड की दूरी प्रकीर्णन आवधिक पर निर्भर करती है। इसका परिणाम विश्लेषणात्मक (ब्रैग नियम द्वारा), सीमित अवयव अनुकारक और प्रयोगों द्वारा सत्यापित हो चुका है।

इस वर्ष हार्ड डिस्क शोर और कम्पन्न का मापन किया गया और यह पाया कि 7200 आरपीएम पर हार्ड डिस्क के घूमने के कारण यह शोर होता है, जोकि 120 हर्ट्ज के अनुरूप है। हार्ड डिस्क से कम्पन्न आँकड़े में प्रमुख रूप से 120 हर्ट्ज का संकेत मिला।

विश्लेषणात्मक व्याख्या और सीमित अवयव अनुकारक के आधार पर यह पाया कि 120 हर्ट्ज पर ध्वनि प्रभावकता को क्षीण करने के लिए 120 हर्ट्ज पर व्यापक तरंग दैर्घ्य के कारण आवधिक यूनिट का जालक स्थिरांक लगभग 1.4 एम होगा। इसीलिए यह बड़ी संरचना बनेगी जो वांछित नहीं है। अतः निष्कर्ष यह निकलता है कि स्थानीय अनुनादी ध्वनिक स्फटिक ही इस परियोजना के लिए उत्तम विकल्प है। ध्वनिक स्फटिक प्रकीर्णन में स्थानीय अनुनाद एससी के आकार को कम कर सकता है।

अब तक इस परियोजना में दो सम्मेलन प्रकाशन और एक जॉर्नल प्रकाशन (नौन एससीआई) हुआ। इस परियोजना के प्रथम वर्ष का अधिकतर समय उपकरण खरीदने, जन शक्ति प्राप्त करने, साहित्य समीक्षा करने और छात्रों को परियोजना के आधारभूत विषय का प्रशिक्षण देने में व्यतीत हुआ।

परियोजना अन्वेषक: डॉ. हिमांशु पाठक

परियोजना शीर्षक: संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों में कोमल दरार वृद्धि के लिए वर्द्धित सीमित अवयव (एक्सएफईएम) का विकास और कार्यान्वयन

इस परियोजना का उद्देश्य ऊष्मा यांत्रिकीय भारण में कोमल संरचना के लिए बड़ी सीमित अवयव विधि (एक्सएफईएम) कोड का विकास करना है। अंतरिक्ष संरचना, स्वतः चालित संरचना और नाभिकीय रिएक्टर जैसे आमतौर पर प्रयोग होने वाले कोमल सामग्री घटकों के लिए जे-इंटीग्रल और जे-आर कर्व आधारित भंजन सृजन का मूल्यांकन शामिल है। हालांकि 3-डी इलास्टो-प्लास्टिक समस्या से निपटने से पहले यांत्रिकीय और ऊष्मा भारण पर्यावरण में दरार वाले 2-डी प्लेट के लिए एक कोड बनाया जाएगा। एक्सईएम के उपयोग से दरार वृद्धि, दरार बंद और दरार अन्योन्य क्रिया वृत्त के लिए मानक प्लेन 2-डी दरार की समस्याओं का विश्लेषण किया जाएगा। इसके साथ 3-डी दरार क्षेत्र के लिए विकसित कोड को बढ़ाया जाएगा। साहित्य में विकसित कोड विश्लेषणात्मक, सांख्यिकीय और उपलब्ध प्रयोगात्मक परिणामों के साथ विधिमान्यकृत होंगे। अगले चरण में मिश्रित ऊष्मा-यांत्रिकीय भारण के अंतर्गत दरार अन्योन्य क्रिया, दरार बंद और कुंठक प्रभाव जैसे विभिन्न डिजाइन के मामलों का विश्लेषण किया जाएगा। अब तक किये गये कार्य के

आधार पर निम्नलिखित परिणाम आये हैं:

- संरचनात्मक घटकों में 2-डी स्थायी कोमल दरार की वृद्धि को सुलझाने के लिए युग्मक ईएफ –एक्सईएफजी पहुंच के आधार पर सामान्यीकृत मैटलैब कोड विकसित किया जा चुका है।

अन्य परियोजना: युग्मित एफई मेशफ्री विधि द्वारा कार्यात्मक ग्रेड युक्त सामग्री (एफजीएम) का भंजन विश्लेषण

परियोजना अन्वेषक: डॉ. कौस्तव सरकार

संक्षारक जोखिम का निर्धारण करने के लिए द्रव चालित विसरणशीलता की मॉडलिंग और कंकरीट में नमी परिवहन की एफई अनुरूपता में इसका अनुप्रयोग

जुलाई 2017 में जेआरएफ का चयन किया जाएगा; उपकरण खरीदना आरम्भ हो गया है।

परियोजना अन्वेषक: डॉ. राजेश घोष

सीमेन्टित प्याले के आकार के कृत्रिम अंग का डिजाइन और असफलता विश्लेषण

इस परियोजना के अंतर्गत एक छात्र (जेआरएफ) काम कर रहा है। हमने अक्षुण्ण और रोपित पेल्विक हड्डी का सीमित अवयव मॉडल विकसित किया है।

परियोजना अन्वेषक: डॉ. ऋक् रानी कोडार

परियोजना अन्वेषक: नया समन्वयन बहुलक आधारित डिस्प्रोसियम और ऑक्सीजन न्यूनीकरण अभिक्रिया के अनुप्रयोग

हमने मेसाकोनिक अम्ल के साथ समन्वयन बहुलक (डीवाई-सीपी) युक्त नया डिस्प्रोसियम विकसित किया है और विभिन्न स्थितियों में इसकी ओआरआर गतिविधि का अध्ययन किया है। हमारा उद्देश्य ओआरआर के लिए सीपी आधारित लेन्थेनम धातु की अभिक्रिया को जानना था, जैसा कि वर्तमान साहित्य सर्वेक्षण से पता चलता है कि इस पक्ष में डिस्प्रोसियम की खोज कभी नहीं की गई। इस प्रयास में ओआरआर में उत्प्रेरक गतिविधि को सुधारने के लिए विभिन्न अभितापन परिस्थितियां स्वीकार की गई हैं और अत्याधुनिक समर्थ सामग्री से उत्कृष्ट टिकाऊपन प्रदर्शित किया है।

अन्य परियोजनाएँ:

- अधिसंधारित्र अनुप्रयोग में कार्बनिक जेल आधारित आयरन और अनुप्रयोग
- एनैन्टिओ चयनित जेल रचना और निपातन: काइरल पहचान के लिए क्षैतिज

परियोजना अन्वेषक: डॉ. बालाकृष्णन

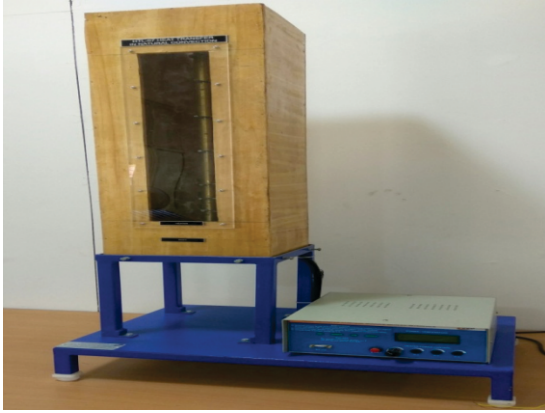
उपकरण अनुप्रयोगों के लिए विशेष स्थल विकास और संरक्षित कार्बन नैनो ट्यूब (सीएनटी) का सूक्ष्म निर्माण

बड़े पैमाने पर सीवीडी विकास को प्राप्त करने के लिए सीएनटी विकास के आकृति निर्माण को सुधारा गया है। भा-अश्मलेखन में कण क्षेपित उत्प्रेरक कणों द्वारा विशेष स्थल सीएनटी विकास का संचालन किया जा चुका है। इसके साथ टेम्पलेट अवस्तर का उपयोग करते हुये विशेष स्थल विकास प्राप्त करने और इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी पर कार्य आरम्भिक अवस्था में है।

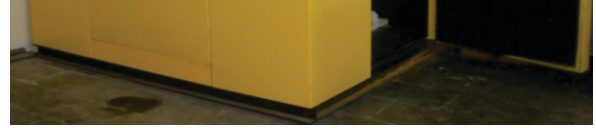
अन्य परियोजनाएँ: उच्च तनाव दर अवरोधक कवच अनुप्रयोगों के लिए प्रावस्था परिवर्तन वाले सूक्ष्म यौगिकों की जाँच आयोजित अंशकालिक पाठ्यक्रम / कार्यशाला

- सीमित अवयव विधि (एफईएम-2016) पर दिनांक 25 जुलाई से 28, 2016 के दौरान अंश कालिक पाठ्यक्रम।
- कुशल सामग्री और संरचनाओं (एसएमएस-2016) पर दिनांक 29 जुलाई, 2016 के दौरान कार्यशाला।
- भा.प्रौ.सं. मण्डी में एनआईडीएम द्वारा "भू-स्खलन नियंत्रकता और भू-पर्यावरणात्मक मामलों के लिए जैव-अभियांत्रिक मापन" पर आयोजित दिनांक 7 फरवरी से 9, 2017 तक 3 दिवसीय कार्यशाला।

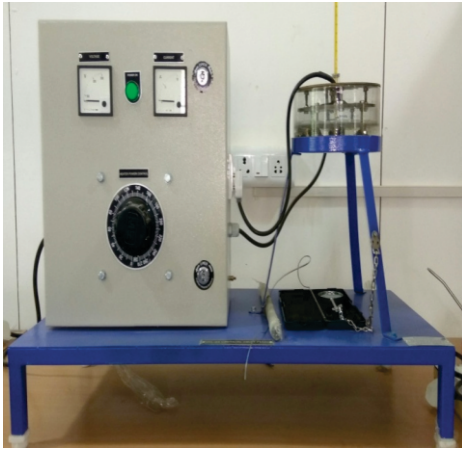
नवीकरणीय ईंधन और आईसी इंजन प्रयोगशाला में स्थापित कुछ महत्त्वपूर्ण उपकरण



प्राकृतिक ऊष्मा स्थानान्तरण



व्यापक रव युक्त विकसित ध्वनिक अंतर्वेश (अप्रतिध्वनिक कक्ष का छोटा रूपान्तरण) – एसपीएल 20 डीबीए। यह भा.प्रौ.सं. मण्डी के सहयोग से बनाया गया।



क्रांतिक ऊष्मा प्रवाह का पता करने के लिए प्रयोगात्मक ढांचा



नवीकरणीय ईंधन में स्थापित क्षणिक एसीशक्तिमापी



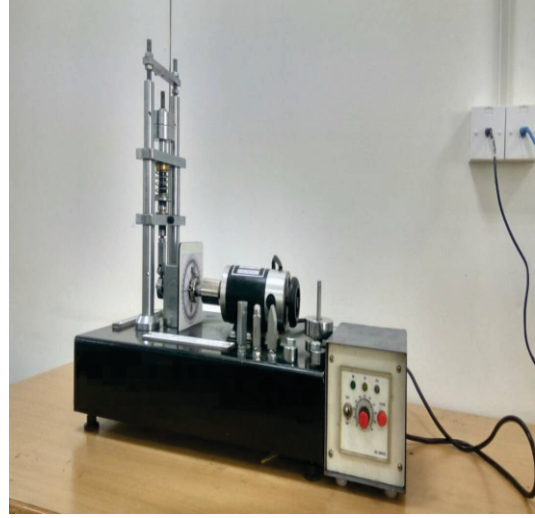
डी33 पाइजोमीटर प्रणाली



यूवी-दृश्य वर्णक्रम प्रकाश मापी



अधिचक्रीय गियर ट्रेन उपकरण



रीबाउंड हम्मीर कैम फॉलोवर एनालाईजर



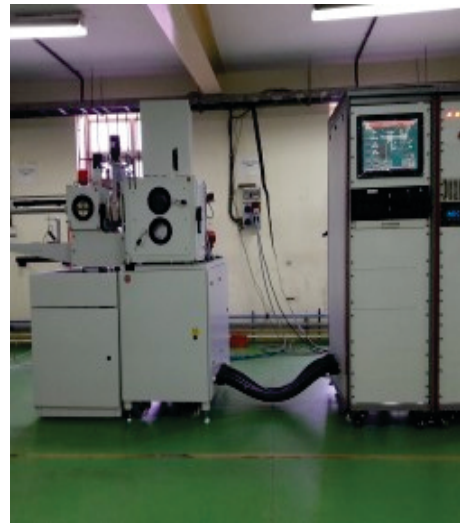
स्वचालित विकेट उपकरण



मफफल भट्टी



आद्रता कक्ष



कण क्षेपण प्रणाली

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. सी.के. सुशील, राजीव कुमार, विशाल एस. चौहान, (2016): "अंतरिक्ष एन्टीना परावर्तकों का आकार और कम्पन्स नियंत्रण अन्वेषण"। कुशल सामग्री और संरचनाएँ 25, 125018–125035।
2. सी.के. सुशील, राजीव कुमार, विशाल एस. चौहान, (2017), नॉनलाइनर वाइब्रेशन एनालायसिस ऑफ पाइजोलैमिनेटिड फंक्शनली ग्रेडीड सीलिंड्रीकल शैल. इंटर. जे. ऑफ नॉनलाइनर डायनेमिक्स एण्ड कंट्रोल 1, 1, 27–50।
3. अंशुल शर्मा, सी.के. सुशील, अनुरुद्ध कुमार, राजीव कुमार (2016): "स्मार्ट डेम्पिंग ऑफ फंक्शनली ग्रेडीड नैनोट्यूब रेनफोर्सड कम्पोजिट रीएक्टैंगुलर प्लेट्स"। कम्पोजिट स्ट्रक्चरज, 155, 29–44।
4. अनमोल कोठारी, विशाल एस. चौहान, अशोक मिश्रा, सैयद अब्बास और राजीव कुमार, "धातुओं और मिश्रधातुओं का थ्रीड बिन्दू से ऊपर प्लास्टिक विकृति के दौरान विद्युत चुम्बकीय विकिरण पर तनाव की कठोरता का प्रभाव", अरैखिकीय गतिकी भाग 85 (4), पृष्ठ 2687–2704; (2016), अन्वेषण की दिनांक 10. 1007 / एस11071–016–2855–5, आई.एफ. 3.0।
5. अंशुल शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश और विशाल एस. चौहान (2016): "तापमान संचालन की व्यापक सीमा पर सक्रिय तरंग नियंत्रण का प्रयोगात्मक और सांख्यिकीय अन्वेषण"। कुशल सामग्री प्रणालियाँ और संरचनाएँ, 27 (13), 1846–1860।
6. अमोघ अमलादि, ध्रुव वशिष्ठ, हेमन्त कुमार, अतुल धर, ओम प्रकाश सिंह; उत्प्रेरक परिवर्तक के उत्तम तापन और दोबारा दाब नियंत्रण के लिए ईजन निकास प्रणाली का डिजाइन, जेईईएस भाग 2, पृष्ठ 64–68।
7. अविनाश कुमार अग्रवाल, अतुल धर, अनिरुद्ध गौतम, अशोक पाण्डे; "रेल ईजन और रेल मार्ग परिवहन प्रौद्योगिकी, चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ" नामक प्रस्तुति में "रेल ईजन और रेल मार्ग परिवहन का परिचय"। पृष्ठ 27–40, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड. द्वारा 2017 में प्रकाशित।
8. गौरव त्रिपाठी, अतुल धर; "रेल ईजन और रेल मार्ग परिवहन प्रौद्योगिकी, चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ" नामक प्रस्तुति में "डीजल रेल ईजन के लिए निकास ताप वसूली विकल्प", पृष्ठ 3 –7, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड. द्वारा 2017 में प्रकाशित।
9. अविनाश कुमार अग्रवाल, अतुल धर, अनिरुद्ध गौतम, अशोक पाण्डे (सम्पादक); "रेल ईजन और रेल मार्ग परिवहन प्रौद्योगिकी, चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ", स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड. द्वारा 2017 में प्रकाशित।
10. प्रीति गुलिया, अर्पण गुप्ता: "ध्वनिक स्फटिक के माध्यम से ध्वनिक लहर संचरण का सीमित तत्त्व अध्ययन"। अरैखिक अध्ययन 03 / 2017; 24 (1): 2017।
11. सार्थक नाग, अर्पण गुप्ता, अतुल धर, "प्रसारण कक्ष मफलर में समतल लहर विधि और सीमित तत्त्व विश्लेषण का उपयोग करते हुये ध्वनि क्षीणता"। अरैखिक अध्ययन 03 / 2017; 24 (1): 69–78।
12. मनिश कुमार भौर्य, मयंक सिंह राजपुत, अर्पण गुप्ता: धातु की प्लेट पर सीमित तत्त्व अनुरूपता का प्रभाव। प्रोसिडिया इंजिनियरिंग; 12 / 2016, अन्वेषण की दिनांक: 10.1016 / जे.प्रोंग 2016.12.009।
13. मयंक सिंह राजपुत, मनिश कुमार भौर्या, अर्पण गुप्ता: "पीएसजीटी आर्मी हेलमेट पर सीमित तत्त्व अनुरूपता का प्रभाव"। प्रोसिडिया इंजिनियरिंग; 12 / 2016, अन्वेषण की दिनांक: 10.1016 / जे.प्रोंग 2016.12.009।
14. एम. बिष्ट, एस. हैयरी, डी.वी. पाटिल; फ्लयूड फ्लो इन वाल ड्राइवन एन्क्लोजरज विद कोरुगेटिड बॉटम, कम्प्यूटरज एण्ड फ्लयूडज, भाग 152 (2017), 1–13।
15. गुप्ता एस., शुक्ला डी.पी., 2016, भूमि उपयोग निर्धारण/टसो मोरिरि झील की भूमि समाविष्ट गतिकी, भारत में रामसर स्थल, एन्वायरन मोनिट एसैस, 188: 700, 1–13।
16. थोईथोई एल., दुबे, सी.एस. नाईगथोजेम, पी.एस., शुक्ला, डी.पी सिंह, आर.पी. नेओरेम, एस.एस 2016 एसपीटी मान पर दिल्ली क्षेत्र आधारित द्रवीकरण सुग्राहिता मानचित्रण, भारत की भोगौलिक सोसाइटी की पत्रिका, 88 (2): 147–150।

17. शुक्ला, डी.पी., गुप्ता एस., दुबे, सी.एस. ठाकुर, एम. 2016, भू-स्खलन खतरा क्षेत्र और पूर्व कथन के लिए भू-अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी। नियंत्रक संवेदना के पर्यावरणात्मक अनुप्रयोग में अध्याय 10, आईएसबीएन 978-953-51-2443-6, <http://dx.doi.org/10.5772/62667>, पृष्ठ 281-308।
18. हिमांशु पाठक, अखिलेन्द्र सिंह, आईवी सिंह, "श्री डाइमैन्शनल क्वैसी -स्टेटिक इंटरफेसियल क्रैक ग्रोथ सिमुलेशनज इन थर्मो-मैकेनिकल एन्वायरनमेंट बाई कप्लड एफई-ईईजी अप्रोच", सैद्धांतिक और प्रयुक्त यांत्रिकी (एलिसवियर, एससीआई इंडैक्स), भाग 86, पार्ट बी, पृष्ठ 267-283, 2016 (इम्पैक्ट फैक्टर: 2.025)।
19. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तल्हा: "आरम्भिक ज्योमितीय अपूर्णता सहित प्रवणता प्लेट की कम्पन्न प्रतिक्रिया के लिए नोन पोलिनोमीयल आधारित उच्च क्रम अपरूपण और सामान्य विकृति सिद्धांत का निर्धारण"। कम्पोजिट पार्ट बी, 107:141-161 (2016)। अन्वेषण की दिनांक: 10.1016/j.compositesb.2016.09.071
20. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तल्हा, बी.एन. सिंह; "उच्च क्रम अपरूपण विकृति सिद्धांत का प्रयोग करते हुये विभिन्न सीमा अवरोधों सहित कार्यात्मक क्रमिक सामग्री प्लेट के कम्पन्न का चरित्रण"। कम्पोजिट पार्ट बी, 94: 64-74 (2016)। अन्वेषण की दिनांक: 10.1016/j.compositesb.2016.03.006।
21. अंकित गुप्ता, मोहम्मद तल्हा, विरेन्द्र कुमार चौधरी, "सीमित अवयव विधि का प्रयोग करते हुए इलास्टिक नींव पर निर्भर कार्यात्मक क्रमिक प्लेटों की प्राकृतिक आवृत्ति"। प्रोसीडिया प्रौद्योगिकी, 23:163-170 (2016)। अन्वेषण की दिनांक: 10.1016/j.protcy.2016.03.013
22. विरेन्द्र कुमार चौधरी, अंकित गुप्ता, मोहम्मद तल्हा: "सीमित अवयव विधि का प्रयोग करते हुए अपरूपण विरूप्य कार्यात्मक क्रमिक प्लेट की अरैखिक कम्पन्न प्रतिक्रिया"। 23: 201-208 (2016)। अन्वेषण की दिनांक: 10.1016/j.protcy.2016.03.018
23. पुनित कुमार, पी. अनिल किशन और अतुल धर, "CH₄-H₂ पूर्व मिश्रित दहन में ज्वाला गति पर दबाव और तापमान प्रभाव का सांख्यिकीय अन्वेषण"। हाईड्रोजन ऊर्जा की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, भाग 41, 2016, 9644-9652।
24. हिम्मत सिंह कुशवाहा, परमानन्दम थोमस, राहुल वैश, "TeO₂ आधारित अर्धकुचालक ग्लास सिरामिक्स में दृश्य प्रकाश परिचालित बहु कार्यात्मक प्रकाश उत्प्रेरण"। जे. फोटोन. एनर्जी, 7 (1), 016502 (2017)।
25. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान, नियाज़ अहमद मधर, बोरेओई ईलाही, राहुल वैश, "खंडित पिरामिड रूपित Ba_{0.67}Sr_{0.33}TiO₃ लौह विद्युतीय सामग्री में फ्लैक्सो विद्युतीय प्रेरित कैलोरिक प्रभाव"। जे. इलै. मेटर 7,5362 (2017)।
26. मोनिशा रस्तोगी, आदित्य निगम, हिम्मत सिंह कुशवाहा, रामचन्द्रन वसन्त कुमार और राहुल वैश, "प्रकाश उत्प्रेरण के लिए सिलिका मेट्रिक्स में चयनित रूप से अवक्षेपित लिथियम नायोबेट माइक्रोक्रीस्टल में लौह विद्युत के लाभ उठाना"। प्रयुक्त भौतिक विज्ञान पत्र 109,223901 (2016)।
27. सत्यनारायण पटेल और राहुल वैश, "Ba_{0.85}Ca_{0.075}Sr_{0.075}(Ti_{0.90}Zr_{0.10})O₃ सिरामिक्स का सिंटरण तापमान प्रभाव और रहने का समय निर्भर गतिक शैथिल्य मापन व्यवहार"। 505(1), 52(2016)।
28. मोनिशा रस्तोगी और राहुल वैश, "प्रकाश उत्प्रेरक पूरक के साथ प्रबलित पोर्टलैण्ड सीमेन्ट सन्मिश्र के माध्यम से दृश्य प्रकाश प्रेरित जल निराविषीकरण: TiO₂ से उछाल" भवन सामग्री निर्माण। 120, 364(2016)।
29. सर्जरी लिस्नकोव, रायन हर्चिंग, सत्यनारायण पटेल, राहुल वैश, जोसेफ कुज़ो और इन्ना पोनोमारीवा, "कार्बन नैनो ट्यूब और ग्राफीन में इलास्टोकेलोरिक प्रभाव"। नैनो लैट. 16 (11), 7008 (2016)।
30. विश्रुत शाह, राजीव कुमार, मोहम्मद तल्हा और राहुल वैश, "द्विस्थितिक ऊर्जा हार्वेस्टर के लिए दाब विद्युत सामग्री: एक तुलनात्मक अध्ययन" इंटीग्रेटेड फेरोइलैक्ट्रिक्स। 176, 73(2016)।
31. अनुरुद्ध कुमार, अंशुल शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश और सी.आर. बोवन, "ध्वनि दबाव के लिए ध्वनिक ऊर्जा संलवन में K_{0.5}Na_{0.5}NbO₃-LiSbO₃-CaTiO₃ सिरामिक्स का प्रदर्शन" 504 (1), 149(2016)।
32. एस. पटेल और आर. वैश, "सिंटरण तापमान का प्रभाव और इलैक्ट्रोकेलोरिक पर टिकने का समय तथा Ba_{0.85}Ca_{0.075}Sr_{0.075}(Ti_{0.90}Zr_{0.10})O₃ सिरामिक्स के लौह विद्युत गुण"। फेरोइलैक्ट्रिक्स। 505,

- 52(2016)।
33. मोनिशा रस्तोगी, हिम्मत कुशवाहा, सी. बोवन और राहुल वैश, "BaTiO₃ –ग्राफीन अति सूक्ष्म सम्मिश्रों के संयोजन में प्रयोगात्मक अन्वेषणों के साथ संशोधित उत्प्रेरक निष्पादन में प्रथम सिद्धांतों की परख"। अर्धकुचालक प्रक्रम में सामग्री विज्ञान। 51, 33 (2016)।
 34. ए. कोठारी, ए. कुमार, एस. अब्बास, आर. कुमार, आर. वैश, वी.एस. चौहान, "प्रगतिशील प्लास्टिक अपरूपण के दौरान धातुओं और मिश्रधातुओं में ईएमआर उत्सर्जन पर पेरील्ज दबाव का प्रभाव और तनाव कठोरता पैरामीटर"। इन्ट. जे. मेटर. रीज. 107(6), 503 (2016)।
 35. मनिश वैश, एम. शर्मा, आर. वैश, वी.एस. चौहान, "ताप विद्युत सिरामिक्स का प्रयोग करते हुए गर्म/ठण्डी हवा से संधारित्र और बैटरी चार्ज करना"। इंटिग्रेटेड फेरोइलैक्ट्रिक्स। 176, 160(2016)।
 36. सत्यनारायण पटेल, ए. चौहान, जोसेफ कुओज़ो, सर्जी लिस्नकोव, इन्ना पानोमारीवा, राहुल वैश, "बेरियम स्ट्रॉंटियम टाइटेनेट में ताप-परावैद्युत और फ्लेक्सोकैलोरिक प्रभाव: प्रथम सिद्धांत दृष्टिकोण" प्रयुक्त भौतिक विज्ञान पत्र 108, 162901(2016)।
 37. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान और राहुल वैश, "ठोस अवस्था प्रशीतन के लिए व्यापक तापमान निश्चर और परिवर्तित बेरियम टाइटेनेट का विद्युत कैलोरिक निष्पादन"। ऊर्जा प्रौद्योगिकी। 4, 1097 (2016)।
 38. वी. सिंह, सत्यनारायण पटेल, राहुल वैश, "(SrxBa1-x) Nb2O6 सिरामिक्स का मिश्रण आधारित इलैक्ट्रो-कैलोरिक व्यवहार"। इंटिग्रेटेड फेरोइलैक्ट्रिक्स। 168, 163 (2016)।
 39. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान और राहुल वैश, "लेड जिंकोनेट टाइटेनेट सिरामिक्स में इलास्टोकैलोरिक और ताप कैलोरिक प्रभाव"। ऊर्जा प्रौद्योगिकी, 4(5), 647(2016)।
 40. सत्यनारायण पटेल, परीक्षित शर्मा और राहुल वैश, "Ba_{0.85}Ca_{0.15}Zr_{0.1}Ti_{0.9-x}Sn_xO₃ लौह विद्युत सिरामिक्स में प्रवर्धित इलैक्ट्रो-कैलोरिक प्रभाव"। 89(11), 1062(2016)।
 41. एस. पटेल, ए. चौहान और आर. वैश, "ठोस अवस्था प्रशीतन के लिए लौह विद्युत सामग्री में विद्युत क्षेत्र परिचालित कैलोरिक प्रभाव"। ऊर्जा प्रौद्योगिकी 4, 417(2016)।
 42. एम. शर्मा, वी.एस. चौहान और आर. वैश, "ताप विद्युत ट्राइग्लिसीन सल्फेट (टीजीएस) आधारित सौर ऊर्जा उत्सर्जन प्रणाली का ऊर्जा विश्लेषण पर सांख्यिकीय अन्वेषण"। मेटिरीयल्स रीसर्च एक्सप्रेस 3(2), 025501(2016)।
 43. एम. शर्मा, वी.एस. चौहान और आर. वैश, "ताप विद्युत ऊर्जा उत्सर्जन उपकरणों के लिए अंकों की मेरिट का विकास"। ऊर्जा प्रौद्योगिकी 4 (7), 843 (2016)।
 44. जी. वत्स, एस. पटेल, आर. वैश, "लौह विद्युत सिरामिक्स का प्रयोग करते हुए थर्मल और कम्पन्न चक्रिय ऊर्जा उत्सर्जन में अंतर्दृष्टि"। इंटिग्रेटेड फेरोइलैक्ट्रिक्स 168(1), 69 (2016)।
 45. जी.एस. थूल, के. नारायणस्वामी, "नया डाइकेटोपाइरोलोपाइरोल आधारित जेल का उच्च दिशात्मक 1 डी-अधिआण्विक जमाव"। लैंगमुइर 2016, 32, 4346।
 46. जी.डे.एम. वेनासिवारालु, वी. विवेकानाथन, पी. प्रमाणिक, वी. कृष्णन, आर.आर. कोडार, "जैव प्रेरित कार्बनिक-अकार्बनिक समूह उपयोग के माध्यम से Cr³⁺ का सब-पिकोमोलर रिकोग्निशन"। एसीएस संवेदक 2016, 1, 663-669।
 47. चटर्जी यू. पत्रा एस., बुटोला बी.एस. और जोशी एम. (2017), "मॉडल एरोस्टेट लेप के सेवाकाल पूर्व कथन पर एक व्यवस्थित दृष्टिकोण"। एलिसवीयर, पोलिमर टेस्टिंग, 60, 18-29, एससीआई और एससीओपीयूस इंडैक्स ड। इम्पैक्ट फैक्टर 2.412।
 48. सोहन लाल और सुधीर के. पाण्डे, "ज्योमीतिय विफल ZnV₂O₄ यौगिक की इलैक्ट्रॉनिक और चुम्बकीय क्षेत्र अवस्था के पूर्वानुमान में अबाधित LSDA+U गणना की सीमाएँ"। जे. मेग्न. मेग्न. मेटर 412, 23(2016)।
 49. एस. सुन्दर, एस. बानिक, एल.एस. शारथ चन्द्रा, एम.के. चट्टोपाध्याय, टी. गांगुली, जी.एस. लोधा, सुधीर के. पाण्डे,

- डी.एम. फेज और एस. बी. रॉय, "Mo1-zRex मिश्रधातुओं का अनुनाद फोटोएमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी के माध्यम से इलैक्ट्रॉनिक संरचना अध्ययन" जे. फिजी.: कन्डेन्स मेटर 28, 315502 (2016)।
50. एल. एस. शारथ चन्द्र, एम. के. चट्टोपाध्याय, एस.बी. रॉय और सुधीर के. पाण्डे, "अधिकुचालक गरमेनाइड स्कट्रडिटीज LaPt4Ge12 और PrPt4Ge 12 के थर्मल गुण इलैक्ट्रॉनिक संरचना: एक बहु बंध संदर्श" फिलोस. मेग. 96,2161(2016)।
51. सौरभ सिंह, आर.के. मौर्य और सुधीर के. पाण्डे, "उच्च तापमान पर ZnV2O4 यौगिक के ताप विद्युत गुणों की खोज"। जे. फिजी. डी: प्रयुक्त भौतिक विज्ञान 49, 425601 (2016)।
52. सौरभ सिंह और सुधीर के. पाण्डे, "उच्च तापीय विद्युत गुणों को समझने में ताप निर्भरता ऊर्जा की दूरी का महत्त्व"। मेट रीज एक्सप्रेस 3, 105501 (2016)।
53. सोहन लाल और सुधीर के. पाण्डे मेटर. रीज एक्सप्रेस, AV2O4 और ACr2O4 (A=Zn, Mg और Cd) यौगिकों में द्विसमलम्बाक्ष विकृति के लिए घनाकृति उत्प्रेरण में आयनी आकार की भूमिका"। मेट रीज एक्सप्रेस 3, 116301 (2016)।
54. सोहन लाल और सुधीर के. पाण्डे, "ज्योमितीय विफल वेनाडियम स्पिनेल के चुम्बकीय गुणों के अन्वेषण में कक्षीय स्थितियों की स्वतंत्रता की भूमिका"। कम्प्यूट. मेटर. साई. 126, 373 (2017)।
55. सौरभ सिंह और सुधीर के. पाण्डे, "LaCO3 यौगिक के ताप विद्युत गुणों की जानकारी"। फिलोस. मेग. 97, 451(2017)।
56. आशुतोष पटेल और सुधीर के. पाण्डे, "LaCO3 यौगिक के ताप विद्युत गुणों की जानकारी"। रीव. साई. इन्स्ट्रुम. 88, 015107 (2017)।
57. सोहन लाल और सुधीर के. पाण्डे, "ACr2O4(A=Zn,Mg,Cd और Hg) यौगिकों का चुम्बकीय व्यवहार समझने के लिए आबाधित DFT+U दृष्टिकोण"। विज्ञान पत्र, ए 381, 917 (2017)।
58. सौरभ सिंह, देवेन्द्र कुमार और सुधीर के पाण्डे, "तेजी से सह सम्बन्धित प्रणाली La0.75Ba0.25CoO3 का उच्च तापमान पर ताप विद्युत व्यवहार समझने में तापमान आश्रित प्रकीर्णन समय की महत्त्वपूर्ण भूमिका"। जे. फिजी.: कन्डेस मेटर 29, 105601(2017)।
59. कुमार गौरव और सुधीर के. पाण्डे, "विभिन्न ताप विद्युत सामग्रियों की उपलब्धता के अन्वेषण में ताप विद्युत जनित्र की दक्षता गणना"। जे. रीन्यू सस्टेन एनर. 9, 014701 (2017)।
60. सौरभ सिंह और सुधीर के. पाण्डे, "उच्च ताप क्षेत्र में जैबेक गुणांक मापन के लिए साधारण उपकरण का निर्माण" मापन 102, 26 (2017)।
61. सोहन लाल और सुधीर के. पाण्डे, "घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत और गतिक मुख्य क्षेत्र सिद्धांत का प्रयोग करते हुए वेनाडियम स्पिनेल का इलैक्ट्रॉनिक संरचना अध्ययन"। ईपीएल 117, 37002 (2017)।
62. सुमीत कुमार शर्मा, विशाल एस. चौहान और अमित कुमार, "सम्पर्कहीन संवेदन अनुप्रयोगों के लिए लौह विद्युत सीरामिक्स में विद्युत चुम्बकीय विकीरण का पता करना"। मिश्रधातुओं और यौगिकों की पत्रिका, भाग 662, 534–540, 2016।
63. एम. चावला, वीरेन्द्र शर्मा, जे.के. रन्धावा, "नोन एन्जाइमेटिक ग्लूकोज जैव संवेदन विद्युत उत्प्रेरण पर CuO अतिसूक्ष्म संरचनाओं का सुगम एक घट संश्लेषण और उनका प्रभाव"। अक्टूबर 2016, अन्वेषण की दिनांक 10. 1007/एस12678–016–0337।
64. स्वामी डी. शर्मा ए., शर्मा पी.के. और शुक्ला, डी.पी. (2016); "स्तरित छिद्रित माध्यम से क्रियात्मक विलेय पारवहन के लिए विभिन्न माप निर्भर परिक्षेपकताओं के पूर्वानुमान की उपलब्धता"। चट्टान यांत्रिकी और भू-तकनीकी अभियांत्रिकी पत्रिका, 8(6), 921–927।
65. स्वामी डी. शर्मा, पी.के. और ओझा, सी.एस.पी. (2016); "क्रियाहीन विलेय के भार स्थानान्तरण गुणांक का वेग, दूरी

और फैलाव सहित व्यवहारिक अध्ययन" | 143(1), 04016076 |

66. शर्मा पी.के. शुक्ला, एस.के. चौधरी, आर. और स्वामी डी.(2016); "चल-अचल भूमि स्तम्भ प्रयोग में विलेय परिवहन के लिए रूपांकन" | आई.एस.एच. जर्नल ऑफ हाईड्रोलिक इंजीनियरिंग, 22(2), 204-211 |
67. देविन्द्र सिंह, सी.एस. यादव, बी. विश्वनाथ, "VO₂ माइक्रो क्रिस्टल में सर्वत्र धातु रोधी संक्रमण चुम्बक प्रतिरोध" | मटेरियल्स लैटर्ज, 196, 248-251(2017) |
68. देविन्द्र सिंह, बी. विश्वनाथ, "VO₂ सूक्ष्म किरणपुजों में समकालीन रोधक और धात्विक क्षेत्रों का स्थानस्थ अति सूक्ष्म यांत्रिकीय व्यवहार" | 52(10), 5589-5599 (2017) |
69. पवन कुमार, बी. विश्वनाथ, "हाइड्रोजन विकास क्रिया, एसीएस क्रिस्टल वृद्धि और डिजाइन के लिए Si अवस्तर पर उच्च पदीय घनत्व सहित MOS₂ की आण्विक शिरा निक्षेप नियंत्रित सीवीडी वृद्धि" | 16(12), 7145-7154 (2016) |
70. बी. विश्वनाथ, मोस्तफा बीडवाइ, ईरिक मेशोट, सीबेस्टियन पेटिटन्सन दमित्रि ज़ाखेरोव, ईरिक स्टैच, ए. जॉन हार्ट, "कार्बन नैनो ट्यूब संख्या वृद्धि में स्वतः प्रबन्धन का सही समय टीईएम निरीक्षण और यांत्रिकीय स्पर्धा" | एसीएस नैनो, 10 (12), 11496-11504 (2016) |

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं में उपस्थिति

1. प्रीति गुलिया, अर्पण गुप्ता: स्थानीय अनुनादक आवधिक संरचनाओं का तुलनात्मक अध्ययन। डिजाइन और IConDM16 के निर्माण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईआईटी कांचीपुरम; 12 / 2016 |
2. प्रीति गुलिया, अर्पण गुप्ता: आवधिक रूप से व्यवस्थित पेड़ों द्वारा यातायात शोर नियंत्रण। पर्यावरणात्मक संधारणीयता में आधुनिक परम्परा और विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आरटीडीईएस), एनआईटीटीआर चण्डीगढ़; 05 / 2016 |
3. ओ. हेनरिच, टी. क्रुंगर, आर. डब्ल्यू नैश, डी.वी. पाटिल, के. स्ट्रेटफोर्ड। एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में द्रव गतिकी के विविक्त अनुकार पर 24वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सम्पादित, विशेष संस्करण: जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल साइंस, भाग 17, पार्ट 2, (2016), 307-308 |

आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में आधारभूत विज्ञान स्कूल गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान के विषयों का समूह है। इस स्कूल में 35 प्राध्यापक हैं, जिन्हें समकालीन अनुसंधान के क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है। स्कूल ने वर्ष 2010 में पीएच.डी. कार्यक्रम प्रारम्भ किया। वर्तमान में 120 अनुसंधान छात्र विभिन्न विषयों के अनुसंधान कार्य में प्रवेशित हैं। स्कूल का उद्देश्य अनुसंधान एवम् शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये निर्विघ्न व्यवस्था करना है, जिसकी विश्वस्तरीय पहचान हो। स्कूल ने वर्ष 2014 से कार्बनिक रसायन विज्ञान, अकार्बनिक रसायन विज्ञान, भौतिक रसायन विज्ञान तथा लघु विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता वाले रसायन विज्ञान स्नातक कार्यक्रम आरम्भ किये हैं। वर्तमान में इस विशेष कार्यक्रम में 46 छात्र हैं। आधार विज्ञान स्कूल ने वर्ष 2015 से इंटीग्रेटेड पी.एच.डी. कार्यक्रम भी आरम्भ किया है, जिसमें अब तक 12 छात्र प्रवेशित हैं। वर्ष 2016 में एम.एससी. गणित और एम.टैक. कार्यक्रम आरम्भ किये हैं, जिसमें अब तक क्रमशः 11 और 8 छात्र प्रवेशित हैं। स्कूल के प्राध्यापक विभिन्न शोध परियोजनाओं पर अपने अभियांत्रिक साथियों के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

प्राध्यापक

डॉ. प्रसान्थ पी. जोस

अध्यक्ष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: कोमल संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एच.डी. (2005)

गृह नगर: पालाक्कड, केरल

दूरभाष: 01905-267064

ई-मेल: prasanth

अध्यक्ष का ई-मेल: chairsbs

डॉ. अजय सोनी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री तथा प्रयोगात्मक

सघन पदार्थ भौतिक विज्ञान

वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-
डीएई संघ इन्दौर से पी.एच.डी. (2009)

दूरभाष: 01905-267135

ई-मेल: ajay

डॉ. अमित प्रसाद

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रतिरक्षाविज्ञान/सूक्ष्म जैविकी

संजय गान्धी स्नातकोत्तर चिकित्सा

विज्ञान संस्थान, लखनऊ से पी.एच.डी. (2008)

गृह नगर: रांची, झारखण्ड

दूरभाष: 01905-267136

ई-मेल: amitprasad

डॉ. आरती कभयप

सहायक प्राध्यापिका (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री

भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एच.डी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

डॉ. अदिति हल्दर

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: नवीकरण ऊर्जा, सूक्ष्म

इलैक्ट्रॉनिक्स तथा संवेदक के उपयोग के

लिए नयी कार्यात्मक सूक्ष्म सामग्री का

प्रारूप तथा विकास

भारतीय विज्ञान संस्थान से 2009 में पी.एच.डी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267140

ई-मेल: aditi

डॉ. अमित जायसवाल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी

भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एच.डी. (2013)

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267137

ई-मेल: j.amit

डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सैद्धांतिक रसायन विज्ञान

भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से

पी.एच.डी. (2005)

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267145

ई-मेल: achakraborty

डॉ. बिन्दु राघामणि

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीके

यूजीसी-डीएई, वैज्ञानिक अनुसंधान संघ

इन्दौर से पी.एच.डी. (2005)

दूरभाष: 01905-267042
ई-मेल: arti

डॉ. चयन के. नन्दी

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भौतिकी रसायन विज्ञान
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से
पी.एच.डी. (2006)
गृह नगर: सारंगपुर, पश्चिम बंगाल
दूरभाष: 01905-267047
ई-मेल: chayan

डॉ. हरि वर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: परमाणु और आण्विक भौतिक विज्ञान
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से
पी.एच.डी. (2008) यूजीसी-डीएई,
गृह नगर: कोची, केरल
दूरभाष: 01905-267064
ई-मेल: hari

प्रा. केन्थ गोन्सेल्वज

विशिष्ट अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सामग्री संश्लेषण
मैस्साचुसैट्स विश्वविद्यालय,
एम्पहैस्टर से पी.एच.डी.
गृह नगर: चारलोट्ट, एनसी, यूएसए
दूरभाष: 01905-237976
ई-मेल: Kenneth

डॉ. मुस्लिम मलिक

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से
पी.एच.डी. (2006)
गृह नगर: बलरामपुर, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267119
ई-मेल: muslim

डॉ. प्रदीप कुमार

अभ्यागत सहायक प्राध्यापक (डीएसटी के तहत)
विशेषज्ञता: रमण और अनारक्त स्पेक्ट्रोमिकी
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एच.डी. (2014)
गृह नगर: रोहतक, हरियाणा

गृह नगर: कोल्लम, केरल
दूरभाष: 01905-267060
ई-मेल: bindu

डॉ. सी.एस. यादव

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: निम्न तापीय भौतिक विज्ञान
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से
पी.एच.डी. (2008)
दूरभाष: 01905-267135
ई-मेल: shekhar

डॉ. कौस्तव मुखर्जी

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: प्रयोगात्मक संघनित पदार्थ
भौतिक विज्ञान
वैज्ञानिक अनुसंधान संघ
से पी.एच.डी. (2008)
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267043
ई-मेल: kaustav

डॉ. मनोज ठाकुर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: अनुकूलन, कोमल अभिकलन,
मशीन अधिगम और अभिकलनात्मक
वित्त हेतु इसका प्रयोग
भा.प्रौ.सं. रूड़की से पी.एच.डी. (2007)
गृह नगर: रूड़की, उत्तराखण्ड
दूरभाष: 01905-267154
ई-मेल: manoj

डॉ. नीतु कुमारी

सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण, गतिशील
व्यवस्थाएँ, अरैखिक गतिशीलता
भारतीय खान स्कूल धनबाद से
पी.एच.डी. (2009)
गृह नगर: धनबाद, झारखण्ड
दूरभाष: 01905-267057
ई-मेल: nitu

डॉ. प्रद्युमन कुमार पाठक

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: प्रमात्रा प्रकाशिकी, प्रमात्रा
सूचना और सूक्ष्म फोटोनिक्स
भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद से पी.

एचडी. दूरभाष: 01905-267152

ई-मेल: pkumar

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: अकार्बनिक / सामग्री / सूक्ष्म

रसायन विज्ञान

हैदराबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2006)

गृह नगर: वरावूर, ज़िला थिस्सुर, केरल

दूरभाष: 01905-237931 / 267045

ई-मेल: pradeep

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री रसायन विज्ञान

डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2003)

गृह नगर: थिरुवनन्तपुरम, केरल

दूरभाष: 01905-267040

ई-मेल: prem

डॉ. रजनीश गिरि

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: जैव भौतिकी और मुड़वां

प्रोटीन, स्वतः अव्यवस्थित प्रोटीन,

टी सेल कैंसर अभियांत्रिकी, प्रोटीन अभियांत्रिकी

सपेआइंजा विश्वविद्यालय रोम, ईटली से

पी.एचडी. (2013)

गृह नगर: इलाहाबाद

दूरभाष: 01905-267154

ई-मेल: rajanishgiri

डॉ. सरिता आज़ाद

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: सांख्यिकीय काल श्रेणी विश्लेषण

और भारतीय विज्ञान संस्थान

बंगलौर से पी.एचडी.

गृह नगर: नई दिल्ली

दूरभाष: 01905-267141

ई-मेल: sarita

डॉ. सुमन कल्याण पाल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: तीव्र और अति तीव्र लेसर स्पेक्ट्रोमिकी

विज्ञान संवर्धन के लिए भारतीय संघ, जादवपुर

से पी.एचडी. (2006)

गृह नगर: मथुरा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-267046

ई-मेल: ppathak

डॉ. प्रतिभा गर्ग

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: संस्थिति, अन्तरिक्ष कार्य,

माप सिद्धान्त

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पी.एचडी. (2007)

गृह नगर: शामली, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-267051

ई-मेल: pratibha

डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: आण्विक अन्तःस्राव विज्ञान और उपापचय

जीवन विज्ञान संस्थान भुबनेश्वर से पी.एचडी. (2008)

गृह नगर: बाबूनपुर, बुरदवान

दूरभाष: 01905-267135

ई-मेल: prosenjit

डॉ. राजेन्द्र के. रे

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: अभिकलनात्मक द्रव

गतिशीलता, पी.डी.ई. हेतु

सांख्यिक विधियाँ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से

पी.एच.डी. (2009)

गृह नगर: सैंथिया, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267041

ई-मेल: rajendra

डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: जीव विज्ञान उपापचय प्रणाली दिल्ली विश्वविद्यालय

(फलुक्सोमिक्स और मेटाबोलिक्स),

वनस्पति और सूक्ष्मजीवी उपापचय,

एनएमआर और जीसी-एमएस.

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय यू.के. से पी.एचडी. (2012)

गृह नगर: रायगडा, उड़ीसा

दूरभाष: 01905-267147

ई-मेल: shyam

डॉ. सुब्रता घोष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन शास्त्र में

भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एचडी. (2006)

गृह नगर: बोलपुर-शान्तिनिकेतन,

गृह नगर: कटवा, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267040

ई-मेल: suman

डॉ. सैयद अब्बास

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण और

पारिस्थितिक प्रतिरूपण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से

पी.एचडी. (2009)

गृह नगर: गोंडा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-267148

ई-मेल: abbas

डॉ. वैकटा कृष्णन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सामग्री रसायन, एक्स-रे विज्ञान,

स्टुटगार्ट, विश्वविद्यालय जर्मनी से पी.एचडी. (2006)

गृह नगर: कोयम्बटोर, तमिलनाडु

दूरभाष: 01905-267065

ई-मेल: vkn

डॉ. नेहा गर्ग

डीएसटी इन्सपायर प्राध्यापक सहयोगी

दिनांक 31 जुलाई 2016 तक

रामानुजन फेलो, दिनांक 1 अगस्त, 2016 से

अब तक

विशेषज्ञता: कैंसर जीव विज्ञान, स्टेम सेल

स्पेंजिया विश्वविद्यालय रोम, ईटली से

पी.एचडी. (2013) गृह नगर: दिल्ली

दूरभाष: 01905-267155

ई-मेल: neha

पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267065

ई-मेल: subrata

डॉ. तुलिका प्रकाश श्रीवास्तव

सहायक प्राध्यापिका (रामालिंगास्वामी

सहयोगी, डीबीटी)

विशेषज्ञता: जैव सूचना विज्ञान, जैव

प्रणाली, मेटाजीनोमिक्स, तुलनात्मक

जीनोमिक्स, प्रोटीन फलन और

संरचनात्मक विश्लेषण

आईजीआईबी, सीएसआईआर, दिल्ली से

पी.एचडी. (2005) गृह नगर: दिल्ली

दूरभाष: 01905-237922 ई-मेल: tulika

डॉ. अभिमन्यु धीर

डीएसटी-इन्सपायर सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: अधिआण्विक रसायन विज्ञान

गुरुनानक देव विश्वविद्यालय से पी.एचडी.

गृह नगर: जालन्धर, पंजाब

दूरभाष: 01905-267144

ई-मेल: abhimanew

पोस्ट डॉक्टरेट सहभागी

डॉ. राजेश छेबोलु

आधार विज्ञान स्कूल में शोधोत्तर सहयोगी

(पीडीएफ)

विशेषज्ञता: कार्बनिक संश्लेषण

चिकित्सीय रसायन शास्त्र में पीएच.डी.,

एनआईपीआईआर, एसएस नगर मोहाली

ई-मेल: rajeshchebolu

अनुसंधान परियोजनाएँ

बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रायोजित कम्पनी	परियोजना अन्वेषक और समन्वयक	स्वीकृत राशि (रु.)	अवधि
1	आंशिक भिन्नात्मक क्रम समीकरणों का अनुप्रयोगों सहित अध्ययन	डीएसटी	डॉ. सैयद अब्बास	6,41,000	3 वर्ष
2	काल वियोजित एकल अणु फोरस्टर प्रतिध्वनि ऊर्जा स्थानान्तरण की सहायता से आण्विक चेपरोन व्यवहित प्रोटीन बलन	डीबीटी	प.अ. डॉ. चयन कांति नन्दी	69,58,200	3 वर्ष
3	अधि-आण्विक उच्च ऊर्जा यौगिक: संश्लेषण, निरूपण और सैद्धान्तिक अध्ययन	डीआरडीओ	प.अ.: डॉ. सुब्रता घोष, स.प.: डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल, डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती	43,12,500	4.7 वर्ष
4	ऊर्जावान यौगिकों के क्रिस्टलीकरण के लिए नवीन मार्ग	एआरएमआरईबी, डीआरडीओ	प.अ.: डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल, स.प.: डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा, डॉ. प्रसांथ पी. जोस	68,48,006	4 वर्ष
5	टोस कृत्रिम पेप्टाइड का उपयोग करते हुये वास्तविक सूक्ष्म परिधियों का नियंत्रित निर्माण	डीएसटी	डॉ. वेंकटा कृष्णन	35,00,000	5 वर्ष
6	अभियांत्रिकी आण्विक जैविक ढांचे, स्फटिक संरचना और प्रकाश भौतिक गुण	डीएसटी	डॉ. अभिनव धीर	35,00,000	5 वर्ष
7	उच्चतर व्यवस्थित सघन परिमित अन्तर योजना के एक वर्ग का विकास और रेखीय उत्तराव प्रवाह के लिए इसका अनुप्रयोग	डीएसटी	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	13,32,000	3 वर्ष
8	मानव लघु जैव क्षेत्र की तलाश: प्री और प्रो जैविकी के लिए उम्मीदवारों का चयन	रामालिंगास्वामी पुनः प्रवेश सहभागिता -डीबीटी	डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा	82,00,000	5 वर्ष
9	नये कार्बनिक-अकार्बनिक संकरों का रेखांकन और विश्लेषण: कैंसर, सूक्ष्म जीवी और उत्तेजक चिकित्सीय एजेंट के रूप में दोहरा मूल्यांकन	डीएसटी	डॉ. पूजा, स.प.: डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन	27,72,000	3 वर्ष

10	विभिन्न अनिरन्तरताओं से युक्त दीर्घाकार समीकरणों के लिए उच्चतर क्रम सांख्यिकी योजनाओं का विकास और निमज्जित अंतरापृष्ठ समस्याओं में इनके अनुप्रयोग	एनबीएचएम (डीएई)	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	2,99,500	3 वर्ष
11	झीलों/नदियों में प्रदूषित अवसाद परिवहन की मॉडलिंग	बीआरएमएस (डीएई)	प.अ.: डॉ. राजेन्द्र कुमार रे, स.प.: डॉ. ओ.पी. सिंह	21,07,100	3 वर्ष
12	इलैक्ट्रॉनिक तरीके से संयुग्मित अति सूक्ष्म क्रिस्टल का संवाहक प्रजनन और उत्सर्जन	सीएसआईआर	डॉ. सुमन के. पाल	12,58,000	3 वर्ष
13	नये सौर साधनों के लिए मात्रा बिन्दु	डीएसटी-वीआर	डॉ. सुमन के. पाल, प्रा. टोनु पुल्लिरिट्स (लंड विश्वविद्यालय, स्वीडन)	40,27,000	3 वर्ष
14	यन्त्र प्रभावकता को सुधारने के लिए रासायनिक संरचना अभियांत्रिकी: नये जैविक बहुलक/सूक्ष्म अणुओं और फोटोवोल्टिक के लिए उनके अति सूक्ष्म घटक	एसईआरबी	डॉ. सुमन के. पाल, स. प. डॉ. सुब्रता घोष, डॉ. सी.के नन्दी, डॉ. सुरेश चन्द (एनपीएल), डॉ. राजीव कुमार सिंह (एनपीएल)	43,64,000	3 वर्ष
15	कुछ नवीन पारगमन धातु ऑक्साइड की इलैक्ट्रॉनिक संरचना पर विमीयता प्रभाव	यूजीसी-डीएई	डॉ. बिन्दु राधामनि	2,29,800	3 वर्ष
16	चालकोजीनाईड आधारित ऊष्मा विद्युत अतिसूक्ष्म यौगिकों के अध्ययन हेतु उच्च ऊष्मा विद्युत परिवहन उपायों का विकास	बीआरएनएस	डॉ. अजय सोनी	2,500,000	3 वर्ष
17	ऊष्मा विद्युत अनुप्रयोगों के लिए परतदार चालकोजीनाईड अति सूक्ष्म यौगिक	एसईआरबी	डॉ. अजय सोनी	2,600,000	3 वर्ष
18	प्रतिरक्षा अभिक्रियाशील कोशिकाओं पर टेनीया सोल्लम का प्रतिरक्षा-मॉडुलक प्रभाव और रोगजनन में उनकी भूमिका	डीबीटी	डॉ. अमित प्रसाद	3,250,000	5 वर्ष
19	सीएसटीआरआई योजना के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्र के लिए नवीन प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	31,40,000	3 वर्ष
20	जैविक प्रकाश वोल्टीय में विकसित सौर ऊर्जा परिवर्तन के लिए जैव प्रेरित विकसित सामग्री	डीएसटी-एसई आरबी	डॉ. वेंकटा कृष्णन	20,87,000	3 वर्ष
21	रमन प्रकीर्णन द्वारा खोजा गया विद्युत चुम्बकीय गतिकी भौतिक विज्ञान	डीएसटी-इन्सपायर	डॉ. प्रदीप कुमार	35,00,000	5 वर्ष

22	फेफड़े के कैंसर की मूल कोशिकाओं में जाहक मॉड्यूलक मार्ग की पहचान	डीएसटी-इन्सपायर	डॉ. नेहा गर्ग	35,00,000	5 वर्ष
23	संधारणीय भविष्य हेतु मानव जनित कार्बन डाईऑक्साईड का प्रयोग करते हुये अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उत्पादन करना	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. अदिती हल्दर	30,40,000	3 वर्ष
24	अर्धचालक प्रयोगशाला (एससीएल) मण्डी में 180 नैनोमीटर प्रक्रम प्रौद्योगिकी हेतु स्थानीय डीयूवी फोटोरीसिस्टज का विकास: मेक इन इंडिया	आईएसआरओ	डॉ. सुब्रता घोष	81,00,000	3 वर्ष
25	थीरेनॉस्टिक्स अनुप्रयोग हेतु उद्दीपन अनुक्रियाशील अति सूक्ष्म कुशल संवाहक	एसईआरबी	डॉ. अमित जैसवाल	22,56,000	3 वर्ष
26	स्वतः क्रमहीन प्रोटीन: एडीनोवायरल ऑनकोप्रोटीन E1A के साथ इसके सहायक TAZ2 के पार सक्रियण क्षेत्र की वलित और बंध क्रियाविधि	एसईआरबी	डॉ. रजनीश गिरी	27,36,000	3 वर्ष
27	20 नैनोमीटर नोड या इसके ऊपर के नैनोइलैक्ट्रॉनिक्स हेतु नवीन अरासायनिक रूप से वर्धित आण्विक फोटोरीसिस्ट	डीएसटी-जीआईटीए	डॉ. सुब्रता घोष	29,29,500	3 वर्ष
28	इन्सुलिन प्रतिरोध और मधुमेह के रोगजनन में हाइपर इन्सुलिनेमिया की भूमिका	एसईआरबी	डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल	44,41,352	3 वर्ष
29	सूक्ष्म इलैक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग के लिए अर्धकुचालक प्रयोगशाला (एससीएल), मोहाली में स्वदेशी रासायनिक मशीनी मिश्रणों के पोलिश का विकास	एससीएल मोहाली	प.अ.: डॉ. अदिती हल्दर, स.प.: डॉ. वेंकट कृष्णन, डॉ. ऋक् रानी कोडार	69,60,000	3 वर्ष
30	कैंसर चिकित्सा और निदान के लिए नये प्लाजमोनिक सूक्ष्म कैपसूल की अभियांत्रिकी	डीबीटी	डॉ. अमित जैसवाल	19,31,000	3 वर्ष
31	रामानुजन फेलोशिप	एसईआरबी	डॉ. नेहा गर्ग	89,00,000	5 वर्ष
32	सामाजिक हित के लिए जोखिम वाले चीड़ के सूखे कांटों का पर्यावरण के अनुकूल उपयोग	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	19,13,000	2 वर्ष

33	अर्धकुचालक उद्योगों हेतु स्वदेशी फोटोरीसिस्ट प्रौद्योगिकी का विकास: भारतीय अर्थव्यवस्था, कुशल श्रमिक विकास और रोजगार की सम्भावनाओं पर प्रभाव	एमएचआरडी	डॉ. सुब्रता घोष (प.अ.), डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा (स.अ.), डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन (स.प.अ.), डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन (स.प.अ.)	239,00,000	3 वर्ष
34	एससीएल, मोहाली के लिए स्वदेशी फोटोरीसिस्ट पट्टी के सूत्रीकरण का विकास	एससीएल मोहाली	डॉ. सुब्रता घोष	4,89,850	3 माह
35	मॉडल पौधे के रोगाणु रालस्टोनिया सोलेनेसीरम का आरएनए अनुक्रमण के साथ जीनोम पैमाने पर उपापचय सम्बन्धी विश्लेषण का समाकलन और फल्युमिक्स	डीबीटी	डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. सतापथी (तेजपुर विश्वविद्यालय); स.प.अ. डॉ. तुलिका श्रीवास्तवा (भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. सुवेन्द्रा रे तेजपुर विश्वविद्यालय)	57,40,000	3 वर्ष
36	बहु दवा प्रतिरोधक तपेदिक (एमडीआर-टीबी) के महामारी विज्ञान का गणितीय प्रतिरूपण	एसईआरबी	डॉ. सरिता आज़ाद	18,25,725	3 वर्ष
37	हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोगों का पूर्व पता करने के लिए नैदानिक द्रव के रूप में लार का प्रयोग करते हुये सस्ते जैव प्रेरित सुरक्षा उपकरण	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण हेतु हि.प्र. राज्य परिषद् (एससीएसटीई)	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. नेहा सूद (स.प.अ.)	6,60,000	2 वर्ष
38	इंडियन रैड क्रॉस सोसाइटी प्रोजेक्ट-भा.प्रौ.सं. मण्डी सहयोग	इंडियन रैड क्रॉस सोसाइटी	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प. अ.), डॉ. वरुण दत्त, डॉ. रमना ठाकुर, डॉ. श्यामाश्री दास गुप्ता (स.प.अ.)	42000	1 वर्ष
39	सीरम प्रोटीन ट्रांसफेरीन के साथ सीधे $A\beta$ समुच्चयन अवरोध नियंत्रित आप्विक क्रिया विधि का पता करना	डीबीटी	डॉ. रजनीश गिरी (प.अ. भा.प्रौ.सं. मण्डी), डॉ. तमीर त्रिपाठी (स.प. अ. उत्तरी पश्चिमी हिमालयी वश्वविद्यालय, शिलौंग)	70,33,000	3 वर्ष
40	यूरिन एल्बुमिन मापन के लिए नये जैविक रंजक का प्रयोग करते हुये सूक्ष्म द्रव आधारित सुरक्षा परीक्षण उपकरण	एमएचआरडी- इम्प्रिंट	डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी (प.अ.), डॉ. सुब्रता घोष (स.प.अ.), डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल (स.प.अ.)	73,20,000	3 वर्ष
41	डबल परोवस्काइट परिवार से सम्बन्धित बहु लौह यौगिकों के भौतिक गुणों की जाँच	सीएसआईआर	डॉ. कौस्तव मुखर्जी	10,00,000	3 वर्ष

42	अतिचालकों और अर्ध धात्विक यौगिकों में नर्नस्ट प्रभाव का अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. बिन्दु राधामनि	14,18,271	3 वर्ष
43	मिश्रित धातु ऑक्साइड और विरल भू-अंतरा धातुओं का चुम्बकीय और चुम्बक कैलोरी गुणों का अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. कौस्तव मुखर्जी	30,58,110	3 वर्ष
44	सांस्थितिक विद्युत रोधी सम्भाव्य ऑक्साइड की इलैक्ट्रॉनिक संरचना अभियांत्रिकी	एसईआरबी	डॉ. हरि वर्मा	29,51,960	3 वर्ष
45	जाँच विश्लेषण और पहचान करने के लिए नैनो प्लाजमोनिक एसई आरज क्रियाधार का रूपांकन	डीईई-बीआरएन एस	डॉ. अमित जैसवाल	24,99,400	3 वर्ष
46	आण्विक प्रणालियों की प्रकाशिक आयनन गतिकी पर सह-सम्बन्ध, अपेक्षिकीय अन्योन्यक्रिया और परिरोध का प्रभाव	एसईआरबी	डॉ. हरि वर्मा	18,83,750	3 वर्ष
47	तात्विक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन का अध्ययन: एकल अणु से समूह और रोग संदर्श तक cMyb और p53 के प्रभाव क्षेत्र का पारसंचरण	डीबीटी	डॉ. रजनीश गिरी (प.अ.), डॉ. चयन के. नन्दी (स.प.अ.)	70,29,200	3 वर्ष
48	तापमान आश्रित न्यूट्रॉन विवर्तन द्वारा बहु लौहिक यौगिकों YBa _{1-x} Sr _x Cu FeO ₅ (0 ≤ x ≤ 0.6) और LnBaCuFeO ₅ (Ln=D, Ho, Yb) में चुम्बकीय संरचना के प्रभाव की खोज करना	यूजीसी-डीईई	डॉ. सी. एस. यादव (प.अ.), डॉ. कौस्तव मुखर्जी (स.प.अ.)	45,000	1 वर्ष
49	गैसीय कार्सिनोजेनीसिस में मानव कैथीलिसीडीन की भूमिका	डीबीटी	डॉ. श्वेता त्रिपाठी	88,00,000	5 वर्ष
50	टेनिया सोलियम कार्यात्मक सेक्रीटोम की प्रतिरक्षा और उनके प्रोटीओमिक की पहचान	एसईआरबी	डॉ. अमित प्रसाद	53,85,397	3 वर्ष
51	पौधों में तनाव की प्रतिक्रिया के कारण प्रकाश स्वपोषित उपापचयी समलक्षणों की प्रणाली का विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली	50,92,560	3 वर्ष
52	कैंसर में थीरेनॉस्टिक्स अनुप्रयोगों हेतु तल परिवर्तित उच्च रूपांतरित अति सूक्ष्म कण	भा.प्रौ.सं. मण्डी, भा.प्रौ.सं. रोपड़, पीजीआईएमईआर संघ	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. नेहा गर्ग (स.प.अ.), डॉ. यशवीर सिंह और डॉ. शालिमोली भट्टाचार्य	12,00,000	1 वर्ष

मूल अनुदान परियोजनाएँ

क्रमांक	प्रस्ताव का नाम	प्राध्यापक का नाम	राशि (रु.)	अवधि
1	संधारणीय भविष्य के लिए विषम विद्युत उत्प्रेरण के माध्यम से मानव जनित कार्बन डाईऑक्साईड का प्रयोग करना	डॉ. अदिति हल्दर	7,00,000	3 वर्ष
2	कुछ भिन्नात्मक समीकरणों की नियंत्रकता	डॉ. मुस्लिम मलिक	4,64,000	3 वर्ष
3	सूक्ष्म संवाहकों से आगम शर्करा आश्रित इन्सुलिन स्राव द्वारा अग्न्याशयी बीटा कोशिकाओं का लक्षित चिकित्सा वितरण	डॉ. प्रसन्नजीत मण्डल, डॉ. अमित जैसवाल	20,00,000	3 वर्ष
4	टेनिया सोलियम सिस्ट संक्रमण के रोगजनन में इनफलेममओरसस की भूमिका समझना	डॉ. अमित प्रसाद	7,00,000	3 वर्ष
5	ट्रांसथाईरीटीन के व्युत्पन्न अव्यवस्थित पेप्टाईड द्वारा अल्जीमर के A β पेप्टाईड फिब्रिलाईजेशन का अंतरावरोध : परमाण्विक बल सूक्ष्मदर्शी द्वारा आण्विक क्रियाविधि	डॉ. रजनीश गिरी	7,00,000	3 वर्ष
6	चयनित प्रोटियोबैक्टीरिया की औद्योगिक, पर्यावरणात्मक और कृषि महत्त्व सहित जीव विज्ञान प्रणाली	प.अ.— डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, स.प.— डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा	18,00,000	3 वर्ष

गृह परियोजना में महिला केन्द्र

क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रधान अन्वेशक	शीर्षक
1	आईआईटीएम/आईएनटी/टीपी/07	डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा	ईवोक-कमान्द की महिलाओं का समर्थीकरण

अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति

अनुसंधान

हम भा.प्रौ.सं. मण्डी के अनुसंधान दर्शन के प्रति बहु विषयक अनुसंधान में दृढ़ विश्वास रखते हैं और इसीलिए विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिकों और अभियंताओं के साथ आंतरिक और बाहरी अनुसंधान समन्वय विकसित किया है।

प्रसांथ पी. जोस

गलित बहुलक में दो घनत्व पर स्थानीय संरचना, दबाव और इसका कांच सदृश गतिकी से सम्बन्ध

आण्विक गतिकी अनुकारों के प्रयोग से युग्मित सिद्धांत कांच पारगमन के समीप दो स्थिर बिन्दुओं के सैट पर रेखीय बहुलक प्रणाली की संरचना और शिथिलता के गुणों का तुलनात्मक अध्ययन महत्त्वपूर्ण तापमान T_c का निष्पादन करके करते हैं। पहले सैट में अपेक्षाकृत कम घनत्व पर जैसे-जैसे तापमान कम होता है, तब प्रणाली प्रावस्था अलग होती है और कांच पारगमन होता है तथा दूसरे सैट में, उच्च घनत्व प्रणाली में एक ही प्रकार का रहता है और कांच पारगमन होता है। संरचना कारक और कार्य का दीप्तिमान वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि सबसे कम तापमान पर दोनों घनत्व के अध्ययन में प्रथम समन्वयन शैल के समीप घनत्व समान है। निम्नतर स्थानीय घनत्व पर निकटतम दूरी लम्बाई पैमाने पर जैसे ही तापमान कम होता है, वह उच्चतर घनत्व पर स्थानीय घनत्व की सीमा के पार दिख रहे

से अधिक होता है। यह देखा गया है कि स्थानीय घनत्व में जहाँ तापमान सीमा के पार होता है, वहाँ दबाव भी सीमा के पार होता है, जोकि निम्नतर घनत्व प्रणाली है, जिसका उच्चतर दबाव है। प्रणाली के शिथिलता गुण दर्शाते हैं कि उच्चतर घनत्व स्थिर बिन्दु पर जहाँ दबाव निम्नतर घनत्व के नीचे जाता है, वह समान तापमान पर उच्चतर घनत्व प्रणाली में प्राप्त से तीव्रतर शिथिलता गुण प्रदर्शित करता है। इस प्रकार से प्रथम शैल के समान तापमान घनत्व पर विश्रांति काल और सह सम्बन्ध आयतन सीमा के पार से गुजरता है। अतः यह अध्ययन प्रणाली की स्थानीय संरचना और विश्रांति गुणों के मध्य सम्बन्ध प्रमाणित करता है।

अन्य परियोजना:

कांच पारगमन तापमान के समीप उच्च और कम घनत्व पर कांच बनाने वाले की संरचना और गतिकी का तुलनात्मक अध्ययन

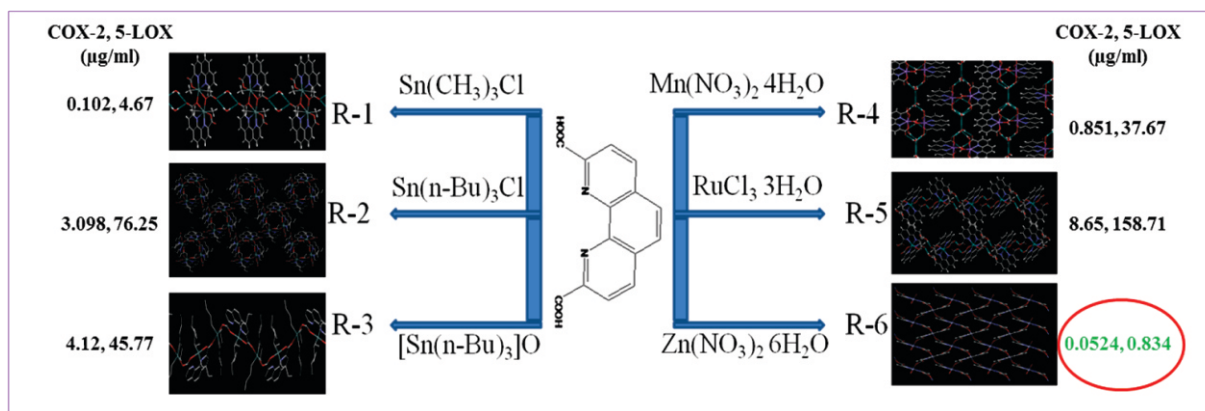
डॉ. चयन के. नन्दी

कार्बन बिन्दु: कार्बन बिन्दु की आण्विक उत्पत्ति और सूक्ष्मदर्शिकी में सम्भावित अनुप्रयोग: यह अत्यधिक चमकीले, उच्च फोटोस्टेबल और अनिमेष बहु रंगीय प्रतिदीप्त अतिसूक्ष्म पदार्थ हैं और इनके विभिन्न अनुप्रयोग हैं, लेकिन अब तक कार्बन बिन्दुओं की उत्तेजन-निर्भरता प्रतिदीप्ति की उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है। आजकल की रिपोर्ट से पता चलता है कि साइट्रिक अम्ल व्युत्पन्न कार्बन बिन्दु में बहुत उच्च प्रमात्रा फ्लोरोफोरे है। यह कार्बन बिन्दुओं में जटिल फोटो प्रदीप्ति की उत्पत्ति पर विवाद उत्तेजित करती है। हम प्रतिदीप्ति सह सम्बन्ध स्पेक्ट्रोमीकी और समय समाधित स्पेक्ट्रोमीकी का प्रयोग करते हुये तेज पीएच आश्रित प्रोटोनेटिड डीप्रोटोनेटिड आयनिक उत्सर्जन जाति के साथ लघु आण्विक पदार्थ की सत्यता का प्रमाण प्रदान करते हैं, जो कार्बन बिन्दुओं में वर्णक्रमीय विविधता को बढ़ावा देते हैं। ये दो उत्सर्जन जातियां, समय समाधित वर्णक्रम में स्थिर अवस्था वर्णक्रम और वर्णक्रमीय स्थानांतरण के उत्तेजन-निर्भर उत्सर्जन को भी बढ़ावा देती हैं। हम इन छोटे अणुओं के हाइड्रोजन बंध प्रेरित संग्रह के साथ टीईएम में पर्यवेक्षित आकार को परस्पर सम्बन्धित करते हैं। हम कार्बन बिन्दुओं का उपयोग करते हुए एकल अणु निमेष आधारित अधि विभेदन सूक्ष्मदर्शिकी (एसटीओआरएम) का विकास करने के लिए अत्याधुनिक अनुप्रयोगों की तरह कार्य कर रहे हैं। हमने लगभग 20 नैनोमीटर का एक औसत स्थानीय विभेदन प्राप्त किया है। कार्बन बिन्दुओं का एक नये अनुसंधान के रूप में प्रयोग करने से अधि विभेदन जैव कोशिका बिम्ब विधान में बहुत ही सकारात्मक परिणाम निकले हैं।

डॉ. अभिमन्यु धीर

दोहरे COX-2 और 5 LOX प्रावरोधकों के रूप में 1, 10 फीनांथोलीन 2,9 डाइकार्बोजाइलेट की धातु कार्बनिक सामग्री

अधिक प्रभावशाली उत्तेजनाहीन कारकों के साथ अल्सरोजेनिक नॉनस्टेरिओडल एन्टी इन्फ्लेमेट्री ड्रग्स (एनएसएआईडीस) और चयनित COX-2 प्रावरोधकों से सम्बन्धित उत्कृष्ट सुरक्षा प्रोफाईल के प्रारूप के लिए 5-लिपोक्सीजीनेज दोहरे प्रावरोधक (5-LOX)/साइकलोक्सीजीनेज -2 (COX-2) एंजाइमी मार्ग का उचित दृष्टिकोण है, जो घातक हृदय थ्रोम्बोटिक कारणों में वृद्धि करता है। यह दृष्टिकोण संभावित अधिकतर दाहक हीन प्रभावकता पर आधारित है, क्योंकि आर्चिडोनिक एसिड (एए) कास्कैड के दोनों उपापचयी रास्ते की सहक्रियात्मक ब्लॉक के लिए उनकी योग्यता है। यह पाया गया है कि COX/ LOX मार्गों में केवल एक का अवरोध एए का उपापचय अन्य मार्ग में स्थानांतरित हो सकेगा, जिससे संभावित दुष्प्रभाव कम होंगे।

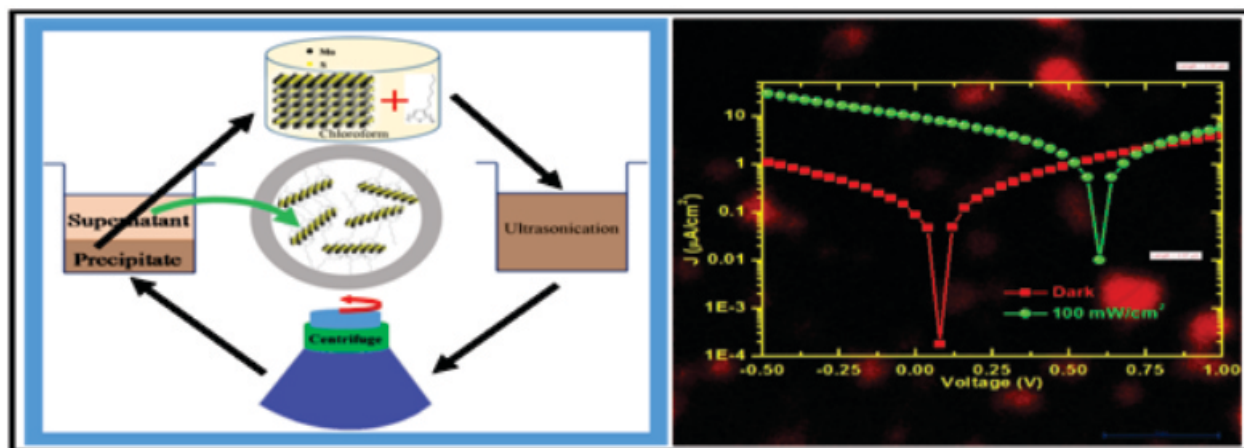


अतः दोहरे 5-LOX और COX-2 अवरोधकों के महत्त्व को देखते हुये संलग्नी 1 का प्रयोग करते हुए नये छः धातु कार्बनिक पदार्थ का संश्लेषण किया जाता है। ये धातु 10-फीनाथोलिन 2, 9-डाईकार्बोक्सीलेट (पीडीए) और जिंक, मैंगनीज, रूथीनियम, टिन हैं, जिनके नाम आर -1, आर -2, आर -3, आर -4, आर -5, आर -6 हैं। दोहरे COX-2 (साइक्लोक्सीजीनेस-2) और 5- LOX (5-लिपोक्सीजीनेस) के लिए संश्लेषित धातु कार्बनिक पदार्थों की अवरोधक गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया। Zn-PDA (R-6) आधारित मिश्रण अन्य मिश्रणों से अधिक अवरोध गतिविधि दर्शाते हैं। यह देखा गया कि COX-2 में IC₅₀ वल्व था, 5- LOX क्रमशः 0.0524 µg/ml और 0.834 µg/ml हैं। जब मानक COX-2 अवरोधकों के साथ तुलना की गई तो कार्बनिक अकार्बनिक मिश्रण आर -1, आर -2, आर -3, आर -4, आर -5 और आर -6 रोफीकोक्सीब और एस्पिरिन नशीली दवा जैसे प्रबल थे। लेकिन COX-1 से ऊपर COX-2 में आर -1, आर -4 और आर-6 का चयन रोफीकोक्सीब और एस्पिरिन से अधिक बेहतर था। 5- LOX अवरोधकों की तुलना करने के क्रम में, आर -1, आर -6 ने एनडीजीए और फेनीडोन नशीली दवाओं से अधिक IC₅₀ दिखाया।

डॉ. सुमन कल्याण पाल

समाधान प्रक्रमणीय इलैक्ट्रॉनिक्स के लिए बहुलक ग्राफीय 2डी ट्रांजीशनल मेटल डाईचाल्कोजीनाइड्स

अर्धचालक बहुलक युक्त रसायन विभाजन तकनीक से होकर कुछ टीएमडीज को विश्लेषित किया गया है। इन पदार्थों में टीएमडी के लिए बहुलक से इलैक्ट्रॉन स्थानांतरण निर्माण करने के लिए और बहुलक के लिए टीएमडी से छिद्र स्थानान्तरण के माध्यम से पोटोसंवाहक प्राप्त किये हैं। इस प्रकार के पोटोसंवाहक उत्पादन का प्रस्फुटन फोटोवोल्टीय उपकरणों के उजाले में देखी गई वर्तमान बढ़ाव से प्रतिबिम्बित होता है। इसके अतिरिक्त, इन पदार्थों में दो मार्गीय उपकरण के चक्रीय I-V गुण प्रतिरोधी स्मरण शक्ति उपकरणों में अपनी अनुप्रयोग क्षमता दर्शाते हैं।



चित्र 1. संश्लेषित विधि का योजनाबद्ध चित्रण (बायें)। 2डी-मोलिब्डेनम डिस्लफाईड और फोटोवोल्टीय उपकरण का I-V गुण।

अन्य परियोजना:

- परोवस्काइट पदार्थों और उपकरणों में फोटोसंवाहकों का उत्पादन।

डॉ. राजेन्द्र कुमार रे

परियोजना शीर्षक: रेखीय उतराव प्रवाह के लिए हाई ऑर्डर कम्पैक्ट (एचओसी) सीमित अन्तर योजनाओं का विकास

वित्त पोषित: विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार (पीआई के रूप में)

परियोजना क्रमांक: एसईआरबी/एफ/7046/2013-2014 दिनांक: 12.02.2014

विवरण: दो विमीतिय असुविधाजनक नेवियर स्टोक्स समीकरणों द्वारा नियंत्रित रेखीय उतराव प्रवाह का समाधान करने के लिए एक उच्च क्रम सघन (एचओसी) सीमित अन्तर योजनाओं की श्रेणी विकसित की गई है। ये योजनाएँ विभिन्न मानक

समस्याओं को सुधारने के लिए प्रयोग की गई हैं और इनके परिणाम को साहित्य में उपलब्ध विश्लेषणात्मक, प्रयोगात्मक और मानक सांख्यिकीय परिणाम से तुलना करते हुए सत्यापित किया है। इस विकसित योजना का प्रयोग उतराव प्रवाह के पास से बेलनाकार संरचनाओं के लिए भ्रमिल अलगन फीनोमीनन, बल और अन्य प्रवाह गुणों की जाँच करने के लिए किया गया है। इस प्रक्रिया में हमने सांस्थितिक स्वरूप आधारित संरचनात्मक विभाजन विश्लेषण का प्रयोग करते हुये अस्थिर प्रवाह पृथक्करण का अध्ययन किया है। हमने प्रवाह के संगणन के लिए अस्थिर आयामहीन स्ट्रीम फंक्शन वॉर्टीसीटी रूप, 2-डी अपरिमेय नेवियर-स्टोक्स समीकरणों का प्रयोग किया है। यह परियोजना दिनांक 18/03/2017 को समाप्त हो चुकी है। आजकल, पत्रों का प्रलेखन और अंतरिम प्रतिवेदन की प्रक्रिया चल रही है।

अन्य परियोजनाएँ:

- झील/नदियों में दूषित अवसाद का मूल्यांकन, विभिन्न अवरोधों के साथ दीर्घवृत्तीय समीकरणों के लिए स्टीक उच्चतर क्रम सांख्यिकीय योजनाओं का विकास और इसके निम्न अंतरापृष्ठ समस्याओं के लिए अनुप्रयोग।

डॉ. श्याम के. मासाकपल्ली

वर्तमान वित्तपोषित परियोजनाएँ:

- मॉडल पौधे के रोगाणु रालस्टोनिया सोलेनेसीरम का आरएनए अनुक्रमण के साथ जीनोम पैमाने पर उपापचय सम्बन्धी विश्लेषण और फ्ल्युमिक्स। डीबीटी, 3 वर्ष (2016-2019) के लिए संयुक्त अनुदान – अन्वेषक की भूमिका।
- पौधों में बलाघात की प्रतिक्रिया में फोटोऑटोट्रोफिक उपापचयी फीनोटाईप्स का प्रणाली विश्लेषण। 3 वर्ष (2017-2020) के लिए एसईआरबी ईसीआर अनुदान परियोजना- अन्वेषक की भूमिका।
- भूमि स्थायित्व उपलब्ध करने के लिए जैव अभियांत्रिकी रणनीतियों में सुधार। 3 वर्ष (2017-2020) के लिए एसईआरबी ईसीआर अनुदान परियोजना- अन्वेषक की भूमिका।
- चयनित प्रोटोबैक्टीरिया की औद्योगिक, पर्यावरणात्मक और कृषि महत्ता सहित जैव प्रणालियाँ-भा.प्रौ.सं. मण्डी मूल अनुदान-अन्वेषक की भूमिका।

कौस्तव मुखर्जी

विरल भूमि प्रतिस्थापन का प्रभाव और मिश्रित धातु आक्साईड $DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ के चुम्बकीय क्षेत्र का छिद्रीकरण तथा बहु लौहिक गुण

Dy के लिए $DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ के चुम्बकीय और चुम्बक विद्युतीय गुण पर Er और Gd के आंशिक प्रतिस्थापन के प्रभाव पर अन्वेषण किये गये, जिसे बहु लौहिक प्रणाली के नाम से भी जान सकते हैं। $DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ में लगभग 121 और 13K पर चुम्बकीय पारगमन की पुष्टि के अतिरिक्त चुम्बकीय अति संवेदनशीलता और ताप क्षमता आँकड़े केवल विरल भूमि प्रतिस्थापन द्वारा कम अवस्थांतर तापमान पर अवरोधित होते हैं। $DyLn_{0.6}Fe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ (Ln=Er और Gd) में कायम रहने के लिए बहुलौहिक विधि पायी गई है। यह इन पदार्थों में चुम्बक विद्युतीय युग्मक अपनी गुणात्मक भिन्नता व्यवहार, दो अवस्थांतर तापमान परिवर्तन सहित एक प्रमाण है। सभी यौगिकों में रेमंट विद्युत ध्रुवीकरण पाया गया है। $DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ के सन्दर्भ में विरल भूमि प्रतिस्थापन के परिणामस्वरूप अधिक प्राप्त करने के लिए विद्युत ध्रुवीकरण का सबसे उल्लेखनीय प्रेक्षण देखा है। रोचक यह है कि चुम्बक विद्युतीय युग्मक के अस्तित्व के अनुरूप चुम्बक कैलोरिक प्रभाव में समान विधि देखी गई है। इस आँकड़ाई की जाति में विरल भूमि प्रतिस्थापन द्वारा चुम्बक विद्युतीय युग्मक की ट्यून के लिए परिणाम प्रमाण देते हैं।

$Dy_{0.6}Ca_{0.4}Fe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ पर चुम्बकीय अति संवेदनशीलता और ताप क्षमता आँकड़े बताते हैं कि यह यौगिक दो चुम्बकीय अवस्थांतरों से गुजरता है, जिनमें से एक लगभग 132 और दूसरी लगभग 22 K है। यह मान उन $Dy_{0.6}Ca_{0.4}Fe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ के मान से अधिक है। परिणाम से पता चलता है कि इस अर्ध डोपड ओर्थोक्रोमाइट में चुम्बकीय Dy^{+3} के स्थान पर Ca^{2+} की चुम्बकहीन छिद्र डोपिंग चुम्बकीय पारगमन तापमान बढ़ाने का प्रयास करती है। हम इससे छिद्रीकरण के कारण Cr/Fe आयन की संयोजक अवस्था में सम्भव परिवर्तन कर सकते हैं। चुम्बकीय क्रमिक तापमान के पास चुम्बकीय परावैद्युत युग्मक का संकेत देती हुई परावैद्युत असंगतियां भी देखी गई हैं, जो चुम्बकीय क्षेत्र आधारित परावैद्युत अध्ययन द्वारा सत्यापित हैं। इस प्रेक्षण में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उल्लेखनीय तरीके से $Dy_{0.6}Ca_{0.4}Fe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ की तुलना में चुम्बक परावैद्युत युग्मक शक्ति में वृद्धि पायी है। परिणाम से पता चलता है कि इस प्रणाली में छिद्रीकरण द्वारा चुम्बक विद्युतीय युग्मक को ट्यून करना सम्भव है।

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल

इस अवधि के दौरान शैक्षणिक स्कूल की सभी गतिविधियों और उपलब्धियों में प्राध्यापकों की स्थिति, भा.प्रौ.सं. मण्डी मूल अनुदान से अनुसंधान परियोजनाएँ, प्रायोजित परियोजनाएँ, प्रत्येक परियोजना के सामने किये गये कार्य की संक्षिप्त प्रगति का वर्णन दिया गया है। इसमें परियोजना अन्वेषक का नाम, सह परियोजना अन्वेषक, वित्तपोषित कम्पनियाँ, प्राप्त अनुदान और खर्च की गई धनराशि इत्यादि दी है।

क्रियाशील यौगिकों का अतिसूक्ष्म क्रिस्टलीकरण करने के लिए नवीन मार्ग

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (परियोजना अन्वेषक), डॉ. प्रशान्थ जोस (सह-परियोजना अन्वेषक) और जसप्रीत कौर रन्धावा (सह-परियोजना अन्वेषक)

एमआरएमआरईबी, डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित

अवधि: 13.02.2013–12.02.2017 (4 वर्ष)

स्वीकृत धन: 68,48,006.70 रु.

उच्च ऊर्जा यौगिकों का प्रयोग विस्फोटक और प्रणोदक के रूप में किया जाता है। इन यौगिकों में गम्भीर चिंतन का विषय आकस्मिक उत्तेजना है, जबकि निष्पादन बढ़ाने के लिए उच्च ऊर्जा घनत्व आवश्यक है। स्पष्टतः इन प्रतिकूल माँगों को अणुओं में संयोजित करने की आवश्यकता है, जोकि बहुत ही चुनौतिपूर्ण है। मिश्र क्रियाशील पदार्थों में निष्पादन बढ़ाने के लिए क्रिस्टल अभियांत्रिकी का प्रयोग तब किया जा सकता है, जब अति सूक्ष्म क्रिस्टलों के रचने से संवेदनशीलता कम होती है। हमने इस परियोजना में क्रियाशील यौगिकों के अति सूक्ष्म क्रिस्टल तैयार करने के लिए कुछ नयी विधियों की खोज की है। इन विधियों में से एक भारतीय पेटेंट में दर्ज की गई है। इसका नाम वाष्प युक्त विलायक द्रव, विरोधी विलायक द्रव अन्वोन्य क्रियाविधि (ईएएसएआई) है। अन्य विधि, प्रवाह रसायन विज्ञान का प्रयोग करते हुये निरंतर अति सूक्ष्म क्रिस्टल उत्पन्न कर सकती है। यह विधि बैच प्रक्रिया की तुलना में अधिक उपयोगी है। इन विकसित विधियों की डीआरडीओ कम्बश्चन डीटोनिकस और शौक वेव

पेनल द्वारा सराहना की गई और उन्होंने नयी परियोजनाओं को धन देने का वादा किया। यह विधियाँ उसी प्रकार अस्थिर हैं, जैसे कि किसी भी कार्बनिक यौगिक के अति सूक्ष्म क्रिस्टल तैयार किये जा सकते हैं। बहुलक का उपयोग करते हुए अति सूक्ष्म क्रिस्टल का यथास्थान कैपसूलिकरण भी प्राप्त किया जा सकता है। यह विधि पानी में बहुत ही कम घुलनशील पदार्थ वाले की घुलनशीलता को बढ़ाने के लिए नशीली दवा के अति सूक्ष्म क्रिस्टल को तैयार करने के लिए सफलतापूर्वक प्राप्त की गई है।

डॉ. रजनीश गिरी

सीरम प्रोटीन-ट्रांसफेरिन के साथ प्रत्यक्ष AB समुच्चयन को नियंत्रित करते हुये आण्विक तंत्र की व्याख्या करना-अल्जीमर रोग का अनुमान

आरम्भ करने की दिनांक: 12.01.2017 से 11.01.2020

वित्तपोषित कम्पनी: डीबीटी (टविनिंग कार्यक्रम)

धन- 70,33,000 /-रु.

परियोजना अन्वेषक: डॉ. रजनीश गिरी (भा.प्रौ.सं. मण्डी) और डॉ. तिमिर त्रिपाठी (एनईएचयू शिलौंग)

निष्कर्ष: 'एमिलायड कास्केड' की परिकल्पना के अनुसार, अल्जीमर रोग के मूल सिद्धांतों में एक बीटा एमिलायड (AB) पेप्टाइड का समुच्चयन होना माना जाता है। AB का समुच्चयन एक जटिल प्रक्रिया है। अवरोधकों के कार्य की चुनौतियों में से अणुओं के समुच्चयन द्वारा स्थैतिक अवरोध एक है। अधिकतर प्रमाणों से पता चलता है कि रक्त प्लाज्मा में प्राप्त सीरम प्रोटीन को अवरोधक समुच्चयन में भी उपयोग किया जा सकता है। हालांकि, आजकल यह अनुसंधान के अज्ञात तंत्र वाला क्षेत्र प्रारम्भिक अवस्था में है। हम वर्तमान प्रस्ताव में सीरम प्रोटीन-ट्रांसफेरिन का उपयोग करते हुए AB अवरोधक समुच्चयन समझना चाहते हैं। रक्त प्लाज्मा और प्रमस्तिष्क मेरू द्रव दोनों में ट्रांसफेरिन आयरन परिवहन ग्लाइकोप्रोटीन प्राप्त किया है। रक्त में गौण सहायक नाली परिकल्पना और प्लाज्माफेरीसिस का प्रयोग करते हुए AB संचित रोग को कम करने के लिए कमजोर पड़ सकती है। इस अनुसंधान का उद्देश्य आण्विक स्तर पर यह समझना है कि कैसे ट्रांसफेरिन एडी से जुड़े हुए एमिलायड प्लेक्स की रचना का अवरोध करता है। हम अल्जीमर के एमिलायड प्लेक की रचना में ट्रांसफेरिन आधारित समुच्चयन अवरोध के विस्तृत तंत्र के चरित्रण के लिए कोशिका संवर्धन, स्पेक्ट्रोस्कोपिक और सूक्ष्मदर्शीय आण्विक, जैव रसायन और जैव भौतिकी दृष्टिकोण जैसी अत्याधुनिक तकनीकों (एएफएम, टीईएम और एसईएम) का उपयोग करते हैं। परिणाम आण्विक तंत्र की व्याख्या करते हुये बतला सकते हैं कि एमिलायड प्लेक की रचना में सीरम प्रोटीन कैसे निरोध करता है।

अन्य परियोजनाएँ:

- प्राकृतिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन की जानकारी: एकल अणु से सामूहिक प्रभाव और रोग परिप्रेक्ष्य के लिए cMyb और p53 का पारसंक्रमण क्षेत्र।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. नेगी एस., अब्बास एस., मलिक एम., ओसील्लेशन क्राइटेरिया ऑफ सैकिण्ड ऑर्डर नॉनलाइनीयर डायनेमिक इक्वेशन्ज विद नॉनलाइनीयर इंटीग्रो फोर्सिंग टर्म ऑन टाइम स्केल्ज, बुलेटिन ऑफ द साउथ उरल स्टेट यूनिवर्सिटी: फीजिकल साईंसिज, फरवरी 2017, 1-13।
2. आर. सक्थिवल, एम. रथिका और एम. मुस्लिम; रॉबस्ट रेलिएबल कंट्रोल ऑफ अन्सर्टेन नॉनलाइनीयर स्टोकेस्टिक सिस्टम्ज सबजेक्ट टु एक्वीटेटर फाल्ट, सामान्य प्रणालियों की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, भाग 46, न0 1 (2017), 1-26।
3. वेंकटेशन गोविंद राज, मुस्लिम मलिक, राजु के. जॉर्ज; आंशिक गतिशील प्रणालियों के प्रक्षेप वक्र की नियंत्रकता, भाग 4, न0 2 (2017), 114-130।
4. आर. सक्थिवल, एम. रथिका, एस. संतरा और एम. मुस्लिम; डेल्टा संकारक से होकर मारकोवियम जंप प्रणाली के लिए प्रेक्षक आधारित क्षयिक नियंत्रण, प्रणाली विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, भाग 48, न0 2 (2017), 247-256।
5. एम. मुस्लिम; विचलित तर्क के साथ क्रम अल्फा 1 और 2 के मध्य आंशिक समाकल अवकल समीकरण का फेडो-गलैरिकिन अनुमान, आंशिक विभेदक समीकरणों का गति विज्ञान, भाग 13, न0 4 (2016), 351-368।

6. एम. मुस्लिम और राजु के. जॉर्ज; आंशिक विभेदक समीकरणों द्वारा नियंत्रित अरैखिक प्रणालियों की प्रक्षेप वक्र नियंत्रकता, विभेदक समीकरण और गतिशील प्रणालियाँ, ऑन लाइन, मई 2016, अन्वेषण की दिनांक: 10.1007/एस 12591-016-0292-जेड।
7. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और मिक्कल फेकान; धीमे आवेग के साथ द्वितीय क्रम अरैखिक विभेदक समीकरणों के लिए अस्तित्व, अनन्यता और स्थायी समाधान, जर्नल ऑफ किंग सॉउद यूनिवर्सिटी-साईंस (2016), <http://dx.doi.org/10-1016/j.jkus.2016-11-005>।
8. आर. सविथवल, के. बूमिपालगन, एम.ए. यंग-कि और एम. मुस्लिम; टीएस फुजी सिस्टम के नमूनाकरण डेटा का विश्वसनीय स्थिरीकरण और इसका अनुप्रयोग, जटिलता, भाग 21, न02 (2016), 518-529।
9. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और आर.पी. अग्रवाल; विचलित तर्क के साथ द्वितीय क्रम अरैखिक आवेगात्मक प्रणालियों की वास्तविक और प्रक्षेप वक्र नियंत्रकता, कार्यात्मक विभेदक समीकरण, भाग 23 (2016), न0 1-2, 27-41।
10. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और आर.पी. अग्रवाल; विचलित तर्क के साथ ऑर्डर \$ अल्फा में (1,2) \$ आंशिक समाकल अवकल समीकरण की वास्तविकता, एनालीली यूनिवर्सिटीटेडीडिन ओरेडीआ- फेसिकोला मेटेमेटिका, भाग 24, न0 1(2017), 185-194।
11. अब्बास एस., गोल्डन रेशो: भौतिक सौन्दर्य का माप, रेजोनैस, जनवरी 2017, भाग 22, 1-10, 2017।
12. त्यागी एस., अब्बास एस. पिंटो, एम. सेपुलवेदा डी.; 0, इन्फिटी पर आंशिक क्रम विलम्बित कोशिकीय तंत्रिक नेटवर्क के समाधान का अनुमान, मेडिटेरनियन गणित की पत्रिका, फरवरी 2017, 14:23, 2017।
13. त्यागी एस., अब्बास एस. पिंटो, एम. सेपुलवेदा डी.; मिश्रित प्रकार के खण्डशः स्थायी तर्क के साथ विलम्बित आंशिक क्रम प्रक्षेपण तंत्रिक नेटवर्क का स्थायित्व और तुल्यकालन, तबिलिसि गणित की पत्रिका, 2017।
14. त्यागी एस., अब्बास एस. पिंटो, एम. सेपुलवेदा डी.; परिबद्ध अन्तराल पर आंशिक क्रम विलम्बित कोशिकीय तंत्रिक नेटवर्क के समाधान का यूनिफॉर्म ईयुलर अनुमान, तबिलिसि गणित की पत्रिका, 2017।
15. त्यागी एस., अब्बास एस., किरैनी एम., सावधि अपसरण प्रतिक्रिया और बंध रहित विलम्ब के साथ रिंग तंत्रिक नेटवर्क का वैश्विक उपगामी और चरघातांकी तुल्यकालन, तंत्रिक संगणन और अनुप्रयोग, 2016।
16. कविरासन बी, सविथवल, आर., अब्बास एस., सम्भाव्य देरी से विश्वसनीय नियंत्रण से होकर अरैखिक बहु कारक प्रणालियों का ठोस मतैक्य, जटिलता, 2016।
17. त्रिपाठी, जे.पी. अब्बास, एस., अरैखिक आपतन दर और पुनः निविष्ट नियंत्रण सहित स्वायत्त और गैर स्वायत्त एसआई महामारी मॉडलों का वैश्विक गति विज्ञान, अरैखिक गति विज्ञान, 2016।
18. त्यागी एस., अब्बास एस. हाफेद एम.; विविक्त और वितरित विलम्ब से जटिल मूल्यांकित आंशिक क्रम तंत्रिक नेटवर्क का वैश्विक मिट्टाग-लेफलर स्थायित्व, रेंडिकोन्टी डेल सिरकोलो मेटेमेटिको डि पालेरमो (1952), 1-21, 2016।
19. त्रिपाठी जे.पी., त्यागी एस., अब्बास एस., विलम्बित घनत्व आश्रित परभक्षी-शिकार मॉडल का क्राउली-मार्टिन कार्यात्मक प्रतिक्रिया सहित वैश्विक विश्लेषण, नॉनला. साई. नुम. सिमु., 30 (1), 45-69, 2016।
20. हाफेद एम., अब्बा ए., अब्बास एस.; ऑन पार्शियल इन्फोरमेशन ऑप्टिमल सिंगुलर कंट्रोल प्रोब्लम फॉर मेन फील्ड स्टोकेस्टिक डिफरेंशियल इक्वेशन्ज झाइवन बाई टीयुजल्स मार्टिगेलज मैजर्ज, नियंत्रण की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 89(2), 397-410, 2016।
21. दिवाकर और ए. चक्रवर्ती, समय निर्भर सिंक के साथ खण्ड के आधार पर रेखीय क्षमता के लिए स्मोलुचोवस्की समीकरण का वास्तविक समाधान, जे. एक्सप. थियो. फीजिक्स, 149, 439 (2016)।
22. अरोड़ा एन, त्रिपाठी एस., सिंह ए.के., मण्डल पी., मिश्रा ए., प्रसाद; इम्यून सिस्टम का सूक्ष्म प्रबंधन: हेलमिथिक संक्रमण में miRNA की भूमिका। माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियरज 8:586, अन्वेषण की दिनांक 10.3389/fmicb.2017.00586.e कोलैक्सन 2017।

23. अरोड़ा एन., त्रिपाठी एस., साओ आर., मण्डल पी., मिश्रा ए., प्रसाद ए.; तंत्रिका फीताकृमि का लार्वा के रूप में संक्रमण का आण्विक तंत्रिका पैथोमकैनिज्म: कैसे आनुवंशिक कारक रोग सुग्राहिता प्रभाव डालते हैं। मोल. नियुरोबायोल. 2017, अन्वेषण की दिनांक: 10.1007/एस12035-016-0373-6।
24. अभिषेक गुप्ता, चयन के. नन्दी*; सल्फर डोपड कार्बन डॉट्स के उच्च प्रमात्रा उत्पादन का प्रयोग करते हुये अति संवेदनशील न्युरोट्रांसमीटर संकेतक पीसी 12 जैव सैल और इसकी कोशिका बाह्य आयन निर्भरता, संवेदक और उत्प्रेरक बी 245, 137, 2017।
25. "फ्ल्यूरोसैंट कार्बन डॉट्स का स्थानीकरण आधारित अधि वियोजन सूक्ष्मदर्शीकी का एकल अणु विश्लेषण"। नवनीत सी. वर्मा, स्यामंतक खान और चयन के. नन्दी, फ्ल्यूरोसैंस में विधियाँ और अनुप्रयोग 4,044006, 2016।
26. नंगी आंख कैलोरीमेट्रिक अतिसंवेदनशील आर्सेनिक और ग्लुथियोन जाँच के लिए कार्बन डॉट्स, अभिषेक गुप्ता, नवनीत चन्द्र वर्मा, स्यामंतक खान और चयन के. नन्दी, जैव संवेदक और जैव इलैक्ट्रॉनिक्स 81, 465, 2016।
27. जीव विज्ञान माध्यम से संश्लेशित कार्बन बिन्दुओं का प्रयोग करते हुये कागज पट्टी आधारित और अति संवेदनशील लैड संवेदक जैव सैल, अभिषेक गुप्ता, नवनीत चन्द्र वर्मा, स्यामंतक खान, शालिनी तिवारी, अभिषेक चौधरी और चयन के. नन्दी। संवेदक और उत्प्रेरक बी 232, 107, 2016।
28. "सामान्य रक्त प्रोटीन की संरचना और गतिविधि पर अति सूक्ष्म स्वर्ण कण के धरातल रसायन विज्ञान का प्रभाव और आकृति विज्ञान" न्यू. जे. कैम. 40, 4879, 2016।
29. विरेन्द्र माजरिकर, आशीष रंजन, अमित जैसवाल; ओलिगोन्युलियोटाइडज और प्रोटीन की अति सूक्ष्म कण आधारित संवेदना, पुस्तक का शीर्षक: नैनोबायोसेंसर्स फॉर पर्सनलाइज्ड एण्ड ऑनसाइट बायोमैडिकल डायग्नोसिस, 2016, आईईटी प्रकाशक, ई-आईएसबीएन: 9781849199513।
30. घोष एस., घोष एम., कुमार पी. सरकार, ए.एस; पाल, एस.के. क्वेंचिंग ऑफ द एकसीटोनिक एमिशन ऑफ क्वांटम डॉट्स ड्यु टु ऑगर असिस्टेड होल ट्रांसफर टु सीडीएस क्वांटम डॉट्स जे. फिजी. कैम. सी 2016, 120, 27717।
31. कुमार पी., पाल एस.के., डार्ड और ZnO QD इंटरफेस पर अत्यंत तेज बहुचरघातांकी इलैक्ट्रॉन अंतः क्षेपण गतिविज्ञान: एक संयुक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी और प्रथम सिद्धांत अध्ययन, फीजि. कैम. कैम. फीजि. 2016, 18, 29571।
32. कुमार पी., कुमार एस., घोष एस., पाल, एस.के.; फेम्टोसेकण्ड इन्साइट्स इन्टु डायरेक्ट इलैक्ट्रॉन इन्जेक्शन इन डार्ड एन्चोरड ZnO QDS फॉलोविंग चार्ज ट्रांसफर एक्साइटेशन फीजि. कैम. कैम. फीजि. 2016, 18, 20672।
33. यूनीक्वीवोकल एविडेंस ऑफ एन्हांसड मैग्नीटोडाइलेक्ट्री कप्लिंग इन Gd^{3+} सबस्टिट्यूट मल्टीफेरोइक $Bi_2Fe_4O_9$, एस. आर. मोहपात्र, ए. स्वैन, सी.एस. यादव, एस.डी. कौशिक और ए.के. सिंह आरएससी एडवांसीज, 6,112282 (2016)।
34. व्यापक ऑक्सीजन दबाव पर तैयार $NdNiO_3$ में इलैक्ट्रॉनिक गुण और धातु रोधी संक्रमण, एम.के हुडा और सी.एस. यादव, फिजीका बी, 491, 31 (2016)।
35. आण्विक परत निक्षेपण द्वारा पारदर्शक लौह चुम्बकीय अर्ध चालक $CuCr_2O_4$ पतली झिल्ली, टी. एस. त्रिपाठी, सी.एस. यादव और एम. कार्पिन, एप्लाइड फीजिक्स लैटर मेटीरियल्ज। 4, 046106 (2016)।
36. $MnTiO_3$ का संरचनात्मक विकास, आर. के. मौर्या और आर. बिन्दु, मिश्रधातुओं और यौगिकों की पत्रिका 693 (2017) 164 e 169।
37. चुम्बकीय संक्रमण में $SrNiRhO_6$ में स्थानीय संरचनात्मक प्रभाव, नवनीत सिंह, एस. खालिद और आर. बिन्दु, मेटर, रीस. एक्सप्रेस 3 (2016) 046301।
38. डोपड $MnTiO_3$ पर संरचनात्मक अध्ययन, आर. के. मौर्या और आर. बिन्दु, एआईपी सम्मेलन, प्रोस. 1731, 140051 (2016)।
39. आर. डी. प्रसाद, एस. कोआची, नीतु कुमारी और एच.ए. अब्दर्रहमान (2017), चार कम्पार्टमेंट ब्रुसलेटर प्रकार के सिस्टम का वैश्विक अस्तित्व और दीर्घावधि गतिविज्ञान, निरंतर विविक्त और आवेगात्मक सिस्टम श्रेणियां ए: गणितज्ञ विश्लेषण, भाग

24 पृष्ठ 79–120 ।

40. आर.डी. प्रसाद, एस. कोआची और नीतु कुमारी (2016); प्रदूषित पर्यावरण (भूमि प्रणाली और पर्यावरण की मॉडलिंग 2 (2016) 1–11) में लीस्लि-गोवर टाईप ट्राइट्रोफिक जनसंख्या मॉडल का गणितीय अध्ययन, भूमि प्रणालियों और पर्यावरण की मॉडलिंग (स्प्रिंगर), अन्वेषण की दिनांक: 10.1007 / एस40808–016–0158–वाई, भाग 2, पृष्ठ 93 ।
41. नीतु कुमारी और संदीप शर्मा (2016); क्या जल संक्रामक रोगों में सहायक कीटाणुनाशक की भूमिका निभाता है? एक गणितीय अध्ययन, स्वीकृत, प्राकृतिक संसाधन की मॉडलिंग (विली), भाग 29 (2), पृष्ठ 259–288 (इम्पैक्ट फैक्टर) 1.196 ।
42. आर.डी. प्रसाद, एस. भौमिक, वी. चन्द, नीतु कुमारी और नेहा सिन्हा (2016), भारत क्या बोल रहा है? एकसप्लोरिंग द "हिंगलिश" इन्वेजन, फिजीका ए (एल्सिवर), भाग 449, पृष्ठ 375–389 (इम्पैक्ट फैक्टर 1.732) ।
43. आर.डी. प्रसाद, के. ब्लैक, ई. क्वांस, आर. के. उपाध्याय, एस. के. तिवारी और नीतु कुमारी (2016), शीर्ष परभक्षी में एल्ली इफैक्ट सहित तीन जाति की आहार श्रृंखला मॉडल का दीर्घावधि गति विज्ञान, अनुप्रयोगों के साथ संगणक और गणित (एल्सिवर), भाग 71, पृष्ठ 503–528 (इम्पैक्ट फैक्टर 1.697) ।
44. अधिचालक $\text{SmFeAsO}_{0.65}$ और $\text{SmFeAsO}_{0.77} \text{H}_{0.12}$ में लोहे का समस्थानिक प्रभाव: रमन अध्ययन, बिरेन्द्र सिंह, पी.एम. शिरागे, ए. ईयो और प्रदीप कुमार, एआईपी एडवांसिज 6,105310 (2016) ।
45. अधिचालक LaPd_2As_2 के संरचनात्मक और विद्युत गुण : प्रथम सिद्धांत गणना, बिरेन्द्र सिंह और प्रदीप कुमार, एआईपी कार्यवाही (2017) ।
46. अर्ध मिश्रधातु YNiBi के परिवहन गुण की जानकारी: आरम्भ से अध्ययन, सोनु शर्मा और प्रदीप कुमार, एआईपी कार्यवाही (2017) ।
47. आर. के. राय, जे.सी. कालिटा; साधारण रेनाल्डज संख्या पर घूर्णन बेलन से अस्थिर प्रवाह उच्च क्रम संहत अनुरूपता, संगणनात्मक और प्रयुक्त गणित भाग 35 (1) (2016), पृष्ठ: 219–250 ।
48. एच.वी.आर. मित्तल, आर. के. रे; अप्रवाही दलदलापन और विचित्र संसाधनों के साथ स्टोक्स समीकरणों के हल के लिए एक कार्टिशियन ग्रिड विधि, कुशल प्रणालियों और संगणन में प्रगति, भाग 452 (2016), पृष्ठ 315–323 ।
49. कुमार आर.के. रे; आनत वर्ग बेलन अपरूपण प्रवाह की उच्च क्रम संहत सांख्यिकीय अनुरूपता, कुशल प्रणालियों और संगणन में प्रगति, भाग 452 (2016), पृष्ठ 315–323 ।
50. एस. के. जैन, आर.के. रे; बिम्ब निरस्यंदन के लिए कोर संसूचक आधारित तार, पूर्ण परिवर्तन सम्बन्धी मॉडल, भाग 433(2016), पृष्ठ 119–126 ।
51. एस. के. जैन, आर.के. रे; बिम्ब डीनोआइजिंग के लिए एनिसोट्रोपिक प्रसार का वैकल्पिक ढांचा, प्रतियोगात्मक नीतियों के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसीएम), अन्वेषण की दिनांक: <http://dx.doi.org/10.1145/2905055.2905104>
52. आशीष कुमार, हरि आर. वर्मा, प्रणवा सी. देशमुख, स्टीवन टी. मैन्सन, वैलिरी के. डोलमाटोव और अनाटोली खेफेट्स; वाइनर फोटोएमीशन टाइम डीले फरॉम एन्डोहीड्राल एनॉयनस, फीजिक्स रीव. ए 94, 043401 (2016) ।
53. त्रिवीमी कारक और आप्णिक अभिविन्यास के मध्य सूक्ष्म संतुलन के माध्यम से निर्गमन: कोशिका विकास गतिकी के वास्तविक समय के लिए बहुत चमकीला और फोटोस्टेबल डीएनए मार्कर, पंकज गौर, अजय कुमार, रीना दलाल, शालमोली भट्टाचार्य और सुब्रता घोष । कैम. कम्प्यू, 2017, 53, 2571–2574 ।
54. पोलिएरीलीनीसल्फोनियम साल्ट ऐज ए नोवल एण्ड वर्सेटाइल नॉनकैमिकली एम्प्लिफाइड नेगेटिव टोन फोटोरीसिस्ट फौर हाई-रीजोल्युशन एक्सट्रीम अल्ट्रा वायलेट लिथोग्राफी एप्लिकेशन्ज । पुलिकांति गुरुप्रसाद रेड्डी, सत्येन्द्र प्रकाश पाल, पवन कुमार, चुल्लिककाटिल पी. प्रदीप, सुब्रता घोष, सतिन्द्र के. शर्मा और केन्नथ ई. गोन्सेल्वज, एससीएस एप्ला. मेटी. इंटरफेसिज, 2017, 9, 17–21 ।
55. आगामी पीढ़ी आईसी प्रौद्योगिकी के लिए अरासायनिक रूप से वर्द्धित फोटोरीसिस्ट में आधुनिक प्रगति । सुब्रता घाष,

- चुल्लिकाटिल पी. प्रदीप*, सतिन्द्र के. शर्मा, पुलिकांति गुरुप्रसाद रेड्डी, सत्येन्द्र पी. पाल और केन्नथ ई. गोन्सेल्वज, आरएससी एडव., 2016, 6, 74462–74481 ।
56. सेलिनियम इनकोरपोरेटिड काशनिक औरगेनोचाल्कोजन: लाइव सैल कम्पैटिबल एण्ड हाईली फोटोस्टेबल मोलिकुलर स्टेन फॉर इमेजिंग एण्ड लोकेलाइजेशन ऑफ इन्ट्रसैलुलर डीएनए। पंकज गौर, अजय कुमार, गौरब डे, राजेन्द्र कुमार, शालिमोली भट्टाचार्य और सुब्रता घोष, एसीएस एप्ला. मेटर. इंटरफेसिज, 2016, 8, 10690–10699 ।
57. कोशिकीय स्तर पर जैव आण्विक अभिज्ञान: डीएनए बिम्ब विधान के लिए कम फोटोटोक्सिक धनायनी जाँच की ज्योमीतिय और रसायनिक कार्यात्मकता की निर्भरता। पंकज गौर, अजय कुमार, शालिमोली भट्टाचार्य और सुब्रता घोष। जे. मेटर. कैम. बी, 2016, 4, 4895–4900 ।
58. ट्रेंड ब्रेकिंग सब्स्ट्रिक्शुशन पैटर्न ऑफ फीनोथियाजीन विद एक्सेपटरज ऐज ए रेशनल डिजाइन प्लेटफॉर्म फौर ब्लु एमिटर्ज, सुनील कुमार, मीनु सिंह, जू-हुई जो और सुब्रता घोष। जे. मेटर. कैम. सी., 2016, 4, 6769–6777 ।
59. नये HfO₂ आधारित हाइब्रिड अरासायनिक रूप से वर्द्धित रीसिस्टस का डिजाइन, विकास, ईयूवीएल अनुप्रयोग और अति सूक्ष्म यांत्रिकीय गुण। पुलिकांति गुरुप्रसाद रेड्डी, नरसिम्हा मामिदी, पवन कुमार, सतिन्द्र के. शर्मा, सुब्रता घोष, केन्नथ ई. गोन्सेल्वज और चुल्लिकाटिल पी. प्रदीप, आरएससी एडव., 2016, 6, 67143 ।
60. आगामी पीढ़ी ईयूवी लिथोग्राफी के लिए कम क्रियाशील ऊर्जा आधारित अरासानिक रूप से वर्द्धित प्रतिरोध का डिजाइन और विकास। सतिन्द्र के. शर्मा, सत्येन्द्र प्रकाश पाल, सत्येन्द्र प्रकाश पाल, पुलिकांति गुरुप्रसाद रेड्डी, पवन कुमार, सुब्रता घोष और केन्नथ ई. गोन्सेल्वज, माइक्रोइलैक्ट्रोन, इंग. 2016, 164, 115–122 ।
61. एक्सप्लोरिंग ऐन इमिसिव चार्ज ट्रांसफर प्रोसेस इन जीरो ट्विस्ट डोनोर-एक्सेप्टर मोलिक्यूलर डिजाइन ऐज ए डुअल स्टेट एमिटर्। सुनील कुमार, पुनिता सिंह, पुष्पेन्द्रा कुमार, ऋतु श्रीवास्तवा, सुमन कल्याण पाल और सुब्रता घोष, जे. फीजिक्स. कैम. सी., 2016, 120, 12723–12733 ।
62. अधिसंधारित्र अनुप्रयोगों के लिए ऑक्सीजनित ग्राफीन फैलाव का फोटो-उत्प्रेरक न्यूनीकरण, महेश सोनी, पवन कुमार, रुद्र कुमार, एस.के. शर्मा, अजय सोनी, जर्नल ऑफ फीजिक्स डी: प्रयुक्त भौतिक विज्ञान 50,124003, (2017) ।
63. ए1 सूक्ष्म व्यूह एकीकृत ग्राफीन ऑक्साइड का उपयोग करते हुए एफ की चयनात्मक खोज। महेश सोनी, पवन कुमार, अजय सोनी और एस.के. शर्मा, संवेदक और उत्प्रेरक बी: रसायन (2017) ।
64. सॉफ्ट फोनोन मोड्ज झाईवन रीड्युस्ड थर्मल कंडक्टिविटी इन सेल्फ-कम्पेनसेटीड Sn_{1.03}Te विद Mn डोपिंग। सोमनाथ आचार्य, जुही पाण्डे और अजय सोनी। फीजि. लैट. 109, 133904 (2016) ।
65. जलीय फ्लोराइड ऋणायन का पता करने के लिए अति संवेदनशील ऑक्सीजनित ग्राफीन के साथ एल्युमिनीयम सूक्ष्म एकांतरित इलैक्ट्रोड सरणी आधारित आण्विक संवेदक का एकीकरण। महेश सोनी, तरुण अरोड़ा रोबिन खोसला, पवन कुमार, अजय सोनी और एस. के. शर्मा, आईईईईई सेंसर्ज जर्नल 16 (6) 1524 (2016) ।
66. पी. नारूला, के. सरकार और सरिता आज़ाद (2017); भारत में 1⁰X1⁰ ग्रिडयुक्त पैमाने पर बारिश बहाव का सूचकांक। वायु अभियांत्रिकी और औद्योगिक वायु गतिविज्ञान की पत्रिका 161:1–8 ।
67. सरिता आज़ाद और एम. राजीवन (2016); आगामी वैश्विक तापन के अंतर्गत ईएनएसओ-भारतीय मॉनसून वर्ष के सम्बन्ध में सम्भव विस्थापन, वैज्ञानिक रिपोर्ट। 6,20145; अन्वेषण की दिनांक: 10.1038/एसआरईपी 20145 ।
68. पी. नारूला, वी. पिराटला, ए. बन्सल, सरिता आज़ाद और पी. लियो (2016); संक्रमण, रोग और स्वास्थ्य 21 (4): 184–191 ।
69. पी. जीना, सरिता आज़ाद और एम. राजीवन (2016); भारतीय मानसून वर्ष के वार्षिक चक्र में CMIP 5 प्रक्षेपित परिवर्तन। जलवायु 4(1): 14 ।
- 70- DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃ के चुम्बकीय और बहु लौहिक गुण पर विरल भूमि (Er और Gd) प्रतिस्थापन का प्रभाव। मोहित के. शर्मा, तथामनि बासु, के. मुखर्जी और ई. वी. सम्पथकुमारन जे. फीजि. कन्डेंस मेटर 28, 426003 (2016) ।
71. एन्हांसमेंट ऑफ मैग्नेटिक ऑर्डरिंग टेम्परेचर एण्ड मैग्नेटो डाई इलैक्ट्रिक कप्लिंग बाई होल डोपिंग इन ए मल्टीफेरोइक

- $DyFe_{0.5}Cr_{0.5}O_3$ । मोहित के. शर्मा, तथामे बासु, के. मुखर्जी और ई.वी. सम्पथकुमारन जे. फीजि. कन्डेंस, मेटर 29, 085801 (2017)।
72. एन्हांसमेंट इलैक्ट्रोकेटालाइटिक परफॉरमेंस ऑफ परोवस्काइट स्पोर्टिड आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स ऑफ ऑक्सीजन रीडक्शन रीएक्सन। ए. माथुर, एचएस कुशवाहा, आर. वैश, ए, हल्दर-आरएससी एडवांसिज, 2016, 6, 94826–94832।
73. एफिसिएंट सोलर एनर्जी कन्वर्सन यूजिंग $CaCu_3Ti_4O_{12}$ फोटोएनोड फॉर फोटोकैटालिसिस एण्ड फोटोइलैक्ट्रोकेटालाइसिस, एच.एस. कुशवाहा, नियाज़ ए मधर, बी. ईलाही, पी. थोमस, अदिति हल्दर, राहुल वैश, वैज्ञानिक रिपोर्ट।
74. एस. दत्त, पी.एफ. सिरिल, आर. रेमिता “स्वोल्लन लिक्विड क्रिस्टल (एसएलसीएस): ए वर्सेटाइल टेम्प्लेट फॉर द सिंथसीज ऑफ नैनो स्ट्रक्चरड मटेरियल्स” आरएससी एडवांसिज 7 (10), 5733–5750, 2017।
75. पी. रानी, पी.एफ. सिरिल, आर. श्रीवास्तवा; Cu नैनोपार्टिकल्स डेकोरेटिड Cu ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क बेस्ड एफिसिएंट एण्ड रीयूजेबल हीटरोजीनियस कैटालिस्ट फॉर कप्लिंग रीएक्सनज”, मोलिक्यूलर कैटालाइसिस 433, 100–11, 2017।
76. राज कुमार, पी. एफ. सिरिल*, फारिदेह जाविद, “अनयूजवल एन्टी-लियुकेमिया एक्टिविटी ऑफ नैनोफॉरमुलेटिड नेपरोक्सन एण्ड अदर नॉन स्टीरोडायल एन्टी-इन्फ्लेमेट्री ड्रग्स” मटेरियल साइंस और इंजीनियरिंग सी, 69, 1335–1344, 2016।
77. मोहित चावला, राज कुमार और पी.एफ. सिरिल; “हाई कैटालाइटिक एक्टिविटीज ऑफ पैलाडियम नैनोवायरज सीथिसाइज्ड यूजिंग लिक्विड क्रिस्टल टेम्प्लेटिंग एप्रोच” जर्नल ऑफ मोलिक्यूलर कैटालाइसिस ए: कैमिकल, 423, 126–134, 2016। अन्वेषण की दिनांक 10.1016/j.molcata.2016.06.014
78. टी. वत्स, एस. दत्त, आर. कुमार और पी.एफ. सिरिल; “फेसाइल सिंथसीज ऑफ प्रिस्टीन ग्राफीन-पैलाडियम नैनोकम्पोजिट्स विद एक्स्ट्राओरडीनरी कैटालाइटिक एक्टिविटीज यूजिंग स्वोल्लन लिक्विड क्रिस्टल्स”। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 6:33053, 2016, अन्वेषण की दिनांक 10.1038/srep33053।
79. राज कुमार और पी.एफ. सिरिल, “प्रेपरेशन एण्ड करैक्टेराइजेशन ऑफ पोलिविनायल एल्कोहल स्टेबिलाइज्ड ग्रिसीयोफुलविन नैनोपार्टिकल्स”। मटेरियल्स टूडे प्रोसीडिंग्स 3 (6), 2261–2267, 2016।
80. कुमार डी., शर्मा एन. और गिरी आर.*। थिरेप्टिक इंटरवेन्शनस ऑफ कैंसरज यूजिंग इंट्रिनसिकली डिस्ऑर्डरड प्रोटीनस ऐज ड्रग टारगेट्स: **c-Myc** ऐज मॉडल सिस्टम। कैंसर इन्फोरम. 2017, मार्च 16।
81. खुस्टेलेवा वीवी*, खुस्टेलेवा टी.ए., शर्मा एन. और गिरी आर.*.; म्यूटेशनल प्रेशर इन ज़िका वायरस: लोकल एडीएआर-एडिटिंग एरियाज एसोसिएटिड विद पाउसिस इन ट्रांस्लेशन एण्ड रेप्लीकेशन। फ्रंट सैल इन्फैक्ट माइक्रोबायोल। 2017, फरवरी 22; 7:44 (*तद्विषयक लेखक)।
82. गिरी आर.*., कुमार डी., शर्मा एन., युर्वस्की वीएन; इन्ट्रिंसिकल्ली डिऑर्डर्ड साइड ऑफ द ज़िका वायरस प्रोटीओम। फ्रंट सैल इन्फैक्ट माइक्रोबायोल 2016 नवम्बर 4;6 144 (तद्विषयक लेखक)
83. कैमिलोनी सी. बोनीटि डी., मोरीनी ए. गिरी आर. डॉब्सन सी.एम., ब्रुनोरी एम., जियानी एस., वेन्डुस्कोलो एम.। टुवार्डस ए स्ट्रक्चरल बायोलॉजी ऑफ द हाइड्रोफोबिक इन्फैक्ट इन प्रोटीन फोल्डिंग। साई. रीप. 2016 जुलाई. 27; 6:28285।
84. जेसन जे. टरपोलिली, श्याम के. मासाकपल्ली, रामाकृष्णन करुणाकरण, इस्बल वेब्ब, रॉब ग्रीन निकोलस जे. वाटमोफ, कनकोलस जे. क्रुगर, आर. जॉर्ज रैटक्लीफी और फिलिप एस. पूली। लिपोजीनिसिस एण्ड रेडोक्स बैलेंस इन नाइट्रोजन फिक्सिंग पी बैक्टीरियॉयड्स, एएसएम जर्नल ऑफ बैक्टीरियोलॉजी, अगस्त 2016 जेबी. 00451–16।
85. रेणु चौधरी, तक्षी कोमेसु, पंकज कुमार, प्रियंका मनचन्दा, कज़ोकी टगुची, टैची ओकुडा, कोजी मियामोटो, पीटर ए. डोबेन, राल्फ स्कोमस्की और आरती कश्यप; यूरो फीजिक्स लैटर्ज, 1 अगस्त, 2016 को स्वीकृत।
86. आर. चौधरी, पी. खरेल, एस.आर. वोलोप्पीली, वाई जिन ए. ओकोनोल, वाई हु, एस. गिल्बर्ट, ए. कश्यप, डी.जे. सैलमायर

और आर. स्कोमस्की; "प्रचक्रण दूरी रहित अर्ध चालक CoFeCrA1 में संरचनात्मक अव्यवस्था और चुम्बकत्व"। एआईपी एडव., भाग 6, पृष्ठ 056304, (2016)

87. के. एल. रेड्डी, एन. प्रभाकर, आर. अर्पी, जे. एम. रोसनहोम और वेंकट और वी.के. कृष्णन; माइक्रोवेव एस्सिटिड वन स्टैप सिंथीसीज ऑफ एसीटेट केप्पड $\text{NaYF}_4:\text{Yb/Er}$ अपकन्वर्सन नैनोक्रीटलस एण्ड देयर एप्प्लीकेशन इन बायोइमेजिंग। जे. मेटर. साई. 2017, 52,10,5738–5750।
88. एस. कुमार, वी. शर्मा, के. भट्टाचार्य और वी. कृष्णन; एन डोपड ZnO-MoS_2 बाइनेरी हीटरोजंक्शनस: डुअल रोल ऑफ 2D MoS_2 इन द एन्हांसमेंट ऑफ फोटोस्टेबिलिटी एण्ड फोटोकैटालाइटिक एक्टिविटी अंडर विजीबल लाइट इरेडिएशन फौर इट्रासाइक्लिन डीग्रेडेशन। मेटर. कैम. फ्रंट 2017, अन्वेषण की दिनांक 10.1039 / c6qm00274a।
89. वी. शर्मा, एस. कुमार, ए. जैसवाल और वी. कृष्णन; गोल्ड डीपोजिटीड प्लांट लीव्स फॉर एसईआरएस: रोल ऑफ सर्फेस मोरफोलॉजी, वीट्टाबिलिटी एण्ड डीपोजिशन टेक्नीक इन डीटरमाइनिंग द एन्हांसमेंट फैक्टर एण्ड सेंसिटिविटी ऑफ डीटेक्शन कैमिस्ट्री सीलेक्ट 2017, 2, 165–174।
90. वी. शर्मा, एस. कुमार, ए. बहुगुणा, डी. गम्भीर, पी.एस. सागरा और वी. कृष्णन; प्लांट लीव्स ऐज नेचुरल ग्रीन स्कैफोल्डस फॉर पैल्लाडियम कैटालाइज्ड सुजुकि-मियोरा कप्लिंग रीएक्शनस बायोइन्सपायर बायोमिम, 2017, 12, 016010–1–9।
91. वी. शर्मा, जी. हरिथ, एस. कुमार, आर. शर्मा, के. एल. रेड्डी, ए. बहुगुणा और वी. कृष्णन; अमारफस टाइटेनिया मैट्रिक्स इम्प्रेगनेटीड विद Ag नैनोपार्टिकल्स ऐज हाइली एफिसिएंट विजिबल एण्ड सनलाइट एक्टिव फोटोकैटालिस्ट मटेरियल, मेटर. टेक्नोल 2017, अन्वेषण की दिनांक 10.1080 / 10667857.2016.1271861
92. एस. कुमार, आर. शर्मा, वी. शर्मा, जी. हरिथ, वी. सिवाकुमार और वी. कृष्णन; रोल ऑफ आरजीओ स्पार्ट एण्ड इरेडिएशन सोर्स ऑन द फोटोकैटालाइटिक एक्टिविटी ऑफ CdS-ZnO सेमीकन्डक्टर नैनोस्ट्रक्चरज, बेलस्टिन जे. नैनोटेक्नोल 2016, 7, 1684–1697।
93. के. एल. रेड्डी, ए.एम. कुमार, ए. धीर और वी. कृष्णन; सीलेक्टिव एण्ड सेंसिटिव फ्लोरेसेंट डीटेक्शन ऑफ पिकरिक एसिड बाई न्यु पाइरीन एण्ड एन्थासीन बेस्ड कॉपर कम्प्लैक्सज जे. फ्लोरेसक. 2016, 26, 6, 2041–2046।
94. बी. राजमोली, पी. सूद, एस. गिरी, वी. कृष्णन और वी. सिवाकुमार; ए डुअल-करैक्टोरिस्टिक बाइडेंटेट लिगैण्ड फॉर ए टरनेरी मोनोन्युक्लियर यूरोपियम (III), मोलिक्यूलर कम्प्लैक्स-सीथीसिस, फोटोफीजिकल, इलैक्ट्रोकेमिकल एण्ड थियोरेटिकल स्टडी, यू. जे. इनऑरग. कैम. 2016, 24, 3900–3911।
95. वी. शर्मा, एस. कुमार, के. एल. रेड्डी, ए. बहुगुणा और वी. कृष्णन; बायोइन्सपायरड फंक्शनल सरफेसिस फौर टेक्नोलॉजिकल एप्लीकेशनज, जे. मोल. इंग. मेटर 2016, 4, 1640006–1–25।
96. वी. शर्मा, एस. कुमार और वी. कृष्णन; क्लस्टर्ड Au ऑन TiO_2 स्नोमैन-लाइक नैनोएसेम्बलीज फौर फोटोकैटालाइटिक एप्लीकेशनस कैमिस्ट्री सीलेक्ट 2016, 1, 2963–2970।
97. वी. शर्मा, एम. शर्मा, एस. कुमार और वी. कृष्णन; इन्वेस्टिगेशन ऑन द फौग हारवेस्टिंग मकैनिज्म ऑफ बेरमुडा ग्रास (साइनोडोन डेक्टीलोन) फ्लोरा 2016, 224, 49–65।
98. वी. शर्मा, एस. कुमार और वी. कृष्णन; शेप सीलेक्टिव Au-TiO_2 नैनोकम्पोजिट्स फॉर फोटोकैटालाइटिक एप्लीकेशनस, मेटर. टूडे: प्रोसीडिंगज 2016, 3, 6, 1939–1948।
99. एस. कुमार, वी. शर्मा, के. भट्टाचार्य और वी. कृष्णन; सिनर्जीटिक इफैक्ट ऑफ $\text{MoS}_2\text{-RGO}$ डोपिंग टु एन्हांस द फोटोकैटालाइटिक परफॉरमेंस ऑफ ZnO नैनोपार्टिकल्स, न्यू जे. कैम. 2016, 40, 5185–5197।

सम्मेलनों में वार्ता / कार्यशाला / दौरे

1. मुस्लिम मलिक ने दिनांक 22–28 जनवरी, 2017 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर के गणित विभाग में "इन्ट्रोडक्शन टु फ्रैक्शनल कैलकुलस" पर वार्ता की।
2. मुस्लिम मलिक ने दिनांक 22–28 जनवरी, 2017 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर के गणित विभाग में

- “कन्ट्रोलैबिलिटी ऑफ फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन्स विद नॉन-इन्सटैंटियस इम्पलसिस” पर वार्ता की।
3. मुस्लिम मलिक ने पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ में दिनांक 05–09 दिसम्बर, 2016 के दौरान “फेडियो गालीरकिन एप्रोक्सीमेशनस टु फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन्स इन रीसेंट एडवांसिज ऑन थियोरीटिकल एण्ड कम्प्यूटेशनल पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन्स” पर वार्ता की।
 4. मुस्लिम मलिक ने भरथियार विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिलनाडू, भारत में दिनांक 15 से 16 मार्च, 2017 के दौरान “विभेदक समीकरण और अनुप्रयोगों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन” में एप्रोक्सिमेशन सोल्यूशन टु फ्रैक्शनल इक्वेशन्स” पर वार्ता की। उन्होंने सम्मेलन में एक सत्र की भी अध्यक्षता की।
 5. मुस्लिम मलिक ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के गणित विभाग में दिनांक 14–15 अक्टूबर, 2016 के दौरान एलजेबरा, विश्लेषण, कोडिंग और क्रिप्टोग्राफी पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में “एप्पलीकेशन ऑफ फंक्शनल एनालायसिस टु एक्सट्रेक्ट डिफरेंशियल इक्वेशन्स” पर वार्ता की। उन्होंने सम्मेलन में एक सत्र की भी अध्यक्षता की।
 6. मुस्लिम मलिक ने समन्वयात्मक अनुसंधान कार्य के लिए प्राध्यापक ए.के. नन्दकुमारन के साथ दिनांक 22 से 28 जनवरी, 2017 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर का दौरा किया।
 7. सैयद अब्बास ने माह दिसम्बर 05–09, 2016 के दौरान ‘टीसीपीडीई–2016’ में “पीसवाइज कंतिनुअस स्टेपानोव आल्मोस्ट ऑटोमोर्फिक फंक्शनस एण्ड एप्प्लीकेशन टु इम्पलसिव सिस्टम” पर वार्ता की।
 8. सैयद अब्बास ने आईएनडीएम बैठक ओसीईआरटीओ 2016, कोरटोना, ईटली में दिनांक 20 जून से 24 जून, 2016 के दौरान विकासवादी पीडीईज के लिए अनुकूल नियंत्रण और सम्बन्धित विषय में “एप्रोक्सीमेट कंट्रोलैबिलिटी ऑफ एक्सट्रेक्ट इम्पलसिव डिफरेंशियल इक्वेशन” पर वार्ता की।
 9. सैयद अब्बास ने माह जुलाई 18 से 22, 2016 के दौरान बर्लिन, जर्मनी में “गणित के 7वें यूरोपीयन सम्मेलन” में “कोशिकीय तंत्रिक नेटवर्क के अस्वायत्त मॉडल के लगभग आवधिक समाधान पर आमंत्रित वार्ता की।
 10. अमित प्रसाद ने दिनांक 29 से 30 सितम्बर, 2016 के दौरान पीजीआईएमईआर चण्डीगढ़ में चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञानी भारतीय संघ के ‘एमआईसीआरओसीओएन– 2016’ में भाग लिया।
 11. अमित प्रसाद ने दिनांक 6 से 8 मार्च, 2017 के दौरान गोआ में आयोजित युवा अनुसंधान मिलन –2017 में भाग लिया।
 12. प्रसन्नजीत मण्डल ने 10 जनवरी, 2017 (डॉ. रेड्डी के जीवन विज्ञान संस्थान, हैदराबाद परिसर विश्वविद्यालय) को गाचिबावली, हैदराबाद 500046–भारत में भाग लिया। शीर्षक: ग्लुकेगोन रेगुलेट्स हीपेटिक किस्सपेप्टिन टु इन्सुलिन सेक्रीशन।
 13. सुमन के. पाल ने माह दिसम्बर 13 से 15, 2016 के दौरान आईयूएमआरएस–आईसीवाईआरएम 2016, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में “नैनोस्केल पोलिमर ग्राफिटड– MoS_2 फॉर आप्टोइलैक्ट्रॉनिक एप्पलिकेशनस” पर वार्ता की।
 14. सुमन के. पाल ने माह फरवरी 15 से 17, 2017 के दौरान एनसीआरएमएसएस 2017 में पोलिमर – MoS_2 नैनोहीटीरोजंक्शनस फॉर सोल्यूशन प्रोसैसेबल इलैक्ट्रॉनिक्स पर वार्ता की।
 15. सुमन के. पाल, ईएमसीए 2017 में “नैनोस्केल ट्रांजीशन मेटल डिचाल्कोजीनाइड्स: इलैक्ट्रॉनिक एप्पलीकेशनस का भविष्य”, एनआईटी दुर्गापुर, दुर्गापुर, मार्च 15–17, 2017।
 16. सी.एस. यादव, माह मार्च 2017 में केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर, भारत में “ $\text{YBa}_{1-x}\text{Sr}_x\text{CuFeO}_5$ के बहुलौहिक गुण”।
 17. सी.एस. यादव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर, भारत में “अन्कन्वेंशनल सुपरकन्डक्टिविटी अंडर हाई प्रेशर इन एलिमेंटल आयरन” पर वार्ता की।
 18. सी.एस. यादव, ‘ $\text{YBa}_{1-x}\text{Sr}_x\text{CuFeO}_5$ ($x=0-0.5$) के बहुलौहिक गुण’, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, रूड़की भारत, फरवरी 2017।
 19. नीतु कुमारी ने दिनांक 1 से 18 जुलाई, 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी में “डिफरेंशियल इक्वेशन्स विद एप्पलीकेशनस इन

- इंजीनियरिंग” पर आयोजित कार्यशाला में “मॉडलिंग लॉग टाइम बीहेवियर एण्ड पैटर्न फॉरमेशन इन हॉस्ट-पैरासिटॉयड-हाईपरपैरासिटॉयड सिस्टम” पर वार्ता की।
20. नीतु कुमारी ने आईएसएम धनबाद में दिनांक 25 से 30 जून, 2016 के दौरान “डायनेमिकल सिस्टम: थीयूरी एण्ड इट्स एप्लिकेशन्स” पर आयोजित कार्यशाला में “पारिस्थितिकी में मॉडलिंग पैटर्न निर्माण” पर वार्ता की।
 21. सन्दीप शर्मा और नीतु कुमारी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धनबाद में दिनांक 19 से 21 दिसम्बर 2016 के दौरान एप्लीकेशन्स ऑफ फ्ल्यूड डायनेमिक्स पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ‘पोस्सीबिलिटी एण्ड काउजिज ऑफ बैकवार्ड बाइफरकेशन इन ए कोलेरा मॉडल’ पर वार्ता की। स्वीकृत।
 22. नीतु कुमारी ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 30 अप्रैल, 2016 को आयोजित “डायनेमिकल सिस्टम, स्टैटिस्टिक्स, नेटवर्किंग एण्ड कंट्रोल” नामक कार्यशाला पर ‘मॉडलिंग लैंग्वेज डायनेमिक्स इन इंडिया: ए न्यू ट्विस्ट’ पर वार्ता की।
 23. एक्सप्लॉयटिंग एपेची फिलंक्स इटीरेशन कैपेबिलिटीज फॉर डिस्ट्रीब्यूटीड एप्रिओरि: कम्युनिटी डीटेक्शन प्रोब्लम ऐज एन एगजैपल। संजय राठी, आरती कश्यप; “संगणन, संचार और सूचना विज्ञान (आईसीएसीसीआई) 2016 में प्रगति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन”।
 24. प्रदीप कुमार ने भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में दिनांक 13 से 15 जून, 2016 के दौरान “संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान सम्मेलन” में भाग लिया।
 25. प्रदीप कुमार ने दिनांक 29 से 30 जून, 2016 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में “नैनो साईंस और टेक्नोलॉजी (एनएसएनएसटी-2016)” पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
 26. प्रदीप कुमार ने लखनऊ में दिनांक 5 से 8 नवम्बर, 2016 के दौरान ‘आईसीओपीवीएस-2016’ में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
 27. प्रदीप कुमार ने भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में दिनांक 11 से 15 दिसम्बर, 2016 के दौरान आयोजित होने वाले ‘उन्नत सामग्री पर अन्तर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन आईयूएमआरएस- आईसीवाईआरएएम-2016’ में ‘स्पेक्ट्रोस्कोपी सत्र’ के लिए व्याख्यान दिया और सह अध्यक्ष बने।
 28. राजेन्द्र के. रे ने टीआईएफआर बंगलौर में दिनांक 22 नवम्बर, 2016 को आयोजित सम्मेलन में “डीवेलपमेंट ऑफ ए क्लास ऑफ हायर ऑर्डर कम्पैक्ट (एचओसी) फिनाइट डिफरेंस स्कीमज फॉर कम्प्लैक्स फ्ल्यूड फ्लो प्रॉब्लम्स” पर व्याख्यान दिया।
 29. राजेन्द्र के. रे ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 19 से 29 सितम्बर, 2016 के दौरान रोडेस, ग्रीस में आयोजित सांख्यिकीय विश्लेषण और प्रयुक्त गणित पर 14वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएएएम-2016) में भाग लिया और “न्यू फिनाइट डिफरेंस एप्रोच इन्वोल्विंग इंटरफेसियल प्वाइंट्स फॉर सोल्विंग मूविंग इंटरफेस प्रॉब्लम्स” नामक पत्र प्रस्तुत किया।
 30. राजेन्द्र के. रे ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में माह जुलाई 2016 के दौरान “महाविद्यालय के अध्यापकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी)” में अनेक व्याख्यान दिये।
 31. अफसल थुप्पिलिक्कादन, आशीष कुमार और हरि आर. वर्मा और पी.सी. देशमुख; वाइनर टाइम डीले स्टडीज ऑफ Ar टैपड इन ए जिपेंट फुल्लरीनेस”। 24 एनसीएएमपी, भौतिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद, 03-06 जनवरी, 2017।
 32. हरि आर. वर्मा ने दिनांक 5 मार्च से 19, 2017 के दौरान टीआईएफआर स्कूल, विज्ञान शिक्षा हेतु होमीभाबा केन्द्र, टीआईएफआर मुम्बई में आयोजित “आण्विक संघटन में प्रगति” पर चार आमंत्रित व्याख्यान दिये।
 33. अजय सोनी ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, किशनगढ़, राजस्थान में मार्च 16-17, 2017 के दौरान तकनीकी रूप से उन्नत कार्यात्मक पदार्थों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएसटीएएफएम-2017) में “चाल्कोजीनाइड पदार्थों में संरचनात्मक जटिलताएँ: कारण और ऊष्मा विद्युत गुण पर प्रभाव” नामक व्याख्यान दिया।
 34. अजय सोनी ने आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी. में फरवरी 19 से 23, 2017 के दौरान “एडवांसिज इन बायोलॉजिकल सिस्टम एण्ड मेटैरियल साईंस इन नैनो वर्ल्ड (एबीएसएमएसएमडब्ल्यू-2017) नामक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “कन्फाइनमेंट इफैक्ट्स एण्ड फोटोन मोड्स इन लेयरड चाल्कोजीनाइड्स ऐट एक्स्ट्रम नैनोस्केल” पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

35. जुहि पाण्डे और अजय सोनी ने माह फरवरी 19–23, 2017 के दौरान यूपी में “सूक्ष्म जगत् में जैव वैज्ञानिक प्रणालियाँ और पदार्थ विज्ञान की प्रगति (एबीएसएमएसएनडब्ल्यू–2017)” पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “रैपीड करैक्टोराइजेशन ऑफ ट्रांजीशन मेटल डि-चाल्कोजीनाइड्स मोनोलेयरज बाई लाईट मैटर इंटरैक्शन्स” पर व्याख्यान दिया।
36. अजय सोनी ने एमएनआईटी जयपुर में दिसम्बर 12 से 16, 2016 के दौरान “सॉफ्ट मेटिरियल्स (आईसीएसएम–2016)” पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “सॉफ्ट फोनोन मोड्स एण्ड स्ट्रक्चरल डीफेक्ट्स इन थर्मोइलैक्ट्रिक मेटिरियल्स फॉर हीट एनर्जी कन्वर्सन” पर व्याख्यान दिया।
37. अजय सोनी ने माह दिसम्बर 11 से 15, 2016 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में “उन्नत सामग्री पर अन्तर्राष्ट्रीय युवा अनुसंधानदाता सम्मेलन (आईयूएमआरएस–आईसीवाईआरएएम–2016)” में “ऊष्मा विद्युत सामग्री में संरचनात्मक जटिलता और फोटोन” पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
38. अजय सोनी ने दिनांक 21 से 24, 2016 के दौरान “एनर्जी मेटिरियल्स नैनोटेक्नोलॉजी (ईएमएन 2016), प्रेग, ज़ेक रीपब्लिक में “इंटरफेसिस एण्ड डीफेक्ट्स इन बल्क थर्मोइलैक्ट्रिक नैनोकम्पोजिट्स ऑफ लेयरड चाल्कोजीनाइड्स पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
39. सोमनाथ आचार्य और अजय सोनी ने यूरोपियन मेटिरियल्स रीसर्च सोसाइटी, स्प्रिंग बैठक, लिल्ली, फ्रांस में दिनांक 2 से 6, 2016 के दौरान “थर्मो इलैक्ट्रिक पावर एन्हांसमेंट इन बल्क-कम्पोजिट ऑफ डोपड लेयरड चाल्कोजीनाइड्स” पर वार्ता की।
40. सुरेन्द्र लाल, संजय उपाध्याय, सी.एस. यादव और के. मुखर्जी ने माह नवम्बर, 2016 के दौरान नई दिल्ली, भारत में “तकनीकी रूप से उन्नत सामग्री” पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और “लौह विद्युत” पर एशियन बैठक में “ऑब्जरवेशन ऑफ रीलैक्सर-लाइक फेरोइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज इन Sr डोपड YBaCuFeO₅ मल्टीफेरोइक मेटिरियल्स” पर वार्ता की।
41. मोहित के. शर्मा, तथाम्य बासु, के. मुखर्जी और ई.वी. सम्पथकुमारन ने माह नवम्बर, 2016 के दौरान नई दिल्ली, भारत में “तकनीकी रूप से उन्नत सामग्री” पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और “लौह विद्युत” पर एशियन बैठक में “ट्यूनिंग ऑफ मैग्नेटोइलैक्ट्रिक कप्लिंग स्ट्रेंथ बाई Er सबस्टिट्यूशन इन DyF_{e0.5}Cr_{0.5O3}” पर वार्ता की।
42. सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी और सी.एस. यादव ने दिसम्बर, 2016 के दौरान भुवनेश्वर, भारत में डीएई सोलिड स्टेट फीजिक्स सिम्पोजियम में बहुलौहिक YBaCuFeO₅ के ऊष्मागतिकी गुणों की खोज पर वार्ता की।
43. मोहित के. शर्मा, तथाम्य बासु, के. मुखर्जी और ई.वी. सम्पथकुमारन ने दिसम्बर, 2016 के दौरान भुवनेश्वर, भारत में डीएई सोलिड स्टेट फीजिक्स सिम्पोजियम में “ऑब्जरवेशन ऑफ लार्ज मैग्नेटोइलैक्ट्रिक कप्लिंग इन मल्टीफेरोइक YBaCuFeO₅” पर वार्ता (मौखिक प्रस्तुतिकरण) की।
44. सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी और सी.एस. यादव ने भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, भारत में “अंतिम दशक में संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान” पर राष्ट्रीय कार्यशाला में “स्कोट्टकी एनोमेली इन ReBaCuFeO₅ (Re=Gd] Ho और Yb)” पर व्याख्यान दिया।
45. के. मुखर्जी ने “रीसेंट एडवांसिज इन स्ट्रॉंगली कोरीलेटिड इलैक्ट्रॉनिक मेटिरियल्स” पर दिनांक 8 से 10 फरवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में “इफैक्ट ऑफ रेअर-अर्थ (ईआर और जीडी) सबस्टिट्यूशन इन ए मिक्सड ऑक्साइड बेस्ड मल्टीफेरोइक FyFe_{0.5}Cr_{0.5}O₃” पर व्याख्यान दिया।
46. रीना डी. सूज़ा, त्रिप्ति वत्स और प्रेम फेलिक्स सिरिल; “हाईली एफिसिएंट आयरन ऑक्साइड-सल्फोनेटिड ग्राफीन ऑक्साइड कैटालिस्ट फॉर ईस्टरीफिकेशन ओलिक एसिड एण्ड ट्रांस-ईस्टरीफिकेशन ऑफ वेस्ट कूकिंग ऑयल”, जाहरीस्ट्रीफीन डीयुट्शर कैटालाइटिकर 2017, मार्च 15–17, वेमर, जर्मनी।
47. रीना डी. सूज़ा, त्रिप्ति वत्स और प्रेम फेलिक्स सिरिल; ग्राफीन बेस्ड सोलिड एसिड कैटालिस्ट फॉर द प्रोडक्शनल ऑफ बायोडिजल फरॉम वेस्ट कूकिंग ऑयल” रसायन उद्योग के लिए नवीकरणीय भोज्य भण्डार के रूप में वसा और तेल पर नवम कार्यशाला, मार्च 19 से 21, 2017, कार्ल्स्रुही, जर्मनी।
48. मोहित चावला, जसप्रीत कौर रन्धावा और प्रेम फेलिक्स सिरिल; “ट्यूनिंग द नॉन-एन्जाइमेटिक ग्लूकोज सेंसिटीविटी बाई कंट्रोलिंग द मोरफोलॉजी ऑफ कौपर ऑक्साइड बेस्ड नैनोस्ट्रक्चरज”। एप्पलाईड नैनोटेक्नोलॉजी और नैनो साईंस पर

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन—एएनएनआईसी 2016, नवम्बर 9–11, बारसीलोना, स्पेन।

49. राज कुमार और प्रेम फेलिक्स सिरिल*; “कंट्रोल्ड ड्रग डीलिवरी सिस्टम फॉर पूअर वाटर सोल्यूबल ड्रग्स”। जीव विज्ञान और औषधि में अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी पर 7वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बायो नैनो मैड 2016, अप्रैल 6–8, डेन्यूब विश्वविद्यालय, क्रैम्स, ऑस्ट्रिया।
50. रजनीश गिरी ने अल्गाप्पा विश्वविद्यालय, कारेकुडि, तमिलनाडु में दिनांक 15 से 17 फरवरी, 2017 के दौरान “रीसेंट ट्रेंड्स इन स्ट्रक्चरल बायोइन्फॉरमैटिक्स एण्ड कम्प्यूटर एडिड ड्रग डिजाइन (एसबीसीएडीडी’ 2017)” पर आयोजित नवम राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
51. रजनीश गिरी ने नवोचार और प्रयुक्त जैव प्रक्रम केन्द्र (सीआईएबी), मोहाली, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), मोहाली और सूक्ष्म जीवी प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटीईसीएच), चण्डीगढ़, मोहाली द्वारा दिसम्बर 15 से 17, 2016 के दौरान “बायोप्रोसेसिंग इंडिया 2016” नामक विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित वार्ता में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
52. वीआईटी विश्वविद्यालय, वेल्लोर ने बायोटेक रीसर्च सोसाइटी इंडिया (बीआरएसआई), वीआईटी विश्वविद्यालय वेल्लोर के सहयोग से दिसम्बर 8 से 10, 2016 के दौरान “बायोटेक्नोलॉजी में आधुनिक प्रवृत्ति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीबी 2016)” में रजनीश गिरी ने आमंत्रित व्याख्यान दिया।
53. रजनीश गिरी ने नवम्बर 8 से 11, 2016 के दौरान जीव विज्ञान राष्ट्रीय केन्द्र / टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, बंगलौर में आयोजित “प्रोटीन फोल्डिंग और डायनेमिक्स पर तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन” में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
54. के. उदगोंकर के साथ रजनीश गिरी समन्वयात्मक अनुसंधान कार्य पर चर्चा करने के लिए नवम्बर 8 से 11, 2016 के दौरान एनसीबीएस बंगलौर गये।
55. प्रा. संजीव के. सिंह के साथ रजनीश गिरी दिनांक 11 से 14, 2016 के दौरान समन्वयात्मक कार्य के लिए अल्गाप्पा विश्वविद्यालय तमिलनाडु गये।
56. मनुश्री, राजन के. नन्दा, श्याम के. मासाकपल्ली; “इन सिलिको इवैल्यूशन ऑफ डिफरेंट (13 सी) ग्लूकोज ट्रेसर्ज टु राशनेलाइज 13 सी फ्ल्यूक्सोमिक्स स्टडीज ऑन जेन्थोमोनस कैम्पीस्ट्रीस: एन इंडस्ट्रियल जेन्थन प्रोड्युसर, एनएससीएसबी—2016, सीयूएचपी, धर्मशाला।
57. चन्द्रकांत जोशी, श्याम के. मासाकपल्ली; “कम्पैरिजन ऑफ मल्टीपल मैटाबोलिक नेटवर्कस ऑफ सीलेक्टिड रालस्टोनिया सप. बाई आष्टिमाईज्ड कम्पुटेसनल पाईपलाइन इन केईजीजी”, एनएससीएसबी—2016, सीयूएचपी, धर्मशाला।
58. मनिश लिंगवान, सुभाश्री एम., श्याम के. मासाकपल्ली; इवैल्यूशन ऑफ मेटाबोलिक वेरिएशन ऑफ टरपीनॉयड इन्डोल एल्कालॉयड्स बीटवीन डिफरेंट टिस्सूज ऑफ कैथारेन्थस रोसीयस वेराइटीज, एनएससीएसबी—2016, सीयूएचपी, धर्मशाला।
59. श्याम के. मासाकपल्ली ने जैव ऊर्जा पर भा.प्रौ.सं. फिनीश की संयुक्त कार्यशाला (23 से 24 मई 2016, भा.प्रौ.सं. दिल्ली) में “भा.प्रौ.सं. मण्डी में जैव ईंधन का अनुसंधान और विकास” नामक विषय पर प्रस्तुति दी।
60. श्याम के. मासाकपल्ली; “विजन ऑफ प्लांट साईंसिज, भा.प्रौ.सं. मण्डी—आर और डी टु आऊटरीच एक्टिविटीज इन मैप” — ओएमएपी—2016 (30 जुलाई 2016, भा.प्रौ.सं. मण्डी)।
61. श्याम के. मासाकपल्ली; “13 सी मेटाबोलिक फ्लक्स एनालायसिस एण्ड मेटाबोलिक प्रोफाइलिंग ऑफ एग्रीकल्चरली रेलीवेंट माइक्रोबस—अप्पोरचुनिटिस एण्ड चैलेंजिस, एनएसबीसीएसबी, सीयूएचपी, धर्मशाला, 12 से 14 नवम्बर 2016।
62. श्याम के. मासाकपल्ली; “बायोइंजिनियरिंग प्लांट्स फॉर स्लोप स्टेबिलिटी: सीलेक्शन स्ट्रेटीजीस एण्ड अवर एक्सपीरियेंशीज इन द मिड हिमालयास”, भू स्खलन पर कार्यशाला, 7 से 9 फरवरी 2017, भा.प्रौ.सं. मण्डी।
63. सुरेन्द्र लाल, के. मुखर्जी, सी.एस. यादव; बहुलौहिक $YBaCuFeO_5$ के ऊष्मागतिकी गुण का अनुसंधान, डीई सोलिड स्टेट फीजिक्स सिम्पोजियम—2016, भुबनेश्वर, भारत।

64. एस.आर. मोहापत्रा, सी.एस. यादव, एस.डी. कौशिक और ए.के. सिंह; "एन्हांसड मैग्नेटोडाइलैक्ट्रिसीटी इन Gd^{3+} सबस्ट्रिच्यूट $Bi_2Fe_4O_9$ सीरामिक्स" डीएई सोलिड स्टेट फीजिक्स सिम्पोजियम-2016, भुबनेश्वर, भारत।
65. एम.के. हुडा और सी.एस. यादव; "सीबैक कोएफिसिएंट एण्ड थर्मल कंडक्टिविटी ऑफ $PdTe_2$ और $Cu_{0.04}PdTe_2$ " प्रबल सहसम्बन्धित इलैक्ट्रॉनिक पदार्थों में आधुनिक प्रगति पर राष्ट्रीय कार्यशाला, फरवरी 2017, भा.प्रौ.सं. रुड़की, रुड़की, भारत।
66. डी. डे, टी. मैत्रा, सी.एस. यादव और ए. तरफदेर; प्रबल सहसम्बन्धित इलैक्ट्रॉनिक पदार्थों में आधुनिक प्रगति पर राष्ट्रीय कार्यशाला, "द इवोल्यूशन ऑफ इन कमैन्सुरेट/कमैन्सुरेट मैग्नेटिक स्टेट इन $YBa_{1-x}Sr_xCuFeO_5$ फरॉम द फस्ट प्रिंसीपल डेन्सिटी फंक्शनल स्टडी"। फरवरी 2017, भा.प्रौ.सं. रुड़की, रुड़की, भारत।
67. सुरेन्द्र लाल, कौस्तव मुखर्जी, सी. एस. यादव; "स्कोड्रकी एनोमेली इन $ReBaCuFeO_5$ (Gd , Ho और Yb)" अन्तिम दशक में संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला (डब्ल्यूसीएमपी-2017), भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, भारत।
68. सुरेन्द्र लाल, एस. उपाध्याय, के. मुखर्जी और सी. एस. यादव; ऑब्जरवेशन ऑफ रीलेक्सर-लाईक फेरोइलैक्ट्रिक प्रॉपर्टीज इन Sr डोपड $YBaCuFeO_5$ "तकनीकी रूप से उन्नत पदार्थों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और लौह चुम्बकत्व पर एशियन बैठक-2016, नई दिल्ली, भारत।
69. ए. चक्रवर्ती, शीर्षक: मल्टीस्केल प्रॉब्लम इन क्वांटम एण्ड स्टैटिस्टिकल मकैनिक्स: एनालायटिकली सोल्यूबल मॉडल, अप्रैल 14, 2016, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान मोहाली, पंजाब, भारत।
70. ए. चक्रवर्ती, शीर्षक: मल्टीस्केल प्रॉब्लम इन क्वांटम एण्ड स्टैटिस्टिकल मकैनिक्स: एनालायटिकली सोल्यूबल मॉडल, रसायन विज्ञान में आधुनिक प्रगति पर सम्मेलन, जुलाई 8 से 9, 2016, अकार्बनिक और भौतिकीय रसायन शास्त्र, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर, कर्नाटक, भारत।
71. ए. चक्रवर्ती, शीर्षक: मल्टीस्केल प्रॉब्लम इन क्वांटम एण्ड स्टैटिस्टिकल मकैनिक्स: एनालायटिकली सोल्यूबल मॉडल, सैद्धांतिक रसायन विज्ञान सम्मेलन, दिसम्बर 14 से 17, 2016, रसायन विज्ञान स्कूल, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, भारत।
72. ए. चक्रवर्ती, शीर्षक: मल्टीस्केल प्रॉब्लम इन क्वांटम एण्ड स्टैटिस्टिकल मकैनिक्स: एनालायटिकली सोल्यूबल मॉडल, जुलाई 20, 2016, आधार विज्ञान स्कूल सेमिनार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी, कमान्द, हिमाचल प्रदेश, भारत।
73. ए. चक्रवर्ती, शीर्षक: (द अमेजिंग वर्ल्ड ऑफ क्वांटम मकैनिक्स) ईशान विकास और एसटीईपी प्रोग्राम, 21 जून, 2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी, कमान्द, हिमाचल प्रदेश, भारत।
74. ए. चक्रवर्ती, द अमेजिंग एण्ड स्ट्रेन्ज वर्ल्ड ऑफ क्वांटम मकैनिक्स-भा.प्रौ.सं. मण्डी में अध्यापक दिवस समारोह का भाग, 5 सितम्बर, 2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी, कमान्द, हिमाचल प्रदेश, भारत।

लोक सम्पर्क कार्यक्रम

1. वेंकटा कृष्णन ने दिनांक 19 से 23 फरवरी, 2017 के दौरान भा.प्रौ.सं. बीएचयू में नैनोवर्ल्ड में जैविक प्रणाली और सामग्री विज्ञान की प्रगति पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. वेंकटा कृष्णन ने दिनांक 16 से 17 जनवरी, 2017 के दौरान केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर, उड़ीसा, भारत में डीएसटी-इन्सपायर फैकल्टी मोनितरिंग कम इंटरैक्शन मीट (रसायन और पदार्थ विज्ञान) में भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
3. वेंकटा कृष्णन ने भा.प्रौ.सं. रोपड़, भारत में दिनांक 12 से 16, 2016 के दौरान जैव और नैनोटेक्नोलॉजी तथा बायोमेटिक्स पर शैक्षिक नेटवर्क पाठ्यक्रम के लिए वैश्विक सूत्रपात कार्यक्रम में भाग लिया।
4. वेंकटा कृष्णन ने उत्तरी विश्वविद्यालय बंगाल, भारत में दिनांक 13 से 16, 2016 के दौरान रसायन विज्ञान पर आयोजित 19वें सीआरएसआई राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
5. वेंकटा कृष्णन ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली में दिनांक 23 से 24 मई, 2016 के दौरान जैव ऊर्जा पर आयोजित भा.प्रौ.सं.-फिन्नीश

विश्वविद्यालय की संयुक्त कार्यशाला में भाग लिया और व्याख्यान दिया।

6. वेंकटा कृष्णन ने पालमपुर, भारत में दिनांक 6 अप्रैल, 2016 को स्कूली छात्रों के लिए आयोजित डीएसटी इन्सपायर इंटरनशिप कैम्प में परामर्शदाता के रूप में भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ विचार-विमर्श किया और एक व्याख्यान दिया।
7. अदिति हल्दर ने भा.प्रौ.सं. बीएचयू, भारत में जुलाई, 2017 के दौरान इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।



9. श्याम के. मासाकपल्ली ने वर्ष 2016 में जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की जानकारी देने के लिए 'ईशान विकास कार्यक्रम' में उत्तरी पश्चिमी हि.प्र. और जम्मू कश्मीर के एसटीईपी छात्रों को भा.प्रौ.सं. मण्डी आने का प्रस्ताव दिया।

उपलब्धियाँ / सम्मान / पुरस्कार

1. अमित जैसवाल को भौतिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू में "सूक्ष्म जगत् में जैविक प्रणालियाँ और सामग्री विज्ञान की प्रगति" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ युवा अनुसंधानकर्ता के नाम से सम्मानित किया गया।
2. अमित जैसवाल को आप्ठिक ऊर्जा विभाग-नाभिकीय विज्ञान में अनुसंधान मण्डल, भारत सरकार द्वारा डीई युवा वैज्ञानिक अनुसंधान सम्मान, 2017 से सम्मानित किया गया।
3. अमित जैसवाल को जॉर्नल; भौतिक विज्ञान के प्रगति प्रतिवेदन, विश्व वैज्ञानिक प्रकाशकों के वर्तमान मुख्य सम्पादन मण्डल के सदस्य के रूप में चुना गया है।
4. हरि वर्मा की डीएसटी द्वारा स्वीकृत "ईफैक्ट ऑफ कोरीलेशन, रीलेटिविस्टिक इंटरैक्शन्स एण्ड कन्फाइन्मेंट ऑन द फोटोआयनाइजेशन डायनेमिक्स ऑफ अटोमिक सिस्टम्ज" नामक परियोजना को सम्मानित किया है।
5. सुश्री जुही पाण्डे ने "रैपिड करैक्टराइजेशन ऑफ ट्रांजीशन मेटल डी-चाल्कोजीनाइड्स मोनोलेयरज बाई लाईट-मैटर इंटरैक्शन्स" पर अपने कार्य की सर्वोत्कृष्ट तकनीकी प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता। जुही पाण्डे और अजय सोनी ने दिनांक 19 से 23 फरवरी, 2017 के दौरान भा.प्रौ.सं. बीएचयू वाराणसी, यू.पी. में आयोजित "एडवांसिज इन बायोलॉजिकल सिस्टम्ज एण्ड मेटेरियल साईंस इन नैनो वर्ल्ड (एबीएसएमएसएनडब्ल्यू-2017) में भाग लिया।

अन्य गतिविधियाँ

1. मुस्लिम मलिक, गणित और अनुप्रयोग संस्थान भुवनेश्वर, उड़ीसा के श्री ज़ाहिद ने दिनांक 2 मई 2016 से 1 अगस्त, 2016 के दौरान 3 माह का प्रशिक्षण देंगे, जो गणितीय और संगणनात्मक जैव विज्ञान के लिए राष्ट्रीय नेटवर्क द्वारा वित्त पोषित है।
2. सैयद अब्बास, आमंत्रित वक्ता और वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य/डिफरेंशियल इक्वेशन्स और डायनेमिकल सिस्टम्ज-2017 पर राष्ट्रीय सम्मेलन के समन्वयक थे। दिनांक 27 से 28 फरवरी 2017, शिवाजी

विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

3. सैयद अब्बास, डिफरेंशियल इक्वेशन्स और एप्लिकेशन्स पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सलाहकार समिति के सदस्य, मार्च 15 से 16, 2017, भुवनेश्वर विश्वविद्यालय, भारत।
4. सैयद अब्बास ने टीसीपीडीई-2016, चण्डीगढ़, भारत में दिसम्बर 05 से 09, 2016 के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की।
5. सैयद अब्बास, सम्पादन सेवा: सहयोगी सम्पादक: बुलेटिन ऑफ द साउथ उरल स्टेट यूनिवर्सिटी: सीरीज, मैथेमैटिकल मॉडलिंग, प्रोग्रामिंग और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर।
6. सैयद अब्बास, डीएसटी द्वारा वित्तपोषित एनएनएमसीबी (भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर) से इंटर्न।
7. श्री सुरवील चौधरी ने गणित और संगणनात्मक जैव विज्ञान हेतु राष्ट्रीय नेटवर्क (एनएनएमसीबी) के तहत कलकत्ता विश्वविद्यालय से दो माह का अनिवार्य प्रशिक्षण लिया।

नयी अनुसंधान सुविधा सृजित/स्थापित

1. बिन्दु राधामनि, फोटोएमिशन (पीईएस) प्रयोगशाला की स्थापना

पेटेंट दर्ज

1. जी. डे, पी. मण्डल, एस. घोष। कम्पाउंडस फॉर विसुलाइजेशन एण्ड क्वांटिफिकेशन ऑफ एल्बुमिन, मेथड ऑफ प्रीपैरेशन एण्ड यूज देयरऑफ. App#TEMPLE/E-1/3694/2017-DEL.
2. सुब्रता घोष, पंकज गौर, सुनील कुमार, सागरिका देव, प्रेम फेलिक्स सिरिल प्रमोद सोनी द्वारा 2016 में दर्ज—मोलिक्यूलर डिजाइन एण्ड डिवेलपमेंट ऑफ एडवांसड हाई परफॉरमेंस एण्ड रीलिएबल ग्रीन एक्सप्लोसिब्स। (आवेदन क्रमांक 201611002646)
3. केन्थ ई. गोन्सेल्वज, सतिन्द्र के. शर्मा, सुब्रता घोष, चुल्लिकाटिल पी. प्रदीप, पुलिकांति गुरु प्रसाद रेड्डी, सत्येन्द्र पी. पाल ने दर्ज किया—रीसिस्ट टेक्नॉलॉजी बेस्ड ऑन पोलिऐरीलीन सल्फाइड: (पीएस) ऐज ए यूनिक पोलिमर मेटेरियल फॉर सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन टेक्नोलॉजी। (आवेदन क्रमांक 201611018061)।
4. महेश सोनी, पवन कुमार, एस. के. शर्मा और अजय सोनी द्वारा दर्ज—वन स्टैप, लो टेम्परेचर, कोस्ट इफैक्टिव, फोटो-कैमिकल रीडक्शन ऑफ ग्राफीन ऑक्साइड डिस्पर्सन्स फॉर द कमर्शियल स्केल एनालॉगस रीड्युस्ड ग्राफीन ऑक्साइड (आर-जीओ) प्रोडक्शन। (पेटेंट आवेदन क्रमांक 201611028125, प्रकाशन की दिनांक 02/09/2016)।

पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित छात्र:

1. **छात्र का नाम:** डॉ. सिंधु कल्यादान
सह मार्गदर्शक: डॉ. पी.सी. देशमुख
मार्गदर्शक: डॉ. हरि वर्मा
2. **छात्र का नाम:** श्री आशीष कुमार
सह मार्गदर्शक: डॉ. पी.सी. देशमुख
मार्गदर्शक: डॉ. हरि वर्मा
3. **छात्र का नाम:** श्री दिवाकर
मार्गदर्शक: डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती
4. **छात्र का नाम:** श्री अभिषेक चौधरी
मार्गदर्शक: डॉ. चयन के. नन्दी
5. **छात्र का नाम:** श्री हरिवंश राय मित्तल
मार्गदर्शक: डॉ. राजेन्द्र कुमार रे

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएच एवं एसएस)

भा.प्रौ.सं. मण्डी के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल की विशेषता इसके युवा और प्रतिभाशाली प्राध्यापक हैं, जो विस्तृत अनुसंधान कार्य में लगे हैं। यह स्कूल छात्रों को वैश्विक कार्यक्षेत्र में सेवा करने के लिए संप्रेषण कौशल और साहित्यिक दक्षता प्रदान करता है, जोकि भा.प्रौ.सं. में स्कूल की मुख्य भूमिकाओं में से एक है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्कूल ने संस्थान की उदार वित्तीय सहायता से भा.प्रौ.सं. मण्डी में भाषा प्रयोगशाला स्थापित की है। आजकल यह प्रयोगशाला अध्यापकों और छात्रों को प्रभावशाली भाषा सीखने और प्रसार करने के लिए एक स्थान प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, जो पीएच.डी. छात्र एसपीएसएस सुविधा और अन्य सांख्यिकीय आधारित सॉफ्टवेयर एवं माध्यम का प्रयोग करते हैं, उनके लिए यह उत्कृष्ट प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध करवाता है। छात्र इस प्रयोगशाला का प्रयोग एक कक्षा के कमरे की तरह भी करते हैं। गत वर्ष में अनेक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, सम्मेलनों इत्यादि में प्राध्यापकों के नाम प्रकाशित हुये। अन्य प्राध्यापकों ने अपनी पुस्तकें प्रैस में प्रकाशित कर अपना लक्ष्य प्राप्त किया है। जीआईएएन पहल के माध्यम से एक पाठ्यक्रम दण्ड नीतिशास्त्र के बारे में छात्रों को पढ़ाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्राध्यापकों को आगे लाता है। प्राध्यापक तहे दिल से स्नातक और अवर स्नातक शिक्षण कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। इनमें बी.टैक. तृतीय के पाठ्यक्रम में महत्त्वपूर्ण बहुविषयक सामाजिक तकनीकी पाठ्यक्रम भी है। एसएचएसएस प्राध्यापकों ने अगस्त 2016 में आयोजित 'प्रथम पाँच सप्ताह के परिचय कार्यक्रम' में बी.टैक. छात्रों की विभिन्न आवश्यकताओं का पता किया, जिनमें अंग्रेज़ी, मानव मूल्य, सृजनात्मक विषय और विनम्रता कौशल शामिल हैं।

प्राध्यापक

डॉ. राजेश्वरी दत्त

अध्यक्षा

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: लेटिन अमेरीका, सामाजिक और

सांस्कृतिक इतिहास

कार्नेगाई मैलोन विश्वविद्यालय (अमेरीका)

से वर्ष 2012 में पी.एचडी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267043

ई-मेल: rdutt

डॉ. अशोक कुमार एम

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भारत में सामाजिक धर्म, जाति

और ईसाई धर्म, उपेक्षित समुदाय और

उच्च शिक्षा

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.

गृह नगर: तेनाली, आन्ध्र प्रदेश

दूरभाष: 01905-267135

ई-मेल: ashok

प्रा. भवेन्द्र पाल

संयुक्त प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रबन्धन कूटनीति

प्रबन्धकीय वित्त, जैव प्रौद्योगिकी और

औषधीय प्रौद्योगिकी

डॉ. अरुणा बोम्मरेड्डी

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, अंग्रेज़ी में

भारतीय साहित्य

हैदराबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2004)

गृह नगर: हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

दूरभाष: 01905-267121

ई-मेल: aruna

प्रा. बालासुन्दरम सुब्रमण्यन

अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता: जर्मन अध्ययन व राजनीतिक

दर्शनशास्त्र

वर्ष 1981 में जर्मन अध्ययन में पी.एचडी.

गृह नगर: वेलाचेरी, चिन्नई

दूरभाष: 01905-267114

ई-मेल: bs

डॉ. देविका सेठी

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: आधुनिक भारतीय इतिहास,

उपनिवेशवाद और राजनैतिक स्वतंत्रता,

मुक्त भाषण और नियंत्रण

जैव रसायन में पी.एचडी.
ई. रटगर्ज यू.नियु ब्रुन्सविक एनजे '77;
एमबीए, सीराक्यूज यू.सीराक्यूज एनवाई '85
गृह नगर: सेन मेटीओ, सीए अमेरीका
(मूलतः पटियाला, पंजाब)
दूरभाष: 01905-267046
ई-मेल: bp

डॉ. गोकुल सोमसेखरन

शिक्षण सहयोगी
विशेषज्ञता: जर्मन साहित्य
मुक्त विश्वविद्यालय, बर्लिन से पी.एचडी.
गृह नगर: थ्रिस्सुर, केरल
दूरभाष: 01905-267144
ई-मेल: gokul

डॉ. मनु वी. देवादेवन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: दक्षिण एशिया में साहित्यिक अनुशीलन
पूर्व आधुनिक दक्षिण एशिया और दक्षिणी एशियायी
पुरालेखों में राजनीतिक तथा आर्थिक प्रगति
मंगलोर विश्वविद्यालय, मंगलागंगोथ्री,
मंगलौर से पी.एचडी.
दूरभाष: 01905-267147
ई-मेल: manu

डॉ. पूर्ण सिंह

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: निगम वित्त, लघु वित्त
पंजाब विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2013)
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-267148
ई-मेल: puran

डॉ. शैल शंकर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पहचान और समूह गतिकी,
स्वास्थ्य और कल्याण
इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी.
गृह नगर: दियोरिया
दूरभाष: 01905-267149
ई-मेल: shail

डॉ. सुमन

सहायक प्राध्यापक

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से
पी.एचडी.
गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267050
ई-मेल: devika

डॉ. इंग्रिड शौकी

संयुक्त सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: पर्यावरणात्मक समाज शास्त्र
ब्रांडीश विश्वविद्यालय से पी.एचडी.
गृह नगर: नॉर्थम्पटन, एमए, अमेरिका

प्रा. प्रमोद तलगिरी

अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: हीगल का दर्शन शास्त्र
और आधुनिकता की समीक्षा तथा तुलनात्मक
पश्चिमी दर्शनशास्त्र, आधुनिक जर्मन साहित्य
तुलनात्मक साहित्य
म्युनिख, जर्मनी विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (1970)
गृह नगर: पुना
ई-मेल: pramod

डॉ. रमना ठाकुर

अभ्यागत सहायक प्राध्यापिका
विशेषज्ञता: प्रगतिशील अर्थशास्त्र
हि.प्र.वि. शिमला से पी.एचडी.
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-267044
ई-मेल: ramna

डॉ. श्यामासरी दासगुप्ता

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ऊर्जा और पर्यावरणात्मक
आर्थिकी, जलवायु परिवर्तन अर्थ व्यवस्था
प्रयुक्त अर्थमीति
जादवपुर विश्वविद्यालय से पी.एचडी. (2015)
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-267118
ई-मेल: shyamsree

डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: उपनिवेशवाद पश्च उपनिवेशवाद
साम्राज्यवाद और प्रणय साहित्य
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.
गृह नगर: फरीदाबाद
दूरभाष: 01905-267140
ई-मेल: suman.sigroha

विशेषज्ञता: सामाजिक धर्म, अर्बन समाज
शास्त्र, सुधारोत्तर भारत
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई से
पी.एचडी. (2011)
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267136
ई-मेल: surya

डॉ. वरुण दत्त

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)
विशेषज्ञता: पर्यावरण सम्बन्धी अनुमान और
निर्णय देना, कृत्रिम ज्ञानता, मानवीय संगणक
परस्पर वार्तालाप
कार्नेगाई मैलोन विश्वविद्यालय (अमेरिका) से
वर्ष 2011 में पी.एचडी.
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-267041
ई-मेल: varun

डॉ. तृप्ति सिंह

शिक्षण सहयोगी
विशेषज्ञता: भारतीय अंकीय कलाएँ, मानस
दर्शन, नयी मीडिया कलाएँ और दृष्टि सम्बन्धी
बनस्थली विश्वविद्यालय से वर्ष 2011 में
में पी.एचडी.
गृह नगर: कानपुर
दूरभाष: 01905-267111
ई-मेल: tripti

अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित कम्पनी	परियोजना अन्वेषक और सह परियोजना अन्वेषक	स्वीकृत राशि (रु .)	अवधि
1	हिमाचल प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत मापनीय मॉडलों और सफल कार्यों का प्रलेखन	एनआईआरडीपीआर	डॉ. रमना ठाकुर (प.अ.), डॉ. राजेश्वरी दत्त (स.प.अ.)	11,64,900	9 माह
2	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी प्रोजेक्ट-भा. प्रौ.सं. मण्डी समन्वय	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प.अ.), डॉ. वरुण दत्त, डॉ. रमना ठाकुर, डॉ. श्यामा श्री दास गुप्ता (स.प.अ.)	42,000	1 वर्ष
3	पहाड़ी चित्रकारी में प्रशिक्षण: हिमालयी संस्कृति के प्रस्तुतिकरण में एक कदम	संस्कृति मंत्रालय (एमओसी)	डॉ. रमना ठाकुर	7,00,000	1 वर्ष
4	दक्षिणी भारत में 16वीं शताब्दी नवयुग	यूजीसी	डॉ. मनु वी. देवादेवन, स.प.अ.: प्रा. केसावन वेलुदैटा (दिल्ली विश्वविद्यालय)	48,00,000	3 वर्ष
5	19वीं शताब्दी में मेक्सिको और बीलाईज में मायान	मूल अनुदान	डॉ. राजेश्वरी दत्त	6,20,000	3 वर्ष

6	सामूहिक सभा में दुर्घटना: ए स्टडी ऑफ पिलग्रिम्ज शेररड आइडेन्टिटीज एण्ड रीसपोन्सिज टु कैटास्ट्रोफिक फ्लडिंग	मूल अनुदान	डॉ. शैल शंकर	4,20,000	3 वर्ष
7	प्रौद्योगिकी और भाषा शिक्षण संस्थान	मूल अनुदान	डॉ. अरुणा बोम्मरेड्डी	5,00,000	3 वर्ष
8	वन पारिस्थितिकीय तंत्र सेवा का विस्तृत मूल्यांकन और मूल्य निर्माण विधि की जानकारी: हिमाचल प्रदेश में अध्ययन मामला	मूल अनुदान	डॉ. श्यामा श्री दास गुप्ता	5,00,000	3 वर्ष

प्रकाशित पुस्तकें

- राजेश्वरी दत्त, माया कैसीक्यूज इन अर्ली नेशनल युकेटान, नोरमन: ओकलाहोमा यूनिवर्सिटी प्रैस, 2017।
- डॉ. मनु वी. देवादेवन, ए प्रीहिस्टरी ऑफ हिन्दुइज्म, डी ग्रुटर, वारसॉ, 2016।
- डॉ. मनु वी. देवादेवन, विलओ और उसके वंशज, प्राइमस, दिल्ली, 2017

अनुवाद (प्रबन्ध)

- गोकुल सोमसेखरन, इर्रगैंग, बर्नहार्ड, लीब्लिचर गीस्ट (एम्बॉयडिड माईड), पीटर लैंग बर्लिन, 2016।
- गोकुल सोमसेखरन, इर्रगैंग, बर्नहार्ड, डेर लीब डेस मेंस्चेन। ग्रंद्दिई ईनर फेनोमीनोलोगिस्क –हरमेन्युटिस्चेन एन्थ्रोपोलिजी (मानव शरीर, फेनोमीनोलोजिकल–हरमेन्युटिक एन्थ्रोपोलिजी की योजना), पीटर लैंग बर्लिन, 2017।

प्रकाशित पुस्तक अध्याय

- मनु वी. देवादेवन, डेविड शूलमान और हीक ओबरलिन (एड्स) में “नोइंग एण्ड बींग: कुटियाट्टम एण्ड इट्स सीमेंटिक यूनिवर्स”, कुटियाट्टन की दो उत्कृष्ट रचनाएँ: मंत्रांकाम और अंगुलियांकाम, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रैस, नई दिल्ली, 2017।
- मनु वी. देवादेवन, विलओ और उसके वंशज (ओपी.सीआईटी) में “दक्षिणी एशिया (कलिंग के विशेष सन्दर्भ में) में प्रादेशिक आत्म चेतना का निर्माण”।
- सूर्य प्रकाश उपाध्याय और रोवीना रोबिन्सन, 2017; भारत में सुबास मोहपात्र (ईडी.) सोसाइटी और संस्कृति में “साम्प्रदायिकता और कट्टरवाद का दोबारा आना”। नई दिल्ली: सोशल साईंस प्रैस और ओरियंट ब्लैकस्वान।
- सुमन, सीता से सत्ती तक पौराणिक कथा का अनुवाद, बेन पेस्टेल्ल द्वारा संपादित, पेड्रॉ पालेज़ोलो और लिओन बर्नेट, ऑक्सफोर्ड: एमएचआरए और रूटलेज, 2016।
- सुमन; हिंसा, सामाजिक कल्याण और लोकप्रिय हिन्दी सिनेमा, एमसीएसडब्ल्यूईएलएल–2016, नई दिल्ली, 2016।

राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

- मनु वी. देवादेवन, शिष्टता के पंथ से व्यक्तित्व के पंथ तक: पैल्लेवा स्टेटक्राफ्ट में सातवीं शताब्दी परिवर्तन, ऐतिहासिक अध्ययन, भाग 33, 2017।

- देविका सेठी, पुस्तक समीक्षा में “कांक्यूरिंग कम्मोडिटी: टी इन ब्रिटेन”, भाग एकस्ट्रा लार्ज नम्बर, 12 दिसम्बर, 2016 (आईएसएसएन: 0970-4175)।
- दासगुप्ता एस., सतिजा एस. और गोबा, पी. 2017, “भारत में उद्योग निर्माण की ऊर्जा का प्रयोग: केएलईएमएस संरचना का उपयोग करते हुए विश्लेषण”, औद्योगिक सांख्यिकीय की पत्रिका, 6 (1), 72-88, (सांख्यिकीय मंत्रालय और कार्यक्रम कार्यान्वयन, भारत सरकार)।

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

- श्यामाश्री डी. और रॉय जे. “भारतीय उद्योग निर्माण में वर्ष 1973-1974 से 2011-2012 के दौरान ऊर्जा के प्रयोग से ऊर्जा आधिक्य प्रवृत्तियों और अयुग्मित वृद्धि का विश्लेषण”। ऊर्जा दक्षता, नवम्बर 2016 में ऑनलाइन प्रकाशित, अन्वेषण की दिनांक 10.1007/एस12053-016-9497-9 (स्प्रिंगर)।
- अरुणा बॉम्बरेड्डी, “जरी बॉर्डर वाली सफेद साड़ी” कैशुरे: सांस्कृतिक अनुवाद में कवित्व, भाग 2: 1, (आईएसएसएन 2454-9495) विशेष संस्करण, जनवरी, 2017, 24।
- सुमन, “बगावत उपन्यास में बच्चे: खामोश आवाज़” भारतीय इतिहास, 3, 1-45, (2016)।
- सुमन और नीरज सांख्यान, सामाजिक कार्यसूची के रूप में साहित्य: तेमुसुला एओ की कविता, एमईजेओ, द मीलो विश्व साहित्य की पत्रिका, प्राक्सीज की ओर: साहित्य, समाज और राजनीति-1, 113-121 (जुलाई 2016), अन्वेषण की दिनांक: 10.21659/मीजो 15 वी8एन3।
- सुमन और नीरज सांख्यान, पर्सपोलिस में उत्पीड़न और राजद्रोह की आरेखीय प्रस्तुति: बच्चे की आंखों से बचपन की कहानी। कैनकाया विश्वविद्यालय, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पत्रिका, 11:2, 253-266, (2014, प्रकाशित 2016)।

राष्ट्रीय सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र

- रमना ठाकुर, शिवेन्द्र संगर और भेद राम; कार्डियो-वेस्कुलर डीजिज इन इंडिया: एविडेंस फॉर नेशनल सैम्पल सर्वे डाटा, भारतीय स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र और नीति संघ (आईएचईपीए) का वार्षिक सम्मेलन, आईडीएसके, कलकत्ता, भारत 2016।
- श्यामाश्री डी., केन्द्रीय सांख्यिकीय प्रबन्धन द्वारा आयोजित उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण पर सातवां राष्ट्रीय सम्मेलन, औद्योगिकी सांख्यिकीय विंग, सांख्यिकीय मंत्रालय और कार्यक्रम कार्यान्वयन, भारत सरकार, कलकत्ता। (26 सितम्बर 2016) पत्र प्रस्तुत: “एनर्जी यूज बीहेवियर ऑफ मैनफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज इन इंडिया: एन एनालायसिस यूजिंग केएलईएमएस फ्रेमवर्क”।
- सुमन और मोनिका कौशिक: आई एम राइटिंग इन माई ओन लैंग्वेज: द यूज ऑफ इंडियन इंगलिश इन सीलेक्टिड प्लेज ऑफ महेश दत्तानी। राष्ट्रीय सेमिनार, बीएचयू, भारत (2016)।
- गोकुल सोमसेखरन, जर्मन अध्यापकों के भारतीय संघ (डीएएफ में) का सम्मेलन, अमृतसर, अप्रैल, 2016।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र

- दत्त राजेश्वरी, “ब्रिटीश मरचेंट्स एण्ड मायास इन कास्ट वार बीलाइज़” ब्रिटिश स्कॉलर सोसाइटीस ब्रिटेन और द वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस, लन्दन, जून 24, 2016।
- रमना ठाकुर, ऑक्सफोर्ड-भारतीय स्वास्थ्य अनुसंधान नेटवर्क सम्मेलन (ओआईएचआरएन), द जॉर्ज इन्स्टिट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, प्रसूति और स्त्री रोग नफिल्ड विभाग (एनडीओजी), ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के. जुलाई, 2016।
- रमना ठाकुर, ट्रांसफोरमिंग इंडिया थ्रो स्ट्रैथनिंग पंचायती राज इन्स्टिट्यूशन्स बाई कॉटिन्यूअस कैपेसिटी बिल्डिंग एण्ड ई-एनब्लेमेंट, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सहभागी संस्थानों का द्वितीय सम्मेलन, फरवरी 15, 2017।

- रमना ठाकुर, ट्रांसफोरमिंग इंडिया थ्रो स्ट्रैथनिंग पंचायती राज इन्स्टिच्यूशन्स बाई कोंटिन्यूअस कैपेसिटी बिल्डिंग एण्ड ई –एनब्लेमेंट। 'मास्टर एस्सेसर ऑन ट्रेनिंग मोड्युल्स एण्ड एस्सेसमेंट टेक्निक्स' के अभिमुखीकरण के लिए एक कार्यशाला, एनआईआरडी और पीआर, हैदराबाद, भारत, मार्च, 27–28, 2017।
- अशोक कुमार एम. ने वारसाँ विश्वविद्यालय, पोलैण्ड में दिनांक 27 से 30 जुलाई, 2016 के दौरान दक्षिणी एशियायी अध्ययन पर 24वें यूरोपियन सम्मेलन में 'कम्युनिज्म एण्ड द क्रॉस: ए कास्ट- क्लास ट्रेजक्टरी ऑफ रील्लिजियस कन्वर्सन इन आन्ध्रा, साउथ इण्डिया' नामक पत्र प्रस्तुत किया।
- देविका सेठी, दक्षिणी एशियायी अध्ययन के लिए जापानी संघ का 29वां वार्षिक सम्मेलन (जेएएसएस), कोबे, जापान (24से 25 सितम्बर 2016)। पत्र शीर्षक: अलार्मिस्ट स्टोरीज एण्ड डीफेक्टिस्ट वीउज: संसरशिप एण्ड मोरेल इन इण्डिया ड्युरिंग द सैकिण्ड वर्ल्ड वार।
- अरुणा बोम्बरेड्डी ने इंडोनेशिया, बालि में दिनांक 31 जनवरी 2016 से 2 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित मानविकी और कला सम्मेलन में "राईटिंग साईस: प्रोडक्सन ऑफ मेटेरियल्स" नामक पत्र प्रस्तुत किया।
- बालासुन्दरम सुब्रमण्यन, शेक्सपीयर और गोथे Ad इन्फिनिटम। फालस्टाफ ऐज द प्रीकर्सर ऑफ फॉस्ट, प्लेनेरी एड्रेस, भारतीय गोइथे सोसाइटी का वार्षिक समारोह, पुना, फरवरी, 2017।
- बालासुन्दरम सुब्रमण्यन, डेर सोक्राटिस्टिक टोड फालस्टाफस। ज़र अल्टन क्यूरीली जविसचीन फिलौसोफाई अंड पोजी, हम्बोल्डट-फोरम ऑन शेक्सपीयर सरवेन्टीस 2016। बोन्, अक्टूबर 2016।
- बालासुन्दरम सुब्रमण्यन, जर्मैनिस्टिक इन इंडाइन। "वेज डीस डीयुट्सचेन" पर हम्बोल्डट –कोल्लिजियम क्रेज़, अक्टूबर 2016।
- सुमन और शिशु बाला; अडोप्शन ऐज ए फॉर्म ऑफ माइग्रेसन: रीविजिटिंग शिल्पा सोमाया गोडास सीक्रेट डॉटर, तृतीय बहु विषयक सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत (2017)।
- सुमन और शिशु बाला; द फैमिलियर एण्ड द एक्सोटिक इन लैंग्वेज एण्ड लिटरेचर: द पोलिटिक्स ऑफ परसेप्शन एण्ड रीप्रीजेंटेशन। 27वां एफआईएलएलएम अन्तर्राष्ट्रीय महा सम्मेलन, यूएनईएससीओ और दिल्ली विश्वविद्यालय। दिल्ली, भारत (2017)।
- सुमन और मोनिका कौशिक; फैंक्टिसीटी और फिक्सनैल्टी: महेश दत्तानीज व्हेयर डिड आई लीव माई परदा? मीलो चण्डीगढ़, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, भारत (2017)।
- सुमन और शिशु बाला; वॉइसिस फरॉम द मार्जिन्स: हर स्टोरी इन अरुंदधि रॉयज द गॉड ऑफ स्माल थिंग्स। मीलो चण्डीगढ़, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, भारत (2017)।
- सुमन और रेस यूआई मजिद। डिस्करिप्शिव अल्टीरिटी, री-रीप्रीजेंटेशन, एण्ड 9/11: द रीलक्टेड फंडामेंटेलिस्ट ऐज ए पोस्टस्ट्रक्चरेलिस्ट डिस्कोर्स। मीलो चण्डीगढ़, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, भारत (2017)।
- सुमन और मोनिका कश्यप; ए केस फॉर इण्डियन इंगलिश: दत्तानी डु (इस) द नीडफुल। ईएलएलसीआईएटीएलएस, के. आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुडगाँव, भारत (2017)।
- सुमन और शिशु बाला; ट्रांसलेटिंग कल्चर, ट्रांसीएटिंग जेंडर: लाल होता द्रख्त और द रेड्डनिंग ट्री। ईएलएलसीआईएटीएलएस, के. आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुडगाँव, (2017)।
- सुमन और नीरज सांख्यान, पोइट्री ऐज काउंटर-कल्चर: रीडिंग आइडेंटिटी इन क्यंफाम सिंग नोक्यंरिहिज पोइट्री। आईआईएस शिमला, भारत (2016)।
- गोकुल सोमसेखरन, डीएएडी वियतनाम, हनोइ, वियतनाम द्वारा अगस्त, 2016 में जर्मन अध्यापकों और छात्रों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- गोकुल सोमसेखरन; दाद द्वारा दिसम्बर से जनवरी 2016–17 के दौरान वुप्परटल विश्वविद्यालय में डॉक्टरल विद्वानों

के लिए आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षणिक वार्तालाप।

आमंत्रित व्याख्यान / अनवरत शिक्षा कार्यक्रम

- सुमन; गोइंग ग्रीन, डूईंग सोशल रीस्पॉन्सिबिलिटी: ईकोटूरिज्म इन हिमाचल प्रदेश। कारोबार का वैश्विकरण और धारणीय विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन, डी.ए.वी. सेन्टनेरी महाविद्यालय, फरीदाबाद, भारत (2017)।

आयोजित वित्त पोषित कार्यशाला / सम्मेलन / पाठ्यक्रमों में उपस्थिति

- अशोक कुमार एम. ने दिनांक 9 से 23 अक्टूबर, 2016 के दौरान 'पर्सपेक्टिव्स ऑन द इथिक्स ऑफ पनिसमेंट इन द यूनाइटेड स्टेट्स एण्ड इण्डिया' पर जीआईएएन पाठ्यक्रम आयोजित किया। (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)।

आयोजित कार्यशालाएँ / वार्ता

1. एसएचएसएस और एमईए विशेष वार्ता
दिनांक: 2 सितम्बर, 2016
वक्ता: राजदूत (सेवा निवृत्त), देबनाथ शॉ
वार्ता का शीर्षक: भारत और नाभिकीय आपूर्तिदाताओं का समूह
2. एसएचएसएस विशेष वार्ता
दिनांक: 7 नवम्बर, 2016
शीर्षक: भारत में राजनीतिक संस्कृति: अवसर और चुनौतियां
वक्ता: प्राध्यापक आनन्द कुमार
3. एसएचएसएस सेमिनार
दिनांक 28 मार्च, 2017
वक्ता: डॉ. स्वेतलाना निकितिना
शीर्षक: विश्व साहित्य में नैतिक दुविधा

पेशेगत उपलब्धियाँ, सम्मान एवं पुरस्कार

- बालासुन्दरम सुब्रमण्यन, अलेग्जेंडर वोन हम्बोल्डट-फेलोशिप (बेरीयुथ विश्वविद्यालय, अन्तः सांस्कृतिक जर्मन अध्ययन विभाग: प्रा. गीसीन स्किवीर), दिनांक 1 जून, 2016 से 31 अगस्त, 2016 तक।

व्यावसायिक समितियों की सदस्यता

- रमना ठाकुर, अन्तर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र संघ की सदस्य।
- श्यामाश्री डी., सदस्य, ऊर्जा अर्थशास्त्र के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संघ (<https://www.iaee.org/>)।
- बाला सुन्दरम सुब्रमण्यन, सदस्य, जर्मनी अध्ययन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संघ।
- बाला सुन्दरम सुब्रमण्यन, सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय रिलाईक-जेसेल्लस्चैफ्ट।
- बाला सुन्दरम सुब्रमण्यन, सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय रिलाईक-जेसेल्लस्चैफ्ट।
- बाला सुन्दरम सुब्रमण्यन, उपाध्यक्ष, गोइथी सोसाइटी ऑफ इण्डिया।
- बाला सुन्दरम सुब्रमण्यन, अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, अन्तः सांस्कृतिक जर्मन अध्ययन के लिए संघ (जीआईजी)।
- अशोक कुमार एम. सदस्य, धर्म के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय समिति।
- अशोक कुमार एम. सदस्य, दक्षिणी एशियायी अध्ययन का यूरोपियन संघ।
- राजेश्वरी दत्त, सदस्य, अमेरिकी ऐतिहासिक संघ।
- राजेश्वरी दत्त, सदस्य, लेटिन अमेरिकी अध्ययन संघ।

शैक्षणिक संस्थानों की यात्रा और दिये गये व्याख्यान

- देविका सेठी ने एशियायी और अफ्रीकी क्षेत्र अध्ययन के स्नातक स्कूल, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान (28 सितम्बर 2016) में एक अतिथि व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक: वारस ओवर वर्ड्स: प्रैस सेंसरशिप इन इण्डिया इन द 1950।

- श्यामाश्री डी. ने जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता, भारत में “द रोल ऑफ साइको-कल्चरल पर्सपेक्टिव्स इन ईकोनॉमिक वैल्यूशन” पर एसवाईएलएफएफ व्याख्यान (28 जून, 2016) दिया।
- श्यामाश्री डी. ने ऊर्जा अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर, सिंगापुर में “एनालाइजिंग लॉग रन ट्रेण्ड्स ऑफ एनर्जी डीमाण्ड इन द मैनफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज इन इण्डिया” पर व्याख्यान (8 अगस्त, 2016) दिया।
- श्यामाश्री डी., विशिष्ट अभ्यागत अनुसंधान दाता, ऊर्जा अध्ययन संस्थान, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर (दिसम्बर-2016)। परिणाम: यिंगज़हु, एल और बिन सु के सहयोग से “स्ट्रक्चरल पाथ एनालायसिस अप्पलाईड टु इण्डियाज कार्बन इमिशनन्स” नामक शोध पत्र लिखा। इसे ऊर्जा अर्थशास्त्र के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संघ के 40वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए स्वीकृत किया गया।
- डीएएडी द्वारा माह दिसम्बर से जनवरी, 2016-17 के दौरान वुप्परटल विश्वविद्यालय जर्मनी में डॉक्टरल विद्वानों के लिए आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षणिक चर्चा में गोकुल सोमसेखरन ने भाग लिया।

अन्य गतिविधियाँ

भाषा प्रयोगशाला की स्थापना

भा.प्रौ.सं. मण्डी के अवर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को प्रभावी भाषा एवं सम्प्रेषण कौशल प्रदान करना मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल के मुख्य कार्यों में से एक है। भाषा प्रयोगशाला में छात्रों को उनके अंग्रेजी भाषा कौशल (लेखन, श्रवण और भाषण) का अभ्यास करने के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध है। इस 21 सीट वाली प्रयोगशाला में जर्मन भाषा सीखने के लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध है। अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच और स्पैनिश इत्यादि भाषाओं को सीखने के लिए भाषा प्रयोगशाला सॉफ्टवेयर उपयोगी है। इससे प्रशिक्षुओं को स्वयं सीखने में मदद मिलती है और यह शिक्षकों को उसी समय अनेक भाषायी अभ्यास/परीक्षण का संचालन करने में सक्षम बनाता है तथा सामूहिक शिक्षा के लिए उपयोग होने वाली सामग्री की बचत होती है। भाषा प्रयोगशाला की स्थापना वर्ष 2016 में की गई। वर्तमान में हम इस प्रयोगशाला का उपयोग अंग्रेजी II, जर्मन II, सांख्यिकीय विधियाँ और सीमित अवयव विधियाँ तथा दृश्य कला जैसे पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशाला सत्र आयोजित करने के लिए एक अन्योन्य क्रिया माध्यम के रूप में कर रहे हैं।

सहमति ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी और विदेशी संस्थानों के मध्य सहयोग



विदेश में स्थित संस्थानों के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी की अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ

भा.प्रौ.सं. मण्डी में 'छात्र अदली-बदली कार्यक्रम' के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी. करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय छात्र एक वर्ष तक की अवधि व्यतीत कर कर सकते हैं। इस संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय छात्र स्नातक कर सकते हैं। अदली-बदली कार्यक्रम और उपाधि कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी में पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षिक सहायता ले सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय छात्र संस्थान के प्राध्यापकों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान के विषयों पर काम कर सकते हैं, जिसमें संस्थानात्मक, धार्मिक और राष्ट्रीय हित सम्मिलित है। यह संस्थान प्राध्यापकों को अध्यापन और अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/संस्थानों में समय बिताने का अवसर प्रदान करता है। वर्तमान में, भा.प्रौ.सं. मण्डी स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी. स्तर पर संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में व्यस्त हैं। उन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ जिनका भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के साथ वर्तमान में सहमति ज्ञापन (एमओयू)/करार हुआ है, छात्रों और प्राध्यापकों की अदली-बदली हेतु नियम और शर्त (एमओयू)/करार के अनुसार निर्धारित होगी। उन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों और प्राध्यापकों के लिए जिनका भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ (एमओयू)/करार नहीं हुआ है, अदली-बदली नियम और शर्त, आईपीआर और वित्तीय पैटर्न को समझने की आवश्यकता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने वोरसेस्टर पोलिटेक्नीक संस्थान (डब्ल्यूपीआई), अमेरीका के साथ हुये सहमति ज्ञापन के तहत 24 अवर स्नातक छात्रों का दल और दो प्राध्यापक परामर्शदाताओं को डब्ल्यूपीआई से दो महीनों के लिए वर्ष 2017 में मार्च माह के मध्य और मई के आरम्भ में आमन्त्रित किया। इन छात्रों ने इतनी ही संख्या में भा.प्रौ.सं. मण्डी के अवर स्नातक छात्रों के साथ मिलकर कमान्द, मण्डी में स्थानीय समुदाय की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किया। इसके अतिरिक्त दिनांक 1 अप्रैल, 2016 और दिनांक 31 मार्च, 2017 के मध्य अनेक अन्तर्राष्ट्रीय छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी आये। नैरोबी विश्वविद्यालय, केन्या से जिप्परोह वांजिकु मुथुई विकसित जगत् में विज्ञान में महिलाओं के लिए संगठन (ओएसडब्ल्यूडी) से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण सहभागिता के तहत पी.एचडी. कार्य करने के लिए दिनांक जनवरी, 2017 और अप्रैल, 2017 के मध्य भा.प्रौ.सं. मण्डी आई।

माह अप्रैल, 2016 और मार्च, 2017 के मध्य भा.प्रौ.सं. मण्डी में आयोजित अनेक कार्यशालाओं में विदेशी विश्वविद्यालयों से आगन्तुक आये। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने दिनांक 7 मई, 2016 को "बड़ा आँकड़ा विश्लेषण" पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में डीयूटचिज फोरचुंगजेंट्रम फर कुंस्टलिची इंटेल्लिगेंज (डीएफकेआई), बर्लिन के अनुसंधान कर्ता, अभियंता जोहेन्स किरसचिक ने भाग लिया। संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल के मल्टी मीडिया, एनालाईटिक्स और सिस्टम ग्रुप ने चिकित्सीय बिम्ब विश्लेषण के लिए मशीन अधिगम पर दिनांक 18 से 22 जून, 2016 तक पाँच दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रौद्योगिकी संस्थान न्यू जर्सी, अमेरीका के डॉ. भरत बिस्वास ने भाग लिया। इस संस्थान में वर्ष 2016 में दिनांक 12 अगस्त से 14 के मध्य भा.प्रौ.सं. मण्डी में आयोजित "नेक्स्ट जनरेशन एक्टिव डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क टु एम्पावर प्यूचर लो-कार्बन इंडियन सोसाइटी" नामक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए लफबोरो विश्वविद्यालय के डॉ. फ्रांसिस्को आये। भा.प्रौ.सं. मण्डी और कार्ल्स्रुही प्रौद्योगिकी संस्थान जर्मनी ने दिनांक 25 से 29 जुलाई, 2017 के दौरान "सीमित अवयव विधि" पर चार दिन का अंशकालिक कार्यक्रम और कुशल सामग्री और संरचना पर एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रो. वोल्फगैंग सीमैन ने भाग लिया। भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 10 अक्टूबर, 2016 को आयोजित चतुर्थ दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि वुप्परटल विश्वविद्यालय, जर्मनी के एमिरेटस प्रोफेसर, प्रो. जोचिम होल्त्ज थे।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने संयुक्त राज्य और भारत के कई विश्वविद्यालयों में ऊर्जा, स्वास्थ्य और धारणीयता के लिए सूक्ष्म सामग्री नामक विषय पर दिनांक 3 से 6 अक्टूबर, 2016 तक कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला भा.प्रौ.सं. मण्डी और नोटिघम विश्वविद्यालय, यूके के मध्य संयुक्त समन्वय का प्रयास था। इस कार्यशाला में भा.प्रौ.सं. मण्डी के डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन और नोटिघम विश्वविद्यालय के डॉ. ग्राहम न्यूटन ने समन्वय किया।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने अपने स्थायी परिसर कमान्द में अपना 8वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। इस समारोह के मुख्य अतिथि कोलेरेडो विश्वविद्यालय (बोल्डर, अमेरीका) के प्रो. एलान मिक्लसन् थे। संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई), भा. प्रौ.सं. मण्डी द्वारा दिनांक 6 मार्च, 2017 को आईओटी सिस्टम पर आयोजित प्रथम कार्यशाला में लिवरपूल विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य के डॉ. अतुल सिंह मिन्हास ने भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, गत वर्ष में शैक्षिक अदली-बदली कार्यक्रम के अंतर्गत भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्नातक और अवर स्नातक छात्र अनेक

शैक्षिक विश्वविद्यालयों में गये। इन अवर स्नातक छात्रों में 3 छात्र बीटीएच को और 2 छात्र आरडब्ल्यूटीएच आचेन, जर्मनी गये। भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापक भी वर्ष 2016-17 में औद्योगिकी एवं शैक्षिक समन्वय को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मेलनों में भाग लेने के लिए और ईयू, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, दक्षिणी एशिया और लेटिन अमेरिका गए। इन जाने वाले प्राध्यापकों में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल से 8, संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल से 16, आधार विज्ञान स्कूल से 7 और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल से 9 प्राध्यापक शामिल थे।

आजकल भा.प्रौ.सं. मण्डी टीयू म्यूनिख और सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (आईसीटीपी), ईटली के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के प्रक्रम में है। टीयू9 संस्थानों के साथ सहमति ज्ञापन का नवीकरण भी विचाराधीन है।

चयनित चित्र



‘नेक्स्ट जनरेशन एक्टिव डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क्स टु एम्पावर फ्यूचर लो-कार्बन इंडियन सोसाइटी’ पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला (भा.प्रौ.सं. मण्डी, अगस्त 12 -14, 2016)



‘ऊर्जा, स्वास्थ्य और धारणीयता के लिए सूक्ष्म सामग्री पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला’ का उद्घाटन करते हुये नोटिघम विश्वविद्यालय के प्रो. नील चैम्पनैस और बी.डी. चौधरी, दिनांक 3 से 6 अक्टूबर, 2016



हिमाचली संस्कृति का आनन्द उठाते हुए



प्रो. चैम्पनैस सम्मानित



रिवालसर दौरा

महत्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र

उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)

समन्वयक: डॉ. वेंकट कृष्णन

एएमआरसी प्रशासनिक: डॉ. ऋक् रानी कोडार

सामग्री अनुसंधान के लिए उपकरण

सामग्री अनुसंधान के लिए एएमआरसी अनेक प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं—

- (1) हाई रेजोल्यूशन पाउडर एक्स-रे डिफरैक्टोमीटर
- (2) सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफरैक्टोमीटर
- (3) हाईरेजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- (4) न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनैन्स स्पेक्ट्रोमीटर
- (5) फल्यूरोसेंस कन्फोकल माइक्रोस्कोप
- (6) हाई रेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर
- (7) फेम्टोसेकेंड पम्प-प्रोब सेट-अप
- (8) फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- (9) चुम्बकीय गुण मापन प्रणाली
- (10) भौतिक गुण मापन प्रणाली
- (11) रमन स्पेक्ट्रोमीटर और
- (12) एक्स-रे फोटोमीशन स्पेक्ट्रोमीटर

निकट भविष्य में कई अन्य उपकरण स्थापित होंगे, जैसे कि एटॉमिक लेयर डीपोजिशन (एएलडी) और सतह समताप क्षेत्र (बीईटी उपकरण)। उपर्युक्त दिये गये उन्नत उपकरणों के अतिरिक्त एएमआरसी में नियमित लक्षण वर्णन उपकरण जैसे यूवी-विस स्पेक्ट्रोमीटर, गोलाकार द्विवर्णक स्पेक्ट्रोमीटर, आण्विक अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, फल्यूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर, इलैक्ट्रोकेमिकल एनालाइजर, थरमस ग्रेवीमीट्रिक एनालाइजर कप्लड विद डिफरैशियल स्कैनिंग कैलोरीमीट्री, उच्च निष्पादन क्रोमेटोग्राफी, जेल परमीएशन क्रोमेटोग्राफी, गैस क्रोमेटोग्राफी, डायनेमिक लाईट स्कैटरिंग सेटअप इत्यादि मौजूद हैं।

एएमआरसी में सुविधाओं का उपयोग न केवल भा.प्रौ.सं. मण्डी के अनुसंधान कर्त्ताओं द्वारा होता है, परन्तु बाहरी अनुसंधान कर्त्ताओं और औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा भी इसका विस्तार किया जाता है। प्रमुख रूप से, एएमआरसी में बाहरी उपभोक्ता हिमाचल के पड़ोसी क्षेत्रों, पंजाब और जम्मू-कश्मीर राज्य से आते हैं, यद्यपि वहाँ भी कुछ बाहरी उपभोक्ता निकट संस्थानों से हैं। अनेक बाहरी उपभोक्ता एएमआरसी सुविधाओं में विश्लेषण के लिए अपने नमूने भेजते हैं। एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग करने वाले बाहरी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थानों की सूची निम्नलिखित है।

एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग करने वाले बाहरी संस्थानों की सूची

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला, हिमाचल प्रदेश
2. हिमालय जैव सम्पदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी), पालमपुर, हिमाचल प्रदेश
3. जवाहर लाल सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश
4. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
5. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारांगल, तेलंगाना
6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), दुर्गापुर, पश्चिमी बंगाल
7. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू व कश्मीर
8. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़
9. पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब
10. गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, (जीएनडीयू), अमृतसर, पंजाब

11. शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश
12. सिरडा संस्थान का समूह, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश
13. सन्त लॉगोवाल अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, संगरूर, पंजाब
14. श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश)
15. सूचना और प्रौद्योगिकी जयपी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश
16. जामिया मिल्लिया इस्लामिया (नई दिल्ली)
17. लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, फगवाड़ा पंजाब
18. चितकारा विश्वविद्यालय, पंजाब
19. दन्त महाविद्यालय सुन्दरनगर (हिमाचल प्रदेश)

एएमआरसी सुविधाओं के प्रयोग से प्रकाशन:

उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं के उपयोग से प्राप्त अनुसंधान परिणाम प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। इस केन्द्र की वर्ष 2013 में शुरुआत से 200 से अधिक अनुसंधान शीर्षक प्रकाशित हुए हैं और 2016-17 में 60 से अधिक लेख प्रकाशित हुए हैं।

संचालन के अंतर्गत मुख्य उपकरण

पाउडर एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर, हाईरेजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (टीईएम) – एनर्जी डिस्पर्सिव स्पेक्ट्रोस्कोपी (ईडीएस), न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनैन्स स्पेक्ट्रोमीटर-500 एमएचजेड, कन्फोकल माइक्रोस्कोपी, हाई रेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर, फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर, फोटोएमिशन स्पेक्ट्रोमीटर, रमन स्पेक्ट्रोमीटर और भौतिक गुण मापन प्रणाली



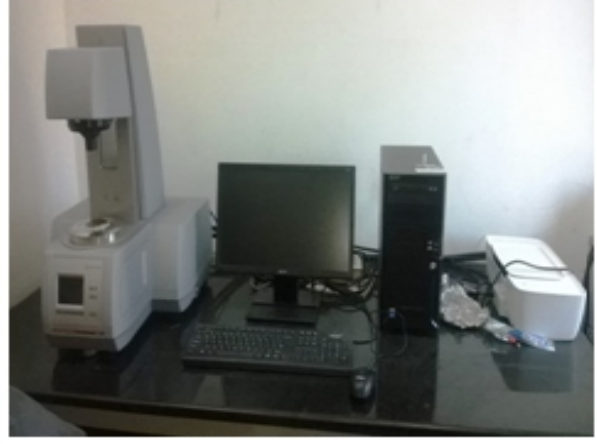
फेम्टोसैकिड लेजर पम्प-प्रोब सैटअप

प्रयोगशाला उपकरणों का सामान्य चरित्रण और विश्लेषण

गोलाकार द्विवर्णक, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, स्वचालित पोलेरीमीटर, फ्ल्यूरोसैस स्पेक्ट्रोमीटर, यूवी-वीआईएस-एनआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, यूवी-वीआईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फोरियर ट्रांसफोरम इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर, फोरियर ट्रांसफोरम इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर, एटोमिक एब्जोर्पसन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फ्ल्यूरोसैस जीवन समय मापन प्रणाली, थर्मो ग्रेविमीट्रिक एनालाईज़र कप्लड विद डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीटरी, फ्ल्यूरोसैस स्पेक्ट्रोमीटर (फ्ल्यूरोलोग), गैस क्रोमैटोग्राफी, उच्च निष्पादन द्रव क्रोमैटोग्राफी के साथ जेल परमीएशन क्रोमैटोग्राफी, सेन्ट्रीफ्यूज (बेंच टॉप), सेन्ट्रीफ्यूज (फ्लोर मॉडल), तेज प्रोटीन द्रव क्रोमैटोग्राफी, फ्ल्यूरोसैस स्पेक्ट्रोमीटर (फ्ल्यूरोलोग), टीसीएसपीसी जीवन काल, मल्टीमोड प्लेट रीडर, सोनीकेटर (क्यूआर 500), सही समय पीसीआर प्रणाली, यूवी-वीआईएस-एनआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर।



डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग



रीयोमीटर

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (सी4डीएफईडी):
सह समन्वयक: डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा



भा.प्रौ.सं. मण्डी में **इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (सी4डीएफईडी)** का मुख्य उद्देश्य बहु विषयक अनुसंधान के लिए उपकरण के प्रारूप एवं निर्माण के लिए एक अलग ही प्रकार की सुविधा का सृजन करना है, जहाँ श्रेणी 100, श्रेणी 1000 और श्रेणी 10000 की प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक सुविधाएँ की जाएँगी। यह केन्द्र नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स का विकास और अनुप्रयोग, भावी पीढ़ी प्रौद्योगिकी नोड, आईसी प्रारूप और निर्माण, नैनो माइक्रो (एनईएमएस और एमईएमएस) प्रणालियों और प्रारूप इत्यादि के लिए अत्यधिक अल्ट्रा वायलट लिथोग्राफी (ईयूएल) रोधी सामग्री जैसी अनुसंधान सुविधाओं का विकास और संचालन करने में सक्षम होगा।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में C4DFED उपभोक्ता सुविधा का विजन

- आगामी पीढ़ी संकलित परिक्षेत्र (आईसीज) एवं विद्युत उपकरण प्रारूप और रचना अनुसंधान तथा अर्धकुचालक उद्योगों को केन्द्रित कर प्रौद्योगिकी विकास करने के लिए विश्व स्तरीय गतिकीय अवसंरचना और उपकरण सैट।
- आजकल इस क्षेत्र में अन्य सम्बन्धित क्षेत्रों के समान विविध विशेषज्ञ और अनुसंधान परियोजनाएँ तथा अनेक कार्यक्रम संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई), अभियांत्रिकी स्कूल (एसई) और आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस) में सुव्यवस्थित हैं। यह केन्द्र भा.प्रौ.सं. मण्डी में अनुसंधान समुदाय के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना, अनुसंधान आवश्यकताओं की आपूर्ति करेगा। विद्युत उपकरण के प्रारूप एवं रचना के क्षेत्र में कार्य करने वाले

प्राध्यापकों और अनुसंधान कर्त्ताओं के लिए नेटवर्क का भी निर्माण करेगा, ताकि इसके लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्नत क्षेत्र में व्यापक प्रतिभागिता के साथ तेजी से प्रगति हो।

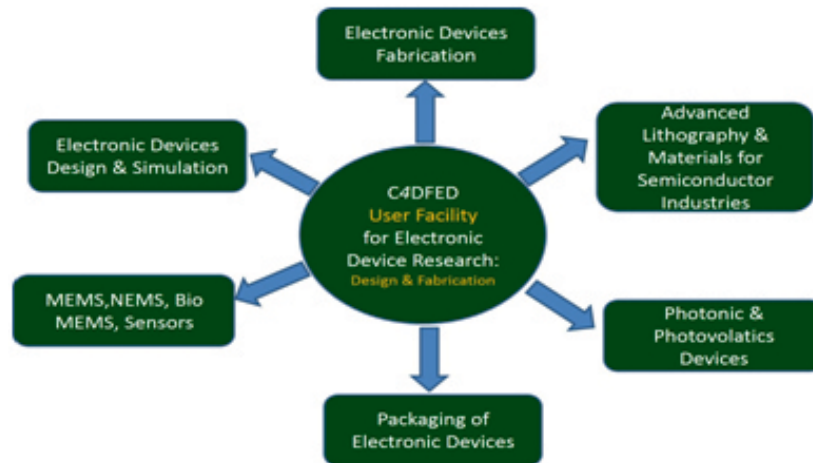
- पारस्परिक औद्योगिक व्यवहार एक महत्वपूर्ण ध्येय होगा।
- एक क्षेत्रीय केन्द्र की परिकल्पना की है। इसके मुख्य कार्यों में से एक कार्य लोक सम्पर्क के माध्यम से शिक्षा और श्रम शक्ति का विकास करना है।
- इस केन्द्र का विजन भा.प्रौ.सं. मण्डी के विजन जैसा और समकालीन है: “विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नवाचरण करना” है।
- यह भारत में उन्नत राष्ट्रीय निर्माण और राज्य नीतियों की परिधि के अंतर्गत है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में C4DFED उपभोक्ता सुविधा से विशेष कार्य

- आगामी उत्पादन संकलित परिक्षेत्रों (आईसीज)/विद्युत उपकरण प्रारूप और रचना के लिए केन्द्रीयकृत अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधा तथा अर्धचालक उद्योगों के लिए अत्याधुनिक सामग्री का भी सृजन करना है।
- अर्धचालक उद्योगों के लिए सामूहिक प्रयासों के माध्यम से स्थिर शैक्षिक संसाधनों और कुशल कर्मचारियों का विकास करना है।
- उद्योगों के साथ समन्वय बढ़ाना और वाणिज्यिक तथा नयी तकनीकों का उत्पादों में जन कल्याण के लिए स्थानांतरण करना है।
- बहु विषयक एमएस (अनुसंधान द्वारा), एम.टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम की शुरुआत करना है।
- अवर स्नातकों, स्नातकोत्तर और अध्यापकों तथा पड़ोसी संस्थानों के लिए लोक सम्पर्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना है।
- विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योग में पहुँच सहित उत्तरी भारत में क्षेत्रीय/राष्ट्रीय सुविधा करना है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में C4DFED उपभोक्ता सुविधा विषयगत क्षेत्र

- C4DFED उपभोक्ता सुविधा का ध्येय विशेष उपभोक्ता क्षेत्रों और अनुप्रयोगों के लिए अति सूक्ष्म/सूक्ष्म विद्युत उपकरणों का उत्पादन करना है, जिससे यह विद्युत उपकरण के प्रारूप और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र ज्ञान और संसाधन केन्द्र के रूप में जाना जाये।
- C4DFED उपभोक्ता सुविधा तेज वितरणीय और धारणा उपकरण प्रमाण के रूप में कुछ नमूनों का विकास करेगी, एक भाग नये विचारों और दृष्टिगत वस्तु में लगा होगा जो आगामी अति सूक्ष्म/सूक्ष्म विद्युत उपकरणों के प्रारूप और प्रौद्योगिकी के विज्ञान और अभियांत्रिकी का रूप होगा तथा इसका स्थायित्व और विकास सुनिश्चित करेगा।



विद्युत उपकरण अनुसंधान के लिए C4DFED उपभोक्ता सुविधा
विद्युत उपकरण रचना
अर्धचालक उद्योगों के लिए उन्नत शिलामुद्रण
फोटोनिक और फोटोवोल्टिक्स उपकरण
इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों की पैकिंग
एमईएमएस, एनईएमएस, बायो एमईएमएस, संवेदक
विद्युत उपकरण निर्माण और अनुकार

C4DFED का संक्षेप

क्रमांक

- | | |
|------------------------------|---|
| 1. केन्द्र का प्रयोजन | भा.प्रौ.सं. मण्डी में उपकरण प्रारूप और रचना पर बहुविषयक अनुसंधान सुविधा के लिए एकल सुविधा का सृजन करना |
| 2. उपभोक्ता | भा.प्रौ.सं. मण्डी के सभी प्राध्यापक जिनकी एक जैसी अनुसंधान रुचि है।
भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्र |
| 3. परियोजना की कुल लागत | 10 करोड़ + उपकरण |
| 4. विद्युत ऊर्जा की आवश्यकता | 600 KVA |
| 5. क्लास 100 क्षेत्र | 1200 वर्ग फुट |
| 6. क्लास 1000 क्षेत्र | 450 वर्ग फुट |
| 7. क्लास 10000 क्षेत्र | 350 वर्ग फुट |
| 8. क्लास 100000 क्षेत्र | 2000 वर्ग फुट |
| 9. स्थापित होने वाले उपकरण | शिलामुद्रण उपकरण, अन्य चरित्रण उपकरण और सम्बन्धित उपकरणों के साथ

अति सूक्ष्म और सूक्ष्म बिम्ब विधान |
| 10. अपेक्षित योजनाएँ | नैनो इलैक्ट्रॉनिक्स का विकास और अनुप्रयोग, आगामी उत्पादन प्रौद्योगिकी नोड, आईसी प्रारूप और रचना तथा नैनो माइक्रो (एनईएमएस और एमईएमएस) प्रणालियों तथा प्रारूपों आदि के लिए अत्यधिक अल्ट्रावायलट लिथोग्राफी (ईयूवीएल) का विकास। |

वर्तमान स्थिति

C4DFED के नागरिक कार्य का प्रथम चरण पूर्ण है और आशा है कि अगले दो माह में नागरिक कार्य के द्वितीय चरण अर्थात् उपयोगिता भवन का निर्माण पूरा हो जाएगा। क्लीन रूम वेंडर जल्दी ही क्लीन लैब के विकास के लिए जगह लेंगे। हम अपेक्षा करते हैं कि इस वर्ष के अंत तक उपकरणों और अन्य सुविधाओं की स्थापना के बाद यह केन्द्र संचालित हो जाएगा। प्रारूप प्रयोगशाला में अतिरिक्त स्थान निर्मित करने के लिए मुख्य परिवर्तन मेजेनाइन नामक फर्श है। देश में विद्युत उपकरणों के प्रारूप और निर्माण के क्षेत्र में ऐसी बहुत ही कम सुविधाएँ हैं, जैसी कि भा.प्रौ.सं. मण्डी में अत्याधुनिक सुविधा होगी, जोकि भारत का एक सर्वोत्कृष्ट संस्थान है।

बायो एक्स

सह समन्वयक: डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा
बायो एक्स केन्द्र की गतिविधियाँ

मुख्यतया कृषि से सम्बन्धित, सौन्दर्ययुक्त तथा भंगुर हिमालय में स्थित भा.प्रौ.सं. मण्डी का ध्यान कृषि तथा पर्यावरण पर है। दूसरा मुख्य अनुसंधान का क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य है। इसके लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी ने जीव विज्ञानों में हिमालयी क्षेत्र में शीघ्रतम सम्बन्ध के विस्तृत क्षेत्रों में गतिविधियों की शुरुआत की है। यह गतिविधियाँ विशेष तौर पर समाज के ग्रामीण एवम् निम्न-आय वर्ग के लोगों की स्वास्थ्य सेवा के लिये शुरु की हैं। परम्परागत किसानों को उन्नत ज्ञान और प्रौद्योगिकी से लाभान्वित करने की आवश्यकता है जो फलों, सब्जियों, केसर तथा इस क्षेत्र में औषधीय पौधों पर कार्य करते हैं। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को भी विकसित करने की आवश्यकता होगी।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इस उद्देश्य की पूर्ति में पहल करने के लिए बहु विषयक अनुसंधान और विकास करने के लिए आधार विज्ञान और अभियांत्रिकी के विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों को सम्मिलित किया है। भारत में सुगम स्वास्थ्य सुविधा की आवश्यकता की आपूर्ति के लिए, कृषि में उन्नत प्रौद्योगिकी की बाधाओं तथा हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण के संरक्षण के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी में इस पहल के भाग स्वरूप वर्ष 2012 में नये बायो एक्स केन्द्र की स्थापना की गई। तब से आधार विज्ञान स्कूल के छः प्राध्यापकों और दो जीव विज्ञान में सहयोगियों को नियुक्त किया है। इनके साथ अन्य स्कूलों (संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, अभियांत्रिकी स्कूल) के प्राध्यापकों का ध्यान जीव विज्ञान, जैव विज्ञान भौतिकी, नैनो तकनीक, जैव सूचना, पौधा व्यवस्था जीव विज्ञान तथा अन्य उच्चतम बहु विषयक अनुसंधान के क्षेत्र में है। इसके अतिरिक्त भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इन क्षेत्रों से सम्बन्धित प्रयोगशाला उपकरणों के लिए 10 करोड़ का निवेश किया है। प्राध्यापकों और अनुसंधानकर्ताओं ने भी इतनी ही राशि डीबीटी, डीएसटी, एसईआरबी, एमएचआरडी इत्यादि विभिन्न वित्तीय कम्पनियों से प्राप्त की हुई है। दिसम्बर 2016 में, जैसे ही यह राशि अधिक हुई बायो एक्स केन्द्र की औपचारिक संरचना की अंतरिम संस्तुति हुई।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बायो एक्स केन्द्र का व्यापक दृष्टिकोण स्वास्थ्य कल्याण में प्रणालियों और कृत्रिम जीव विज्ञान के क्षेत्र में केन्द्रित विषय कृषि और पर्यावरण में अत्याधुनिक अनुसंधान का निष्पादन करना है। बायो एक्स केन्द्र हिमालयी क्षेत्र और हिमालयी जैव विविधता के अनुरूप रोगों की रोकथाम और सुगम स्वास्थ्य कल्याण में प्रगति के लिए तकनीकी विकास और अभियांत्रिकी की सीमाओं का विस्तार करना है। यह विस्तार भू-तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए जीवन विज्ञान, भौतिकी विज्ञान और अभियांत्रिकी के बीच दूरी कम करके करना है। बायो एक्स केन्द्र के मुख्य कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्वास्थ्य से सम्बन्धित और कृषि आधारित प्रमुख चुनौतियाँ तथा अत्याधुनिक अनुसंधान समझना।
- बाहरी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए बहु संस्थानात्मक और बहु विषयक समन्वय बढ़ाना।
- उद्योग-शैक्षिक सहभागिता विकसित करना।
- अभियंताओं, संगणनात्मक वैज्ञानिकों, भौतिकीय और जीवन विज्ञान अनुसंधानकर्ताओं के बीच विचार-विमर्श की सुविधा करना।
- जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ अनुसंधान, नवोचार और आविष्कार की उत्कृष्टता में लगे रहना।

आजकल भा.प्रौ.सं. मण्डी में 20 प्राध्यापकों का दल उन विभिन्न विशेषज्ञ के साथ है, जिनका ध्येय बायो एक्स केन्द्र के मूल दृष्टिकोण के समान है। इनमें आधार विज्ञान स्कूल (जीव वैज्ञानिक, रसायन वैज्ञानिक, गणितज्ञ, संगणनात्मक जीव वैज्ञानिक), अभियांत्रिकी स्कूल (यांत्रिकी अभियांत्रिकी), संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (संगणनात्मक अभियांत्रिकी और विद्युत अभियांत्रिकी) के प्राध्यापक शामिल हैं। केन्द्र में शामिल किये जा रहे प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

ज्ञ के साथ है, जिनका ध्येय बायो एक्स केन्द्र के मूल दृष्टिकोण के समान है। इनमें आधार विज्ञान स्कूल (जीव वैज्ञानिक, रसायन वैज्ञानिक, गणितज्ञ, संगणनात्मक जीव वैज्ञानिक), अभियांत्रिकी स्कूल (यांत्रिकी अभियांत्रिकी), संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (संगणनात्मक अभियांत्रिकी और विद्युत अभियांत्रिकी) के प्राध्यापक शामिल हैं। केन्द्र में शामिल किये जा रहे प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

रोग की रोकथाम और सुगम स्वास्थ्य सुविधा

- जैव चिकित्सा उपकरण और यंत्रिकरण।
- जैव यांत्रिकी।
- जैव चिकित्सा बिम्ब विधान।
- अति सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी।
- जैव सामग्री।
- रोगों के लिए नैदानिक एवं चिकित्सा।

जैव प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोगों के लिए हिमालयी जैव विविधता विस्तार

- स्वास्थ्य और उद्योग के लिए प्राकृतिक उत्पाद जैव प्रौद्योगिकी ।
- औद्योगिक और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए नये माइक्रोबज (एन्ज़ाइमज) का विस्तार ।

हिमालयी क्षेत्र के अनुरूप कृषि प्रयोग

- कृषि में उच्च सतत् समलक्षणी रखना ।
- प्रबन्धन के लिए प्रमुख फसल रोगाणु प्रणाली विषलेषण ।

इस जोखिम कार्य के लिए बायो एक्स केन्द्र में भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ भा.प्रौ.सं. रोपड़ और पीजीआईएमईआर चण्डीगढ़ ने 'बायो एक्स संघ' का निर्माण किया है। संघ के अंतर्गत प्रमुख क्षेत्रों में जैव चिकित्सा उपकरण और यंत्रीकरण, जैव यांत्रिकी, जैव चिकित्सा बिम्ब विधान, रोगों, जैव चिकित्सीय अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी के लिए नैदानिक एवं उपचार शामिल हैं। अब तक भा.प्रौ.सं. मण्डी में संघ के दृष्टिकोण से सम्बन्धित तीनों संस्थानों के मध्य इस संघ की दिनांक 5 से 6 फरवरी, 2016 को चर्चा हुई। इसमें भा.प्रौ.सं. मण्डी और भा.प्रौ.सं. रोपड़ के लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसकी दूसरी बैठक भा.प्रौ.सं. रोपड़ में दिनांक 12 से 13 मार्च 2016 को आयोजित की गई, जिसमें तीनों संस्थानों से 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया और अनेक अनुसंधान कर्त्ताओं ने संघ के अंतर्गत मूल वित्त पोषण अनुदान के लिए अनुरोध किया। इसके लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी और भा.प्रौ.सं. रोपड़ के विभिन्न परियोजना अन्वेषकों को अब तक कुल 48 लाख रु. की वित्तीय सहायता मिली हुई है।

आजकल भा.प्रौ.सं. मण्डी के बायोएक्स केन्द्र में प्रयोगशालाएँ और प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) (एनएमआर, मास स्पैक्ट., एकल स्फटिक एक्सआरडी, संनाभि सूक्ष्मदर्शी, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त)।
- उच्च निष्पादन संगणन सुविधा।
- आण्विक और प्रणाली जीव विज्ञान।
- अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी।
- आगामी उत्पादन अनुक्रमण सुविधा।
- पशु गृह सुविधा।
- कोशिका और ऊतक संस्कृति सुविधाएँ।
- अन्य ओमिक्स में विस्तार।

बायो एक्स केन्द्र जैव प्रौद्योगिकी के अनेक क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को तेज करने के लिए प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है, जिसमें विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के साथ अपनी तेज सह क्रिया का समायोजन करते हुये जीव विज्ञान, जैव सूचना, मिसफोल्डिंग रोगों का जैव भौतिकी विज्ञान, स्वतः अव्यवस्थित प्रोटीन (आईडीपीज), उपापचयी अभियांत्रिकी, अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी, वैकल्पिक दवा, कृत्रिम जीव विज्ञान आदि शामिल हैं। आजकल बायो एक्स केन्द्र में पचास से अधिक अनुसंधान विद्वान् अपनी पी.एचडी. उपाधि से सम्बन्धित विषयों के लिए इस विकसित सुविधा का उपयोग करते हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी में केन्द्र की सुविधाएँ आधार विज्ञान स्कूल में चल रहे जैव प्रौद्योगिकी में एम.टैक. कार्यक्रम का अभिन्न भाग हैं। माह अगस्त 2016 में जैव प्रौद्योगिकी में एम.टैक. कार्यक्रम का आरम्भ आगामी छात्रों को अत्याधुनिक ज्ञान और दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से किया है, जो जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान तथा जैव फार्मा आधारित उद्योग के लिए उपयुक्त है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में एम.टैक. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का प्रयोजन अनुसंधान और जैव उद्योग में गहन रुचि रखने वाले छात्रों को प्रशिक्षित करना है, ताकि वे जैव चिकित्सा अनुसंधान/उद्योग की चुनौतियों का सामना कर सकें। यह पाठ्यक्रम "जैव विज्ञान प्रणालियाँ" और "चिकित्सा एवं अति सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी" में विशेषज्ञता के साथ जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के बुनियादी और मूल व्यावहारिक ज्ञान के लिए संचालित है। इसके अतिरिक्त, अन्य विषयों के वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को बहु विषयक जानकारी प्रदान करेंगे। अन्य स्कूलों से ऐच्छिक मूल विषय, बायोएक्स के विशिष्ट विषय, प्रयोगशाला प्रशिक्षण में दक्ष छात्रों को परियोजना घटक के साथ पाठ्यक्रम के पूर्ण होने पर कार्यालय/अन्य अनुसंधान और विकास संस्थानों/उद्योगों में लिया जायेगा, जहाँ उन्हें शिक्षा और उद्योगों में आधुनिक नौकरी के लिए अपेक्षित जानकारी प्रदान कर दक्ष किया जाएगा।

य, बायोएक्स के विशिष्ट विषय, प्रयोगशाला प्रशिक्षण में दक्ष छात्रों को परियोजना घटक के साथ पाठ्यक्रम के पूर्ण होने पर कार्यालय/अन्य अनुसंधान और विकास संस्थानों/उद्योगों में लिया जायेगा, जहाँ उन्हें शिक्षा और उद्योगों में आधुनिक नौकरी के लिए अपेक्षित जानकारी प्रदान कर दक्ष किया जाएगा।



बायोएक्स की प्रयोगशालाएँ

प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र

भा.प्रौ.सं. मण्डी में 'प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र' स्नातक और अनुसंधान विद्वानों के लिए आवश्यक कौशल का विकास करता है, जो उत्पाद के प्रारूप और प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक है। क्योंकि भारत "मेक इन इंडिया" नीति से लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तथा भा.प्रौ.सं. मण्डी का उद्देश्य देश के उद्देश्य से सुसंगत है। हमारा संस्थान ऐसी योग्यता के साथ स्नातक तथा अनुसंधान विद्वान् तैयार करने की कोशिश कर रहा है, जो उन्हें सृजनात्मक एवम् नव प्रवर्तन के तौर पर स्वतंत्रतापूर्वक सोचने योग्य बनाये। परिसर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अत्याधुनिक प्रारूप केन्द्र की स्थापना इस धारणा के साथ की जा रही है कि प्रगति और किसी भी गतिविधि में स्थायी सुधार करने के लिए नव प्रौद्योगिकी विकास एक महत्वपूर्ण अवयव है। आगामी नवोत्थान और उद्यमिता से वैश्विक उन्नति होगी। यह भारत में आगामी वर्षों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संचालक होगा।

प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 1.3 करोड़ रु. की परियोजना से वित्त पोषित है। यह केन्द्र भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों और प्राध्यापकों को प्रोटोटाइप और उत्पाद बनाने के प्रयास में सहायता करता है। इस केन्द्र में 3डी प्रिंटर, पीसीबी फेबरीकेशन यूनिट, चुम्बकीय उत्तेजक, एल्विस प्रणाली विकास बोर्ड और अन्य विकास तथा परीक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह केन्द्र संस्थान के सभी छात्रों को हर समय पहुँच प्रदान करता है।

इस केन्द्र का समन्वय डॉ. मोहम्मद तल्हा, डॉ. अतुल धर, डॉ. कौस्तव सरकार (अभियांत्रिकी स्कूल) और डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली (आधार विज्ञान स्कूल) के साथ डॉ. शुभाजीत राँय चौधुरी (संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी) करते हैं।

इस वर्ष केन्द्र ने नमूने के लिए तीन परियोजनाएँ स्वीकृत की हैं, जिनमें पूर्व उत्पाद रूपांतरण में एक स्वयं नियंत्रित गिटार, आइग्नेस बीलेटर नामक एक अग्नि शमन रोबोट और स्वतः चालित राशन विक्रय करने वाली मशीन है। गिटार की तार से उत्पन्न ध्वनि की आवृत्ति से गिटार के स्वयं बजने का पता चलेगा और अचानक सही आवृत्ति के लिए तार की संगति होगी। इग्नेस बेल्टर एक स्वचालित रोबोट है, जो आग बुझाने वाले के स्थान पर कार्य करता है और मानव जीवन के खतरे को कम करता है। यह उपकरण उपभोक्ता और समीपस्थ अग्नि स्टेशन को एसएमएस चेतावनी देता है। यह आग लगने की सूचना के न होने पर हुये नुकसान को कम करता है। प्रस्तावित स्वचालित विक्रय करने वाली मशीन का मुख्य उद्देश्य भारत में राशन के भण्डार में संचालन करने के लिए स्वीकृत करना है। यह मशीन लगभग 2 मीटर ऊंची और क्षेत्रफल 11 मीटर है। इसमें राशन की विभिन्न मदों के लिए भण्डारण बर्तन रखे गये हैं और एक विशेषीकृत राशन की एच्छिक मात्रा का वितरण अंतरिम परिणाम है।

हम इस वर्ष भा.प्रौ.सं. दिल्ली और एमआईटी के सहयोग से एक नवोत्थान शिखर सम्मेलन का आयोजन दिनांक 23 जून से 4 जुलाई, 2017 तक कर रहे हैं। इनमें 48 छात्र चयनित किए गए हैं, जिनमें 24 छात्रों का चयन समस्त भारत से किया गया है और एमआईटी के 24 छात्र नवोत्थान परियोजना पर मिलकर कार्य करेंगे और मेक इन इंडिया के बैनर तले कुछ नमूने बनाएँगे।



गत वर्ष केन्द्र ने नमूनों के लिए पूर्व उत्पाद रूपांतरण के लिए तीन परियोजनाएँ स्वीकृत की हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार से है:

1. स्वतः नियंत्रित गिटार

रचनाकार: अक्षत गुप्ता, चतुर्थ वर्ष बी.टैक (ईई) छात्र

प्राध्यापक परामर्शदाता: डॉ. अनिल कुमार साव

संक्षेप: गिटार बजाने वाला व्यक्ति अच्छी बजने वाली गिटार का महत्त्व समझता है। कोई भी व्यक्ति गिटार से संगीत का सृजन तभी कर सकता है, यदि वह तार को सही रूप से समायोजित करे। गिटार को सही तरीके से बजाने वाले के आरम्भ में 5 से 10 मिनट तक लग सकते हैं और यह अक्सर असुविधाजनक होता है। हालांकि पेशेवर गिटारवादकों को भी गिटार बजाने में कुछ समय लग जाता है। अलग-अलग पैमाने पर विभिन्न प्रकार के गाने बजाने के लिए समय-समय पर गिटार की ट्यून (धुन) को परिवर्तित करना पड़ता है। पेशेवर गिटारवादकों को सीधे प्रसारण के दौरान रिक्त स्थान को भरने के लिए कई बार अनेक गिटारों को रखना पड़ता है और अलग-अलग प्रकार की ट्यून सावधानीपूर्वक निकालनी होती है। इस परियोजना में जटिल प्रक्रिया को “स्वतः नियंत्रित गिटार” द्वारा सरल किया जाता है। यह तंत्र गिटार की तार द्वारा उत्पन्न ध्वनि आवृत्ति की जाँच करेगा और जल्दी ही सही आवृत्ति के लिए तार से सुर मिलाएगा। ऐसा ‘आवृत्ति पहचान कर्ता’ के उपयोग से किया जाता है, जो गिटार से संलग्न माइक्रो नियंत्रक को करंट आवृत्ति (संगीतमय नोट) के बारे में सूचना देता है, जिसके लिए एक तार लगाई जाती है। सही आवृत्ति (संगीतमय नोट) से सम्बन्धित सूचना जिसके लिए तार लगनी चाहिए उसे माइक्रो नियंत्रक में डाला जाता है। सूक्ष्म नियंत्रक इन सूचनाओं और “मानचित्रण” का उपयोग करता है, जिसे हम इस परियोजना पाठ्यक्रम में पाते हैं। गिटार से संलग्न मोटर के उपयोग से सही आवृत्ति के लिए गिटार की तार से सुर मिलाते हैं।

2. इग्निस बेल्लेटर: द फायर वेरियर

विकासक: प्रियांश सक्सेना, तृतीय वर्ष बी.टैक. (सीएसई) छात्र

पुलकित राजगडिया, तृतीय वर्ष बी.टैक. (ईई) छात्र

आकाश कुमार कुशवाहा, तृतीय वर्ष बी.टैक. (एमई) छात्र

प्राध्यापक परामर्शदाता: डॉ. शुभाजीत रॉय चौधुरी और डॉ. मोहम्मद तल्हा

संक्षेप: आग के कारण प्रतिवर्ष जीवन और सम्पत्ति का भारी नुकसान होता है। आग बुझाना एक जोखिम वाला कार्य है और

इसके लिए बहुत ही कुशल श्रम की आवश्यकता होती है।

क्या आग बुझाने वालों को खतरे में डाले बिना आग बुझाना सम्भव है? इसका समाधान एक स्वायत्त रोबोट का विकास करने में है, जो आग बुझाने वाले के स्थान पर कार्य करता है और मानव जीवन का खतरा कम करता है। यह उपकरण उपभोक्ता और समीपस्थ स्थान को एक चेतावनी वाला एसएमएस प्रेषित करता है और कठिन परिस्थितियों में मार्गदर्शन करता है। यह विशेष रूप से आग बुझाने वाले के जोखिम को कम कर सकता है। यह उपकरण एक सीधे प्रसारण वाले कैमरे से युक्त है जो आग से प्रभावित क्षेत्र में मानव उपस्थिति को दिखा सकता है। इसका प्रयोग जीवन बचाने के लिए उचित कार्रवाई के लिए किया जा सकता है। रोबोट तर्कसंगत तापमान की सीमा के अंतर्गत कुशलतापूर्वक कार्य कर सकता है।

3. स्वचालित राशन बेचने वाली मशीन

विकासक: अनुराग राकडे, तृतीय वर्ष बी.टैक. (ईई) छात्र

आर्यन कुमार, तृतीय वर्ष बी.टैक. (सीएसई) छात्र

अविनाश गुप्ता, तृतीय वर्ष बी.टैक. (एमई) छात्र

रोहित कुमार वर्मा, तृतीय वर्ष बी.टैक. (सीएसई) छात्र

सिमरन जीत सिंह, तृतीय वर्ष बी.टैक. (ईई) छात्र

प्राध्यापक परामर्शदाता: डॉ. कौस्तव सरकार

संक्षेप: भारत में नागरिक वितरण प्रणाली दोष रहित नहीं है। इस देश की जनसंख्या के लगभग 40 करोड़ परिवार गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) आते हैं। यहां ग्राहकों को घटिया भोजन मिलने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। धोखेबाज व्यापारी बढ़िया आपूर्ति के स्थान पर घटिया अनाज देते हैं और अनेक प्रकार से भ्रष्टाचार करते हैं। यद्यपि राशन भण्डारों में लम्बी कतारों की समस्या है, जिससे बहुत समय बर्बाद हो जाता है और अनचाहा शोरगुल भण्डारों में होता है। भण्डार के कर्मचारियों की ओर से भ्रष्टाचार और आपराधिक घटनाएँ देखने में आती हैं। परियोजना का उद्देश्य स्वचालित बेचने वाली मशीन के रूप में एक उत्पाद विकसित करना है, जिसका स्वीकृत होने का मुख्य अर्थ, भारत देश में राशन के भण्डार में संचालित करना है। यह मशीन 2 मीटर ऊंची और क्षेत्रफल 1X1 मीटर है। इसमें विभिन्न राशन मदों के लिए भण्डारण बर्तन हैं और अंतरिम परिणाम एक विशेषीकृत राशन की वांछित मात्रा का वितरण है। इन वस्तुओं में गेहूं, दूध, मिट्टी का तेल, चीनी आदि वस्तुएँ शामिल हो सकती हैं, जिन्हें बाजार मूल्य (निर्गत मूल्य) से कम मूल्य पर राशन कार्ड धारक को वितरित कर सकते हैं। इस उत्पाद को बनाने का उद्देश्य जहाँ तक सम्भव हो सके उपभोक्ता के अनुकूल हो। स्वचालित राशन बेचने वाली मशीन (एवीआरएम) का एक अंतरापृष्ठ (स्पर्श प्रपट्ट) है। जैसे ही निदेश दिया जाता है, उत्पाद का सम्पूर्ण यंत्र कार्य करता है। ग्राहक को उस वस्तु की मात्रा के बारे में बताना होता है, जिसकी उसे आवश्यकता हो। राशन वितरण के तुरन्त बाद एक मुद्रित बिल बन जाएगा। ग्राहक के बैंक खाते से उसी समय विशेषीकृत राशि कट जाएगी। यंत्र रचना ऐसी है कि जब वे एकबार न्यूनतम मात्रा पर पहुँचते हैं, तब भण्डार कर्मचारी नियमित रूप से बैग भर सकते हैं।

अनुसंधान समूह

1. यूएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (यूएचएल)

भा.प्रौ.सं. मण्डी अपने बहु-विषयक दृष्टिकोण से कार्य करता है, जिसमें विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नव आचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये भा.प्रौ.सं. मण्डी के बहुत से प्राध्यापक सदस्यों ने अपने आप को ऐसी गतिविधियों में लगा रखा है जो आगामी समय में भा.प्रौ.सं. मण्डी की मनोरूपता को पाने में सहायक होंगी। ऐसे ही प्रयासों में से 'हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिये केन्द्र' (यूएचएल) एक है, जिसे भारत सरकार, डीएसटी के अनुदान से वर्ष 2012 में स्थापित किया था। केन्द्र ने पहले से ही बहुत सीमित संसाधनों से सामाजिक तथा आर्थिक महत्त्व की बहुत सी परियोजनाएँ ली हैं, जो प्रभावी हुई हैं। इन परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:

खतरनाक चीड़ की पत्तियों का पर्यावरण के अनुकूल प्रयोग

चीड़ की पत्तियाँ प्राकृतिक तरीके से सड़नशील न होने के कारण और अत्यधिक ज्वलनशील प्रकृति की होने के कारण पर्यावरण, जैव विविधता और पहाड़ी क्षेत्र में स्थानीय आर्थिकी के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न जैव मात्रा के संयोजन से पैलेटाइजेशन / इष्टिकायन द्वारा चीड़ की पत्तियों का उपयोग करना है। केन्द्र, ब्रिकेट बनाने के लिए प्रदर्शन यूनिट बनाने के अन्तिम चरण में है। हमारा उद्देश्य इसके माध्यम से हिमालयी क्षेत्र के सरकारी / अर्द्धसरकारी संस्थानों में प्रौद्योगिकी का विकास और स्थानांतरण करना है।

यूएचएल ने पहले ही चीड़ की पत्तियों का ब्रिकेट (बुरादा) और लकड़ी के चिप्स (टिकिया) अन्य तत्त्वों के मिश्रण से तैयार किये हैं। केन्द्र, परिसर में अपनी यूनिट का प्रदर्शन करता है। परिसर में बैडमिंटन कोर्ट के पीछे एक नयी प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। केन्द्र अपने लिए बुरादा और पेल्लीटाइजेशन यूनिट का क्रय कर रहा है, जिसकी प्रक्रिया अंतिम अवस्था में है। हम इस वर्ष, 2017 के अंत में भा.प्रौ.सं. मण्डी में परीक्षित परिणाम के साथ कार्यात्मक बुनियाद रखेंगे। पेल्लेटाइजेशन और चीड़ की पत्तियों के बुरादे बायोमास का विवरण निम्नलिखित है:-

चीड़ की पत्तियों का पेल्लीटाइजेशन

लुधियाना में उद्योग आधारित चीड़ की पत्तियों के जैव मात्रा पेल्लीटाइजेशन के लिए परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया है। पेल्लीटाइजेशन के अतिरिक्त पोलेराइजर की सहायता से चीड़ की पत्तियों को पीसा भी गया है। ब्रिकेटिंग से चीड़ की पत्तियों का पेल्लीटाइजेशन इसके पूर्ण उपयोग और इसकी अन्य मिश्रण के साथ अनुकूलता के कारण अधिक प्रभावी है। भा.प्रौ.सं. मण्डी में संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया विचाराधीन है। चीड़ की पत्तियों की टिकिया और चीड़ की पत्तियों की यूनिट को दर्शाते हुए निम्नलिखित चित्र संलग्न हैं:



चीड़ की पत्तियों का इष्टिकायन

सबसे पहले चीड़ की पत्तियों के ब्रिकेटस बुरादे और लकड़ी के चिप्स तैयार किये जाते हैं। यह प्रयोग नगरोटा बागवान में स्थित ओच्चा फ्यूल्ज प्राइवेट लिमिटेड में सफलतापूर्वक किया है। ब्रिकेट मशीन की स्थापना की प्रक्रिया विचाराधीन है।

इसके अतिरिक्त, ब्रिकेट के लिए कुछ नमूने का विश्लेषण किया है, जैसे कि कैलोरी मूल्य परीक्षण, वाष्प सामग्री परीक्षण, राख सामग्री परीक्षण, नमी सामग्री और कुल ठोस सामग्री।

अजोला पशु चारे के रूप में

अजोला पानी का पर्णांक है, जो पानी के तल पर तैरता है, अक्सर इसकी जड़ें जलमग्न रहती हैं और यह सामान्यतः मिट्टी और पानी की गहराई पर निर्भर नहीं है। अजोला में उच्च अपरिष्कृत प्रोटीन सामग्री (19 से 30 प्रतिशत तक सीमा) और विटामिन (विटामिन ए, विटामिन बी12 और बीटा-कैरोटीन) है। यह मध्यस्थ और कैल्शियम, फॉस्फोरस, पोटेशियम, फ़ैरस, कॉपर मैग्निशियम जैसे खनिजों की वृद्धि करने वाला है। इसका ज्यादातर उपयोग जैव खाद के रूप में और पशु चारे के लिए होता है।

अजोला का मुख्य लाभ यह है कि यह दूध की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाता है। प्रयोगों से पता चलता है कि अजोला दूध की मात्रा 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ाता है। हम अजोला के उत्पादन के लिए अनुकूल परिस्थितियों का ध्यान रख रहे हैं। क्षेत्र में सर्दी में तापमान को देखते हुये इसे अत्यधिक सर्दी से बचाने का काम बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, हमारा उद्देश्य चावल के खेत में खाद के रूप में अजोला की जैव क्षमता की जाँच करना है।

हम हिमाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों में अजोला के विस्तार की कोशिश कर रहे हैं। हमारी टीम अजोला संयंत्र के लिए मण्डी के विभिन्न स्थानों में नियमित अंतराल में जा रही है। हम ग्रामीणों के लिए प्रदर्शन के साथ एक विशेष किट प्रदान करते हैं, जिसमें अजोला नमूना, खाद और वितान सम्मिलित है। हम अजोला प्रदर्शन के लिए कमान्द के आस-पास के 15 से अधिक गाँवों में गये हैं। हम अजोला के उत्पादन के सन्दर्भ में सर्वेक्षण और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रहे हैं। अजोला के कुछ चित्र निम्नलिखित हैं:-



इन दूरगामी गतिविधियों के अतिरिक्त शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक लाभ जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अंशकालिक गतिविधियों की शुरुआत भी की गई है। केन्द्र इन अंशकालिक परियोजनाओं के अंतर्गत सम्पूर्ण कमान्द घाटी में समस्या जानने के लिए सर्वेक्षण आयोजित कर रहा है। केन्द्र स्थानीय समुदाय के बीच आजीविका अवसर के सृजन के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आगामी पीढ़ी सृजित नव उद्यम सम्बन्धी सम्भावनाओं का लाभ उठा सके।

1. बहु माध्यम विश्लेषक और प्रणालियाँ (एमएएस)

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बहु माध्यम विश्लेषक और प्रणालियाँ (एमएएस) प्रयोगशाला व्यापक स्तर पर अनेक प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है, जिसमें बिम्ब, श्रव्य और दृश्य विषय, सामाजिक नेटवर्क, दस्तावेज़ रिकॉर्ड आदि का निष्कर्ष शामिल है। यह समूह अभी संगणक मनोरूपता, चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण, भाषण और श्रव्य सांकेतिक प्रक्रम, सामाजिक और डाटा नेटवर्क विश्लेषण के विषयों को देखता है।

एक और प्रणालियाँ (एमएएस) प्रयोगशाला व्यापक स्तर पर अनेक प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है, जिसमें बिम्ब, श्रव्य और दृश्य विषय, सामाजिक नेटवर्क, दस्तावेज़ रिकॉर्ड आदि का निष्कर्ष शामिल है। यह समूह अभी संगणक मनोरूपता, चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण, भाषण और श्रव्य सांकेतिक प्रक्रम, सामाजिक और डाटा नेटवर्क विश्लेषण के विषयों को देखता है।

एमएएस समूह में शामिल वर्तमान गतिविधियाँ

- पक्षियों का बहुविध वर्गीकरण: इस अनुसंधान में श्रव्य, बिम्ब और वीडियो से पक्षियों की जाँच और वर्गीकरण शामिल है। इन विभिन्न प्रकार के साधनों से एकत्रित सूचना का प्रयोग पक्षियों की जाति और पक्षियों के गायन के वर्गीकरण जैसे अनुप्रयोग में विश्वसनीय निर्णय लेने के लिए कर सकते हैं। यह कार्य भा.प्रौ.सं. मण्डी में डीएसटी-एसईआरबी की मूल

अनुदान अनुसंधान परियोजना में मदद करता है। अन्य सहयोगियों में आईआईएसआईआर तिरुपति और सीडीएसी बंगलौर के अनुसंधान कर्ता शामिल हैं।

- कम क्षेत्र वाला एमआरआई स्कैनर: इस समूह के कुछ सदस्य उठाने योग्य सस्ते कम चुम्बकीय क्षेत्र वाले चुम्बकीय अनुनाद बिम्ब स्कैनर विकसित कर रहे हैं। इस परियोजना में भा.प्रौ.सं. रोपड़ और पीजीआई चण्डीगढ़ के अनुसंधानकर्ता सहयोगी हैं।
- सूक्ष्मदर्शी बिम्बों से ग्रैव कैंसर का अनुवीक्षण: बंगलौर में अइन्द्रा प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर स्टार्टअप में समूह के कुछ सदस्य ग्रैव कैंसर का पता करने के लिए स्वचालित पैप आलेप बिम्ब हेतु अलॉगरिथम का विकास कर रहे हैं।
- असामान्य गतिविधि और मानव व्यवहार विश्लेषण: विश्लेषण के लिए अधिक आँकड़े, मशीन अधिगम और गहन अधिगम में संभावना प्रदर्शित करते हैं। यह परियोजना कोविड ग्रुप के साथ है और इसका उद्देश्य निरीक्षण वीडियो का विश्लेषण करना है।

2. संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान

संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान (सीएमपी) की गतिविधि में 35 से अधिक अनुसंधान कर्ता 6 अनुसंधान ग्रुप में दृढ़ता से सह-सम्बन्धित इलैक्ट्रॉन प्रणालियों, अधिचालकता, चुम्बकत्व, मल्टीफैरोइक्स, मैग्नेटोकैलोरिक्स, धातु विद्युत रोधी संक्रमण, अति सूक्ष्म विज्ञान, तापीय विद्युत और गहन कार्यात्मक इलैक्ट्रॉनिक बैंड संरचनात्मक संगणन आदि के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। यहां फोटोएमिशन स्पेक्ट्रोमीटर, एसक्यूआईडी मैग्नेटोमीटर, भौतिक गुण मापन प्रणाली, रमण स्पेक्ट्रोमीटर और निम्न ताप ($T=1.8K$) पर मापन की पहुँच की अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं। इस क्षेत्र में भा.प्रौ.सं मण्डी ने उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं के प्रकाशन में पहचान बनाना आरम्भ किया है। वाणिज्यिक प्रयोगात्मक उपकरणों के अतिरिक्त उच्च तापमान विद्युत प्रतिरोधकता के लिए घरेलू प्रयोगात्मक सुविधा, ताप विद्युत ऊर्जा, तापीय चालकता और $T=10K$ से नीचे परावैद्युत मापन के लिए भी विकास किया है।

वर्ष 2016-17 में, पत्रिकाओं में 30 से अधिक अनुसंधान प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं, जैसे कि यूरोफिजीक्स लैटर, जर्नल ऑफ फिजीक्स: कन्ड मैट, वैज्ञानिक उपकरणों की समीक्षा, आरएससी एडवांसिस, चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री की पत्रिका, फिजीका बी, जर्नल ऑफ फिजिक्स, संगणन सामग्री विज्ञान इत्यादि। प्राध्यापकों और अनुसंधान विद्वानों ने विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पर्याप्त संख्या में संस्थान का प्रतिनिधित्व कर अपने कार्य का प्रदर्शन वार्ता और पोस्टर आदि प्रस्तुत कर किया। प्राध्यापकों ने इस संस्थान में और अन्य भारतीय संस्थानों (टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर, मुम्बई और इन्दौर में यूजीसी-डीई सीएसआर, एनआईटी राउरकेला, जे.एन.यू. इत्यादि) के साथ अच्छा समन्वय स्थापित किया है। उन्होंने डीएसटी-एसआईआरबी, सीएसआईआर, बीआरएनएस, यूजीसी-डीई सीएसआर जैसी विभिन्न बाहरी वित्तपोषित कम्पनियों से लगभग 2 करोड़ की धनराशि प्राप्त की है।

ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने वर्ष 2016 में “ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण” आयोजित किया। यह कार्यक्रम दिनांक 13 जून से 5 अगस्त, 2016 तक आयोजित किया गया। इस वर्ष चयनित परामर्शदाताओं की संस्तुति के आधार पर 30 प्रशिक्षुओं को आमन्त्रित किया गया। इसमें प्रतिभागी छात्र जिन संस्थानों से आये थे, उनके नाम निम्नलिखित हैं: वीआईटी विश्वविद्यालय, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान, जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय, एनआईटी राउरकेला, मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, भा.प्रौ.सं. रुड़की, मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, एसीबीआर विश्वविद्यालय, श्री शिवसुब्रमण्य नादर अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, एनआईटी गोवा, ओस्मानिया अभियांत्रिकी महाविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कोचिन विश्वविद्यालय, आईआईआईटी दिल्ली, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान, आईआईटी बीएचयू, आईआईटी जोधपुर, आईआईटी कानपुर, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, आईआईएसईआर भोपाल, एसवीएनआईटी, सूरत, कला और विज्ञान महाविद्यालय एसआरएमवी, ककाटिया विश्वविद्यालय और जेपियार अभियांत्रिकी महाविद्यालय। सभी छात्रों का दक्षता सेट प्रयोगशाला में रखी परियोजना के अनुरूप था।

छात्रों ने निम्नलिखित विभिन्न विषयों में प्रवेश लिया :

- ध्वनि विज्ञान।
- एआई, संज्ञानात्मक विज्ञान, मानव-संगणक अन्योन्य क्रिया।
- वैकल्पिक ईंधन, आईसी ईंजन।
- परमाण्विक भौतिक विज्ञान।
- जीवाणु सीमेंटित प्रकृति प्रणाली।
- जैव प्रेरित कार्यात्मक सामग्री।
- जीव विज्ञान (आण्विक जीव विज्ञान)।
- जैव प्रौद्योगिकी।
- संदीप्त सामग्री रसायन विज्ञान।
- संगणक दृष्टिकोण, चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण।
- नियंत्रण प्रणालियाँ।
- वितरित जाँच बिन्दु और स्थायी निर्धारक जाँच के लिए अलॉगरिथम का प्रारूप और सत्यापन।
- परियोजनाओं के लिए सूक्ष्म नियंत्रक अनुप्रयोगों का विकास।
- भिन्नात्मक समीकरण, गणितीय रूपांकन।
- द्रव और तापीय विज्ञान।
- भू-तकनीकी अभियांत्रिकी।
- बिम्ब और भाषण पैटर्न विश्लेषण।
- सामग्री रसायन विज्ञान।
- मेटाबोलोमिक्स/कोशिकीय उपापचय।
- अति सूक्ष्म सामग्री, प्रकाश संवेदक, दवा वितरण।
- सूक्ष्म सामग्री: नियंत्रणीय संश्लेषण और संवेदी अनुप्रयोग।
- अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी।
- आंशिक भिन्नात्मक समीकरणों, संगणनात्मक द्रव गतिविज्ञान (सीएफडी), गणितीय बिम्ब प्रक्रम के लिए सांख्यिकीय विधियाँ।
- प्रयोगात्मक संघनित सामग्री भौतिक विज्ञान।
- रोबोटिक्स।
- भाषण श्रव्य प्रक्रम और मशीन अधिगम।
- अधि चालकता।
- सैद्धांतिक और संगणनात्मक रसायन विज्ञान।
- प्रमाण सहायता उपकरण से रनैपशॉट अलॉगरिथम का सत्यापन।
- स्पंदन-प्रयोगों का प्रारूप, अरैखिक स्पंदन।

‘ग्रीष्म कालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम’ 8 सप्ताह का था। इस कार्यक्रम में छात्रवृत्ति और आवास की सुविधा भी थी।

केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय भा.प्रौ.सं. मण्डी के शैक्षणिक तथा अनुसंधान लक्ष्य के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ज्ञान सृजन और प्रसार को सरल बनाता है। पुस्तकालय वर्तमान पुस्तकालय सेवाओं (जो अध्यापन, अध्ययन और अनुसंधान की गतिविधियों के साथ एकीकृत हैं) को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय अध्ययन में उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाता है, उपयुक्त शिक्षण और अनुसंधान वातावरण बनाता है। यह छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान सम्बन्धी आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाने के अतिरिक्त आज के परिवर्तित वातावरण की आवश्यक बुनियादी जानकारी प्रदान करता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी का केन्द्रीय पुस्तकालय पुस्तकों, सन्दर्भ पुस्तकों, प्रतिवेदनों, पत्रिकाओं तथा इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के अपने संग्रह का तेजी से विकास कर रहा है। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तक संग्रह चालू स्नातक शिक्षण कार्यक्रम में विशेष सहायक होता है। संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान और अंग्रेज़ी आदि विभिन्न विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके साथ-साथ स्नातकोत्तर कार्यक्रम का भी विकास किया जा रहा है।

केन्द्रीय पुस्तकालय अनेक ई-ऑकड़े आधारित पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है। इसमें गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी, संगणक विज्ञान, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिकी और खगोल विज्ञान जैसे विषयों पर सैंकड़ों पत्रिका शीर्षक सम्मिलित हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय खुले स्रोत पुस्तकालय प्रबन्धन सॉफ्टवेयर कोहा के उपयोग से स्वतः चालित है। सभी दस्तावेज़ बार कोडित हैं तथा पूर्व व्यापी रूपान्तरण द्वारा सभी संग्रह जो स्वचालन से पहले अधिगृहीत किये गए थे, वे भी केन्द्रीय पुस्तकालय डेटा-बेस में शामिल कर लिए गए हैं। पुस्तकों का लेन-देन भी स्वचालित है। पुस्तकालय की अनेक नवीनतम सेवाओं (सीएस/एसडीआई, आईएलएल की ऑन लाइन स्थिति, पुस्तकों का ऑन लाइन संरक्षण आदि) को आरम्भ किया गया है। उपभोक्ता अपने उधार की स्थिति का विवरण वैब ओपेक का प्रयोग करके ऑन लाइन जाँच सकते हैं। उपभोक्ताओं की पुस्तकालय संसाधन तक पहुँच के लिए दो कार्यस्थल स्थापित किए गए हैं।

पुस्तकालय में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर

1. **कोहा:** स्वचालन के लिए।
2. **डीस्पेस:** अंकरूपण के लिए।
3. **ग्रीनस्टोन:** अंकरूपण के लिए।
4. **लाइनक्स:** संचालन प्रणाली के लिए।

1. संग्रह विकास और प्रबन्धन

संग्रह करना पुस्तकालय का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। यह छात्रों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग तथा अन्य उपभोक्ताओं के शैक्षिक तथा अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय के संग्रह में पुस्तकें, पत्रिकाएँ, प्रतिवेदन, छोटी पुस्तकें तथा विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान जैसी अन्य पढ़न सामग्री सम्मिलित है।

1.1 वर्ष 2016-17 में शामिल किये गये मुद्रित दस्तावेज़

वर्ष 2016-17 में केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा 32 सन्दर्भ पुस्तकों सहित 1960 पुस्तकों का अधिग्रहण किया गया। पुनः प्रकाशित संस्करणों, तकनीकी प्रतिवेदनों तथा दूसरे विश्वविद्यालयों/संस्थानों के वार्षिक प्रतिवेदनों के अतिरिक्त इसमें कुछ आवधिक पत्रिकाएँ भी समायोजित की गई हैं।

पुस्तकों की नई परिवर्धन सूची प्रत्येक सप्ताह जारी की जाती है और उसे पुस्तकालय के मुख-पृष्ठ पर देखा जा सकता है। इस सूची को ई-मेल द्वारा भी परिचालित किया जाता है। अनुरोध करने वाले प्राध्यापक (प्राध्यापकों) को प्रकाशन पहुँचने की सूचना ई-मेल द्वारा भी दी जाती है।

1.2 वर्ष 2016-17 में अभिदत्त नये इलैक्ट्रॉनिक संसाधन

केन्द्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों पर वैब-आधारित पहुँच प्रदान करता है:

1.2.1 पूर्ण पाठ्य ई-पत्रिकाएँ: 10,000 तक पहुँच + निम्नलिखित डेटा-आधारों से पूर्ण पाठ्य पत्रिकाएँ:

एआईपी, एसीएम अंकीय पुस्तकालय, एसीएस, एपीएस. एसएसएमई, सैल प्रेस, आईओपी, एल्सवियर विज्ञान डायरैक्ट,

आईईईई इलैक्ट्रॉनिक पुस्तकालय, जेएसटीओआर, एसआईएम, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एण्ड फ्रांसिज (एस और टी पूर्ण संग्रह), प्रकृति वार्षिक समीक्षा आदि।

1.2.2 बिबलियोग्राफी ई-डेटाबेसिज: साईफाइंडर, मैथ साईनेट, एससीओपीयूएस और वैब विज्ञान।

1.2.3 ई-पुस्तकें: केन्द्रीय पुस्तकालय विभिन्न शाखाओं में 12000 से अधिक ई-पुस्तकों के संग्रह तक पहुँच प्रदान करता है। ई-पुस्तक संग्रह उन शीर्षकों से परिपूर्ण है, जिनकी परिशुद्ध प्रशंसा संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा की गई है तथा उपभोक्ताओं की आवश्यकता की पूर्ति करता है। ई-पुस्तक संग्रह के प्रकाशकों में साईस-डायरेक्ट (एल्सवियर), मैग्रा हिल्ल, पियरसन, टी और एफ, आईईईई, आईईईई-एमआईटी प्रैस, आईईईई-विले, मोरगेन क्लेपूल, सीयूपी, एएसएमई, वर्ल्ड साईटिफिक तथा जॉन विले शामिल हैं। ई-पुस्तक संग्रह में गणित (एलएनएम), भौतिकी (एलएनपी) तथा स्प्रिंगर प्रकाशक के संगणक विज्ञान (एलएनसीएस) पर व्याख्यान सम्मिलित हैं।

इस वर्ष के लिए ई-पुस्तक संग्रह प्रक्रिया का विकास पहले ही आरम्भ हो चुका है। इसके लिए अन्य प्रतिष्ठित प्रकाशन गृहों से पुस्तकें शामिल करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

2. परिचालन

परिचालन गतिविधियाँ अब स्वचालित हैं। पुस्तकालय उपभोक्ता वैब ओपेक के उपयोग से अपने उधार सम्बन्धी विवरण की जाँच कर सकते हैं। हम उपभोक्ता प्राध्यापकों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों तथा कर्मचारी वर्ग की सेवा करते हैं। परिचालन डेस्क सप्ताह में 70 घण्टे खुला रहता है। औसतन मासिक परिचालन लेन-देन की संख्या लगभग 1700 है।

3. अंकीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय का अपना एक मुख-पृष्ठ (<http://www.iitmandi.ac.in/academics/lib>) है, जो अपने स्त्रोतों के लिए 10,000 से अधिक इलैक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और डेटाबेस से वैब आधारित पहुँच प्रदान करता है। संस्थानात्मक प्रकाशन भण्डार का आरम्भ हाल ही में किया गया है, जो भा.प्रौ.सं. के समुदाय को तर्कसंगत ज्ञान प्रदान करता है। पुस्तकालय संस्थान के नेटवर्क का बड़ा भाग है तथा उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें पर्याप्त संगणनात्मक ढाँचा विद्यमान है।

4. ओपेक (ऑन-लाइन पब्लिक एक्सेस सूची)

ओपेक, पुस्तकालय का अत्यधिक उपयोग किया जाने वाला डेटाबेस है तथा वैब मुख-पृष्ठ (<http://www.webopac.iitmandi.ac.in/>) के माध्यम से हर समय इस पर पहुँचा जा सकता है। पुस्तकालय में उपलब्ध सभी दस्तावेजों की सूची के अतिरिक्त, यह ऑन-लाइन नवीकरण एवम् आरक्षण, परिचालन की अनुमति देता है तथा प्रत्येक पुस्तक की वर्तमान स्थिति से अवगत करवाता है। ओपेक को लेखक, शीर्षक, अभिगमन संख्या, विषय तथा अन्य क्षेत्रों द्वारा तलाश किया जा सकता है।

5. प्रदत्त सेवाएँ

- पूर्णतया स्वचालित परिचालन।
- ऑन-लाइन पुस्तक आरक्षण, सूचना खोज, उपयोगकर्ता पुस्तकालय पुस्तक उधार स्थिति की जाँच।
- वैब ओपेक (वैब आधारित ऑनलाइन जन पहुँच सूची)।
- छात्रों के आंतरिक अध्ययन के लिए आरक्षित संग्रह विकास।
- पुस्तक अनुभाग में नई पहुँच।
- सन्दर्भ सेवा।
- अन्तर पुस्तकालय ऋण।
- दस्तावेज वितरण सेवा।
- चेतावनी सूचना सेवाएँ।
- ई-पत्रिकाएँ/सूचनाएँ।
- अंक आधारित पुस्तकालय सेवाएँ।

- अंकीय पुस्तकालय सेवाएँ।
- उपभोक्ता शिक्षण कार्यक्रम।
- मोबाइल एप्प सेवाएँ।

6. आगामी योजनाएँ:

- पुस्तकालय पुस्तकों की विषय सूची के लिए आधारभूत आँकड़े।
- संस्थानात्मक भण्डार के लिए आधारभूत आँकड़े।
- पुस्तकालय में सीडी/डीवीडी सहित उपलब्ध विभिन्न सॉफ्टवेयर के आधारभूत आँकड़े।
- एकल खोज समाधान।
- विभिन्न पुस्तकालय संसाधनों के लिए ऑनलाइन सुझाव प्लेटफोरम।

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह

संस्थान का चतुर्थ दीक्षान्त-समारोह दिनांक 10 अक्टूबर, 2016 को आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि वुप्परटल विश्वविद्यालय, जर्मनी के एमेरिटस प्राध्यापक, प्रा. जोचिम होल्त्ज और विशेष अतिथि अभिशासक मण्डल, भा.प्रौ.सं. मण्डी के पूर्व अध्यक्ष, श्री एम. नटराजन थे।

इस दीक्षान्त समारोह में संस्थान के छात्रों में 117 बी.टैक., 03 एम.टैक. (ऊर्जा अभियांत्रिकी), 10 एम.एस. (रसायन विज्ञान), 05 एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) और 07 ने दर्शनशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि ग्रहण की।

श्री रोहित पटियाल (बी12015) (सीएसई) को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, श्री प्रतीक गौबा (बी12108) (एमई) को शैक्षिक उत्कृष्टता और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। श्री रोहित पटियाल (बी12015) (सीएसई) और श्री अम्लादी अमोघ गौतम, (बी12102) (एमई) को संस्थान रजत पदक से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, जर्मन में उत्कृष्ट रहने के लिए श्री मोहित भाटिया (बी12119), (एमई) को बालासुन्दरम वृत्ति पुस्कार से सम्मानित किया गया और श्री अर्पित भारद्वाज (वी14001), एम.एस.सी (रसायन विज्ञान) को उत्कृष्ट शैक्षिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।



छात्र सुविधाएँ और गतिविधियाँ

खेल सुविधाएँ और गतिविधियाँ

भा.प्रौ.सं. मण्डी के शारीरिक शिक्षा और खेल अनुभाग का प्रयास परिसर में छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारी वर्ग की अर्थपूर्ण खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह प्रतिभागियों को खेल का आनन्द लेने, परिसर में तथा इसके बाहर कुछ चयनित खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का भी अवसर प्रदान करता है।

हमारे अनुभाग के लिए वर्ष 2016-17 ऐतिहासिक है। इस वर्ष दक्षिणी परिसर के छात्रों ने अपनी गतिविधियों में वृद्धि की है। इस वर्ष के दौरान छात्र, प्राध्यापक और कर्मचारी वर्ग भी उत्तरी परिसर में स्थानान्तरित हुआ। हमारे अनुभाग ने उनकी अतिरिक्त माँग पर उत्तरी परिसर में आंतरिक बैडमिंटन कोर्ट बनाया है। हमने दक्षिणी परिसर में भी वॉलीबॉल के लिए एक अतिरिक्त कोर्ट निर्मित किया है। हमने दक्षिणी परिसर में विद्यमान खेल सुविधाओं को सुधारने के लिए प्रयास किये, जिसमें फुटबॉल मैदान और इसके समीप अभ्यास करने के स्थान पर बेहतर तेज प्रकाश है। इन सब प्रयासों के परिणामस्वरूप पहली बार हमारे अपने परिसर में क्रिकेट सहित अन्तः महाविद्यालयी खेल उत्सव 'रणनीति-2016' के विभिन्न खेल मैच आयोजित किये गये।

इस वर्ष परिसर में अधिकतर प्रतिभागियों को खेल गतिविधियों में शामिल करने के लिए पहली बार अनेक विशेष खेल कार्यक्रम आयोजित किये गये, जैसे कि स्वतंत्र रन, क्रॉस कंटरी दौड़, दिनांक 20 से 24 फरवरी, 2017 तक स्थापना दिवस खेल सप्ताह और स्कूल के बच्चों के लिए स्वतंत्रता दिवस अन्तः खेल समारोह का आयोजन कर खेल वातावरण का निर्माण किया। इस वर्ष से खिलाड़ी मिलन और संघर्ष, वॉलीबॉल खेल जैसे वार्षिक मिलन को भी पुनः आरम्भ किया।

परिसर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों का चरमोत्कर्ष तब दिखने को मिला जब निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज और उनकी धर्म पत्नी, श्रीमती प्रिसिल्ला गोन्सेल्वज ने 5 कि.मी. की क्रॉस कंटरी रेस पूरी की और अपने आयु वर्ग में पदक जीते।

इस वर्ष की गतिविधियों के मुख्य आकर्षण निम्नलिखित हैं:

1. वर्ष 2017 में हमारे तृतीय वर्ष, बी.टैक. के छात्र श्री नितेश कुमार ने पहली राष्ट्रीय पैराबैडमिंटन प्रतियोगिता के एकल में द्वितीय और मिश्रित डब्लज में तृतीय स्थान प्राप्त कर हमारे संस्थान को गौरवान्वित किया। उन्होंने इंडोनेशिया में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता में भी भाग लिया और विश्व पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता में 20वां स्थान प्राप्त किया।
2. भा.प्रौ.सं. मण्डी में अन्तः महाविद्यालयी खेल समारोह 'रण नीति-2016' में हमारी छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
3. 51वां 'अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन-2016' के दौरान 400 मीटर दौड़ में हमारी छात्र टीम के खिलाड़ियों में पाँच छात्र क्वार्टर फाइनल में पहुँचे थे और एक सेमी फाइनल राउंड पर पहुँचा था। कानपुर में आयोजित 23वां कर्मचारी वर्ग 'अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन' में हमारी क्रिकेट टीम भी सेमी फाइनल में पहुँची।
4. भा.प्रौ.सं. रोपड़ के अन्तः महाविद्यालयी खेल समारोह 'आरोहण-2016' में हमारी वॉलीबॉल टीम (पुरुष) ने स्वर्ण पदक जीता।
5. हमारी पीएच.डी. छात्रा सुश्री शिखा गुप्ता ने 100 और 200 मीटर दौड़ के विशेष कार्यक्रम में फाइनल पार किया और 200 मीटर में पाँचवा स्थान प्राप्त किया। भा.प्रौ.सं. रुड़की में अन्तः महाविद्यालय खेल समारोह 'संगम-2017' की दौड़ प्रतियोगिता में, प्रथम वर्ष बी.टैक. छात्र, श्री हेमन्त ने 5000 मीटर के विशेष कार्यक्रम में छठठा स्थान प्राप्त किया।
6. हमारा परिसर अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता विशेष कार्यक्रम का साक्षी तब बना जब परिसर में एमटीबी हीरो हिमालयन माउंटेन बाईक दौड़ प्रतियोगिताओं के प्रतियोगियों के शिविर लगे थे। यह अवसर हमारे छात्रों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के साईकल चालकों के साथ विचार-विमर्श करने का था और उत्कृष्ट गुणवत्ता वाली माउंटेन बाईक को नजदीक से देखने का भी था।

वर्ष 2016-2017 के दौरान आयोजित विशेष कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है:

1. छात्रावास स्तर पर आयोजित कार्यक्रम

संस्थान कलेंडर के ईवन समैस्टर में सामान्य छात्रावास प्रतियोगिता का आरम्भ हुआ। प्रतियोगिता का केन्द्र भा.प्रौ.सं. मण्डी की

प्रतिभा को प्रदर्शित करना था। शुरुआती खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए और मध्यस्तर के खिलाड़ियों के लिए कुछ विशेष नियम बने। सभी मुख्य प्रतियोगिताओं की समय सूची के विवरण का प्रसार सम्पूर्ण चालू समैस्टर में किया है। टूर्नामेंट का अंत दिनांक 28 मई, 2017 को हुआ।

2. संस्थान स्तर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम

● अन्तः वर्ष प्रतियोगिता 'आगाज-2016' का आयोजन माह, अप्रैल 2016 में किया गया, जिसमें छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिन प्रतियोगिताओं के लिए प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, उनके नाम निम्नलिखित हैं—बैडमिंटन (महिला और पुरुष), वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, खिलाड़ी (महिला और पुरुष), टेबिल टेनिस (महिला और पुरुष), लॉन टेनिस (महिला और पुरुष), क्रिकेट, हॉकी और चैस। हमारे निदेशक, प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज़ ने विजेताओं को ट्रॉफी और पदक प्रदान कर सम्मानित किया। इस सम्पूर्ण प्रतियोगिता के विजेता बी.टैक. चतुर्थ वर्ष के छात्र रहे।



आगाज-2016 का समापन समारोह

● भा.प्रौ.सं. मण्डी में अधिकतम मनाये जाने वाले समारोहों में से वार्षिक खेल मिलन एक है। इस वर्ष सभी अवर स्नातक वर्ष के छात्रों ने अधिक संख्या में भाग लिया। स्नातकोत्तर छात्रों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। दर्शक कुछ खिलाड़ियों के अत्यंत रोमांचक प्रदर्शन के साक्षी बने। छात्राओं के लिए भी प्रतियोगिताएँ थीं। उनका बहुत उत्साह देखकर प्रसन्नता हुई। प्रतियोगिताओं का समापन द्वितीय वर्ष की जीसी ट्रॉफी से हुआ। पुरुष वर्ग में विकास मेहंदिया और महिला वर्ग में नेहा ग्रेवाल को उत्कृष्ट रहने पर सम्मानित किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज़ थे और उन्होंने इस विशेष कार्यक्रम की सफलता पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।



वार्षिक खेल मिलन-2016 का समापन समारोह

● भा.प्रौ.सं. मण्डी की लैन खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए एस्पोर्टा 2 K16 टूर्नामेंट का आयोजन किया। इसका स्थान छात्रावास के सामान्य कमरे थे। टूर्नामेंट एक खुला आयोजन था। टीमें ब्लॉक के अनुसार थीं। प्रत्येक ब्लॉक से दो टीमें थीं। सीएस जीओ की कुल 12 टीमें थीं। ब्लर के 14 खिलाड़ियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। बी7 टीम ने टूर्नामेंट जीता और अतुल द्वितीय रहा। फाइनल में कुछ उत्कृष्ट खेल कार्य देखने को मिले।

1. अन्तः संस्थान स्तर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम:



रणनीति-2016 के दौरान क्रिकेट मैच का उद्घाटन समारोह

● भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा रणनीति-2016 अन्तः महाविद्यालय प्रतियोगिता एक्सट्रावेगेंजा का आयोजन दिनांक 23 से 25 सितम्बर, 2016 तक किया गया। इस समारोह में अनेक प्रतिष्ठित महाविद्यालयों ने भाग लिया। इसमें सभी प्रतिभागियों की बहुत सराहना हुई और उन्हें तालियाँ मिली।



भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक के साथ भा.प्रौ.सं. मण्डी की बैडमिंटन और वॉलीबाल टीम

इस समारोह में चितकारा विश्वविद्यालय, एनआईटी जालन्धर, जेयूआईटी सोलन जैसे संस्थानों के 450 प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों ने भाग लिया। कमान्द परिसर में वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, चैस, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस आदि सभी मुख्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

रण-नीति 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी की वॉलीबाल और बास्केटबॉल टीम



रण-नीति 2016 के दौरान
भा.प्रौ.सं. मण्डी की
वॉलीबाल और टेबिल
टेनिस टीम



रण-नीति 2016 के दौरान
भा.प्रौ.सं. मण्डी
का टेबिल टेनिस और
बास्केट बॉल मैच



रण-नीति 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी का बैडमिंटन और वॉलीबॉल मैच



रण-नीति 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी का फुटबॉल और क्रिकेट मैच



रण-नीति 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी चैस प्रतियोगिता

भा.प्रौ.सं. मण्डी का फुटबॉल खिलाड़ी खेलते हुए

इस समारोह का समापन प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी श्री अंकुश बेन्स और भा.प्रौ.सं. मण्डी के आदरणीय निदेशक एवं प्राध्यापक टी. ए. गोन्सेल्वज की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। सम्पूर्ण खेल के लिए चितकारा विश्वविद्यालय, पंजाब को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया, जबकि भा.प्रौ.सं. मण्डी और जे.यू.आई.टी. सोलन द्वितीय विजेता रहे।



रण-नीति 2016 का समापन समारोह



रणनीति में बैडमिंटन टीम के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए डीन (छात्र)

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में अन्तः महाविद्यालय खेल समारोह 'आरोहण-2016' में हमारी वॉलीबॉल टीम (पुरुष) ने स्वर्ण पदक जीता।

अन्तः भा.प्रौ.सं. मिलन-2016 में वॉलीबॉल टीम (पुरुष) को प्रोत्साहित करने के लिए संघर्ष 2K 16 टूर्नामेंट का आयोजन किया। यह टूर्नामेंट स्थानीय टीम के लिए सार्वजनिक था। इसमें दो संस्थान की टीमों के साथ चार स्थानीय टीमों ने भाग लिया। बथेरी टीम ने प्रतियोगिता जीती, जबकि कटौला की टीम द्वितीय स्थान पर रही। इसका समापन समारोह वॉलीबॉल मैदान में हुआ और विजेताओं को 5100/-रु. और 3100/-रु. के नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया।

भा.प्रौ.सं. रूड़की के आमंत्रण टूर्नामेंट, संग्राम-2017 में भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों ने क्रिकेट, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स और लॉन टेनिस में भाग लिया।

जे.पी. विश्वविद्यालय के आमंत्रण टूर्नामेंट 'पराक्रम-2016' में छात्रों ने टेबिल टेनिस और बैडमिंटन में भाग लिया।

4. अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन-2016

भा.प्रौ.सं. कानपुर में आयोजित 51वां अन्तः भा.प्रौ.सं. छात्र खेल मिलन-2016 में क्रिकेट, बैडमिंटन (पुरुष और महिला), वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, एथलीटिक्स (पुरुष और महिला), टेबिल टेनिस (पुरुष और महिला) और लॉन टेनिस (पुरुष और महिला) में भाग लिया।



'अन्तः भा.प्रौ.सं. कर्मचारी वर्ग खेल मिलन-2016' में भा.प्रौ.सं. मण्डी के कर्मचारी वर्ग की बैडमिंटन और क्रिकेट टीम

5. प्रशिक्षण शिविर :-

- भा.प्रौ.सं. मण्डी में छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य के विकास के लिए ग्रीष्मावकाश प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।
- भा.प्रौ.सं. कानपुर में आयोजित 51वां अन्तः भा.प्रौ.सं. छात्र खेल मिलन-2016 में भाग लेने वाले छात्रों के लिए अन्तः भा.प्रौ.सं. आरम्भिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।
- डब्ल्यूपीआई छात्रों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये, ताकि उन्हें कमान्द के वातावरण से परिचित होने में सहायता मिले।
- नव आगंतुक छात्रों के लिए आयोजित पाँच सप्ताह के इंडक्शन कार्यक्रम में उन्हें सक्रियता से सम्मिलित किया गया। उनके शारीरिक स्वास्थ्य और खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम में सकारात्मक एवं अच्छे अनुभव के लिए विशेष प्रयास किये गये।

6. शारीरिक स्वास्थ्य शिविर :-

- छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए नवम्बर, 2016 में प्रातः कालीन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

7. सामुदायिक विकास कार्यक्रम :-

- स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्वतंत्र दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र, स्टॉफ, प्राध्यापक और उनके परिवार के सदस्यों ने विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार भाग लिया और विजेताओं को माननीय प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने पदक प्रदान कर सम्मानित किया।



दौड़ के विजेता



रस्सा-कशी प्रतियोगिताएँ

- संस्थान में 'स्थापना दिवस खेल सप्ताह' का आयोजन दिनांक 18 फरवरी से 24 फरवरी, 2017 तक हुआ। इसमें छात्रों, स्टॉफ, प्राध्यापकों, स्कूली बच्चों और परिवार के सदस्यों ने क्रॉस कंट्री, वॉली बॉल, बैडमिंटन, कुश्ती, रस्साकशी जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। यह एक सफल आयोजन था, जिसका सभी ने आनन्द लिया।



'स्थापना दिवस खेल सप्ताह' के दौरान बच्चों की दौड़



फूटबॉल प्रतियोगिता



3 कि.मी. दौड़ का आरम्भ

- भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर के स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया और विजेताओं को स्वतन्त्रता दिवस पर आदरणीय निदेशक द्वारा पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।



बच्चों की रीले और ऑक्सफैकल रेस प्रतियोगिता

- हमारे संस्थान के बच्चों का स्थानीय स्कूलों के बच्चों के साथ परस्पर सम्बन्ध के लिए अन्तः स्कूल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्थानीय प्राथमिक पाँच स्कूलों ने विभिन्न खेल आयोजनों में भाग लिया। विजेताओं को पदक प्रदान किये गये।



श्रीमती प्रिंसिल्ला गोन्सेल्वज़ विजेताओं को पदक प्रदान करते हुए

8. एशियाई पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता-2016

- नितेश कुमार ने बीजिंग, चीन में दिनांक 22 से 26 नवम्बर, 2016 में आयोजित एशियाई पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता-2016 में भा.प्रौ.सं. मण्डी का प्रतिनिधित्व किया। वह क्वार्टर फाइनल में विश्व के न0 2 खिलाड़ी से एकल में हार गया।



श्री नितेश, बी.टैक. तृतीय वर्ष का छात्र रजत पदक के साथ

प्रथम राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट-2017:

नितेश ने बंगलौर में दिनांक 23 से 25 मार्च, 2017 तक आयोजित प्रथम राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता के एकल में रजत पदक और मिश्रित डब्लज में कांस्य पदक जीता। उनका आजकल राष्ट्रीय स्थान 3 और विश्व स्थान 20 है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

राष्ट्रीय सेवा योजना एक स्वैच्छिक सेवकों का समूह है, जो अपने आस-पास के समुदाय की बेहतरी के लिए कार्य कर रहा है। इसमें संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो समाज को सुधारने के लिए प्रयत्नशील हैं। एनएसएस का लक्ष्य "मेरा नहीं परन्तु आपका" है। यह प्रजातांत्रिक जीवन के महत्त्व को दर्शाता है और आवश्यकता पड़ने पर निःस्वार्थ सेवा करता है। इसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षा और समाज की समाज के द्वारा सेवा करना है।

आरम्भ की हुई गतिविधियाँ

(वित्तीय वर्ष 2016-17)

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	गतिविधि की दिनांक	व्यय
1.	सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए 'प्रयास' नामक शिक्षण कार्यक्रम	1 अप्रैल 2016 से अब तक	नहीं
2.	जीवंत व्यवस्थित पुस्तकालय कार्यक्रम	1 अप्रैल 2016 से अब तक	2440.00
3.	प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए ब्रिज स्कूल कार्यक्रम	1 अप्रैल 2016 से अब तक	नहीं
4.	स्कूली छात्रों के लिए कम्प्यूटर शिक्षा	1 अप्रैल 2016 से अब तक	नहीं
5.	कोढ़ के रोगियों के लिए प्रथम दान	2 अप्रैल, 2016	4,165.00
6.	भा.प्रौ.सं. मण्डी में अर्थ दिवस	22 और 23 अप्रैल, 2016	1,867.00
7.	रक्त दान शिविर	27 मई, 2016	6,495.00
8.	एनएसएस प्रमाण वितरण समारोह	2 जून, 2016	3,982.00
9.	पाँच सप्ताह इंडक्शन कार्यक्रम (5डब्ल्यूआईपी) के लिए सामाजिक सतर्कता मॉड्यूल		
क	अपने परिसर को जानना		
ख	स्वच्छता अभियान		

ग	पौधारोपण शिविर		
घ	रसोई में कार्य		
ङ	स्कूल दौरा		
10	झुग्गी झोंपड़ी के बच्चों के लिए दौरा	28 अगस्त, 2016	संस्थान की निधि से
11	स्कूली बच्चों के मध्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	24 सितम्बर, 2016	1,130.00
12	मॉडल/डिजाइन बनाने की प्रतियोगिता	19 अक्टूबर, 2016	2,400.00
13	रक्त दान शिविर	28 अक्टूबर, 2016	7,340.00
14	दिव्य मानव ज्योति अनाथालय का दौरा	29 अक्टूबर, 2016	6,785.00
15	कुष्ठ रोगियों के लिए द्वितीय रक्तदान कार्यक्रम	20 नवम्बर, 2016	16,558.00
16	स्कूली बच्चों के लिए प्रयोगशाला दौरा और	22 दिसम्बर, 2016	आईईईईपीईएस निधि

चित्रकारी प्रतियोगिता

मुख्य आकर्षण

वस्त्र संग्रह अभियान

कुल किया गया व्यय – 53,162.00 रु.

1	संस्थान निधि		48,162.00
2	रक्तदान निधि		5,000.00
		कुल	53,162.00

स्कूल के बच्चों के लिए 1 अप्रैल, 2016 से अब तक संगणक शिक्षा



कमान्द स्कूल में संगणक शिक्षा

कुष्ठ रोगियों के लिए प्रथम रक्त दान कार्यक्रम, 2 अप्रैल, 2016



मॉडल/डिजाइन बनाने की प्रतियोगिता, 19 अक्टूबर, 2016



छात्र मॉडल बनाते हुये



रक्त दान शिविर 28 अक्टूबर 2016



छात्र रक्त दान करते हुये



डीएमजेए के छात्र और स्वयं सेवक, कार्ड और रंगोली बनाते हुये तथा दिवाली मनाते हुए

स्कूली बच्चों का प्रयोगशाला दौरा और चित्रकारी प्रतियोगिता, 22 दिसम्बर, 2016



एमआरसी (उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र), भा.प्रौ.सं. मण्डी में छात्रों का दौरा

मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)

मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा की वर्ष 2016-17 की गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित 3 अनुभागों में वर्गीकृत किया है:

1. पाँच सप्ताह का परिचय कार्यक्रम (5डब्ल्यूआईपी)

बी.टैक. प्रवेशी बैच के छात्रों के लिए पाँच सप्ताह का परिचय कार्यक्रम दिनांक 1 अगस्त, 2016 से 3 सितम्बर, 2016 तक आयोजित किया। इसमें (5 डब्ल्यूआईपी) 60 से अधिक प्राध्यापक सम्मिलित थे। जीसीएस के कार्य निम्नलिखित थे – पूर्व आगमन और आगमन पर प्रवेश के लिए मार्गदर्शन, अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन, सभी गतिविधियों का समन्वय, समय सारणी बनाना, सांयकालीन और अनौपचारिक गतिविधियों तथा विशेष व्याख्यानों का संचालन करना।

पाँच सप्ताह के परिचय कार्यक्रम का उद्देश्य निम्नलिखित था;

- छात्रों और प्राध्यापकों के मध्य सम्बन्ध बढ़ाना।
- छात्रों को मण्डी की संस्कृति, पाठ्यक्रम और भा.प्रौ.सं. में अध्ययन वातावरण से अवगत कराना।
- छात्रों को यह समझाना कि वे अपने लम्बे जीवन के उद्देश्यों को कैसे प्राप्त करेंगे।
- छात्र को सामाजिक कार्य करने के लिए टीम की भूमिका, अधिकार और कर्तव्य समझाना। उनमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी अच्छी आदतें डालना।



- अनेक प्रकार की पृष्ठभूमि के कारण छात्रों के मध्य शैक्षिक दूरियों को वास्तव में कम करना।
- छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर के जीवन से परिचित होने के लिए पूरे पाँच सप्ताह निम्नलिखित मॉड्यूल गतिविधियों में व्यस्त रहे:

प्रवीणता मॉड्यूल

- अंग्रेजी और सम्प्रेषण: भाषा कौशल का विकास ।
- कम्प्यूटर: कम्प्यूटर का प्रयोग कुशलतापूर्वक करने के लिए आवश्यक कौशल का विकास ।
- दृश्य सोच: दृश्य, गणितीय और संगणनात्मक सोच के मध्य स्विचन ।

अभियांत्रिकी खोजना

- छात्रों ने अभियांत्रिकी, बहु विषयक सोच का महत्त्व और भा.प्रौ.सं. मण्डी में अध्ययन के बारे में जानकारी प्राप्त की ।

व्यावहारिक कौशल

- इसके विषय में पारस्परिक कौशल, प्रदर्शन और आलेखन, बुनियादी प्रबन्धन और वित्तीय कौशल सम्मिलित थे ।

मानव मूल्य

- आत्म चिंतन, आचरणीय विकल्प बनाना और सकारात्मक सोच बढ़ाना ।

सृजनात्मक विशय

- अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का पता करना और अनेक सृजनात्मक विषय बनाना ।

सामाजिक सतर्कता

- सामाजिक व्यवहार के लिए गाँव, स्कूल, अनाथालय और वृद्धाश्रम जाना ।

शारीरिक गतिविधि

- शारीरिक गतिविधि और स्वच्छ जीवन शैली के लिए कौशल बनाना ।

सांयकालीन गतिविधि

- अनौपचारिक और विश्राम सत्र ।
- विभिन्न छात्र क्लब और समितियों का परिचय ।
- आमंत्रित व्याख्यान और भूतपूर्व छात्रों के साथ विचार-विमर्श ।



5डब्ल्यूआईपी की गतिविधियों में शामिल छात्र

5डब्ल्यूआईपी दौरे के चित्र

आमंत्रित वक्ता

पाँच साप्ताहिक परिचय कार्यक्रम के दौरान नव आगंतुकों से विचार-विमर्श करने के लिए शैक्षिक संस्थानों और उद्योग से 6 विशेष व्यक्तियों को बुलाया था। आईयूसीए के श्री मनिश जैन ने 'हैण्डस ऑन साईंस एण्ड मैथेमेटिक्स' पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

छात्रों का 5डब्ल्यूआईपी में सकारात्मक अभिनंदन करने के बाद, वर्ष 2017 में आगामी 5डब्ल्यूआईपी की कड़ी में विभिन्न मॉड्यूल पर व्यापक चर्चा करने के लिए प्राध्यापक रीट्रीट का आयोजन किया गया।



5डब्ल्यूआईपी की समीक्षा और योजना के लिए दिनांक 27 नवम्बर, 2016 को प्राध्यापक रीट्रीट

1. अनुस्थापन कार्यक्रम

पीजी/पीएच.डी. छात्र: भा.प्रौ.सं. मण्डी में आने वाले स्नातकोत्तर/पीएच.डी. छात्रों को शैक्षिक, अनुसंधान और छात्र जीवन से परिचित कराने के लिए दिनांक 8 अगस्त, 2016 को अनुस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



स्नातकोत्तर अनुस्थापन, अगस्त 2016

● **डब्ल्यूपीआई छात्र:** आगंतुक छात्रों के लिए पाँच दिवसीय परिचय कार्यक्रम में मार्च, 2017 को अनुस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत परिचयात्मक वार्ता सत्र, मण्डी शहर का दौरा और एक दिवसीय रिवालसर का भ्रमण भी था।

1. आयोजित अन्य गतिविधियाँ और कार्यशालाएँ

छात्रों के लिए नियमित मार्गदर्शन और परामर्श गतिविधियों के अतिरिक्त जीसीएस ने निम्नलिखित सत्रों का आयोजन किया:

1. अध्ययन सहायता समूह: जीसीएस के स्वयं सेवकों ने फरवरी से जून और अगस्त से दिसम्बर 2016 समैस्टर के दौरान अध्ययन सहायता समूह का आयोजन किया। छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री और परामर्श को साझा करने के लिए बैठकें की गईं।

2. उत्कृष्टता के लिए सर्वांगीण विकास पर कार्यशाला: दो दिवसीय 'सर्वांगीण विकास' नामक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 14 से 15 मई, 2016 के दौरान किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन भा.प्रौ.सं. मद्रास के डॉ. विजय लक्ष्मी और तकनीकी समाधान के माहिर डॉ. गोपालकृष्णन द्वारा किया गया, जो व्यक्तित्व विकास, परस्पर संवाद और उत्कृष्टता पर केन्द्रित था।

तकनीकी सभा

आविष्कार सार्वजनिक गृह-2016

विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्, भा.प्रौ.सं. मण्डी ने दिनांक 21 मई, 2016 को आविष्कार का आयोजन किया। इस विशेष आयोजन में भा.प्रौ.सं. मण्डी के सभी चार स्कूलों ने कुल 22 टीमों में भाग लिया। हर टीम में सभी स्कूलों के छात्र सम्मिलित थे। इस आयोजन में विद्यमान अनेक उत्पादों का उद्देश्य दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान था। इस आयोजन के निर्णायक भा.प्रौ.सं. कानपुर के प्रा. राम नारायण, आईआईआईटी दिल्ली के प्रा. एलेक्स फेल्ल, भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्रा. दीपक स्वामी, प्रा. अर्नव भावसार और प्रा. धीरज पाटिल थे।

जीतने वाले उत्पाद का नाम "बेतार एनिमेट्रॉनिक हाथ" था जिसके दस्ताने को पहनकर हाथ के संकेत से चलने वाली कार को नियंत्रित किया जा सकता था। यह योजना कुशाग्र सिंघाल, वैभव अग्रवाल, गौरव पुरोहित, अदनान नाज़िर, अभयसिंह चौहान और राहुल जैन की टीम ने बनाई थी। द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली योजना का नाम "एक रोबोटिक वाहन" था जो स्वतः ही अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं को जान सकता था और उनको नकारने के लिए मुड़ता था। कुछ अन्य अच्छी योजनाओं में "स्वचालित पार्किंग प्रणाली", "रूबिक क्यूब सोल्वर" और "बॉल फॉलोविंग रोबोट" थीं।

छात्रों की ओर से प्रस्तुत की गई लगभग सभी परियोजनाएँ उनके बड़े कार्य को प्रदर्शित करती थी।

'इसैंट' नामक तकनीकी पत्रिका का द्वितीय संस्करण

भा.प्रौ.सं. मण्डी की समन्वयात्मक अनुसंधान और नवोचार के लिए सोसाइटी (एससीआरआई) की 'इसैंट' नामक तकनीकी पत्रिका का विमोचन दिनांक 2 जून, 2016 को किया। प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज (निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी) ने 'इसैंट' के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर निदेशक ने एससीआरआई (समन्वयात्मक अनुसंधान और नवोचार के लिए सोसाइटी) के समन्वयक और पूरी टीम को बधाई दी। इस आयोजन में प्राध्यापक और छात्र भी उपस्थित रहे। प्रा. रमेश ओरुगंति और डॉ. सुमन कल्याण पाल, डीन (छात्र) ने भी वहाँ उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित किया। इस पत्रिका के संस्करण में अनुसंधान/तकनीकी लेख और पत्र थे और इसमें भा.प्रौ.सं. मण्डी के भूतपूर्व छात्रों के उल्लेखनीय साक्षात्कार भी थे, जिन्होंने यूपीएससी, जीएटीई, सीएटी इत्यादि परीक्षाओं में असाधारण प्रदर्शन किया।

उत्कर्ष-2016 का तीसरा संपादन

भा.प्रौ.सं. मण्डी के ऑड समैस्टर में 'उत्कर्ष' एक अन्तः महाविद्यालय तकनीकी समारोह है। इसका आयोजन दिनांक 5, 11 और 13 नवम्बर 2016 को किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी चतुर्थ वर्ष, बी.टैक. के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (एसएनटीसी) के अनेक क्लबों ने 'उत्कर्ष' में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये, जिनका वर्णन निम्न प्रकार से है:

- तारा तलाशने की चुनौती, दिनांक 5 नवम्बर, 2016
- मेज़ रनर, दिनांक 5 नवम्बर, 2016।
- सर्वेक्षण, दिनांक 5 नवम्बर, 2016।
- लेज़र टैग, दिनांक 13 नवम्बर, 2016।
- कोड वॉल्ट, दिनांक 11 नवम्बर, 2016।
- संरचनात्मक प्रारूप, दिनांक 13 नवम्बर, 2016।
- जंक वारज, 5 नवम्बर, 2016।
- सीक द लीक, दिनांक 13 नवम्बर, 2016।
- पिचिंग कम्पीटिशन, दिनांक 13 नवम्बर, 2016।
- बिज़-टैक. क्विज़, दिनांक 13 नवम्बर, 2016।
- सपना, दिनांक 13 नवम्बर, 2016।

इस कार्यक्रम का समापन समारोह दिनांक 19 नवम्बर, 2016 को किया गया। डॉ. सुमन कल्याण पाल, संकायाध्यक्ष (छात्र), डॉ. हितेश श्रीमाली (एसएनटीसी परामर्शदाता) और डॉ. दीपक स्वामी (निर्माण क्लब परामर्शदाता) ने विजेताओं को प्रमाण पत्र दिये। इस समारोह के अंत में संकायाध्यक्ष (छात्र) और निदेशक ने अपने संक्षिप्त भाषण में एसएनटीसी टीम के कठिन कार्य की भी प्रशंसा की।



विशेष आयोजन की झलक

5वें अन्तः भा.प्रौ.सं. तकनीकी मिलन में भा.प्रौ.सं. मण्डी का चतुर्थ स्थान

भा.प्रौ.सं. कानपुर में दिनांक 26 मार्च, 2017 को 5वां अन्तः भा.प्रौ.सं. तकनीकी मिलन मनाया गया। इसमें भा.प्रौ.सं. मण्डी की 9 टीमों ने निम्नलिखित विशेष कार्यक्रमों में भाग लिया—उत्पाद प्रदर्शन, मानव संगणक परस्पर व्यवहार, स्टॉक बाज़ार विश्लेषण, सॉफ्टवेयर निर्माण विशेष—डैशबोर्ड, खगोल आदि। इस मिलन में भा.प्रौ.सं. की कुल 12 टीमों ने भाग लिया। 'स्टॉक बाज़ार विश्लेषण' में प्रियांश सक्सेना, सिद्धांत कुमार, अभिज्ञान खाउंड, नेहा मुथियान प्रथम स्थान पर रहे और 'मानव संगणक परस्पर व्यवहार' टीम में कुशाग्र सिंघाल, अभय सिंह चौहान, आकाश शर्मा, पीयूष आनन्द द्वितीय स्थान पर रहे। इस सम्पूर्ण खेल में भा.प्रौ.सं. कानपुर, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर और भा.प्रौ.सं. रूड़की के बाद भा.प्रौ.सं. मण्डी चतुर्थ स्थान पर रहा। इसकी वेबसाइट: <http://interiit.tech/> है।



भा.प्रौ.सं. कानपुर, भा.प्रौ.सं. तकनीकी मिलन

आईईईई आईईएस विशेष व्याख्यान:

मध्यम वोल्टेज ड्राइव्स एनर्जी की ऊर्जा प्रभावकता

भा.प्रौ.सं. मण्डी की आईईईईई छात्र शाखा ने डॉ. जोचिम होल्त्ज़, एमेरिटस प्राध्यापक और परामर्शदाता, वुप्परटल विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा मध्यम वोल्टेज ड्राइव्स की ऊर्जा प्रभावकता पर एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया। इसमें बहुत से छात्रों और प्राध्यापकों ने भाग लिया।



यह व्याख्यान कम स्विचन आवृत्ति के संचालन पर कुशल मध्यम वोल्टेज ड्राइव्स के संचालन पर केन्द्रित था, जिसे विविध स्तरीय इन्वर्टर सांस्थिति के प्रयोग से प्राप्त किया जा सकेगा। इसका केन्द्र भविष्य सूचक अलॉगरिथम प्रत्यक्ष रूप से इन्वर्टर के तेज कम्पन्न को उत्पन्न करता था, जो बंद लूप करंट नियंत्रण प्रणाली का भाग स्वरूप है। इस प्रकार से मॉड्युलेटर चौड़ाई को निकालते हुए जब पूर्व परिभाषित करंट त्रुटि बढ़ती है, तब एक कम्पन्न मार्ग बनता है। वह त्रुटि सन्दर्भ और वास्तविक करंट स्थान सदिश के अन्तर के रूप में संगणित है।

साहित्यिक समिति

साहित्यिक सम्मेलन 2016 में दिल्ली कविता सलाम

साहित्यिक समारोह-2016 का आयोजन दिनांक 21 मई और 22 मई, 2016 को किया गया। इस समारोह में सप्ताह के अंत में अनेक आयोजन (आविष्कार, विदाई पार्टी, प्रारूप व्यवहार्य सामान्य गृह) होने के कारण यह दो दिन तक चला।

इस समारोह का लौज में शुभारंभ प्रा. टी.ए. गोन्सेल्वज और प्रा. बी. सुब्रमण्यन द्वारा साहित्यिक समिति की पत्रिका (विवान) और ब्लॉग (कल्पनात्मक कलप्रिंटस) के विमोचन से हुआ। इस विमोचन में साहित्यिक सभा के सदस्य, कुछ जिमखाना के सदस्य और अन्य छात्रों के अतिरिक्त आमंत्रित प्राध्यापक भी उपस्थित थे। प्रा. गोन्सेल्वज ने साहित्यिक समिति के सदस्यों और प्रारूप टीम द्वारा किये गये कार्य की प्रशंसा की तथा ब्लॉग का संस्थान की वेबसाइट से सम्पर्क करने के लिए कहा।

सीडार मैस में दिनांक 22 मई को दिल्ली कविता सलाम ने माइक प्रदर्शन प्रस्तुत किया जहाँ उन्होंने अपनी स्वरचित कविता का उच्चारण किया। दिल्ली कविता सलाम एक प्रसिद्ध कविता समूह है, जो दिल्ली पर आधारित है। यह उभरते कवियों को प्रशिक्षित करने के लिए कविता कार्यशाला आयोजित करता है। इस साहित्यिक समारोह में भाग लेने के लिए साहित्यिक समिति ने उनके पाँच कवियों को आमंत्रित किया था। इस समारोह में लगभग 50-60 लोग उपस्थित थे और उन्होंने उनके प्रदर्शन का भरपूर आनन्द लिया।

यह कार्यक्रम जैम और सामान्य प्रश्नावली नामक साहित्यिक प्रतियोगिताओं के साथ आगे बढ़ा। इसमें अनेक विशेष प्रस्तुतियों को प्रस्तुत करने की योजना थी, लेकिन उस रात बिजली न होने से प्रस्तुतियाँ नहीं हो सकीं।

जैम का आयोजन लौज में किया गया, जिसमें लगभग 10 छात्रों ने भाग लिया।

इसके विजेता निम्नलिखित थे:

- पिनांक सोलंकी – विजेता
- फरहा अंजुम – द्वितीय विजेता
- ममता भागिया – तृतीय विजेता

इसके बाद दो टीमों में सामान्य प्रश्नावली का आयोजन ए5 भवन में किया गया। इस प्रश्नावली में कुल 14 छात्रों ने भाग लिया। तृतीय वर्ष का प्रियांश सक्सेना क्विज मास्टर था।

इसके विजेता निम्नलिखित थे:

- पिनांक और रघुनाथ (प्रथम वर्ष): विजेता
- रजनीश और अविनव (प्रथम वर्ष): द्वितीय विजेता
- राहुल और आयूष शर्मा (प्रथम वर्ष): तृतीय विजेता



चित्र साहित्यिक समारोह-2016

अन्तः छात्रावास साहित्यिक प्रतियोगिता

साहित्यिक समिति ने दिनांक 11 नवम्बर, 2016 से 16 नवम्बर, 2016 तक अन्तः छात्रावास साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें छात्रों के लिए अनेक विशेष आयोजन थे। दो प्रश्नावलियों में एक ऑनलाइन प्रतियोगिता, छात्रावास समूह चर्चा और एक स्पेल बी प्रतियोगिता थी। इसमें काफी छात्रों ने भाग लिया। प्रथम दिन छात्रावास के अनेक सामान्य कमरों में समूह चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 55 छात्रों ने भाग लिया। इसके अंतिम राउंड में बी.टैक. प्रथम वर्ष के छात्र, परम कश्यप प्रथम विजेता रहे, आयूष शर्मा और चिराग वशिष्ठ द्वितीय और तृतीय विजेता रहे।

अनेक रोचक प्रस्तुतियों में चलचित्र और टी.वी. कार्यक्रमों के विषय पर आधारित प्रश्नावली थी, जिसका आयोजन दिनांक 12 नवम्बर को किया गया। इसमें छात्रों की प्रतिक्रिया आश्चर्यजनक रही। इसमें 24 टीमों पंजीकृत थीं, जिनमें 50 से अधिक प्रतिभागी थे। मुख्य प्रश्नावली के लिए जाँच क्रम के बाद छः टीमों सफल हुईं। यह जबरदस्त प्रतियोगिता थी, जिसमें विजेता का निर्णय करने के लिए अतिरिक्त प्रश्न किये गये। इसकी प्रथम विजेता टीम में पी.एचडी. विद्वान् अभिनव और आकाश थे, जबकि द्वितीय टीम में बी.टैक. प्रथम वर्ष के छात्र, चिराग वशिष्ठ, अनिरुद्ध और दक्ष सागर थे। हमारे पास ऑन लाइन कविता प्रतियोगिता के लिए बहुत ही कम समय में 11 प्रस्तुतियाँ थीं। कविताओं की शैली में विविधता थी। तृतीय वर्ष के बी.टैक. छात्र वदलुशी विवेक ने अपनी कविता "फेवरेट बुक ऑफ ऑल टाइम" पर प्रथम स्थान जीता। पन्द्रह प्रतिभागियों में स्पेल बी प्रतियोगिता बहुत ही कड़ी थी, इसमें चतुर्थ वर्ष, बी. टैक. के छात्र फरहा अंजुम विजेता थी। खेलों पर आधारित अन्य प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 15 नवम्बर, को किया गया। इस विशेष आयोजन में लगभग 15 टीमों (40 से अधिक छात्र) ने भाग लिया। इस प्रश्नावली का प्रारूप नया था और प्रारंभिक प्रतिस्पर्धा के बाद चार टीमों अंतिम क्रम में पहुँची।

कुल मिलाकर, सम्पूर्ण प्रतियोगिता का विजेता पराशर छात्रावास रहा। नाको और सुवालसर छात्रावास द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे।



साहित्यिक प्रतियोगिता

साहित्यिक समारोह-2017

साहित्यिक समिति ने वार्षिक अन्तः महाविद्यालय साहित्यिक समारोह-2017 का आयोजन दिनांक 25 और 26 मार्च, 2017 को किया। यह समारोह छात्रावासों की सामान्य प्रतियोगिता (जीसी) में समाहित हो गया और जीसी में कुछ विशेष प्रस्तुतियाँ होने के कारण अधिक रोचक बन गया। 'भारतीय राजनीति में कट्टरवाद एक नया चेहरा' नामक विषय पर एक संसदीय बहस का आयोजन दिनांक 25 मार्च को किया गया। साहित्यिक समिति की परामर्शदाता, डॉ. देविका सेठी ने इस बहस का निर्णय लिया। इस बहस के विजेता नाको छात्रावास के सक्षम बाथला रहे, जबकि नाको के ही सागर घई द्वितीय स्थान पर रहे। ए1 एनकेएन में लगभग 10 बजे बीएफजी को चित्रपट पर दिखाया गया। समारोह के पहले दिन छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

दूसरे दिन 'स्पेल बी' का आयोजन किया गया, जिसके विजेता सुवालसर छात्रावास के फरहा अंजुम रहे। एक सामान्य मिक का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित जनता काफी उत्साहित थी। सांयकाल में एक सामान्य प्रश्नावली का आयोजन किया गया। इसके विजेता सुवालसर के रजनीश और विपिन थे। कुल 60 अंकों की प्रतियोगिता में नाको छात्रावास ने 33, जबकि

सुवालसर ने 21 और पराशर छात्रावास ने शेष 4 अंकों पर दावा किया। साहित्यिक समिति ने नये लेखों के साथ ब्लॉग को भी अद्यतन किया और आजकल इसके सदस्य विवान के अगले संपादन पर कार्य कर रहे हैं।

सांस्कृतिक समिति

उल्लास-2016

अन्तः महाविद्यालय सांस्कृतिक समारोह 'उल्लास' का आयोजन दिनांक 14 मई, 2016 को अपराह्न 6 से 10 बजे तक किया गया। इसमें नृत्य, संगीत, नाटक और आर्ट गीक्स क्लब ने विविध प्रस्तुतियाँ दीं। इस वर्ष गत वर्ष के समान प्रतिस्पर्धा नहीं हुई। यह विशेष कार्यक्रम 200 से अधिक छात्रों की प्रतिभागिता का साक्षी बना। इस वर्ष गत वर्ष की अपेक्षा प्रथम वर्ष के छात्रों ने अधिक संख्या में भाग लिया।



विशेष आयोजन की झलक

आकर्षण-2016, सांस्कृतिक क्लबों का विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम

सभी सांस्कृतिक क्लबों का विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम 'आकर्षण-2016' का आयोजन दिनांक 20 अगस्त, 2016 को अपराह्न 6 से 10 बजे तक किया गया। इस विशेष आयोजन में छात्रों ने उत्साह से भाग लिया एवं कार्यक्रम का आनन्द लिया। यह कार्यक्रम 320 से अधिक छात्रों की उपस्थिति का साक्षी बना।



विशेष आयोजन की झलक

कमान्द परिसर में जन्माष्टमी समारोह

भा.प्रौ.सं. मण्डी की परम्परा के भागस्वरूप कृष्ण जन्माष्टमी का समारोह छात्रों में बड़े उत्साह से मनाया गया। यह समारोह दिनांक 25 और 27 अगस्त, 2016 को मनाया गया। छात्राओं के लिए विशेष रूप से दिनांक 25 अगस्त, 2016 को डांडिया और ढोल का आयोजन किया गया, जिसमें कमान्द के बहुत से निवासियों ने भाग लिया। इस विशेष आयोजन में 250 से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह बी3 और बी4 के बीच मैदान में आयोजित किया गया। डी1 मैस लॉज में भी भजन, कीर्तन और आरती का आयोजन अपराह्न 11 बजे से 3.00 बजे तक किया गया। इसके अंत में



मटकी फोड़ प्रतियोगिता

प्रसाद बाँटा गया। इस समारोह में प्रथम वर्ष के छात्रों में अधिक उत्साह था। उन्होंने अधिक संख्या में भाग लिया और कृष्ण जन्म के प्रत्येक क्षण का आनन्द लिया। इस कार्यक्रम में कमान्द के 300 से अधिक निवासियों ने भाग लिया। दिनांक 27 अगस्त, 2016 को दही हाण्डी का आयोजन किया गया, जिसे आमतौर पर मटकी फोड़ के नाम से जाना जाता है।

मनाली में सेब की खेती के लिए फोटोग्राफी क्लब का दौरा

इस समैस्टर के दौरान फोटोग्राफी क्लब ने नग्गर और मनाली का अपना पहला दौरा 'सेब पौधारोपण में मनाली-राजा' के उद्देश्य से किया। छात्रों को उपर्युक्त उद्देश्य पर आधारित फोटो लेने थे।

फोटोग्राफरों को मनाली के पास सेब के बगीचे के चित्र लेने थे। उन्होंने वहाँ कुछ समय यह सीखने में व्यतीत किया कि सेब का पौधारोपण कैसे किया जाता है, किसानों को इस प्रक्रिया के दौरान किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, पौधारोपण को बचाने के लिए और अधिक पैदावार को बढ़ाने के लिए वे क्या करते हैं, बाजार और उद्योगों में उनका सामुदायिक नेटवर्क तथा इस पौधारोपण से वे औसत कितना लाभ प्राप्त करते हैं। किसानों ने कुछ उत्तम गुणवत्ता वाले सेब भी दिखाये। उसके पश्चात् फोटोग्राफर मनाली के हिडिम्बा मन्दिर गये। वहाँ उन्होंने प्राचीन अद्भुत वास्तुशिल्प देखा। उन्होंने मनाली में सेब व्यापार और अन्य सूखे फलों की अनेक दरें देखी। इसके पश्चात् वे नग्गर में नग्गर किला देखने गये। यह राजसी और आलीशान वास्तुशिल्प की उत्तम कृति थी।

यह सफर बहुत ही अच्छा रहा और सबने इसका आनन्द लिया। इस दौरे पर कुल 20 लोग गये थे, जिनमें से 19 छात्र और 1 प्राध्यापक थे।



कला उत्सव का सफलतापूर्वक आयोजित द्वितीय संपादन

आर्ट गीक्स द्वारा दिनांक 11 और 12 अक्टूबर, 2016 को विबग्गोर-16 का आयोजन किया गया। इसमें सभी छात्र, स्टाफ और प्राध्यापक चित्रकला, ओरिगेमी, स्कैच और अन्य विधाओं में भाग ले सकते थे। विबग्गोर का वार्षिक उत्सव भा.प्रौ.सं. मण्डी के लोगों को फुरसत के समय में उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए था।

इसके पश्चात् प्रतिभागियों को उनकी कठिन मेहनत दर्शाने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कमान्द परिसर में दीवाली समारोह

भा.प्रौ.सं. मण्डी की परम्परा के भाग स्वरूप दिनांक 30 अक्टूबर, 2016 को दीवाली का समारोह मनाया गया। पूरे परिसर को प्रकाश और मोमबत्तियों से सजाया गया। इसमें अनेक विशेष आयोजन किये गये, जिनमें से रंगोली प्रतियोगिता, पारम्परिक हिमाचली नृत्य (नाटी), लक्ष्मी और गणेश पूजा थे।

बी-3 और बी-4 छात्रावासों के बीच रंगोली प्रतियोगिता में 11 टीमों ने भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को पाँच पुरस्कार दिये गये। इनमें से विभिन्न वर्गों में तीन को प्रथम पुरस्कार और दो को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। रंगोली साथियों ने लक्ष्मी और गणेश पूजा की, जिसके अंत में विशेष प्रसाद वितरित किया गया। पेशेगत नृतकों ने नाटी की। इसमें सम्मिलित होकर छात्रों ने उनके कदमों का अनुसरण किया। सभी विशेष आयोजनों में लगभग 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। डी-1 मैस में बहुत से छात्रों ने भाग लिया।

श्रीमती कार्तिक द्वारा फोटोग्राफी कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. मण्डी के फोटोग्राफी क्लब 'शटरबग्स' ने अपनी दूसरी फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11 से 13 नवम्बर,

2016 तक किया। इसमें श्रीमती कार्तिक एस. गोन्सेल्वज विशेषज्ञ थी, जिन्होंने इस कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के दौरान दो सत्र आयोजित किये गये – टू हैंड्स ऑन टूअर और फोटोग्राफर द्वारा लिए गए फोटो का एक आलोचना सत्र।

पहला व्याख्यान “वहाँ रोशनी रहने दो” नामक था, जिसमें श्रीमती कार्तिकी ने फोटो में विभिन्न रोशनी का महत्त्व समझाया। उन्होंने यह भी दिखाया कि एक ही वस्तु पर विभिन्न कोणों से रोशनी डालने से वस्तु का सौन्दर्य कैसे बढ़ता है और नष्ट हो सकता है। दूसरा व्याख्यान “फ्रेम के भीतर” नामक था, जिसमें विशेषज्ञ ने विभिन्न उदाहरणों से बताया कि फ्रेम करने से सौन्दर्य में कैसे निखार आता है।

श्रीमती कार्तिकी के साथ प्रतिभागी शनिवार, दिनांक 12 नवम्बर, 2016 की दोपहर में ‘कटौला’ नामक एक छोटे, कम विकसित गाँव को गये। वहाँ उन्होंने पिछले दिन में सीखे गए कार्य को करने का प्रयास किया।

प्रतिभागी अगले दिन, दिनांक 13 नवम्बर 2016 की सुबह कटौला से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर दूरवर्ती गाँव को गये। फोटोग्राफरों ने फोटो खींचने के अतिरिक्त ग्रामीणों की जीवन शैली देखी और उनसे बातचीत भी की।

श्रीमती कार्तिकी ने उसी दिन प्रतिभागियों द्वारा खींचे गए सभी फोटो देखे और उन्हें बताया कि यह फोटो कैसे और अधिक बेहतर हो सकते थे। प्रतिभागियों ने इनको रचना, परिप्रेक्ष्य और रोशनी नामक तीन वर्गों में विभाजित किया।

उसी दिन प्रतिस्पर्धा के साथ आलोचना सत्र का आयोजन हुआ। इसमें कार्तिकी ने फोटो का निर्णय लिया और प्रत्येक फोटो पर अपने विचार दिये। प्रत्येक वर्ग के विजेताओं को पुरस्कार दिए। इस कार्यशाला के समापन अवसर पर भा.प्रौ.सं. मण्डी की ओर से विशेषज्ञ को उनके बहुमूल्य समय देने और जानकारी को साझा करने के लिए स्मृति चिह्न और पारम्परिक शॉल भेंट कर अपना आभार व्यक्त किया।



क्रिसमस समारोह—2016

ईसाई लोगों द्वारा उत्साह से मनाये जाने वाले त्योहारों में से क्रिसमस एक है और इसे विश्व भर के विभिन्न धर्मों और पृष्ठभूमि के लोगों द्वारा सर्वाधिक उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं, नृत्य करते हैं, केक खाते हैं और अधिकतर खुशी से, विनम्रतापूर्वक आने वाले रक्षक जेसस क्रिस्ट का गायन करते हैं।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में पुरातन परम्परा का निर्वाह करते हुए दिनांक 9 दिसम्बर, 2016 को ईसाई भजन का कार्यक्रम रखा था। प्राध्यापक, स्टाफ और छात्रों के समूह ने कुछ प्रसिद्ध ईसाई भजन गाये। परिसर के बच्चों ने अभिनय कर जेसस क्रिस्ट के जन्म को विनम्रतापूर्वक दर्शाया। इस समारोह में लगभग 150 बच्चों, प्राध्यापकों और स्टाफ ने भाग लिया।



ईसाई भजन

लोहड़ी का त्यौहार—2017

उत्तरी भारत में लोहड़ी का त्यौहार अत्यंत प्रसिद्ध है। यह मूल रूप से शस्योत्सव है। यह वर्ष के पहले महीने के मध्य (अर्थात् 13 जनवरी) पड़ता है। यह त्यौहार अक्सर भारतीयों द्वारा शस्य के लिए धन्यवाद देने के रूप में लगभग पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस त्यौहार में मित्र एक दूसरे को लोहड़ी की शुभकामनाएँ देते हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी में सुवालसर और नाको छात्रावास के मध्य लोहड़ी मनाई गई। पारम्परिक तरीके से लोहड़ी मनाने के लिए पंजाबी ढोल की व्यवस्था की गई। इस त्यौहार में उपस्थित लगभग 150 लोगों में छात्र, प्राध्यापक और कर्मचारी वर्ग था। इस विशेष आयोजन के दौरान पारम्परिक नाश्ता परोसा गया।



लोहड़ी का त्यौहार 2017

प्रा. मारकस फिडलर द्वारा फोटोग्राफी व्याख्यान

फोटोग्राफी और मूवी क्लब शटरबग्स ने प्रा. मारकस फिडलर के व्याख्यान का आयोजन दिनांक 15 फरवरी को किया। यह केवल क्लब के सदस्यों के लिए था। उन्होंने कैमरे, उपकरण, प्रभाव, सैटिंग और कैमरे के इतिहास की जानकारी ली।

इस व्याख्यान में लगभग 20 छात्र उपस्थित थे। प्रा. मारकस फिडलर ने अपने खींचे हुए अनेक फोटो दिखाये और बताया कि वे विभिन्न लैंजों की सहायता से किस प्रकार खींचे गए थे।

प्रा. मारकस फिडलर ने अच्छे फोटो आने के लिए कुछ सुझाव और तरकीब बताई। उन्होंने कैमरे और कांच के बारे में कुछ पुराने किस्से भी स्पष्ट किये। व्याख्यान का अंत व्यावहारिक सत्र से हुआ।



फोटोग्राफी पर प्रा. मारकस
फिडलर का व्याख्यान

संजय रॉय की कला कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. मण्डी की आर्ट गीक्स, कला समिति ने दिनांक 4 और 5 मार्च, 2017 को दो दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में नई दिल्ली के प्रसिद्ध कलाकार, संजय रॉय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। कार्यशाला का शुभारंभ एक शिक्षाप्रद चर्चा से हुआ। यह चर्चा विशेष कर वर्तमान परिदृश्य में, विश्व में कला के महत्त्व पर थी। इसके बाद कला के इतिहास को जाना और प्रभावशाली तरीके तथा व्यक्तित्व की चर्चा की गई। वहाँ उपस्थित लोगों ने दिन के दूसरे पहर में शिक्षक की सहायता से प्रत्यक्ष आरेखन और विस्तृत रेखाचित्रण किया। दूसरा दिन संयोजन पर केन्द्रित था। इस दिन का आरम्भ संयोजन के अभिन्यास की योजना और प्रदर्शन से हुआ। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले लोगों का अच्छा अनुभव रहा और इससे महाविद्यालय में सदाबहार उभरती कला संस्कृति को प्रोत्साहित करने में मदद मिली।



श्री संजय रॉय

कमान्द परिसर में युव्योम का द्वितीय आयोजन

भा.प्रौ.सं. मण्डी दिनांक 3 मार्च से 5 मार्च तक अपने दूसरे युवा उत्सव युव्योम का साक्षी बना। इसका आरम्भ शुक्रवार शाम को खुले में चलचित्र 'धमाल' को दिखाने से हुआ। छात्रों ने इसे तारों वाली रात में देखा। अगले दिन छात्रों का उत्साह पतंग उड़ाने और आनन्ददायक खेलों में देखने लायक था। आसमान कुछ ही क्षणों में रंगीन पतंगों से भर गया। उस समय यह रात संगीतमयी रही, सभी कलाकारों की वाहवाही कर रहे थे। उन्होंने मोहित दोभाल और सान्या सिंह के प्रदर्शन का आनन्द लिया। अगली सुबह और रोचक थी। हमने स्थानीय खेलें (कांच की गोली, बाजू खेल, कबड्डी) खेलीं। उसके बाद घातक जोबी विषय पर आधारित पार्टी हुई। सभी जोबी जैसी वेशभूषा में थे और नरक की तरह डरावने थे। युव्योम आलसी व्यक्तियों के लिए भी था। हमारे पास लेन खेल (सीएसजीओ, एफआईएफए, मिनी मिलिटिया) थे।

युव्योम में सभी लोगों की रूचि के अनुसार विशेष आयोजन रखे गये थे और यह बहुत बड़ी सफलता थी। लगभग 100 छात्रों ने लेन खेलों में भाग लिया और 250 से अधिक लोग जोबी पार्टी में उपस्थित थे। लगभग 200 लोगों ने कलाकारों का हौंसला बढ़ाया और लगभग 300 लोग मैदान में पतंग उड़ाने एवं आनन्दमय खेलें खेलने के लिए आये थे।

होली समारोह-2017

सम्पूर्ण भारतवर्ष में बड़े हर्षोल्लास से मनाये जाने वाले धार्मिक और रंगीन त्यौहारों में से होली एक है। यह त्यौहार भी भा.प्रौ.सं. मण्डी में प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष होली का त्यौहार दिनांक 13 मार्च, 2017 को मनाया गया।

जिमखाना के छात्रों ने होली को अधिक उल्लासमय एवं जीवंत बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किये। होलिका दहन का आयोजन पराशर छात्रावास के समीप आधे से अधिक बास्केटबॉल मैदान में अपराह्न 7:00 बजे से 8:30 बजे तक किया गया। सभी भोजनालयों में मिठाईयाँ वितरित की गईं। इस त्यौहार के लिए पंजाबी ढोल का प्रबन्ध किया गया। लगभग 200 कमान्द के निवासियों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

उसी स्थान पर पूर्वाह्न 9:00 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक रंगों के साथ खेले। इस समय आनन्द बनाये रखने के लिए गीत भी गाये। दोपहर के भोजन में मिठाईया दी गईं। आमोद-प्रमोद वाले विशेष आयोजन भी किये गये। लगभग 400 निवासी रंगों से खेलने के लिए आये। प्रीतिभोज में विशेष भोजन की व्यवस्था की गई।



होली समारोह में पंजाबी ढोल

देहाती व पहाड़ी लम्बी यात्रा

हंट क्लब ने दिनांक 11 सितम्बर, 2016 को समैस्टर की पहली स्थानीय यात्रा का आयोजन ग्रिफोन चोटी जाने के लिए किया। ग्रिफोन चोटी परिसर के समीप ही है, इसीलिए नव आगंतुक का ध्यान देहाती व पहाड़ी लम्बी यात्रा के लिए आकर्षित होता है। इस यात्रा के लिए अनेक छात्रों ने आवेदन किया, लेकिन केवल 30 लोगों को ही चुना गया। उस दिन केवल 30 लोग ही अपने आपको सर्दी से मुक्त कर सके। उनमें से 26 छात्र बी.टैक. के थे। इस यात्रा के लिए समूह ने कटिण्डी से पूर्वाह्न 10 बजे प्रस्थान किया और अपराह्न 12:30 बजे उनका आगमन हुआ।

शिकारी देवी यात्रा

सर्वप्रथम परिसर से दूर शिकारी देवी जाने के लिए दिनांक 29 अक्टूबर, 2016 को व्यवस्था की गई। यात्रियों ने दक्षिणी परिसर से अपनी यात्रा का प्रस्थान पूर्वाह्न 7:30 बजे किया और पूर्वाह्न 11:30 बजे रायनगढ़ पहुँचे, जहाँ उन्होंने दोपहर का भोजन/नाश्ता किया। इसके बाद शिकारी देवी मन्दिर के लिए यात्रा आरम्भ हुई। वे 6 कि.मी. से अधिक यात्रा मार्ग में कई बार ऊपर और नीचे चलते हुये अपराह्न 3:00 बजे शिकारी देवी के मन्दिर पहुँचे। यात्रा का अन्तिम भाग मन्दिर तक पहुँचने के लिए 600 पौड़ियां थीं। यात्रियों ने मन्दिर के आस-पास एक घण्टा व्यतीत किया और अपराह्न 4:00 बजे वापिस आने के लिए उतरना आरम्भ किया और वे अपराह्न 5:45 बजे रायनगढ़ पहुँचे। वहाँ उन्होंने नाश्ता किया और वापिस महाविद्यालय के लिए यात्रा की। वे परिसर में अपराह्न 10:00 बजे पहुँचे।



ऊपर का नज़ारा

जलोरी पास और सीरोलसर झील

भा.प्रौ.सं. मण्डी के यात्रियों ने दो दिन का दशहरा अवकाश अच्छे से व्यतीत किया। हंट क्लब ने समैस्टर के दौरान 2 दिन की जलोरी पास और सीरोलसर झील की यात्रा में पहली रात के ठहराव का प्रबन्ध किया। इस यात्रा में सभी वर्षों के 28 उम्मीदवार चुने गए थे। इस यात्रा के लिए अनेक उम्मीदवारों ने नाम दिया था, लेकिन तार्किक समस्याओं के कारण 28 लोगों का चयन उनकी पिछली यात्रा के रिकॉर्ड, नेतृत्व क्षमता, दल में कार्य करने की भावना इत्यादि के अनुसार किया गया। इस समूह ने कमान्द परिसर से सुबह 11 बजे यात्रा के लिए प्रस्थान किया और बस में 4 घण्टे की थकाने वाली यात्रा के बाद अपने गंतव्य स्थान पर पहुँचे। यात्रियों ने जलोरी पास के रास्ते में सुन्दर झरने के नीचे दोपहर का भोजन करने के लिए कुछ देर विश्राम किया। इस समूह ने जलोरी पास पहुँचने के बाद पुराने किले तक जाने के लिए 3 कि.मी. यात्रा की और शाम को अपने मूल शिविर के लिए वापिस हो गया। मूल शिविर में रात्रि का भोजन परोसा गया। उसके बाद यात्रियों ने कुछ समय सर्द रात्रि में आग के चारों ओर गाकर, नाच कर, बातचीत करते हुये बिताया और संजोने लायक समय का सृजन किया। उन्होंने एक दिन बहुत अधिक पैदल सफर चलकर, इतिहास जानने में और सर्वाधिक मिलजुलकर रहने में व्यतीत किया।



यात्री अगले दिन दिनांक 12 की सुबह नाश्ता करने के बाद सीरोलसर झील के लिए रवाना हुये, जोकि मूल शिविर से 4 कि.मी. की दूरी पर और 3300मी. की ऊँचाई पर है। कुल मिलाकर यात्रियों ने इस सुन्दर झील के दृश्य का आनन्द लिया, जोकि भा.प्रौ. सं. मण्डी के समीप पराशर झील से अधिक ऊँची है। यह दल दोपहर तक मूल शिविर को वापिस हो गया और इसने दोपहर का भोजन खाने के बाद महाविद्यालय जाने के लिए प्रस्थान किया।

छात्रावास

चन्द्रताल छात्रावास दिवस-2017

चन्द्रताल छात्रावास में पहली बार एक सप्ताह का छात्रावास समारोह दिनांक 1 मार्च से 7 मार्च, 2017 तक आयोजित किया गया। इस छात्रावास के छात्रों ने पोस्टर का प्रारूप, प्रक्रम प्रतियोगिता, बाल बनाने का तरीका, मेंहदी, गायन, टेबिल टेनिस, बैडमिंटन, भोजन बनाना, नाचना, मैड एड्ज, फैशन प्रदर्शन और बाजू खेल आयोजित किये। सभी आयोजनों में छात्राओं ने अधिक संख्या में भाग लिया। सभी आयोजन अन्दर आयोजित किये गये तथा प्राध्यापिकाओं और स्टाफ (महिला) ने इसका निर्णय लिया। इस समारोह के समापन अवसर पर दिनांक 7 मार्च को विशेष भोजन का प्रबन्ध किया गया। इन सभी आयोजनों में लगभग 70 छात्राओं ने भाग लिया और उन सभी ने मेपल भोजनालय में भोजन किया। विभिन्न विशेष आयोजनों के विजेताओं को महिला दिवस पर दिनांक 8 मार्च को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न दिये गये।



मेंहदी प्रतियोगिता, चन्द्रताल छात्रावास दिवस 2017

दशीर और रेणुका छात्रावास दिवस-2017

मण्डी परिसर में दशीर और रेणुका छात्रावास दिवस दिनांक 12 मार्च, 2017 को मनाया गया। इस दिन विभिन्न विशेष आयोजन किये गये। छात्रावास के अनुसंधान विद्वानों द्वारा “विज्ञान और नवोच्चार सम्मेलन” नामक प्रदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। छात्र और छात्राओं द्वारा विविध खेल (बैडमिंटन, टेबिल टेनिस और क्रिकेट) खेले गये। छात्रावास दिवस समारोह में लगभग 40-50 छात्र थे। इस समारोह में प्रा. टी.ए. गोन्सेल्वज़ (मुख्य अतिथि), डॉ. सुमन कल्याण पाल (डीन छात्र), डॉ. वरुण दत्त (मुख्य वार्डन), डॉ. सी.एस. यादव (दशीर छात्रावास के वार्डन) और श्री पाविन एस. सैम्यूल उपस्थित थे। छात्रावास दिवस पर सभी अतिथियों और दशीर एवं रेणुका छात्रावास के निवासियों के लिए विशेष प्रीतिभोज का प्रबन्ध किया था।



छात्रावास दिवस समारोह में दशीर और रेणुका छात्रावास के निवासी

उत्तरी परिसर छात्रावास दिवस

उत्तरी परिसर में ब्यास कुण्ड और गौरी कुण्ड छात्रावासों के लिए दिनांक 26 मार्च, 2017 को प्रथम छात्रावास दिवस का आयोजन किया गया। यह पूरा दिन छात्रावास निवासियों की गतिविधियों और विभिन्न भाव-विभोर करने वाले विशेष आयोजनों वाला था। इन विशेष आयोजित कार्यक्रमों के नाम निम्नलिखित हैं: 1. भोजन पकाना, 2. संगीत कुर्सियां, 3. पास द बॉल, 4. बैलून वारज, 5. मे आई स्पोर्ट यू, 6. डंब चारडेज, 7. कैच द बॉल, 8. हिट द बॉल, 9. टायर पास, 10. कैरी द बैलून, 11. लाईट इन 10, 12. डार्ट बोर्ड, 13. शूटिंग, 14. ब्लाइंड स्वेप, 15. रस्सा-कशी, 16. कागज़ नृत्य, 17. सैक रेस, 18. विशेष प्रीति भोज। समोसा, गोलगप्पे, फलों की चाट और मछली के पकौड़े के स्टॉल लगाये गये, जिन्हें कूपन के आधार पर बहुत ही कम दर पर बेचा गया।

इस विशेष आयोजन का आरम्भ पूर्वाह्न 10 बजे भोजन पकाने से हुआ। इसके बाद डार्ट खेल और शूटिंग हुई, जोकि पूरा दिन जारी रही। उसके बाद अपराह्न 12:00 बजे डंब चारडेज और प्रश्नोत्तरी प्रश्न आरम्भ हुये। दोपहर के भोजन के बाद अपराह्न 12:00 बजे विशेष आयोजन का आरम्भ 'मे आई स्पोर्ट यू और पास द बॉल' से हुआ। उसके बाद रस्सा-कशी की प्रतियोगिता हुई। अपराह्न लगभग 4:00 बजे कागज़ नृत्य आयोजित किया। उसके बाद संगीत संयंत्र पर नृत्य किया गया। रात्रि को उत्तरी परिसर में रहने वाले प्राध्यापकों, स्टाफ और छात्रों के लिए विशेष प्रीतिभोज और उसके पश्चात् सभी (प्राध्यापकों, स्टाफ और छात्रों) के लिए संगीत कुर्सियों का प्रबन्ध था। सभी लोग बहुत आनन्दित थे। बाद में जीतने वालों को पुरस्कार दिये गये। अधिकतर पुरस्कारों में चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक्स, टॉफियां, पैन जैसी उपभोग्य वस्तुएँ और कुछ लेखन सामग्री थी। इसी दिन समारोह का समापन हुआ।



छात्रावास दिवस पर ब्यास कुण्ड और गौरी कुण्ड छात्रावासों के निवासी नाश्ता करते हुये

अन्य गतिविधियाँ

एक्सोडिया

भा.प्रौ.सं. मण्डी में साँस्कृतिक और तकनीकी उत्सव का आयोजन दिनांक 8 से 10 अप्रैल, 2016 तक किया जा रहा है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी अपने पाँचवें वार्षिक तकनीकी साँस्कृतिक उत्सव 'एक्सोडिया-16' को मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। आज दिनांक 8 अप्रैल (शुक्रवार) को एक्सोडिया-16 का आरम्भ है और दिनांक 10 अप्रैल की रात को इसका समापन होगा। इस प्रकार के विशेष तकनीकी कार्यक्रम अन्वेषणशील मन का ध्यान उनके विज्ञान और तकनीकी ज्ञान का उपयोग दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान करने के लिए आकर्षित करते हैं। विशेष साँस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमियों और क्षेत्रों से सम्बन्ध रखने वाले लोगों के विचारों की रूपरेखा और संस्कृति को दर्शाते हैं।

अध्यापक दिवस समारोह

अध्यापक ज्ञान, समृद्धि और शिक्षा प्रदान करने का बहुत बड़ा स्रोत है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति सम्पूर्ण जीवन के लिए लाभान्वित होता है। भा.प्रौ.सं. मण्डी समुदाय के छात्र हमारे अध्यापकों के दृढ़ निश्चय, कठिन मेहनत और प्रतिबद्धता के कारण से भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए और अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता की भावना से एकत्रित हुये। अध्यापक दिवस बड़े पैमाने पर और औपचारिक रूप से दिनांक 5 सितम्बर, 2016 को मनाया गया।

इस विशेष कार्यक्रम का आरम्भ प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज के सम्बोधन से हुआ। उन्होंने अपने छात्र जीवन के कुछ अनुभव बताये। उसके बाद नव आगंतुकों द्वारा उत्साही संगीत का प्रदर्शन हुआ। अध्यापक दिवस समारोह बिना ज्ञान पाये कुछ अधूरा है। इस कमी को पूरा करने के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्रथम प्राध्यापक, डॉ. अनिरुद्ध ने "अमेजिंग वर्ल्ड ऑफ क्वांटम मकैनिक्स" प्रस्तुत किया।

डॉ. पूर्णसिंह ने प्राध्यापकों की ओर से प्रदर्शन में मंत्रमुग्ध करने वाला पारम्परिक संगीत प्रस्तुत किया। प्राध्यापकों का मनोरंजन करने के लिए और अधिक रोचकता लाने के लिए एक निराले खेल 'पर्ची अनुमान' का आयोजन किया गया। अन्य दमदार प्रदर्शन छात्रों द्वारा अपने नायक की प्रशंसा करना था। इसके बाद एमेरिटस प्राध्यापक, रमेश ओरुगंटी ने अपना अनुभव साँझा किया। अंत में शैक्षणिक मामले के सचिव, श्री पवन मुक्कर ने धन्यवाद भाषण दिया और प्राध्यापकों को उनके कार्यों की सराहना के लिए स्मृति चिह्न दिये।

चाय के साथ नाश्ता और स्वादिष्ट स्नैक्स भी दिये गये। भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्र जिमखाना टीम की ओर से यह यह सफल आयोजन एक शुरुआत थी, जिसमें प्रा. रमेश ओरुगंटी और डॉ. देविका सेठी समन्वयक थे।



विशेष आयोजन की झलक

कमान्द परिसर में नव आगंतुक प्रीतिभोज समारोह

आगमन 2K16 भव्य स्वागत समारोह का आयोजन, छात्र जिमखाना और छात्रावास मामला पैनल का सामूहिक प्रयास था। द्वितीय वर्ष के छात्रों का योगदान विषयों के अतिरिक्त भी अविस्मरणीय था। टेनिस मैदान में दिनांक 10 सितम्बर, 2016 को आगमन समारोह मनाया गया। इसमें 150 द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ 250 नव आगंतुक उपस्थित थे। केवल निकटतम वरिष्ठ ही आमंत्रित थे। नव आगंतुक छात्रों के लिए उनकी रुचि के अनुसार, रैम्प चालन, अकेले नृत्य प्रदर्शन, चेहरा बंद कर नृत्य, जोड़े में नृत्य, चिट गेम और बहुत से अन्य कार्यक्रम भी किये गये। नव आगंतुक छात्रों ने लगभग सभी कार्यक्रमों में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया और अच्छा प्रदर्शन किया। सभी प्रस्तुतियाँ प्राध्यापक और स्टाफ की उपस्थिति में प्रस्तुत की गईं। प्रदर्शन के आधार पर 35 पुरस्कार भी दिये गये।



स्वागत पार्टी

नव वर्ष समारोह-2017

नव वर्ष समारोह का आयोजन दिनांक 31 दिसम्बर, 2016 की शाम को सीडार भोजनालय में आयोजित किया गया। सीडार भोजनालय को अच्छी तरह से सजाया गया और सभी प्रतिभागियों के लिए चाय व नाश्ता परोसा गया। समारोह का शुभारम्भ केक काटने से किया गया और इसके बाद नृत्य का सत्र था। नव वर्ष समारोह को अधिक मनोरंजक मनाने के लिए अनेक उत्तेजित करने वाली प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं। इस समारोह में मुख्य रूप से पीएच.डी. के छात्र उपस्थित थे। लगभग 150 लोग समारोह में उपस्थित रहे।



कमान्द परिसर में

उत्तरी परिसर में महाशिवरात्रि समारोह

हिमाचल प्रदेश के प्रमुख त्यौहारों में से महाशिवरात्रि एक है, जिसका आयोजन दिनांक 24 फरवरी, 2017 को बहुत उत्साह के साथ किया गया। भा.प्रौ.सं. मण्डी की परम्परा के भागस्वरूप छात्रों के प्रदर्शन से पूजा का आयोजन किया गया।

पूजा उत्तरी परिसर में आयोजित की गई। इसके लिए उत्तरी परिसर से लगभग 100 छात्र और प्राध्यापक तथा कुछ दक्षिणी परिसर से एकत्रित हुये। छात्रों द्वारा पूजा अनुष्ठान किया गया और बाद में आरती और दिव्य प्रसाद वितरित किया गया। भा.प्रौ.सं. मण्डी के सभी चार भोजनालयों में विशेष मिठाईयाँ वितरित की गईं।

अनुसंधान मामला समिति

अनुसंधान मेला-2017

भा.प्रौ.सं. मण्डी दिनांक 4 मार्च, 2017 को अपने चौथे वार्षिक अनुसंधान मेले का साक्षी बना। इसके अंतर्गत पूर्व वर्ष में हमारे संस्थान में अभियांत्रिकी, संगणन, विज्ञान और मानविकी के विशेष क्षैतिज में किये गये सभी अन्वेषण और संचित अनुसंधान भी शामिल किया गया। यह विशेष कार्यक्रम युवा अनुसंधानकर्ताओं को उनके अनुसंधान सलाहकारों के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चुनौतिपूर्ण तरीके से अपने शैक्षिक कौशल पर कल्पना और विचार-विमर्श करने का अवसर देता है, ताकि वे इस क्षेत्र में खोज और नवोचार कार्यान्वित करें। यह विशेष कार्यक्रम विज्ञान की परस्पर जानकारी और जुनून को साझा करने के लिए वैज्ञानिक विविधता की थाली के रूप में, अपने प्रतिभाशाली भागीदारों के लिए स्थान प्रदान करता है।

इस विशेष कार्यक्रम का आरम्भ निदेशक, तिमोथी ए. गोन्सेल्वज के भाषण से हुआ। वे उपस्थित उत्पाद से अत्यधिक प्रेरित थे, जो अनुसंधानकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक था। उन्होंने संसार की अधिकतम जटिल समस्याओं को सुलझाने के लिए "अन्तः विषयक तथ्य: महत्त्वपूर्ण दृष्टिकोण" को प्रोत्साहित किया।

उनके भाषण के बाद प्रा. रमेश ओरुगंटी ने अनुसंधान को केवल उपाधि के लिए न बताकर इसे विद्वानों को व्यवसाय के रूप में लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित किया। उनका वक्तव्य अनुसंधान के प्रति समर्पण और उत्तम सफलता के लिए उच्च नव उत्पाद विचारों के माध्यम से उत्कृष्टता की पराकाष्ठा पर केन्द्रित था।

डॉ. वेंकटा कृष्णन ने अपने समापन भाषण में सभी छात्रों के लिए सामूहिक अपनेपन की भावना को आत्मसात् करते हुये कहा कि यह किसी अकेले के प्रयास का नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों का परिणाम है और इसीलिए जीवन की प्रत्येक स्थिति में एक प्रभावशाली नेटवर्क बनाने के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, आधार विज्ञान स्कूल, अभियांत्रिकी स्कूल और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल के छात्रों ने बिम्ब प्रक्रम, द्रव गतिकी, अतिसूक्ष्म यौगिकों, वीएलएसआई रूपांकन और निर्माण, अर्थशास्त्र इत्यादि जैसे विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में एकत्रित होकर सामान्य प्लेटफॉर्म पर 'मौखिक और विज्ञापन प्रस्तुति' नामक दो विशेष कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए काम किया। 21 छात्रों ने मौखिक प्रस्तुति और 75 छात्रों ने विज्ञापन प्रस्तुति में भाग लिया।

प्राध्यापक नरेन्द्र करमाकर, एक सुप्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ जिन्होंने प्रसिद्ध इंटीरियर बिन्दु विधि की खोज की, ने छात्रों को उनके अनुसंधान कार्य प्रस्तुत करने पर महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। निदेशक ने अजय भारद्वाज, अनुसंधान सचिव और उनकी टीम की अथक प्रयासों के लिए अत्यधिक सराहना की। इस अनुसंधान मेले का उद्देश्य तब तक प्रगति करना है जब तक यह तारकीय आयाम प्राप्त नहीं कर लेता और अंततः एक प्रधान अनुसंधान सम्मेलन में परिवर्तित नहीं हो जाता।



विशेष कार्यक्रम की झलक

व्यवसाय एवं स्थानन कक्ष

व्यवसाय एवं स्थानन कक्ष ने वर्ष भर (दिनांक 1 अप्रैल, 2016 से मार्च 2017 तक) निम्नलिखित परामर्श सत्रों का आयोजन किया:

1. भा.प्रौ.सं. मण्डी के परिसर में दिनांक 24 मार्च, 2017 को क्वांट वित्त कार्यशाला की शुरुआत की गई। इस कार्यशाला को करने का उद्देश्य विलक्षण वित्त के इच्छुक छात्रों को प्रेरित करने के लिए, चर्चा करना और उन्हें क्वांट वित्त अधिगम दृष्टिकोण की जानकारी देना था। कार्यशाला में परिमाण वित्त क्षेत्र और विश्लेषणात्मक उपकरणों की झलक दिखलाई जो आपके अपने प्रगामी मॉडलों (अल्फाजों) का निर्माण शुरू करने में मदद करेंगे। इस कार्यशाला में बेहतर क्वांट मॉडल शिल्प की दृढ़ नींव रखी गई। इस कार्यशाला में वास्तविक वित्तीय डेटा के उपयोग से सैद्धान्तिक और व्यावहारिक अभ्यास शामिल था और परिमाणात्मक वित्त के बुनियादी ज्ञान की शिक्षा दी, जिसका सम्बन्ध वित्त की समस्याओं का समाधान करने के लिए गणित विधियों के अनुप्रयोग से है।

वक्ता: अतुल कुमार, वरिष्ठ परिमाणात्मक अनुसंधानकर्ता –परिमाणात्मक जगत्

2. प्राध्यापक बृंगिदेव ने बी.टैक. छात्रों के लिए दिनांक 4 मार्च, 2017 से दिनांक 5 मार्च, 2017 तक साक्षात्कार कौशल कार्यशाला का आयोजन किया।

3. व्यवसाय एवं स्थानन कक्ष ने उच्च शिक्षा के अभिलाषी छात्रों के लिए ज्ञान धन के सहयोग से दिनांक 3 मार्च, 2017 को सत्रों का आयोजन किया। सत्र का ध्येय लोन और छात्रवृत्तियों के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त करना और प्रवेश की प्रक्रिया से अवगत रहना भी था।

4. लुसिडियस कम्पनी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए दिनांक 25 फरवरी, 2017 को विभिन्न सूचना प्रतिभूति मंच का आयोजन किया।

अतिथि व्याख्यान का विषय: साईबर सुरक्षा में उभरती विधियाँ। नैतिक हैकिंग जगत् में अद्यतन जानकारी। आपके द्वारा वैब एप्लीकेशन की पहुँच कैसे सुरक्षित है? क्या आपकी ई-मेल हैक करने के योग्य चपेट में हैं। अपने डिजिटल स्थान को सुरक्षित करें।

5. एआईईएसईसी का परिचय*

छात्रों को गैर सरकारी संगठन, एआईईएसईसी का परिचय देने के लिए आईईएसईसी (www.aiesec.in) के अधिकारियों द्वारा दिनांक 12 नवम्बर, 2016 को विचार-विमर्श के सत्र का आयोजन किया गया। यह संगठन विश्व भर के विविध क्षेत्रों में शैक्षिक/तकनीकी और सामाजिक अनिवार्य प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

6. भा.प्रौ.सं. मण्डी में जीडी और पीआई मूल्यांकन पर दिनांक 13 अक्टूबर, 2016 और 14 अक्टूबर, 2016 को कुशल व्यावसायिक प्रशिक्षण पर परामर्श सत्र का आयोजन किया गया।

छात्रों को निम्नलिखित मानकों पर प्रशिक्षित किया गया:

- अंग्रेजी भाषा सम्प्रेषण कौशल
- दिया गया विषय समझना
- जीडी को व्यवस्थित करने का कौशल
- सतर्कता से सुनने की योग्यता

- टीम भावना
- समय प्रबन्धन
- अन्य लोगों से शालीनतापूर्वक असहमत होना
- नेतृत्व कौशल
- आवाज़ का लहज़ा
- भाषण की दर

7. भूतपूर्व छात्र सम्बन्ध

यह भा.प्रौ.सं. मण्डी के उन भूतपूर्व छात्रों के साथ अंशकालिक और परस्पर संवादात्मक स्काईप सत्र (30 मिनट) था जो विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं / कर चुके हैं। उन्होंने अपना अनुभव छात्रों के साथ सांझा किया और उन्हें सुझाव दिये। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। इन सत्रों का आयोजन दिनांक 26 और 28 अगस्त के बीच किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से 12 भूतपूर्व छात्रों ने भाग लिया।

8. भा.प्रौ.सं. कानपुर के प्राध्यापक मुरलीधर ने दिनांक 28 मई, 2016 को व्यवसाय मार्गदर्शन पर वार्ता का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया। प्राध्यापक मुरलीधर द्रव और ऊष्मा विज्ञान के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् हैं। वर्तमान में वे भा.प्रौ.सं. कानपुर के यांत्रिकी विभाग में प्राध्यापक (एचएजी) के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अनेक प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवा दी है, जैसे कि डीन, अनुसंधान और विकास, एचओडी, अध्यक्ष गेट, जीएमईटी, जेएएम आदि।... उन्होंने अनेक पुस्तकें, लेख और पेटेंट लिखे हैं।

9. फ्रांस परिसर द्वारा दिनांक 25 मई, 2016 को सूचना सत्र का आयोजन किया गया। फ्रेंच कम्पनी का उद्देश्य फ्रांस में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना है। यह कम्पनी परस्पर संवाद और सूचना सत्र के लिए दिनांक 25 मई को भा.प्रौ.सं. मण्डी में आई। इसका उद्देश्य अधिकतर शिक्षा अवसरों और फ्रेंच सरकार द्वारा चलायी जा रही अनेक छात्रवृत्तियों तथा सहयोगात्मक पहलों की जानकारी प्रदान करना था। यह सत्र उन छात्रों के लिए बहुत ही लाभदायक था जो यूरोप में, विशेषकर फ्रांस में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक थे।

10. टीयू स्टूटगार्ट और भा.प्रौ.सं. मद्रास के प्रसिद्ध प्राध्यापकों के साथ मिलकर दिनांक 26 अप्रैल, 2016 को सिविल अभियांत्रिकी छात्रों के लिए परस्पर संवादात्मक सत्र का आयोजन किया।

11. प्राध्यापक प्रबीर कुमार बासुधर की दिनांक 8 अप्रैल, 2016 को वार्ता: प्राध्यापक बासुधर का नागरिक अभियांत्रिकी में शिक्षण, अनुसंधान और परामर्श का 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वह नागरिक अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. कानपुर में प्राध्यापक (अगस्त 1991–2012) रह चुके हैं।

12. प्रा. शैलेश आर. गान्धी की दिनांक 5 अप्रैल, 2016 को अनुसंधान और कार्य पर प्रेरक वार्ता: डॉ. गान्धी सन् 1982 से 1990 तक समुद्र अभियांत्रिकी विभाग में और सन् 1990 के बाद नागरिक अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास में प्राध्यापक रह चुके हैं।

13. डॉ. सुमन चक्रवर्ती ने दिनांक 01 अप्रैल, 2016 को कैरियर परामर्श सत्र का आयोजन किया। वह आजकल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, भारत के प्राध्यापक और भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के अध्यक्ष, प्राध्यापक हैं। उन्हें वर्ष 2013 में शान्ति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें एएसएमई के सदस्य, भारतीय विज्ञान अकादमी (एफएएससी) के सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के सदस्य (एफएनई) के रूप में चुना गया है। वे भारत-अमेरिका अनुसंधान की सदस्यता के प्राप्त कर्ता रहे हैं। उन्हें वैज्ञानिक/तकनीकी पत्रिकाओं में उत्कृष्टता के लिए स्कोप्स युवा वैज्ञानिक पुरस्कार तथा विज्ञान और अभियांत्रिकी के विभिन्न शिक्षा संस्थानों ने युवा वैज्ञानिक/युवा अभियांत्रिक पुरस्कारों से सम्मानित किया है। वे एलेक्जेंडर वोन हम्बोल्ट फेलो और स्टैण्डफोर्ड विश्वविद्यालय में अभ्यागत प्राध्यापक भी हैं। उनके 300 से अधिक पत्रिका प्रकाशन हैं।

भूतपूर्व छात्र मामले

चतुर्थ स्नातक प्रीतिभोज

इस वर्ष उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्र-बैचों के लिए शुक्रवार, दिनांक 20 को भा.प्रौ.सं. मण्डी के कमान्द परिसर में चतुर्थ स्नातक प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। यह वर्ष अधिक विशेष है, क्योंकि सर्वप्रथम एमएससी और एम.टैक. बैच उत्तीर्ण हो रहे हैं। उत्तीर्ण होने वाले 143 छात्रों में से 115 नियमित बी.टैक., 10 पीएच.डी., 5 एम.एस, 10 एम.एससी. और 3 एम.टैक. के छात्र हैं। इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ समूह चित्र से हुआ, जिसमें सभी बैचों के छात्र, सभी विषयों के प्राध्यापक, संकायाध्यक्ष और निदेशक एवं प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज उपस्थित थे। इसके पश्चात् सम्बन्धित अनुभागों के प्राध्यापक परामर्शदाताओं ने भाषण दिये। डॉ. सुमन कल्याण पाल, डीन छात्र ने सभी उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के लिए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रत्येक छात्र से आगामी समय में संस्थान के साथ अंत तक सम्बन्ध बनाये रखने के लिए कहा। भाषण के बाद 4 छात्रों ने भा.प्रौ.सं. मण्डी के अपने अनुभव बताये। स्मृति बहुत हास्यप्रद और कुछ अश्रुपूर्ण बनी, लेकिन सभी छात्र परिसर में बिताये गये वर्षों को एक बार फिर से जीना चाहते थे।

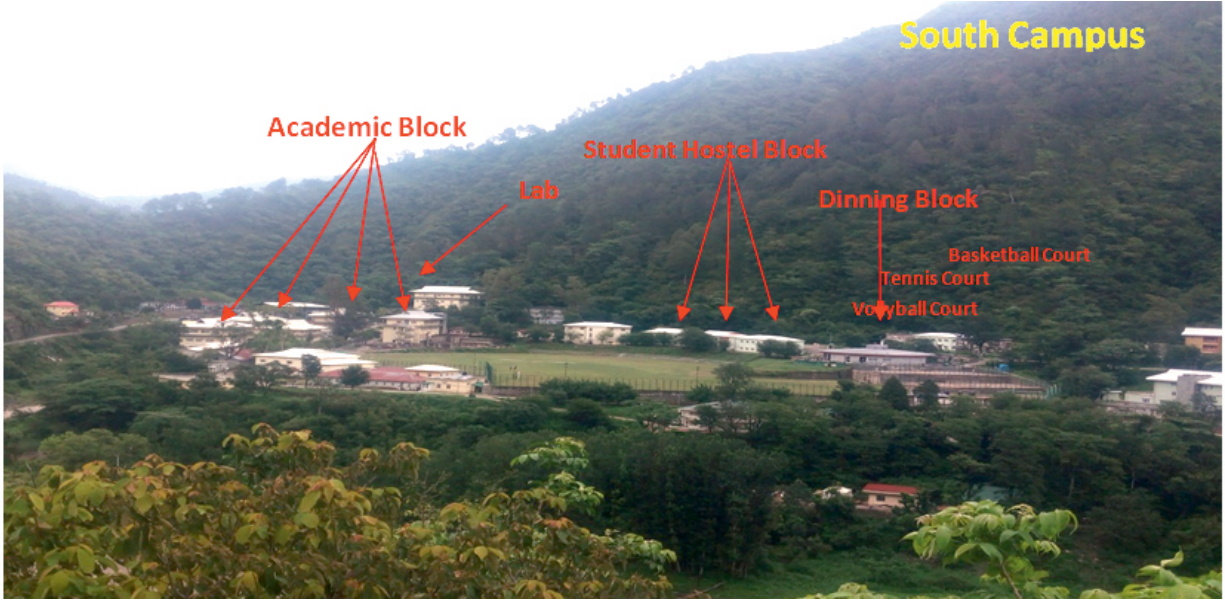
अंततः निदेशक, प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने सभी उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को बधाई दी और प्रत्येक छात्र को समाज की समस्याओं का समाधान करने के लिए अपनी ओर से सहायता करने का स्मरण रखने के लिए कहा। इस विशेष सांय का समापन सभी उपस्थित लोगों के लिये परोसे गये स्वादिष्ट प्रीतिभोज के साथ हुआ।



कमान्द में हमारर स्थायी परिसर

भा.प्रौ.सं. मण्डी, दक्षिणी परिसर में स्थायी परिसर का निर्माण अप्रैल 2012 से आरम्भ हुआ। इस समय दक्षिण परिसर में पाँच शैक्षिक खण्ड, ग्यारह छात्रावास, भोजन करने के लिए दो खण्ड और सात प्राध्यापक आवासीय खण्ड, प्रयोगशालाओं के अतिरिक्त खेल सुविधाएँ, जिनमें क्रिकेट, फुटबॉल मैदान, टेनिस, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन मैदान और कर्मचारी वर्ग के लिए मनोरंजन केन्द्र शामिल है।

दक्षिणी परिसर में कुल 37,500 वर्ग मीटर निर्मित है।



उत्तरी परिसर में 1400 छात्रों के लिए आवास भवन और प्राध्यापकों के लिए 138 3बीएचके फ्लेट बनाने की योजना थी। इन भवनों का कुल क्षेत्रफल 65,926 वर्गमीटर है और यह कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है। दो छात्रावास खण्ड, तीन प्राध्यापक आवासीय खण्ड जिनमें 18 3बीएचके फ्लेट तैयार हो चुके हैं और उत्तरी परिसर में लगभग 150 एमएस/पीएच.डी. छात्र स्थानांतरित हो चुके हैं। शेष भवनों का निर्माण कार्य वर्ष 2017-18 में पूर्ण होने की सम्भावना है।



उत्तरी परिसर

उपर्युक्त शैक्षिक खण्ड निर्माण के अतिरिक्त, उत्तरी परिसर में ग्रामीण क्षेत्र के 60,504 वर्ग मीटर (अतिथि गृह, जिम, अस्पताल और सभागार भवन) का कार्य एनबीसीसी को सौंपा गया है। यह कार्य प्रगति पर है और मार्च, 2018 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

उपर्युक्त स्टॉफ आवासीय खण्ड में 12 दो बीएचके प्लेट, सामुदायिक केन्द्र और स्कूल भवन हैं, जिसका कार्य एनबीसीसी ने भूमि खण्ड -1 में पूरा किया गया है और अब वह कार्यपरक है।





अभिशासक मण्डल

अध्यक्ष (दिनांक 02/01/2017 से) (पदेन)
श्री सुबोध भार्गवा
टाटा कम्युनिकेशन्स लिमिटेड के भूतपूर्व अध्यक्ष
विल्ला 69, द पाम स्प्रिंग्स
गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-54
गुडगाँव-122002, हरियाणा

सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोनसेल्वज
अध्यक्ष प्रमारी (दिनांक 04/03/2016 से 01/01/2017)
एवं निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
मण्डी-175001 (हि.प्र.)

मुख्य सचिव/सचिव (तकनीकी शिक्षा)
हिमाचल प्रदेश सरकार
शिमला-171002

मुख्य सचिव/सचिव (एचई)
जम्मू एवं कश्मीर सरकार
श्रीनगर-190001

प्राध्यापक एस.सी. सहस्राबुधे
पूर्व निदेशक
धिरूभाई अम्बानी सूचना एवम् संचार
तकनीकी संस्थान (डीएआईआईसीटी)
गान्धी नगर - 382007

प्राध्यापक (श्रीमती) बासाबी भौमिक
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
हॉज खास, नई दिल्ली-110016
नई दिल्ली-110025

श्री सतीश के. कौरा
सीएमडी, सेमटेल ग्रुप,
शष्ठ मंजिल, 7 टीडीआई सेंटर
ज़िला सेंटर, जसोला

प्राध्यापक सुब्रता रे
विशिष्ट आगन्तुक प्राध्यापक
अभियांत्रिकी स्कूल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
मण्डी- 175005 (हि.प्र.)

श्री राज पी. खिलनानी
भूतपूर्व डीजी, भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो
1001, सेल्लो नाइटी विंड चाइम्स
उंडेरी, पुणे-411060

डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन
सहयोगी प्राध्यापक
आधार विज्ञान स्कूल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
ज़िला मण्डी-175005 (हि.प्र.)

सचिव
श्री मोहम्मद शकील
ओएसडी एवं कुल सचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
ज़िला मण्डी-175005 (हि.प्र.)

*इस वर्ष अभिशासक मण्डल की बैठकें दिनांक 22.08.2016, 10.10.2016 तथा 27.02.2017 को आयोजित हुईं।

वित्त समिति

अध्यक्ष (दिनांक 02/01/2017 से) पदेन

श्री सुबोध भार्गवा

भूतपूर्व अध्यक्ष, टाटा कम्युनिकेशन्स लिमिटेड
विल्ला 69, द पाम सिप्रिंग्स
गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-54
गुडगाँव-122002, हरियाणा

सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

अध्यक्ष प्रमारी (दिनांक 04/03/2016 से 01/01/2017)

एवं निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
ज़िला मण्डी-175001 (हि.प्र.)

वित्त सलाहकार

एम.एच.आर.डी.
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-110001

प्राध्यापक पी. श्रीराम

प्राध्यापक एवं मुख्य
अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
चेन्नई-600036

सचिव

श्री मोहम्मद शकील
कुलसचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
मण्डी-175005 (हि.प्र.)

ब्यूरो मुख्य (तकनीकी शिक्षा),

अतिरिक्त सचिव (एच.ई.)
एमएचआरडी,
शास्त्री भवन
नई दिल्ली-110016

प्राध्यापक एस.सी. सहस्राबुधे

पूर्व निदेशक
धिरूभाई अम्बानी सूचना एवम् संचार
प्रौद्योगिकी (डीएआईआईसीटी)
6 बी, अंजनेय, ओरकार्ड एवेन्यु
समीप हीरा नन्दनी स्कूल
पोवेड़, मुम्बई-400076

डीन (वित्त एवं लेखा) (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
मण्डी-175005 (हि.प्र.)

*इस वर्ष वित्त समिति की बैठकों का आयोजन दिनांक 22/08/2016, 27/02/2017 को किया गया।

भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष (पदेन)

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द-175005 (हि.प्र.)

सदस्य

प्राध्यापक आर.एल. शर्मा

उप कुलपति

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय

हमीरपुर (हि.प्र.)

श्री के.एन. राय

भूतपूर्व मुख्य अधिशाषी

नागरिक कार्य, डीआरडीओ

सी-4, 4112

वसन्त कुंज, नई दिल्ली

प्राध्यापक एस. आर. गान्धी

निदेशक

सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय तकनीकी

संस्थान

सुरत, गुजरात-395007

सचिव

श्री मोहम्मद शकील

ओएसडी एवं कुलसचिव (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द-175005, (हि.प्र.)

डीन (अवसंरचना एवं सेवाएँ) (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

मण्डी-175005, हिमाचल प्रदेश

अभियंता उद्यान उक्खल

उप महा प्रबन्धक

हि.प्र. पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड

बीबीएमबी कोलोनी, सुन्दरनगर -174402

प्राध्यापक सुनील आर.काले

प्राध्यापक

यान्त्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

नई दिल्ली-110026

संस्थान अभियंता (पदेन)

अधीक्षण अभियंता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द परिसर, गाँव व डाकखाना कमान्द

ज़िला मण्डी-175005 (हि.प्र.)

* इस वर्ष भवन तथा कार्य समिति की बैठकें दिनांक 05.04.16, 12.08.2016 और 06.02.2017 को आयोजित की गईं।

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष

प्राध्यापक टी.ए. गोन्सेल्वज, निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)

संस्थान के सदस्य

- प्रा. बी.डी. चौधरी, प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (शैक्षिक), एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- प्रा. रमेश ओरुगंति, ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक, एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- प्रा. केन्थ ई. गोन्सेल्वज, सुप्रसिद्ध अभ्यागत प्राध्यापक, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. भरत एस. राजपुरोहित, सहायक प्राध्यापक, एवं संकायाध्यक्ष (प्राध्यापक) (दिनांक 01.04.2016 से दिनांक 21.03.2017 तक), एससीईई भा.प्रौ.सं. मण्डी
- प्रा. दीपक खेमानी, प्राध्यापक (प्रतिनियुक्ति पर) एवं संकायाध्यक्ष (प्राध्यापक) (दिनांक 22.03.2017), एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. सुमन कल्याण पाल, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (छात्र), एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. सुब्रता घोष, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (अवसंरचना एवं सेवाएँ), एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (स्त्रिक), एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. विशाल सिंह चौहान, सहायक प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा) प्रभारी, एसई भा.प्रौ.सं. मण्डी
- प्रा. बी. सुब्रमण्यन, अभ्यागत प्राध्यापक, एसएचएसएस भा.प्रौ.सं. मण्डी
- प्रा. सुब्रता रे, सुप्रसिद्ध अभ्यागत प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- प्रा. भवेन्द्र पाल शर्मा, संयुक्त प्राध्यापक, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. अनिल के. साव, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष (दिनांक 01.04.2016 से 21.03.2017 तक), एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष (दिनांक 01.04.2016 से दिनांक 21.03.2017 तक), एससीईई भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. प्रसांथ जोस, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. राजीव कुमार, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. राजेश्वरी दत्त, सहायक प्राध्यापिका एवं अध्यक्ष, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. वेंकटा कृष्णन, सह समन्वयक, एएमआरसी, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा, सह समन्वयक, बायो एक्स सेंटर, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. सतिन्द्र के. शर्मा, सह समन्वयक, सी4डीएफईडी, भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. प्रदीप परमेश्वरन, सहायक संकायाध्यक्ष (पाठ्यक्रम), भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. वेंकटा कृष्णन, सह समन्वयक, (अनुसंधान), भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. समर अग्निहोत्री, सहायक संकायाध्यक्ष (स्त्रिक), भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. वरुण दत्त, सहायक संकायाध्यक्ष (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध), भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा, सहायक संकायाध्यक्ष (भर्ती), भा.प्रौ.सं. मण्डी
- डॉ. विशाल सिंह चौहान, सहायक संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा), भा.प्रौ.सं. मण्डी
- श्री नरेश सिंह भण्डारी, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. मण्डी

- डॉ. एस्ट्रिड किह, अध्यक्ष, पुस्तकालय सलाहकार समिति (एलएसी), भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. वरुण दत्त, चीफ वार्डन, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. अर्नव भावसार विनायक (एसएपी सलाहकार), भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. दिलीप ए.डी. (सीआईजी-सीएसई), भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. धीरज वी. पाटिल (सीआईजी-एमई), भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. दीपक स्वामी (सीआईजी-सीई), भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. राहुल वैश, सहायक प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन, सहायक प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. कौस्तव सरकार, सहायक प्राध्यापक, एसई, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. मनोज ठाकुर, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. देविका सेठी, सहायक प्राध्यापिका, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
डॉ. सुमन सिग्रोहा, सहायक प्राध्यापिका, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री मोहम्मद शकील, सचिव, ओएसडी एवं कुलसचिव (पदेन), भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री अजय, छात्र अनुसंधान मामला सचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री रवि कुमार, छात्र महासचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी
श्री पवन मुक्कर, शैक्षिक मामले के सचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी

बाहरी सदस्य

प्रा. सुनील आर. काले
प्राध्यापक
यांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रा.एन. सथ्यमूर्थी
पूर्व निदेशक एवं प्राध्यापक
रसायन विज्ञान
आईआईएसईआर मोहाली

प्रा. रोविना रोबिन्सन
प्राध्यापक, एसएचएसएस, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे

* इस वर्ष प्रबन्ध समिति की बैठकें दिनांक 11.05.2016, 29.06.2016, 07.10.2016 और दिनांक 02.03.2017 को हुई थीं।

दिनांक 31.03.2017 तक शैक्षिक कर्मचारी

निदेशक

प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक

संकायाध्यक्ष

प्राध्यापक बी.डी. चौधरी

संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

प्रा. दीपक खेमानी

संकायाध्यक्ष (प्राध्यापक) (दिनांक 22.03.2017)

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

संकायाध्यक्ष (प्राध्यापक) (दिनांक 01.04.2016 से 21.03.2017 तक)

डॉ. सुब्रता घोष

संकायाध्यक्ष (अवसंरचना एवं सेवाएँ)

सहायक संकायाध्यक्ष

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन

सहायक संकायाध्यक्ष (पाठ्यक्रम)

डॉ. विशाल सिंह चौहान

सहायक संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा)

डॉ. समर अग्निहोत्री

सहायक संकायाध्यक्ष (स्रिक)

अध्यक्ष

डॉ. अनिल साव

(दिनांक 01.04.2016 से 21.03.2017 तक)

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

(दिनांक 22.03.2017 से)

संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. प्रसांथ पी. जोस

आधार विज्ञान स्कूल

डॉ. विशाल सिंह चौहान

संकायाध्यक्ष (वित्त एवं लेखा) प्रभारी

डॉ. सुमन कल्याण पाल

संकायाध्यक्ष (छात्र)

डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल

संकायाध्यक्ष (स्रिक)

डॉ. वरुण दत्त

सहायक संकायाध्यक्ष (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध)

डॉ. वेंकटा कृष्णन

सहायक संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा

सहायक संकायाध्यक्ष (भर्ती)

डॉ. राजीव कुमार

अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. राजेश्वरी दत्त

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

दिनांक 31.03.2017 तक प्रशासनिक कर्मचारी

श्री मोहम्मद शकील
ओएसडी एवं कुलसचिव

श्री नरेश सिंह भण्डारी
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री सी.एल. भार्मा
सहायक कुलसचिव (लेखा परीक्षा एवं लेखा)

श्री विवेक तिवारी
सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)

डॉ. चन्द्र सिंह
चिकित्सा अधिकारी

डॉ. नेहा सूद
चिकित्सा अधिकारी

सुधीर कुमार गुरंग
सुरक्षा अधिकारी

अभियंता सुनील कपूर
अधीक्षण अभियंता

श्री जे. आर. शर्मा
वित्त एवं लेखा अधिकारी

श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला
सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

श्री परमिन्दर जीत गिल्ल
सहायक कुलसचिव (भण्डारण व क्रय)

कर्मल देवांग नायक
प्रबन्धक (अवसंरचना एवं सेवाएँ)

डॉ. शिव नाथ झा
प्रधान चिकित्सा अधिकारी

दिनांक 31/03/2017 तक नियमित कर्मचारियों की सूची

क्रमांक 'क' वर्ग	नाम	पदनाम
1	श्री नरेश सिंह भण्डारी	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
2	श्री सुरेश रोहिल्ला	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
3	श्री विवेक तिवारी	सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
4	श्री परमिन्दर जीत	सहायक कुलसचिव (भण्डारण व क्रय)
5	डॉ. चन्द्र सिंह	चिकित्सा अधिकारी
'ख' वर्ग		
6	श्रीमती मोनिका कश्यप	अधीक्षक
7	श्री विनोद कुमार	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
8	श्री आशीष कुमार अहिरवाल	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
9	अभियंता नीरज चौहान	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
10	डॉ. खुशी राम भगत	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
11	श्री चन्दन शर्मा	कनिष्ठ पर्यवेक्षक
12	श्री अभिजीत तिवारी	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
13	श्री अनुज कुमार दूबे	कुलसचिव के निजी सहायक
14	श्री सुधीर कुमार गुरंग	सुरक्षा अधिकारी

15	श्री पुनीत कुमार	सहायक अभियंता (नागरिक)
16	श्रीमती सोनाली मल्होत्रा	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
'ग' वर्ग		
17	श्री रमेश कुमार	वरिष्ठ लेखाकार
18	श्रीमती सुचेतना शचि	कनिष्ठ सहायक
19	श्रीमती सुषमा कुमारी	आशुलिपिक
20	श्री सुनील	कनिष्ठ सहायक
21	श्री सुशील कुमार पाल	कनिष्ठ सहायक
22	श्री अमित शर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
23	श्री ललित कुमार	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
24	श्री पवन कुमार	कनिष्ठ लेखाकार
25	श्री अंकुश कपिल	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
26	श्री आदित्य	कनिष्ठ सहायक
27	श्री प्रकाश सिंह नेगी	कनिष्ठ सहायक
28	श्री सुजीत स्वामी	कनिष्ठ सहायक
29	श्री देश राज	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
30	श्री दिनेश ठाकुर	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
31	श्री तरुण वर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
32	श्री मनोज कुमार	कनिष्ठ परिचारक

दिनांक 31/03/2017 तक अनुबंध कर्मचारियों (समेकित वेतन पर) की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	श्री जे. आर. शर्मा	वित्त एवं लेखा अधिकारी
2.	श्री सी.एल. शर्मा	सहायक कुलसचिव (लेखा परीक्षा एवं लेखा)
3.	अभि. अनिल कुमार जैन	वरिष्ठ सलाहकार (अंश कालिक)
4.	डॉ. नेहा सूद	चिकित्सा अधिकारी
5.	डॉ. शिव नाथ झा	प्रधान खेल अधिकारी
6.	कर्नल देवांग नायक	प्रबन्धक (अवसंरचना एवं सेवाएँ)
7.	श्री कौल सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
8.	श्री आर.एस. राघव	तकनीकी पर्यवेक्षक
9.	श्रीमती लिषमा आनन्द	परामर्शदाता
10.	श्री मन्धीर बालि	जेई (सिविल)
11.	श्री विकास कुमार चौधरी	ईई (सिविल)
12.	श्रीमती डबलिना मुखर्जी	हरित परामर्शदाता
13.	श्रीमती ज्योति सिंह	जीवन एवं स्थानन अधीक्षक

14.	श्रीमती सुष्मिता पट्टनायक	वैब-विषयक प्रदाता
15.	श्री ओम शंकर द्विवेदी	उप प्रबन्धक (कार्यालय स्वचालन)
16.	श्री दौलत राम	क्षेत्रीय पर्यवेक्षक
17.	श्री पाविन सैम्यूल	उप प्रशासक

दिनांक 31/03/2017 तक प्रतिनियुक्त/विदेश सेवा कर्मचारियों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	श्री मोहम्मद शकील	ओएसडी एवं कुलसचिव
2.	अभि. सुनील कपूर	अधीक्षक अभियंता
3.	श्री हेमन्त कुमार	आई (विद्युत)

छात्र नेतृत्व 2016-17

रवि कुमार	महासचिव
नितेश बंसीवाल	सांस्कृतिक सचिव
लवदीप सिंह	खेल सचिव
गोपाल कृष्ण अग्रवाल	तकनीकी सचिव
सक्षम बाथला	साहित्यिक सचिव
दीपक कुमार	छात्रावास मामले सचिव
पवन मुक्कर गुप्ता	शैक्षिक सचिव
अजय	अनुसंधान सचिव

वर्ष 2016-17 के दौरान प्रवेशित छात्र

पी.एच.डी. छात्र-2016 बैच

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	डी16001	पूजा सांख्यायान	एसएचएसएस
2	डी16002	मोहम्मद फेज़न	एसएचएसएस
3	डी16003	सोनाल गुप्ता	एसएचएसएस
4	डी16004	श्वेता करमाकर	एससीईई
5	डी16005	अविनाश कुमार	एससीईई
6	डी16006	अर्शदीप सिंह	एससीईई
7	डी16007	मोहम्मद गुलाम मोइनुद्दीन	एससीईई
8	डी16008	प्रियंका काज़ल	एसई
9	डी16009	अदिति जांगिद	एसबीएस
10	डी16010	काज़ल	एसबीएस
11	डी16011	ललिता शर्मा	एसबीएस
12	डी16012	हरप्रीत कौर	एसबीएस
13	डी16013	प्रियामधा शर्मा के.आर.	एसबीएस

14	डी16014	नेहा ठाकुर	एसबीएस
15	डी16016	आशीष कुमार	एसबीएस
16	डी16017	अजय कुमार	एसबीएस
17	डी16018	चन्द्रकान्त जोशी	एसबीएस
18	डी16019	अंकुर कुमार	एसबीएस
19	डी16020	मनीश लिंगवान	एसबीएस
20	डी16021	निशित्थ मोहन	एसबीएस
21	डी16022	अमरजीत हाटी	एसबीएस
22	डी16024	विपिन कुमार	एसबीएस
23	डी16025	विकास कुमार	एसबीएस
24	डी16026	राखी यादव	एसबीएस
25	डी16027	अवंतिका सिंह	एससीईई
26	डी16028	गावस अमित कुमार सत्यवान	एसई
27	डी16029	सतिश कुमार	एसई
28	डी16030	कोराकुटि हनुमांथु	एसई
29	डी16031	स्नेहा दास	एसई
30	डी16032	वीरा वेंकटा नागराजु	एसई
31	डी16033	अजय कुमार	एसई
32	डी16034	सौरभ यादव	एसई
33	डी16035	एमडी ज़ाहिद	एसई
34	डी16036	उत्तम सिंह	एसएचएसएस
35	डी16037	दीक्षा गम्भीर	एसबीएस
36	डी16038	ऋतुपोर्न गोगोई	एसबीएस
37	डी16039	बुल्टि परमाणिक	एसबीएस
38	डी16040	नीलेश यादव	एससीईई
39	डी16041	मनोज कुमार यादव	एससीईई
40	डी16042	कुमार सम्भव पाण्डे	एससीईई
41	डी16043	राहुल मिश्रा	एससीईई
42	डी16044	रणजीत झा	एससीईई
43	डी16045	शैलजा शर्मा	एसबीएस
44	डी16046	दीपु कुमार	एसबीएस
45	डी16047	संतु नन्दी	एसबीएस
46	डी16048	बालाजी आर.	एसबीएस
47	डी16049	चेथना	एसबीएस
48	डी16050	सोनिया	एसबीएस
49	डी16051	आयूषी नन्दा	एससीईई

50	डी16052	शिखा मरवाहा	एससीईई
51	डी16053	गौरव अरोड़ा	एसई
52	डी16054	दिक्षिता नाथ	एसई
53	डी16055	भूषेन्द्रा कुमार शुक्ला	एसई
54	डी16056	तृप्ति छाबरा	एसई
55	डी16057	दिव्या वर्मा	एसई
56	डी16058	मनोज कुमार सिंह	एसई
57	डी16059	विनय शर्मा	एसई
58	डी16060	प्रेम सिंह	एसबीएस
59	डी16061	सुरभी डोगरा	एसबीएस
60	डी16062	अंकिता सरकार	एसबीएस
61	डी16063	रंजीत सिंह	एसबीएस
62	डी16064	त्रिवेन्द्र कुमार	एसबीएस
63	डी16065	रजनीश कश्यप	एसबीएस
64	डी16066	दिनेश कुमार बी	एससीईई
65	डी16067	रावडा भास्कारा राओ	एससीईई
66	डी16068	निशा कुमारी	एसबीएस
67	डी16069	अभिनव चौबे	एसबीएस
68	डी16070	कौंडलिक भगवान गाधेव	एसबीएस
69	डी16071	मिदाथला योगेश	एसबीएस
70	डी16072	पुष्पेन्द्र मणि मिश्रा	एसबीएस
71	डी16073	शौनक रॉय	एसबीएस
72	डी16074	भारत मंचिकोडि	एसबीएस
73	डी16075	पी. विनीथ डेनियल	एसबीएस
74	डी16076	ईशा झा	एसएचएसएस
75	डी16077	सुशील कुमार	एसएचएसएस
76	डी16078	नीरज कुमार सिंह	एसबीएस
77	डी16079	पूनम ज्योति	एसबीएस
78	डी16080	राजीव राय	एसबीएस
79	डी16081	अर्पित भारद्वाज	एसबीएस
80	डी16082	रिमनप्रीत	एसबीएस
81	डी16083	पार्थ सारथी नायक	एसई
82	डी16084	सौरभ गर्ग	एसबीएस

एम.एस (अनुसंधान द्वारा) छात्र

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1.	एस16001	कृष्णा	एससीईई
2.	एस16002	बोधयान नन्दी	एससीईई
3.	एस16003	शरे दीप गुलेरिया	एसई
4.	एस16006	गौरव शर्मा	एसई
5.	एस16007	दक्ष थापर	एससीईई
6.	एस16008	बिन्दु शरण	एससीईई
7.	एस16009	नयन पुंधीर	एसई
8.	एस16010	शिवारथी अशोक कुमार	एसई
9.	एस16011	अनिरुद्ध सिंह	एसई
10.	एस16012	देबादत्ता दाश	एससीईई
11.	एस16013	रागिनी सिन्हा	एससीईई
12.	एस16014	स्नेहल सेटी	एससीईई

बी.टैक. छात्र –2016 बैच

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी16001	आशीष कुमार	सीएसई
2	बी16002	अभिनन्दन	सीएसई
3	बी16003	अभिनव दिक्षित	सीएसई
4	बी16004	एजे लधा	सीएसई
5	बी16005	अखिलेश देवारी	सीएसई
6	बी16006	अकुल गुप्ता	सीएसई
7	बी16007	अमन खण्डेलवाल	सीएसई
8	बी16008	अमन रोहिल्ला	सीएसई
9	बी16009	अमित राजेन	सीएसई
10	बी16010	अग्नेन्द्र सिंह	सीएसई
11	बी 16011	अनन्त मिश्रा	सीएसई
12	बी 16012	अंशुल गुप्ता	सीएसई
13	बी16013	अनुभव चौधरी	सीएसई
14	बी16014	आशुतोष जमादारी	सीएसई
15	बी16015	भारत लोधी	सीएसई
16	बी16016	भाव्य भट्ट	सीएसई
17	बी16017	ध्रुवदीप बासुमंत्री	सीएसई

18	बी16018	दिलिप कुमार चौहान	सीएसई
19	बी16019	हेमन्त कुमार	सीएसई
20	बी16020	कर्ण कालरा	सीएसई
21	बी16021	कौस्तभ वर्मा	सीएसई
22	बी16022	नवीन कुमार चौहान	सीएसई
23	बी16023	निखिल गुप्ता	सीएसई
24	बी16024	नीरज यादव	सीएसई
25	बी16025	प्रशान्त शेखर गुप्ता	सीएसई
26	बी16026	प्रत्युश गौरव	सीएसई
27	बी16027	प्रियांशु खण्डेलवाल	सीएसई
28	बी16028	रोहित कौशल	सीएसई
29	बी16029	हरिशीकेश सागर	सीएसई
30	बी16030	सजल बोरिस	सीएसई
31	बी16031	सम्मर्थ कप्से	सीएसई
32	बी16032	हरुशिकेश सुदाम सरोडी	सीएसई
33	बी16033	सार्थक शेखावत	सीएसई
34	बी16034	शाश्वत गर्ग	सीएसई
35	बी16035	शुभम चौधरी	सीएसई
36	बी16036	सुजीथ रंगनाथ नेल्लयुटा	सीएसई
37	बी16037	सुर्याशी विरेन्द्र सिंह	सीएसई
38	बी16038	सिलविया मित्तल	सीएसई
39	बी16039	विनायक कुथियाला	सीएसई
40	बी16040	विशाल आनन्द	सीएसई
41	बी16041	विष्णु प्रिया ज़िन्दल	सीएसई

विद्युत अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी16042	अग्रवाल परेश किशनलाल	ईई
2	बी16043	अजय कुमावत	ईई
3	बी16044	अमन जैन	ईई
4	बी16045	आनन्द कुमार	ईई
5	बी16046	अनुराग मोर्य	ईई
6	बी16047	अर्पित बत्रा	ईई
7	बी16048	आशीष कुमार मीना	ईई
8	बी16049	अविनाश कुमार आर्यन	ईई
9	बी16050	भवेश कुमार	ईई
10	बी16051	चाहक गोदरा	ईई

11	बी16052	दक्ष सागर	ईई
12	बी16054	दीपक जरवाल	ईई
13	बी16055	देवाशीष सिंह	ईई
14	बी16056	गगनदीप टोमर	ईई
15	बी16057	गौरव कुमार	ईई
16	बी16058	कदारू सहिठ	ईई
17	बी16059	कोका राजेश	ईई
18	बी16060	लक्ष्य अरोड़ा	ईई
19	बी16061	लोकेश कुमार	ईई
20	बी16062	एम अमुधान	ईई
21	बी16063	मनिश शर्मा	ईई
22	बी16064	मोहम्मद नदीम	ईई
23	बी16065	नवनीत शर्मा	ईई
24	बी16066	निखिल टीआर	ईई
25	बी16067	पलक गुप्ता	ईई
26	बी16068	पीयूष	ईई
27	बी16069	प्रभाकर प्रसाद	ईई
28	बी16070	पुरवेश छाजेद	ईई
29	बी16071	रचित माहेश्वरी	ईई
30	बी16072	राजन बजाज	ईई
31	बी16073	रक्षित मट्टा	ईई
32	बी16074	रक्षित राज	ईई
33	बी16075	रोहन अग्रवाल	ईई
34	बी16076	शशि मोहन	ईई
35	बी16077	शिवम वर्मा	ईई
36	बी16078	सिरासाला वेंकट राम	ईई
37	बी16079	सोनाली जग्रवाल	ईई
38	बी16080	तिरूपति मिश्रा	ईई
39	बी16081	वेदांत अग्रवाल	ईई

सिविल अभियांत्रिकी

क्रमोंक	अनुक्रमोंक	छात्र का नाम	विभाग
1	बी16121	अभय कुमार	सीई
2	बी16122	अजय कुमार	सीई
3	बी16124	आनन्द रामरख्यानी	सीई
4	बी16125	अंकित कुमार	सीई
5	बी16126	आशुतोष कुमार	सीई

6	बी16127	आयूष मेघवानी	सीई
7	बी16128	भानू सिंह	सीई
8	बी16129	चिराग सिंह	सीई
9	बी16130	गौरव मीना	सीई
10	बी16131	हरदीप मालिक	सीई
11	बी16132	हर्ष गर्ग	सीई
12	बी16133	मोहित गोनियाल	सीई
13	बी16134	निधिका कडेला	सीई
14	बी16135	निलेश तिवारी	सीई
15	बी16136	नियूष कथेरिया	सीई
16	बी16137	परिमल कुमार	सीई
17	बी16138	राम लखन	सीई
18	बी16139	रंधीर कुमार	सीई
19	बी16140	ऋजुल	सीई
20	बी 16141	रॉकी वर्मा	सीई
21	बी16142	रोहित कुमार	सीई
22	बी16143	सौरभ कुमार	सीई
23	बी16144	शिशिर आस्थना	सीई
24	बी16145	श्रेयाज बापत	सीई
25	बी16146	शुभम कुमार	सीई
26	बी16147	सिद्धार्थ सिंह	सीई
27	बी16148	सुरेन्द्र कुमार	सीई
28	बी16149	विजय कुमार	सीई
29	बी16150	विशाल मेहर	सीई
30	बी16151	योगेश मीरवाल	सीई

एमएससी. (रसायन शास्त्र)

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	वी16001	शुभम मिश्रा
2	वी16002	यामिनी शर्मा
3	वी16003	मेविज़िकानन. वी
4	वी16004	अनुज जैन
5	वी16005	शिवेन्द्र सिंह
6	वी16006	अनिता कुमारी
7	वी16007	प्राची भाटिया
8	वी16008	नितिका आर्य
9	वी16009	अश्वनि कुमार

10	वी16010	कमलदीप
11	वी16011	आंचल
12	वी16012	निशांत धीमान
13	वी16013	पूजा देवी
14	वी16014	स्वाति सिवाच
15	वी16015	वर्णिका
16	वी16016	कुश कौशिक
17	वी16017	सोहरब सिंह ग्रेवाल
18	वी16018	कमलेश कुमार
19	वी16019	अंजलि वार्ष्णेय
20	वी16020	रोहित
21	वी16021	दीपा ठाकुर
22	वी16022	सोनिका
23	वी16023	अनु
24	वी16024	राकेश कुमार
25	वी16025	मोनिका अहलावत
26	वी16026	प्रियंका
27	वी16027	रिचा
28	वी16028	अब्दुल सलाम

एम.एससी. (गणित)

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	वी16041	हिमानी
2	वी16042	अंजलि
3	वी16043	सृष्टि
4	वी16044	गरिमा दाहिया
5	वी16045	भीष्म देव वर्मा
6	वी16046	भूमिका शर्मा
7	वी16047	शुभम खांसिली
8	वी16048	मोहनीश पी.
9	वी16049	नरेन्द्र
10	वी16050	नरेश कुमार
11	वी16051	हर्ष

एम.टैक. (ऊर्जा अभियांत्रिकी / यांत्रिकी अभियांत्रिकी)

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी16001	आयूषी मिश्रा
2	टी16002	आशुतोष रेंजन देव
3	टी16003	अभिषेक आनन्द

4	टी16004	आकाश कुमार
5	टी16005	अखलेश शर्मा

एम.टैक. (वीएलएसआई में विद्युत अभियांत्रिकी)

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी16041	इन्दु कुमारी
2	टी16042	सुमित कुमार पाण्डे
3	टी16043	पुनीत अरोड़ा
4	टी16044	पूजा बंसल
5	टी16046	प्रतीक कुमार सोंकर
6	टी16047	बनावथ राजु नायक
7	टी16048	अलवेन्द्र सिंह
8	टी16049	अभिजीत साहू
9	टी16050	शिवेन्द्र कुमार राठौर

एम.टैक. (जैव प्रौद्योगिकी)

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	टी16071	ज्योत्सना प्रियम
2	टी16072	अंतरा मुखोपाध्याय
3	टी16073	दिव्या धासमना
4	टी16074	रूपतनु बनर्जी
5	टी16075	अंकुर सिंह
6	टी16076	सोम दत्त
7	टी16077	कामातम वेंकटा कोटि
8	टी16078	निलेश कुमार दिक्षित

संकलित (भौतिक विज्ञान)

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
1	डीआई1601	शीतल देवी
2	डीआई1602	शेक रसीद
3	डीआई1603	अंतिक सिही
4	डीआई1605	योगेश
5	डीआई1606	मोहित खन्ना